सच, सिर्फ सच

वॉयस ऑफ लखनऊ

मंगलवार, 09 सितम्बर , 2025 लखनऊ, महानगर, वर्ष 20, अंक 244, पेज 16, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 76 अंकों की उछाल

वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच शेयर बाजार सेंसेक्स 76 अंक की बढ़त के साथ 80,787 .30 अंक पर बंद हुआ। } 14

चुनौतियों को अवसर में बदलने की जरूरत : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत को वैश्विक व्यापार चुनौतियों को नए अवसरों में बदलने के लिए अपनी असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाना चाहिए। } 16

आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने आधार को दस्तावेज के रूप में शामिल करने का दिया निर्देश

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करे।

फिलहाल, बिहार में एसआईआर के लिए 11 निर्धारित दस्तावेज हैं जिन्हें मतदाताओं को अपने प्रपत्रों के साथ जमा करना होगा। हालांकि, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा और आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता द्वारा प्रस्तुत आधार कार्ड संख्या की वास्तविकता का पता लगा सकता है।

न्यायालय ने कहा कि कोई भी नहीं चाहता कि निर्वाचन आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि केवल वास्तविक नागरिकों को ही मतदान करने की अनुमति हो और जाली दस्तावेजों के आधार पर वास्तविक होने का दावा करने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए। पीठ ने निर्वाचन आयोग को पहचान के प्रमाण के रूप में आधार को स्वीकार करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा। शीर्ष अदालत ने मतदाताओं से आधार कार्ड स्वीकार नहीं करने के लिए निर्वाचन अधिकारियों को जारी कि, गए कारण बताओ नोटिस पर भी आयोग से स्पष्टीकरण मांगा। आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी कि मसौदा मतदाता सूची में शामिल 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.6 प्रतिशत ने दस्तावेज जमा कर दिए हैं और याचिकाकर्ताओं द्वारा आधार को ...शेष पृष्ठ 14 पर

सीएम योगी ने बाढ़ग्रस्त राज्यों के लिए भेजी राहत सामग्री

समय पर किये गये प्रावधानों के चलते बाढ़ आपदा से बचा है यूपी

विशेष/जिला संवाददाता

लखनऊ/सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहारनपुर से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बाढ़ प्रभावित नागरिकों के लिए राहत सामग्री से लदे 48 ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सरोवर पोर्टिको, अंबाला रोड पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि राहत सामग्री मानवीय संवेदना की महत्वपूर्ण कड़ी है। संकट की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता इन तीनों राज्यों के अपने बहन-भाइयों के साथ खड़ी है। इस दौरान सीएम योगी ने इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को पांच-पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि भी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से राहत सामग्री के रूप में उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब के नागरिकों के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चल रहे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन का जिक्र करते हुए कहा कि विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं, साथ ही आपदा से निपटने के लिए सरकार के प्रयास अत्यंत प्रभावी साबित हो रहे हैं। एनडीआरएफ, आपदा मित्र और स्थानीय पुलिस जैसी संस्थाएं सक्रिय होकर राहत कार्य में अपनी भूमिका निभाती हैं। सीएम योगी ने कहा कि जब समाज और ...शेष पृष्ठ 14 पर

एक परिवार के लोग पैसा लेकर करते थे भर्ती : सीएम

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2016 समेत पहले की भर्ती प्रक्रियाओं पर निशाना साधा। कहा कि हमें कई भर्तियों को सीबीआई को देना पड़ा था। एक व्यक्ति आठ-आठ जगह नाम लिखाकर पैसा लिए जा रहा था, जब जांच हुई तब पता चला। यह एक परिवार के वही लोग हैं, जो पैसा लेकर भर्ती करते थे और यूपी की जनता को लूटते थे। अभी भी जांच चल रही है। समय पर जांच हो जाएगी तो महाभारत के बहुत रिश्ते बाकी का जीवन जेल में बिताने को मजबूर होंगे। उनके कारनामे यूपी को विकास की बुलंदियों को छूने की बजाय गर्त की ओर धकेल रहे थे। इन लोगों ने यूपी को बीमारू बना दिया। इससे पहचान का संकट हो गया। नौजवान को नौकरी नहीं, बेटी ...शेष पृष्ठ 14 पर

संक्षेप

मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, दो जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और दो सैनिक शहीद हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुडार वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाए जाने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा जम्मू कश्मीर पुलिस को खुफिया सूचना मिलने के बाद भारतीय सेना, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कुलगाम के गुडार जंगल में संयुक्त तलाश अभियान चलाया। पोस्ट में कहा गया कि सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और आतंकवादियों को ललकारा, जिसपर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

28 आईपीएस अफसरों का हुआ तबादला

लखनऊ। यूपी में सोमवार की शांम बड़े स्तर पर आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिये गये। इनमें कई डीजी और एडीजी स्तर के अधिकारी हैं। कुल 28 अफसरों को इधर से उधर किया गया है। मुरादाबाद में ही डॉ भीमराव अम्बेडकर पुलिस अकादमी में पुलिस महानिदेशक/अपर पुलिस महानिदेशक राजीव सभरवाल को पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं आईजीआरएस, उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पुलिस महानिदेशक, अपर पुलिस महानिदेशक डॉ भीमराव अम्बेडकर पुलिस अकादमी, मुरादाबाद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ए सतीश गणेश को लंबे समय बाद दोबारा लखनऊ लाया गया है। वह अभी तक पीटीसीएस मुरादाबाद में अपर ...शेष पृष्ठ 14 पर

नेपाल में हिंसा, 22 मरे, गृहमंत्री का इस्तीफा

○ काठमांडू समेत कई शहरों में तोड़फोड़ व आगजनी ○ एहतियात के तौर पर लगाया कर्फ्यू ○ भारत के सीमावर्ती इलाकों में बढ़ी चौकसी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में राजधानी काठमांडू और कुछ अन्य इलाकों में सोमवार को युवाओं ने हिंसक प्रदर्शन किया, जिसके दौरान कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने काठमांडू और देश के अन्य शहरों में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं भारत ने हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और विशेष सतर्कता बरती जा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यूपी के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत जिलों की सीमा नेपाल से लगती है, जहां सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस सुरक्षा निगरानी करती हैं। इनमें कई जिलों के नागरिकों ने बताया कि नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगने से दोनों तरफ लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बलरामपुर जिले में नेपाल में जारी आंदोलन को देखते हुए सीमा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उधर से आने जाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

काठमांडू में हालात को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों को सेना को तैनात करना पड़ा। काठमांडू में जेन ज़ी के बैनर तले स्कूली छात्रों समेत हजारों युवा संसद भवन के सामने इकट्ठा हुए और प्रतिबंध को तुरंत हटाने की मांग करते हुए सरकार विरोधी नारे लगाए। नेपाली मीडिया के अनुसार इस हिंसक प्रदर्शन में 14 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, मौतों की आधिकारिक संख्या के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवाओं का प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब कुछ प्रदर्शनकारी संसद परिसर में घुस गए, जिसके बाद पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियों का इस्तेमाल करना पड़ा। अस्पताल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए हिमालयन टाइम्स अखबार ने बताया कि काठमांडू में हुए प्रदर्शन में 14 लोगों की मौत हो गई। हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मृतकों में छह लोग ट्रॉमा सेंटर, तीन सिविल अस्पताल, तीन एवरेस्ट अस्पताल, एक काठमांडू मेडिकल कॉलेज (केएमसी) और एक त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग अस्पताल में है। न्यूज पोर्टल खबरहब ने स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि जेन ज़ी आंदोलन में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। नेपाल पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि दो सुरक्षाकर्मियों समेत 42 लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज वर्तमान में काठमांडू के सिविल अस्पताल में चल रहा है। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया है। हिंसा के बाद स्थानीय प्रशासन ने राजधानी के कई हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया। यह विरोध प्रदर्शन दूसरे शहरों में भी फैल गया है। काठमांडू जिला प्रशासन ने संसद भवन के आसपास के क्षेत्रों में अशांति को रोकने के लिए अपराह्न 12:30 बजे से रात 10:00 बजे तक निषेधाज्ञा लागू की। मुख्य जिला अधिकारी छबि लाल रिजाल ने एक नोटिस में कहा, प्रतिबंधित क्षेत्र में लोगों के आवागमन, प्रदर्शन, बैठक, सभा या धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी। स्थानीय प्रशासन ने बाद में ये प्रतिबंधात्मक आदेश राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में भी लागू कर दिए। नेपाल सरकार ने अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर चार सितंबर को फेसबुक, व्हाट्सऐप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध उन्हें विनियमित करने के लिए लगाया गया है, लेकिन आम जनता ...शेष पृष्ठ 14 पर

26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध के बाद फैली हिंसा

काठमांडू। सोशल मीडिया की दीवानगी किस कदर लोगों के दिलो-दिमाग पर सवार हो गई है, इसका जीता जागता उदाहरण इन दिनों नेपाल में देखा जा सकता है। फेसबुक, यूट्यूब और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के केपी शर्मा ओली सरकार के कदम का देशभर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहा है। हजारों लोग इस बैन वाले फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं, इस प्रदर्शन में अब तक 14 लोगों की मौत हो गई है और 100 से अधिक घायल हैं।

नेपाल में हो रहे इस प्रदर्शन से स्पष्ट होता है कि आज का युवा सोशल मीडिया का बस शौकीन ही नहीं, लगभग उसका बंदी बनता जा रहा है। रील्स की लत, वायरल ट्रेंड्स की दीवानगी और खुद को फेमस करने की चाहत ने एक ऐसी दुनिया रच दी है, जहां असली जीवन कहीं पीछे छूटता जा रहा है और सोशल मीडिया से दूर होने का डर घातक प्रदर्शन का रूप लेता जा रहा है।

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन के फैसले को कुछ स्थानीय युवा स्वतंत्रता पर हमला बता रहा हैं तो कुछ के अलग मत हैं। प्रदर्शनकारियों का बड़ी संख्या जनरेशन जेड वालों की ही जिन्हें आमतौर पर सोशल मीडिया के सबसे ज्यादा गिरफ्त में माना जा रहा है। हाल के वर्षों में सोशल मीडिया कई देशों में हुई क्रांति का जरिया बना था, अब नेपाल में सोशल मीडिया को लेकर ही क्रांति हो रही है। असल में नेपाल सरकार ने पिछले सप्ताह 3 सितंबर को सोशल मीडिया की 26 साइट्स पर बैन लगाने का फैसला किया था, जिनमें युवाओं में बेहद प्रचलित फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब भी शामिल हैं। दरअसल, नेपाल के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का स्पष्ट कहना था कि इन प्लेटफॉर्म्स ने मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। सभी को 28 अगस्त से 7 दिन की समय सीमा दी थी, जो 2 सितंबर को खत्म हो गई। जैसे ही सोशल साइट्स पर बैन लगा, जेनरेशन ...शेष पृष्ठ 14 पर

विशेष खबर

राज्यसभा के 233 व लोकसभा के 543 सदस्य करेंगे मतदान

अगला उप राष्ट्रपति कौन, सांसद आज करेंगे फैसला

एजेंसी

सी.पी. राधाकृष्णन बी. सुदर्शन रेड्डी

नयी दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य मंगलवार को तय करेंगे कि सी. पी. राधाकृष्णन और बी. सुदर्शन रेड्डी में से देश का अगला उप राष्ट्रपति कौन होगा।

राधाकृष्णन, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार हैं, जिनका सीधा मुकाबला विपक्ष के संयुक्त प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी से है। उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान मंगलवार 9 सितंबर को सुबह 10 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे समाप्त होगा। मंगलवार देर शाम तक नतीजे घोषित होने की उम्मीद है। उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पी. सी. मोदी ने कहा है कि मतदान मंगलवार को संसद भवन के कमरा संख्या एफ-101, वसुधा में होगा। देश के 17वें उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। इनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हो रहा है। विभिन्न दलों द्वारा दिए गए समर्थन को आधार बनाकर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो राजग उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। हालांकि विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी बार-बार यह कहकर अपनी दावेदारी को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं कि लड़ाई वैचारिक है तथा यह मतदान सिर्फ उप राष्ट्रपति चुनने के लिए नहीं है, बल्कि भारत की भावना के लिए है। चुनाव से एक दिन पहले, विपक्ष के सांसदों ने एकजुटकता प्रकट करते हुए बैठक की और मॉक ...शेष पृष्ठ 14 पर

गैरकानूनी कृत्यों पर कठोरता से लगायेंगे लगाम : धामी

बरसात के बाद पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने व चारधाम यात्रा को सुचारु कराने पर जोर

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की धामी सरकार गैरकानूनी कृत्यों पर कठोरता से लगाम लगाने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश जारी किए हैं कि कानून व्यवस्था में बाधा डालने वालों पर कोई रियायत न बरतें, सख्त कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री धामी ने यह निर्देश सीएम कैम्प कार्यालय में आयोजित शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को दिए। बैठक में सभी जिलों के डीएम व एसपी वर्चुअली जुड़े रहे। उन्होंने कहा कि अनधिकृत आधार कार्ड, वोटर आईडी और कनेक्शन जारी करने वालों पर नियमित कार्रवाई की जाए। बाहरी व्यक्तियों व संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए। सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकिंग और सख्ती बढ़ाई जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई की जाए। गौवंश के संरक्षण के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री धामी ने बैठक में आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था, पुनर्निर्माण कार्यों, पर्यटन एवं जनसुविधाओं से संबंधित व्यापक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनता को त्वरित राहत, सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बरसात समाप्त होते ही मरम्मत और पुनर्निर्माण के कार्यों के लिए प्रशासनिक मशीनरी एक्टिव मोड में कार्यरत रहे। वर्षाकाल तक राहत सामग्री एवं ड्राई राशन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आपदा प्रभावितों के ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। फसलों, पेयजल लाइन एवं सरकारी संपत्तियों को हुए नुकसान का त्वरित आकलन कर शासन को रिपोर्ट ...शेष पृष्ठ 14 पर

आज का मौसम

अधिकतम : 33.06 डिसे.

न्यूनतम : 27.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता बहाल (पृष्ठ-02)
- नियामक आयोग ने बिजली की नयी दरें जारी कीं (पृष्ठ-02)
- पंजाब बाढ़ : किसानों को प्रति एकड़ 20,000 मिलेगा (पृष्ठ-14)
- कोयला उत्पादन गिरावट के साथ 38.17 करोड़ टन (पृष्ठ-14)
- एमएसएमई के हित सुरक्षित रखने को प्रतिबद्ध (पृष्ठ-14)

आमजन से व्यवहार ठीक रखें जनसेवक, दुर्व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं: योगी

प्रदेश भर से आये पीड़ितों की समस्याओं से मुखातिब हुए सीएम योगी, निस्तारण के दिए निर्देश, जमीन से जुड़े मामले लेकर भी पहुंचे फरियादी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश भर से आये पीड़ितों की शिकायतें सुनीं

- सहारनपुर से आई महिला ने राशन कार्ड न होने पर राशन डीलर द्वारा अभद्रता की शिकायत की
- सीआरपीएफ के जवान की भी सुनीं समस्या, मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन से कहा- शीघ्र निराकरण कराएं
- मुख्यमंत्री ने गाजीपुर से आये दिव्यांग की सुनी फरियाद, इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक भेंट की
- आर्थिक सहायता का पत्र लेते हुए सीएम ने महिला से कहा- हॉस्पिटल से लेकर एस्टिमेट दें, सरकार सहायता करेगी

और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जनता दर्शन में 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे। सहारनपुर से आई महिला ने बताया कि उनके पास राशन कार्ड नहीं है। जब वे राशन लेने गईं तो राशन डीलर अभद्रता करता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर जनसेवक आमजन से व्यवहार ठीक रखें। किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा।

जमीन के आए मामलों का भी लिया संज्ञान : सोमवार को 'जनता दर्शन' में सर्वाधिक मामले जमीनी विवाद से जुड़े आए। प्रयागराज से आए सीआरपीएफ के जवान ने भी जमीन से जुड़े मामले को लेकर सीएम के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन को इस प्रकरण के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। शामली से भी एक महिला अपनी शिकायत लेकर आईं, बताया कि उनके पति असम में तैनात हैं। उन्होंने भी बताया कि प्रयागराज में जमीन ली है, लेकिन कब्जा लेने में परेशानी आ रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पत्र लेकर कार्रवाई का निर्देश दिया।

'जनता दर्शन' में आईं मंजू देवी त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि अपोलो में इलाज चल रहा है। इलाज के लिए आर्थिक सहायता दिला दी जाए। इस पर सीएम ने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। आप भी अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं। आपके इलाज में खर्च की चिंता सरकार करेगी। 'जनता दर्शन' में दिव्यांग भी पहुंचे। गाजीपुर से दिव्यांग उधम यादव ने पेंशन बढ़ाने, आयुष्मान कार्ड, हैंडपंप व आवास दिलाने को लेकर सीएम को प्रार्थना पत्र दिया। सीएम ने तत्काल उनकी समस्या के समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अफसरों को निर्देश दिया। सीएम ने उधम यादव को इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक भी प्रदान की।

बच्चों को दी चॉकलेट, पढ़ाई के बारे में पूछा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा-पुचकारा। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर अपनत्व का अहसास कराया। कुछ बच्चों की पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली। सीएम योगी ने चॉकलेट-टॉफी प्रदान किया और पढ़-लिखकर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य बनाने का आशीर्वाद दिया।

नवचयनितों ने निष्पक्ष ढंग से मिली नियुक्ति के अनुभव किए साझा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। योगी सरकार के मिशन रोजगार के तहत उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग में चयनित 1,112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र दिया गया। इनमें से कई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन सभागार में नियुक्ति पत्र दिया। नवचयनितों ने एक सुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि सीएम योगी के प्रयासों से हम युवाओं को कड़ी मेहनत का फल प्राप्त हुआ है। चयनित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए उनका आभार जताया। अभ्यर्थियों ने निष्पक्ष व शुचितापूर्ण हुई भर्ती प्रक्रिया का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमें बिना भेदभाव, बिना कोई पैसे दिए और बिना किसी सिफारिश के सिर्फ योग्यता के आधार पर नौकरी मिल रही है।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शी नीति से युवाओं को मिल रही सरकारी नौकरी : पंखुड़ी : उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त हुईं सीतापुर की पंखुड़ी गुप्ता मानती हैं कि ये सरकार की बहुत बड़ी सफलता है। आज युवा कड़ी मेहनत के दम पर पारदर्शी तरीके से चयनित होकर सरकारी नौकरी पा रहे हैं। इस वजह से मुझे भी सरकारी नौकरी मिल पाई है। मैं मुख्यमंत्री को दिल से धन्यवाद देती हूं।

युवाओं के उज्जवल भविष्य के प्रति संकल्पित हैं मुख्यमंत्री: वैभव : कनिष्ठ सहायक सीतापुर के वैभव मिश्रा ने अपने भाव साझा करते हुए कहा कि सरकार युवाओं के प्रति समर्पित है। आज का कार्यक्रम इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने मुख्यमंत्री से नियुक्ति पत्र मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि योगी सरकार तेज रफ्तार से युवाओं को नियुक्ति दे रही है। मुख्यमंत्री जी युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के प्रति कृत संकल्पित हैं। रिकॉर्ड युवाओं की निष्पक्ष नियुक्तियां इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

अब सिर्फ काबिलियत के दम पर मिलती है नियुक्ति : श्रद्धा शुक्ला : श्रद्धा शुक्ला ने कहा कि पहले की सरकारों में नियुक्ति के लिए रिश्वत देनी पड़ती थी, लेकिन आज नियुक्ति सिर्फ काबिलियत के दम पर मिलती है। सरकारी नौकरी के लिए रिश्वत गुजरे जमाने की बात हो गई। मुख्यमंत्री ने पारदर्शी प्रक्रिया से नियुक्ति देकर उत्तम प्रदेश का नया मार्ग बनाया है। इस नौकरी के लिए सिफारिश या एक रुपये रिश्वत भी नहीं देनी पड़ी। इसके लिए मुख्यमंत्री का दिल से आभार व्यक्त करती हूं।

योगी सरकार नौकरी देने से लेकर सुरक्षा देने में हैं संवेदनशील : आदित्य पाठक : अयोध्या के आदित्य पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री की वजह से हम सभी निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा बन पा रहे हैं। सरकार सुरक्षा से लेकर रोजगार देने तक संवेदनशील है। आठ वर्ष में महिलाओं को भी बड़ी तादाद में नियुक्तियां दी गई हैं। सीएम योगी के नेतृत्व में महिलाएं खुद को सुरक्षित और मजबूत महसूस कर रहीं है। योगी हमारे लिए नंबर 1 हैं।

विश्वविद्यालयों व कॉलेजों में मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की होगी सघन जांच

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सीएम योगी ने दिये आदेश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों की मान्यता व प्रवेश प्रक्रिया की गहन जांच के आदेश दिए हैं।

हर मंडल में विशेष जांच टीम का होगा गठन: मुख्यमंत्री के आदेश के बाद अब प्रत्येक मण्डलायुक्त अपने-अपने मण्डल के तहत आने वाले सभी जनपदों में विशेष जांच टीम गठित करेंगे। इन टीमों में एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, एक पुलिस विभाग का अधिकारी और एक शिक्षा विभाग का अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल होगा। यह टीम जमीनी स्तर पर जांच कर संस्थानों की मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया की हकीकत सामने लाएगी।

शैक्षणिक संस्थाओं के शपथपत्र और मान्यता-पत्र होंगे अनिवार्य : जांच के दौरान प्रत्येक शैक्षणिक संस्था से शपथ पत्र लिया जाएगा। इसमें यह स्पष्ट करना होगा कि संस्थान केवल उन्हीं कोर्सों का संचालन कर रहा है, जिन्हें नियामक निकाय, विश्वविद्यालय या बोर्ड से मान्यता प्राप्त है। इसके साथ ही, संचालित सभी कोर्स की सूची और उनके मान्यता-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि किसी भी छात्र का दाखिला बिना मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में नहीं होना चाहिए।

अनियमितता पर होगी कठोर कार्रवाई : अगर जांच में किसी संस्थान में अवैध प्रवेश या बिना मान्यता के कोर्स संचालित पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं,

- हर मंडल में होगा विशेष जांच टीम का गठन, शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता व प्रवेश प्रक्रिया की गहन जांच करेगी टीम
- 15 दिन में शासन को भेजनी होगी रिपोर्ट, अनियमितता पर होगी कठोर कार्रवाई
- शैक्षणिक संस्थानों की जांच की पूरी प्रक्रिया पर मंडलायुक्त रखेंगे प्रत्यक्ष निगरानी
- सीएम योगी की अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश, किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

ऐसे संस्थानों को छात्रों से लिया गया संपूर्ण शुल्क ब्याज सहित वापस करना होगा। सरकार ने साफ कर दिया है कि छात्रों का भविष्य किसी भी हाल में दांव पर नहीं लगाया जाएगा।

15 दिन में शासन को भेजनी होगी रिपोर्ट : जांच प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। प्रत्येक जनपद स्तर पर जांच पूरी कर 15 दिनों के भीतर शासन को समेकित रिपोर्ट भेजना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यह कार्यवाही सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य और शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है। जांच की पूरी प्रक्रिया पर मंडलायुक्त प्रत्यक्ष निगरानी रखेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना कौशल विकास मिशन की प्राथमिकता

लखनऊ। लखनऊ स्थित कौशल विकास मिशन मुख्यालय में सोमवार को प्रशिक्षण प्रदाताओं हेतु आयोजित छठवें दिवस की ओरिएंटेशन कार्यशाला की अध्यक्षता अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह ने की। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण प्रदाताओं से प्रत्यक्ष संवाद कर प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं को साझा किया। महिला एवं युवा सशक्तिकरण सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए मिशन मोड में कार्य हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर युवाओं को उपयुक्त एवं टिकाऊ प्लेसमेंट दिलाना उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने उद्यमिता विकास पर बल देते हुए कहा कि उद्योगोन्मुख कौशल प्रशिक्षण से युवाओं को उद्योगों में सीधे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता बहाल, सचिवालय ने जारी किया आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ से विधायक अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता बहाल हो गई है। विधानसभा सचिवालय ने सोमवार को सदस्यता बहाली का आदेश जारी कर दिया। हेट स्पीच केस में एमपी-एमएलए कोर्ट से 3 साल की सजा मिलने पर उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई थी। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सजा को निरस्त कर राहत दी, जिसके बाद विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता बहाल करने का आदेश जारी किया।

दरअसल, अब्बास अंसारी को हेट स्पीच मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने 3 साल की सजा सुनाई थी. इसके चलते उनकी विधानसभा सदस्यता खत्म कर दी गई थी। अब्बास अंसारी ने इस फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को निरस्त कर दिया और उन्हें राहत दे दी। इसके बाद सोमवार को विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता बहाल करने का आदेश जारी कर दिया।

सचिवालय के आदेश में कहा गया है कि अदालत से राहत मिलने के बाद अब्बास अंसारी को फिर से मऊ विधानसभा क्षेत्र का वैध सदस्य माना जाएगा। अब्बास अंसारी उत्तर प्रदेश के मऊ जिले से विधायक हैं और उनके पिता मुख्तार अंसारी देश के कुख्यात बाहुबली नेता और पूर्व सांसद रहे हैं। अब्बास अंसारी राजनीतिक और विवादित पृष्ठभूमि दोनों के लिए जाने जाते हैं। वह मऊ विधानसभा सीट से विधायक हैं और अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें हाल ही में हेट स्पीच (घृणा फैलाने वाली भाषा) का मामला भी शामिल है। इस मामले में उन्हें एमपी-एमएलए कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई थी, जिसके कारण उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी. हालांकि, अब्बास ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील की, जिसने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर उन्हें राहत दी। इसके बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता बहाल कर दी।

सरकार की अनदेखी से बाढ़ पीड़ित परेशान

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को बयान जारी कर कहा है कि प्रदेश में बाढ़ से स्थिति भयावह है। दर्जनों जिलों के सैकड़ों गांव और कई नगरीय क्षेत्र बाढ़ से घिरे है। लाखों की आबादी और पशु संकट में है। मथुरा से लेकर आगरा, अलीगढ़, शाहजहांपुर, पीलीभीत, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज, फरूर्खाबाद, सीतापुर, हरदोई, वाराणसी से लेकर कई जिलों में बाढ़ से स्थिति खराब है। बाढ़ से आम जनजीवन संकट में है। लोगों को खाना-पानी, दवा-इलाज नहीं मिल रहा है। इस संकट की घड़ी में सरकार कहीं दिखाई नहीं दे रही है। लोगों के घर-खेतीबाड़ी सब बर्बाद हो गये। बाढ़ राहत को लेकर बनी मुख्यमंत्री की टीम इलेवन का कुछ पता नहीं है। जनता को सरकार की थोथी घोषणाओं से कोई राहत नहीं मिल रही है। लोगों को जान बचाने के लाले पड़े है।

नियामक आयोग ने बिजली की नयी दरें जारी कीं, ट्रांसमिशन टैरिफ में बदलाव

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य के भीतर बिजली के ट्रांसमिशन टैरिफ को निर्धारित कर दिया है। नए नियमों के अनुसार अब प्रति यूनिट ऊर्जा ट्रांसमिशन के बजाय क्षमता के आधार पर टैरिफ तय किया जाएगा। आयोग ने टैरिफ निर्धारण की पद्धति में यह महत्वपूर्ण बदलाव के मल्टी ईयर टैरिफ फॉर ट्रांसमिशन विनियम, 2025 के अनुरूप किया है। इस नए प्लान में सभी ट्रांसमिशन लाइसेंसधारियों की लागत को एक साथ जोड़कर सभी वितरण लाइसेंसधारियों और अन्य ट्रांसमिशन सेवा उपयोगकताओं के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। राज्य के डिस्कॉम और भारतीय रेल से 2,13,284.55 रुपए प्रति टह प्रति माह की दर से शुल्क लिया जाएगा। वहीं, अन्य ओपन एक्सेस उपभोक्ताओं को 0.2674 रुपए प्रति की दर से भुगतान करना होगा। इससे राज्य-स्वामित्व वाले वितरण लाइसेंसधारियों पर बोझ कम होगा। अंततः इसका लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा जिन्हें वितरण लाइसेंसधारियों द्वारा बिजली आपूर्ति की जाती है। इसके साथ ही यह नई व्यवस्था राज्य भर में ओपन एक्सेस और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2022 और डाटा सेंटर नीति, 2021 के तहत निर्धारित छूट भी लागू होगी। आम लोगों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा या आम लोगों को राहत मिलेगी या परेशानी बढ़ेगी, इसकी बात की जाए तो नई व्यवस्था राज्य-स्वामित्व वाले वितरण लाइसेंसधारियों पर बोझ कम करेगी।

भवन की डिजाइन उपयोगकर्ता की जरूरत के अनुरूप बने : आनंदीबेन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजभवन में लोक निर्माण विभाग तथा विद्युत विभाग द्वारा निर्मित सात निर्माण कार्यों का उद्घाटन सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन के गांधी सभागार में किया। इनमें पुराने कोयला गोदाम का जीर्णोद्धार कर ओपन मोटर गैराज का निर्माण, पुराने डीजी सेट के स्थान पर

- राजभवन में लोक निर्माण विभाग तथा विद्युत विभाग द्वारा निर्मित विविध निर्माण कार्यों का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

अत्याधुनिक 400 केवीए क्षमता के दो नए जनरेटर की स्थापना, ऊर्जा संरक्षण की दृष्टि से 400 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट की स्थापना, राजभवन परिसर में अग्निशमन प्रणाली का उच्चीकरण, गांधी सभागार में आधुनिक चिलर टाइप वातानुकूलन संयंत्र की स्थापना, मुख्य भवन के

पुराने किचन को नवीनतम तकनीक से सुसज्जित कमर्शियल किचन में परिवर्तित करना तथा मुख्य भवन, सचिवालय और कर्मयोगी भवन की छतों पर चाइना मोजैक कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से राजभवन परिसर न केवल और अधिक सुंदर एवं सुसज्जित हुआ है, बल्कि तकनीकी दृष्टि से भी सुदृढ़ एवं पर्यावरण अनुकूल बन गया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि बहुत ही सुंदर निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर पूरे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी भवन की नींव (फाउंडेशन) मजबूत होने पर ही वह लंबे समय तक टिकाऊ बनता है इसलिए निर्माण कार्यों में उत्तम गुणवत्ता के पदार्थों का उपयोग किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि लोक निर्माण विभाग और विद्युत विभाग ने समय और लागत का ध्यान रखते हुए टिकाऊ निर्माण कार्य किए हैं, यह अनुकरणीय है। जब हम कोई अच्छा कार्य करते हैं और वह सफलतापूर्वक संपन्न होता है तो उससे संतोष की अनुभूति होती है।कार्यक्रम में मौजूद इंजीनियरों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि किसी भी भवन के निर्माण से पूर्व उसकी डिजाइन पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। भवन की उपयोगिता के अनुसार ही उसकी रूपरेखा तैयार की जानी चाहिए। उदाहरण स्वरूप, यदि आंगनबाड़ी के लिए भवन बनाया जा रहा है तो उसकी डिजाइन छोटे बच्चों के अनुरूप होनी चाहिए, ताकि उस भवन का वास्तविक लाभ मिल सके। नवयुगीन आवश्यकताओं के अनुसार ही भवनों के डिजाइन बनाए जाने चाहिए। डिजाइन बनाते समय दीर्घकालिक उपयोग को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए, साथ ही बचत पर जोर देना चाहिए और फिजूलखर्ची से बचना चाहिए।राज्यपाल ने खुले और हवा में लटकते विद्युत तारों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हें अब अंडरग्राउंड करना चाहिए, ताकि लंबे समय तक सुरक्षित उपयोग हो सके। उन्होंने निर्देश दिया कि राजभवन में हुए सभी निर्माण कार्यों के डिजाइन सुरक्षित रखे जाएं ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार के विस्तार या नए कार्य की आवश्यकता होने पर समय की बचत हो और कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके।अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण विभाग और विद्युत विभाग द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल जानी, ओएसडी राज्यपाल अशोक देसाई, विशेष सचिव राज्यपाल श्रीप्रकाश गुप्ता, लोक निर्माण एवं विद्युत विभाग के अधिकारी, राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

2047 तक यूपी में हर घर को मिलेगा मेडिकल इंश्योरेंस कवरेज

'शिक्षित बचपन और स्वस्थ परिवार' की नींव पर यूपी बनेगा विकसित, 2 नये एम्स, 3 फार्मा पार्क और 2 मेडिकल डिवाइस पार्क बनेंगे

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित यूपी @2047 का विजन सामने रखते हुए साफ कर दिया है कि आने वाले 22 वर्षों में उत्तर प्रदेश का भविष्य 'शिक्षित बचपन और स्वस्थ परिवार' की थीम पर गढ़ा जाएगा। इसका लक्ष्य है कि प्रदेश को न केवल 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाया जाए, बल्कि समाज के हर वर्ग को शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से सशक्त किया जाए।

विजन 2030 और 2047 के लक्ष्यों के तहत प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को व्यापक रूप से सुदृढ़ करने की योजना बनाई गई है। 2030 तक 50 प्रतिशत घरों और 2047 तक सड्ढी घरों को मेडिकल इंश्योरेंस से कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को एसडीजी टारगेट के अनुरूप लाना प्राथमिकता में है। इसके साथ ही प्रदेश में 2 नए एम्स, 3 नए फार्मा पार्क और 2 नए मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना होगी। स्वास्थ्य कार्यबल की घनत्व को बढ़ाकर 40 प्रति हजार तक ले जाने का रोडमैप तैयार किया गया है। मेडिकल टूरिज्म, बाल पोषण और हेल्थकेयर रिसर्च को रणनीतिक स्तंड्ढा बनाकर प्रदेश को वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में काम किया जा रहा है।ज्ञान और कौशल के केंद्र के रूप में स्थापित होगा यूपीज्ञानदीप व युवा शक्ति के तहत 2047 तक उत्तर प्रदेश को वैश्विक कार्यबल तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके लिए फाउंडेशनल लिटरेसी और न्यूमेरसी को मजबूत किया जाएगा और स्कूलों में डिजिटल क्लासरूम, ई-लर्निंग और एडटेक को बड़े पैमाने पर लागू किया जाएगा। शिक्षकों के प्रशिक्षण और रिसर्च-इनोवेशन को बढ़ावा देने पर विशेष बल रहेगा। साथ ही उद्योग 4.0 की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए युवाओं को स्किलिंग और ड्यूल एजुकेशन सिस्टम के जरिए तैयार किया जाएगा। समावेशी शिक्षा और वैश्विक स्तर की वर्कफोर्स ट्रेनिंग को यूपी की नई पहचान बनाकर प्रदेश को ज्ञान और कौशल के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

2017 से पहले प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही क्षेत्रों की स्थिति बेहद चिंताजनक थी। ग्रामीण इलाकों में स्कूलों की पहुंच सीमित थी और अधिकांश संस्थानों में मूलड्ढूत सुविधाओं का अड्ढाव था। शिक्षक अनुपस्थिति, किताबों और शिक्षण संसाधनों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई अधूरी रह जाती थी, जिसके चलते बड़े पैमाने पर छात्र ड्रॉपआउट दर बढ़ रही थी। इसी तरह स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति ड्ढी कमजोर थी, जहां पर्याप्त मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की कमी के कारण आमजन को बुनियादी इलाज तक आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाता था।2017 से 2025 तक हुए व्यापक सुधार और उठाये गये ठोस कदमबीते साढ़े आठ वर्षों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिले हैं।

स्कूल चलो अड्ढियान और शारदा कार्यक्रम के तहत 40 लाख नए बच्चों का नामांकन हुआ, वहीं आरटीई विस्तार से शिक्षा का अधिकार पाने वाले बच्चों की संख्या 22 हजार से बढ़कर 4.3 लाख तक पहुंच गई और 638 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 19 मूलड्ढूत सुविधाओं को उपलब्ध कराया गया, जबकि अटल आवासीय विद्यालय प्रदेश के 18 मंडलों में संचालित होकर गरीब और वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। प्रोजेक्ट अलंकार से माध्यमिक स्कूलों में पुस्तकालय, लैब, हॉल, पेयजल, शौचालय और विद्युतिकरण जैसी सुविधाओं को जोड़ा गया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में ड्ढी यूपी ने उठाए ऐतिहासिक कदमबीते वर्षों में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़े कदम उठाए गए हैं। मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य केंद्रों के नेटवर्क का विस्तार किया गया, जबकि जन औषधि केंद्रों और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी पहलों ने गरीबों और जरूरतमंदों को बड़ी राहत पहुंचाई। अब विजन 2030 और 2047 के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक मानकों तक ले जाने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया है, जिससे हर नागरिक को बेहतर और सुलड्ढा इलाज उपलब्ध हो सके।शिक्षा और स्वास्थ्य से प्रदेश बनेगा 6 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमीप्रदेश की जीएसडीपी को 2047 तक 6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए तैयार रोडमैप के अनुसार 2025 में 353 बिलियन डॉलर से शुरूआत कर 2030 तक इसे 1 ट्रिलियन डॉलर, 2036 तक 2 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 6 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए आने वाले 22 वर्षों तक औसतन 16 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बनाए रखनी होगी। विजन के अनुसार 2047 तक प्रति व्यक्ति आय 26 लाख रुपये तक पहुंचाने और ड्ढारत की जीडीपी में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी को 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

छह जिलों में तैनात किये गये नये सीएमओ

लखनऊ। मथुरा, हरदोई, आजमगढ़ सहित प्रदेश के आधा दर्जन जिलों में नये मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) की तैनाती की गई है। प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के संयुक्त निदेशक ग्रेड के चिकित्साधिकारियों को इन जिलों में सीएमओ बनाए जाने का आदेश सोमवार को शासन की विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने जारी कर दिया। सुल्तानपुर के एसीएमओ डा. राधा वल्लभ को मथुरा, संतकबीर नगर के जिला संयुक्त चिकित्सालय के सीएमएस डा. भवनाथ पांडेय को हरदोई का सीएमओ बनाया गया है। बागपत की एसीएमओ डा. दीपा सिंह रामपुर, महराजगंज के एसीएमओ डा. राजेंद्र प्रसाद एटा के नये सीएमओ होंगे। जालौन के जिला महिला चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. ननकू राम को आजमगढ़ में और आगरा के जिला अस्पताल के वरिष्ठ परामर्शदाता डा. चंद्रप्रकाश को कुशीनगर में सीएमओ पद पर तैनाती दी गई है। इन सभी को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

आराधना मिश्रा मोना ने लड़कियों के अपहरण पर एसआईटी बनाने की मांग की

लखनऊ। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधानसभा में कांग्रेस की दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर लड़कियों के हो रहे अपहरण पर चिंता जताई है और एसआईटी गठित करने की मांग की है। आराधना मिश्रा मोना ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि अंबेडकर नगर में

- नेता विधानमंडल दल ने सीएम योगी को लिखा पत्र

बेहद चौंकाने वाला प्रकरण सामने आया है, जहां पिछले एक माह में अंबेडकर नगर के 18 थानों में 56 लड़कियों के अपहरण की प्राथमिक दर्ज की गई है, यह सामान्य घटना नही है, यह सुनियोजित बहुत बड़ी साजिश प्रतीत होती है। यह प्रकरण बहुत ही गंभीर है। इसकी घटना की उच्चस्तरीय एसआईटी गठित कर जांच कराई जाए, ताकि जांच होकर सच्चाई पता चल सके और अपराधियों पर कार्रवाई हो सके।

संक्षेप

पांच के खिलाफ छेड़छाड़ व मारपीट का केस दर्ज

प्रतापगढ़। कोतवाली के एक गांव की पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ छेडछाड व मारपीट तथा धमकी का केस दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव की पीड़िता का आरोप है कि उसकी सोलह वर्षीया पुत्री चार सितंबर की शाम शौच के लिए गयी थी। इसी दौरान गांव के पवन पुत्र शंकर ने बदनीयती से किशोरी के साथ छेडछाड किया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी ने पिण्टू, राममिलन, अच्छेलाल व पंचम के साथ मिलकर उसकी देवरानी रीना को मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ छेडछाड व मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है।

तीन आरोपियों के खिलाफ एससीएसटी का केस

प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने मारपीट व धमकी को लेकर आरोपियों के खिलाफ एससीएसटी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के जमालपुर गांव निवासी हरीलाल कोरी पुत्र स्व0 जगेसर ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि चार सितंबर की रात करीब पौने बारह बजे गांव के अनिल सिंह पुत्र लल्लन सिंह, लवकुश पटेल पुत्र झरी व शिवभवन पुत्र ममुनी जबरन अवैध रूप से निर्माण कार्य करवा रहे थे। जानकारी होने पर पीड़ित व उसके भाई ने विरोध किया तो आरोपियों ने जातिसूचक गाली देते हुए मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

फर्जीवाड़ा कर जमीन का किया बैनामा, शिकायत

प्रतापगढ़। जालसाजी व धोखाधड़ी करते हुए जमीन की वरासत व विक्रय करने के आरोप को लेकर पीड़ित ने तहसीलदार व पुलिस से शिकायत की है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के कपूरपुर राजमतीपुर गांव निवासी रामराज मौर्य पुत्र रामऔतार मौर्य ने सोमवार को तहसीलदार व पुलिस को भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि जालसाजी व धोखाधड़ी करते हुए कटरा बूबूपुर गांव के तीन आरोपियों ने क्षेत्रीय लेखपाल से मिलीभगत करके उसे मृत दिखाकर उसकी जमीन का वरासत करा लिया। पीड़ित का यह भी आरोप है कि कुछ दिन बाद आरोपियों ने पीड़ित की जमीन का विक्रय कर बैनामा भी कर दिया। एसओ मनीष त्रिपाठी का कहना है कि मामला संज्ञान में नही है, जानकारी कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दहेज उत्पीड़न को लेकर ससुरालीजनों के खिलाफ केस दर्ज

प्रतापगढ़। दहेज उत्पीड़न व विवाहिता के साथ मारपीट की घटना को लेकर कोतवाली पुलिस ने एसपी की फटकार पर ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के नेकनामपुर गांव निवासिनी रेशमा बानो पुत्री मो0 इद्रीश ने एसपी को भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि वर्ष 2015 में उसका विवाह ढिगवस निवासी सददाम हुसैन पुत्र कल्लू बाबा के साथ हुआ। उसके एक छः वर्ष की पुत्री है। पीड़िता का आरोप है कि विवाह से बाद से दहेज को लेकर ससुरालीजनों ने उसका उत्पीड़न करने लगे। वर्ष 2020 में ससुरालीजनों ने पीड़िता को मारापीटा व घर से भगा दिया। पीड़िता मायके में रह रही है। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपीगण अब उसे व उसकी पुत्री को जानलेवा धमकी दे रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद बीती सात सितंबर को पति सददाम, सास हसीना बानो, ससुर कल्लू बाबा, देवर मो0 जुनैद, ननद अरबीना बानो व परवीन बानो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोपित गिरफ्तार

बलिया। भारतीय जनता पार्टी की विधायक केतकी सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आरोपी की पहचान मनियर थाना क्षेत्र के सांगापुर गांव के निवासी पिंटू यादव (35) के रूप में हुई जिसे पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया। भाजपा के मंडल अध्यक्ष सितांशु गुप्ता और जिला कार्यसमिति के सदस्य राजेश सिंह का आरोप है कि पिंटू यादव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर द्विअर्थी गानों का प्रयोग किया।

निर्माणाधीन मकान का छज्जा टूटा

मिस्त्री और दो मजदूरों की मौत

जिला संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। लालगंज थाना क्षेत्र के दीपेमऊ मोड़ के पास निर्माणाधीन मकान की तीसरी मंजिल का छज्जा गिरने से मिस्त्री और दो मजदूरों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, चक पंचम दतौली निवासी योगेश यादव अपना मकान बनवा रहे थे। तीसरी मंजिल पर काम चल रहा था। तभी अचानक छज्जा टूट जाने से उस पर खड़े मजदूर और मिस्त्री नीचे गिर गए। घायलावस्था में तीनों लालगंज सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान रमेश उर्फ गुड्डू मिस्त्री (50) पुत्र छंगालाल निवासी चचिहा की मौत हो गई। अन्य दो लोगों की मौत रायबरेली जिला अस्पताल में हुई है। डा. सत्यजीत ने बताया कि मकान निर्माण में लगे ददरी निवासी रज्जब अली पुत्र शाबित अली, और चचिहा निवासी रामू पुत्र मेड़ी लाल व रमेश कुमार उर्फ गुड्डू मिस्त्री पुत्र छंगालाल को गंभीर रूप से घायल हालत में इलाज के लिए लाया गया था। इलाज के दौरान रमेश उर्फ गुड्डू मिस्त्री की मौत हुई है जबकि रज्जब अली और रामू लोधी की रायबरेली जिला अस्पताल में हुई है। तीनों लोगों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ गिरिजा शंकर त्रिपाठी और प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह और कस्बा इंचार्ज नितिन मलिक मय फोर्स मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेते हुए कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। लालगंज पुलिस ने सोमवार देर शाम तीनों मृतकों का पोस्टमार्टम करा कर शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया।

बाइक सवार की गोली मारकर हत्या, दो लाख की लूट

झांसी। झांसी जिले के सीपरी बाजार थानाक्षेत्र में उन्नाव-बालाजी रोड पर सोमवार को सशस्त्र हमलावरों ने पुरानी रंजिश के चलते बाइक सवार एक व्यक्ति की उसकी पत्नी के सामने कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी और दो लाख रुपये लूट लिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बी वी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि आज दोपहर बाद भोजला गांव के अरविंद यादव (40) अपनी पत्नी संगीता के साथ मोटरसाइकिल से बैंक से अपने घर जा रहे थे, तभी भोजला चौराहे के पास कुछ लोगों ने घेरकर उन्हें गोली मार दी। मूर्ति का कहना है कि अरविंद की चिकित्सालय ले जाते समय मौत हो गई। प्रथम दृष्टया नजर आ रहा है कि अरविंद को दो गोलियां लगीं। एसएसपी ने बताया कि इस संबंध में हमलावर के रूप में रिंकू यादव एवं एक अन्य का नाम प्रकाश में आया है जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि भोजला गांव के इन दोनों परिवारों के मध्य 2019 से पुरानी रंजिश चली आ रही है, जिसकी जांच की जा रही है और जल्द ही हमलावरों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। एसएसपी ने बताया कि अरविंद की पत्नी संगीता यादव का आरोप है कि आधा दर्जन से अधिक लोगों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर उनके पति की हत्या कर दी तथा बैंक से निकाल कर लाये गए दो लाख रुपये भी लूट कर ले गए और उनके साथ मारपीट भी की गयी।

चौधरी चरण सिंह विवि में 22 सितंबर को होगा दीक्षांत समारोह : कुलपति

मेरठ। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि परंपरा के अनुसार चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय इस वर्ष भी दीक्षांत समारोह से पहले दीक्षोत्सव का आयोजन कर रहा है। इस दीक्षोत्सव का मुख्य उद्देश्य केवल औपचारिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करना नहीं है, बल्कि छात्रों को दीक्षांत समारोह जैसे ऐतिहासिक अवसर से भावनात्मक और बौद्धिक रूप से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष दीक्षोत्सव की शुरूआत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पाँच गाँवों – सिकहेड़ा, बलमपुर, लालपुर, मीरपुर और भदौड़ा – से होगी। इन गाँवों के सभी प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों और 14 आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता, रखरखाव और खेलकूद से संबंधित प्रतियोगिताएँ होंगी। प्रतियोगिताओं को आयु और कक्षा स्तर के आधार पर चार समूहों में बाँटा जाएगा – कक्षा 3 से 5, कक्षा 6 से 8, कक्षा 9 से 10, और कक्षा 11 से 12। इन समूहों में कहानी सुनाना, भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। सभी प्रतिभागियों से उनके भाषण लिखवाए जाएंगे, जिन्हें एक पुस्तिका के रूप में संकलित कर मा कुलाधिपति को प्रस्तुत किया जाएगा। यह पुस्तिका न केवल छात्रों के विचारों और दृष्टिकोण का दस्तावेज होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगी।

होमगार्ड ने ठेके में लगायी आग, गिरफ्तार

मेरठ। जिले में शराब न मिलने पर अंग्रेजी शराब के ठेके में कथित रूप से आग लगाने को लेकर एक होमगार्ड को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार देर रात दौराला थाना क्षेत्र में हुई। आरोपी होमगार्ड की पहचान कपिल के रूप में हुई है, जो पुलिस के डायल-112 पर तैनात था। आरोप है कि उसने शराब उधार न मिलने पर गुस्से में ठेके में आग लगा दी। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी खाकी रंग की पैंट और काली बनियान पहने, सिर पर गमछा बांधे ठेके पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि वह बोतल से पेट्रोल निकालकर दुकान के बाहर छिड़कता है और माचिस जलाकर आग लगा देता है। इसके बाद वह अपनी मोटरसाइकिल से भाग जाता है। उसी दौरान वहां मौजूद एक साइकिल सवार भी बाद में चला गया। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने पहले विक्रेता से शराब मांगी थी और मना किये जाने पर उसने यह कदम उठाया।

श्रावस्ती में पर्यटन सर्वेक्षण पर संगोष्ठी आयोजित

कटरा श्रावस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) इकौना, श्रावस्ती में निवेश यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरण आनंद के निदेर्शानुसार एक महत्त्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता पर्यटन अधिकारी श्रावस्ती मनीष श्रीवास्तव ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय लखनऊ के प्रोफेसर डॉ. पुनीत कन्नौजिया उपस्थित रहे। बैठक श्रावस्ती जिले के पर्यटन संवर्धन की दिशा में एक अभिनव पहल सिद्ध हुई। इनवेस्ट यूपी से आए साकेत रंजन ने सर्वेक्षण की विस्तृत परिचर्चा करते हुए बताया कि यह सर्वेक्षण प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य तक पहुँचाने में अत्यंत सार्थक होगा। अपने संक्षिप्त संबोधन में डॉ. कन्नौजिया ने सर्वेक्षण को एक अनिवार्य उपकरण बताते हुए ओडीओपी एवं थारू जनजाति की लोककला, हस्तकला तथा स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन परंपरागत संपदाओं के माध्यम से श्रावस्ती का पर्यटन और अधिक आकर्षक एवं सशक्त रूप में उभर सकता है। पर्यटन अधिकारी मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि श्रावस्ती को विश्व पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए स्थायी उत्पादों, धरोहरों और सांस्कृतिक संपन्नता को बढ़ावा देना अत्यावश्यक है। सभा का समापन डायट के प्रवक्ता डॉ. अमित कुमार पटाक एवं गिरीश प्रसाद मिश्रा के प्रेरक उद्बोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर डायट के प्रवक्ता दिव्य प्रताप, रवि प्रताप सिंह एवं इमरान अहमद सहित अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे।

युवक पर फिल्मी अंदाज में हमला, खून से लथपथ सड़क पर पड़ा तड़पता रहा

सिद्धार्थनगर- शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के पकड़ी बाजार के पास रविवार की रात सनसनीखेज वारदात हुई। धनगढ़िया निवासी अतुल पांडे अपने साथी विक्की के साथ किसी काम से पकड़ी चौराहे पर गया था। घर से डेढ़ किलोमीटर दूर ही दोनों बातचीत कर रहे थे कि अचानक घात लगाकर हमला हो गया। पीड़ित अतुल पांडे ने बताया कि रंजीत नाम का शख्स आया और उसके दोस्त विक्की को गोली मारने की कोशिश की। किस्मत से गोली नहीं लगी। इसके बाद रंजीत ने विक्की की बाइक पर चारपहिया चढ़ा दी। टक्कर इतनी तेज थी कि विक्की लगभग दस फीट ऊपर उछलकर सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। अतुल ने कहा कि भागकर वह खेत की ओर जाने लगा लेकिन रंजीत, शीलू और 4झ5 अन्य लोगों ने घेर लिया। सभी ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके सिर पर फरसा से वार किया और पैर की उंगलियां काट दीं। वह खून से लथपथ जमीन पर पड़ा तड़पता रहा, लेकिन कोई बचाने नहीं आया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें एक शख्स कहता सुनाई देता है—ह्लतेल लो, इसको फूंक देते हैं ह्व वीडियो में अतुल पांडे खून से लथपथ जमीन पर तड़पता दिख रहा है जबकि आसपास लोग तमाशबीन बने रहे। पीड़ित ने आरोप लगाया कि इस हमले के पीछे पकड़ी बाजार निवासी अनिल चौधरी का हाथ है। उसके मुताबिक, अनिल से उसकी पुरानी रंजिश चली आ रही है और पहले भी हमला कर चुका है। रविवार रात का पूरा हमला उसी की साज़िश थी, जिसे रंजीत, शीलू और बाकी लोग अंजाम देने आए थे। खूनी वारदात के बाद पकड़ी बाजार और आसपास के गांवों में दहशत है। लोग हैरान हैं कि भीड़भाड़ वाले इलाके में फरसा, गोली और गाड़ी का इस्तेमाल कर सरेआम हमला किया गया, लेकिन अपराधियों को रोकने वाला कोई नहीं था। सवाल उठ रहे हैं कि अपराधियों का हौसला इतना बुलंद कैसे हुआ। क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ पवीन प्रकाश ने बताया कि यह मामला पुरानी रंजिश का प्रतीत होता है। पुलिस जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। अतुल पांडे ने कहा कि हमला किसी फिल्मी दृश्य से कम नहीं था—गोली चली, फरसा चला, गाड़ी से कुचलने की कोशिश हुई और जिंदा जलाने की धमकी दी गई। उसने प्रशासन से मांग की कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए ताकि आगे किसी के साथ ऐसा न हो।

लड़कियों के अपहरण की घटनाओं की उच्च स्तरीय जांच हो, मोना ने लिखा सीएम को पत्र

प्रतापगढ़। प्रदेश कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रदेश में लड़कियों के अपहरण की बढ़ रही घटनाओं को बेहद चिन्ताजनक कहा है। उन्होनें इस मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सोमवार को पत्र भी लिखा है। पत्र के जरिए सीएलपी नेता ने लड़कियों के अपहरण की घटनाओं के प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराए जाने पर जोर दिया है। कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने बतौर उदाहरण पत्र में कहा है कि जनपद अम्बेडकर नगर में थाना अकबरपुर, मालीपुर, जलालपुर, अहिरौली, बसखारी एवं जैतपुर में एक माह में अठारह थानों में छप्पन लड़कियों के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज हुई है। उन्होने कहा कि अपहरण की शिकार अधिकतर अपहृत किशोरियां एवं युवतियां अनुसूचित एवं कमजोर तबके की हैं। उन्होने कहा कि प्रदेश के अन्य जिलों में लड़कियों के अपहरण के प्रकरण में या तो पुलिस ने एफआईआर नहीं दर्ज की अथवा अपहृत लड़कियों के परिजनों ने लोकलाज के भय से प्रकरण दर्ज नहीं कराया है। उन्होने कहा है कि अंबेडकर नगर में छप्पन लड़कियों के अपहरण की गंभीर घटना की सरकार एसआईटी का गठन कर गहन जांच कराये। विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से सीएम को लिखे गये पत्र की जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से दी गई है।

जिला कारागार में कार्यशाला और बर्डपुर में निकली जागरूकता रैली

सिद्धार्थनगर। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला कारागार में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पर आधारित कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ जिला समन्वयक सामुदायिक शिक्षा अमित शुक्ला और डीसी प्रशिक्षण आशीष मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि सचिन वर्मा ने साक्षरता को अज्ञानता दूर करने का प्रमुख माध्यम बताया। डीसी प्रशिक्षण आशीष मिश्रा ने नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की कार्यप्रणाली समझाई। उन्होंने बताया कि शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सामाजिक परिवर्तन का आधार है। मुकेश प्रकाश महेश सिंह ने साक्षरता को आत्मविश्वास से जोड़ा। अभिषेक कुमार पांडे ने बंदियों को अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। अमित शुक्ला ने सामुदायिक शिक्षा पर जोर दिया। उत्सव तिवारी ने बंदियों को शिक्षा से कारागार को आलोकित करने का संकल्प दिलाया। बर्डपुर ब्लॉक में खंड शिक्षा अधिकारी रामू प्रसाद के नेतृत्व में साक्षरता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में आशीष कुमार सिंह, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, रेनू यादव और आशीष चौधरी उपस्थित रहे। सभी ने साक्षरता को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सात कनिष्ठ सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र ,खिले चेहरे

सिद्धार्थनगर /उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रदेश के 1112 कनिष्ठ सहायक तथा 22 एक्स-रे टेक्निशियन को नियुक्ति पत्र का वितरण मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन सभागार लखनऊ से किया गया। जिसका लाइव प्रसारण अम्बेडकर सभागार में विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक डुमरियागंज श्रीमती सैययदा खातून, जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह व लाभार्थियों की उपस्थिति में देखा गया।

उक्त अवसर पर जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक डुमरियागंज श्रीमती सैययदा खातून को बुके देकर जन प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक बांसी जय प्रताप सिंह ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को बधाई दिया। और कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उ0प्र0 सरकार द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उ0प्र0 सराकार में लगभग 8.5 लाख लोगो को सरकारी नौकरी दी गयी है। इसके साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ सहायकों द्वारा पत्रावली चलाई जाती है। आप लोग बिना भेदभाव के जनता की सेवा करे। इसके साथ ही पूरी ईमानदारी एवं विभाग के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करें। इस अवसर पर विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायको को बधाई दिया। विधायक कपिलवस्तु ने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से रोजगार दिया जा रहा है। भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ बिना भेदभाव के पात्र लाभार्थियों को दिया जा रहा है। विधायक डुमरियागंज श्रीमती सैय्यदा खातून ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायको को बधाई दिया गया। इस अवसर पर

जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने भी नवनियुक्त कनिष्ठ सहायको को बधाई दिया। मुख्यमंत्री जी के करकमलो द्वारा आज लोकभवन सभागार लखनऊ में प्रदेश के 1112 कनिष्ठ सहायक तथा 22 एक्स-रे टेक्निशियन नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जनपद सिद्धार्थनगर के 07 कनिष्ठ सहायकों- के नाम अमित गुप्ता, अरविन्द कुमार गौतम, आशीष कुमार पाण्डेय, दया शंकर मिश्रा, शिव कुमार पाठक, स्वपनिल श्रीवास्तव, उमाशंकर वर्नवाल को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने सभी को पुनः बधाई दिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया द्वारा विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक डुमरियागंज श्रीमती सैययदा खातून, जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह एवं अन्य सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दद्दन मिश्रा ने किया नदी कटान का निरीक्षण

श्रावस्ती। जमुनहा विकास खण्ड के ग्राम पंचायत कथरा माफी (घाटे पुरवा) में हो रहे तीव्र नदी कटान का शनिवार को पूर्व सांसद एवं अध्यक्ष जिला पंचायत श्रावस्ती दद्दन मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने नदी के कटान की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने तथा प्रभावी रोकथाम उपाय अपनाने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी जमुनहा संजय राय, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, तहसीलदार, अवर अभियंता, थानाध्यक्ष मल्हीपुर सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सदस्य जिला पंचायत दिनेश आर्या व मनोज सोनकर, पूर्व सदस्य जिला पंचायत प्रहलाद सिंह, जिला उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, मंडल अध्यक्ष जय प्रकाश वर्मा, कमलेश मिश्रा, मंडल महामंत्री प्रह्लाद गुप्ता सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान से बढ़ी महिलाओं की जागरूकता

श्रावस्ती। मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण व साइबर जागरूकता हेतु जनपद श्रावस्ती में व्यापक अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में शक्ति मोबाइल टीमों ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर महिलाओं व बालिकाओं को साइबर सुरक्षा उपायों, ऑनलाइन ठगी से बचाव, कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अभियान के दौरान उन्हें 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 1090 (वीमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (बाल सहायता हेल्पलाइन), 101, 102 व 108 जैसी हेल्पलाइन सेवाओं के महत्व और सही उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। शक्ति मोबाइल टीम की म0आ0 सरिता जयसवाल, म0आ0 प्रिया मिश्रा, म0आ0 मोनू सिंह व म0आ0 शांति शुक्ला ने थाना क्षेत्र सिरसिया के ग्राम बभनी, ग्राम बेंचुआ, ग्राम जमुनी और उच्च प्राथमिक विद्यालय घोलिया में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, घरेलू हिंसा, बाल विवाह रोकथाम और बालिकाओं के अधिकारों पर विशेष जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं व बालिकाओं को कन्या सुमंगला योजना, उज्ज्वला योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के लाभों से भी अवगत कराया गया तथा पंपलेट वितरित किए गए। मौके पर महिलाओं की समस्याएं भी सुनी गईं। मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और सजग बनाना है, ताकि वे हर परिस्थिति में अपनी सुरक्षा स्वयं सुनिश्चित कर सकें और विशेषकर साइबर अपराधों से सुरक्षित रह सकें।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण से बढ़ेगी किसानों की आमदनी

श्रावस्ती। मधुमक्खी पालन को अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में बढ़ावा देने हेतु उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा तीन माह (90 दिवसीय) का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 16 सितम्बर 2025 से 15 दिसम्बर 2025 तक सहारनपुर एवं बस्ती स्थित औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र तथा प्रयागराज के राजकीय उद्यान में सम्पन्न होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि, मधुमक्खी पालन किसानों की आय वृद्धि के साथ-साथ फसलों में परपरागण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सहायक है। कम भूमि और कम पूंजी में अधिक लाभ दिलाने वाला यह उद्यम किसानों, ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार का एक बेहतर विकल्प है। प्रशिक्षण में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित आवेदन पत्र 16 अगस्त 2025 तक सहारनपुर एवं बस्ती के संयुक्त निदेशक औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र अथवा प्रयागराज स्थित अधीक्षक राजकीय उद्यान में जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ दो सभ्रांत व्यक्तियों या राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क होगा, किन्तु प्रतिभागियों को ठहरने एवं खाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

जनता दर्शन में एसपी ने सुनी समस्याएं, दिए निर्देश

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान आमजन की शिकायतों व समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में कुल 38 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 10 जमीनी विवाद, 10 मारपीट विवाद, 03 महिला संबंधी प्रकरण, 02 पैसा लेन-देन तथा 13 अन्य विषयों से जुड़े मामले शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रार्थना पत्र पर गहन विचार कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र, निष्पक्ष व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। एसपी राहुल भाटी ने कहा जनता की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हर फरियादी को न्याय दिलाना पुलिस की जिम्मेदारी है।

महिला को चोर समझकर भीड़ ने पीटा

सिद्धार्थनगर। जोगिया थाना क्षेत्र के नादेपार गांव में रविवार देर रात एक विवाद हुआ। ग्रामीणों ने एक मानसिक रूप से बीमार महिला को चोर समझ लिया। महिला गांव में भटक रही थी। उसके उलझे जवाबों से ग्रामीणों को शक हुआ। सूचना मिलते ही पीआरवी 112 की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। भीड़ नहीं मानी तो थाना इंचार्ज जोगिया उदयपुर मीरा चौहान को सूचित किया गया। थाने से अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया। पुलिस बल के पहुंचते ही भीड़ ने पथराव कर दिया। इस हमले में थाने की गाड़ी का शीशा टूट गया। वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। उपद्रवियों ने महिला को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। महिला को सुरक्षित थाने ले आई। पुलिस ने इस मामले में 12 लोगों को नामजद किया है। 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है। नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। अज्ञात आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। गवाहों से भी पूछताछ की जा रही है।

संक्षेप

मनबढ़ों ने मारपीट कर किया घायल, केस दर्ज

सरहरी, गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के ग्राम सभा रामपुर चक में पुरानी रंजिस को लेकर मनबढ़ो ने पति पत्नी व बेटे को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता के तहरीर पर पुलिस मुकदमा कायम कर जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। रामपुर चक निवासी पीड़िता किरन पत्नी नन्द कुमार ने चिलुआताल पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया कि मै अपने पति नन्द कुमार एवं बेट सत्यम के साथ एक घर से दूसरे घर जा रही थी। रास्ते में गाँव के ही रहने वाले श्री यादव, अवधेश यादव, गीता यादव व सबिता यादव रास्ते में रोक कर पुराने रंजिस को लेकर गाली देने लगे, मना करने पर उक्त लोग हम लोगो को मारपीट कर घायल कर दिए। तहरीर के आधार पर पुलिस मुकदमा कायम कर जाँच पड़ताल कर रही है।

पुलिस पर नाबालिग बेटे को जेल भेजने का आरोप, सीएम से लगाई गुहार

चरगांवा, गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत जंगल छत्रधारी टोला बंगला निवासी अमरावती देवी ने पिपराइच थाना के छत्रधारी चौकी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाई है। महिला का कहना है मुकामी पुलिस ने उसके निर्दोष नाबालिग बेटे को चोरी के आरोप में जेल दी। महिला ने मुख्यमंत्री के जनता दरबार में पहुंच उनसे न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने बताया कि उनकी माली हालत ठीक नहीं है। इसके वजह से उनका नाबालिक बेटा रिश्तेदार के साथ बाहर कमाने गया था। अगस्त महीने में घर आया। मंगलवार को सुबह जंगल छत्रधारी पुलिस दो युवकों को साथ उनके घर पहुंची। और उनके बेटे पर क्षेत्र में दो महीने पहले हुए चोरी का आरोप लगाकर खोजने लगी। बेटा घर पर नहीं मिला तो बहन के बेटे को पुलिस उठा ले गई। वह मंगलवार की रात बहन के बेटे को छुड़ाने चौकी पर गई तो पुलिस उनसे बदसलूकी करने लगे। जिसके बाद महिला घर आ गई। फिर बुधवार की सुबह अपने बेटे के साथ छत्रधारी चौकी पर गई तो पुलिस फिर उनसे बदसलूकी कर उनके नाबालिग बेटे को भी पकड़ लिया। जबकि पुलिस पहले से दो युवकों को पकड़ी थी। उसके परिजनों से रुपये लेकर छोड़ दिया। और उनके नाबालिक बेटे और बहन के बेटे को छोड़ने के लिए एक लाख रुपये की मांग की गई। महिला ने अपनी गरीबी का हवाला दिया तो पुलिस ने दोनों नाबालिग को चोरी के आरोप में जेल भेज दी। जिसके बाद महिला ने आई आईजीआरएस करने के बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनता दरबार में पहुंचकर मुख्यमंत्री से अपने निर्दोष नाबालिक बेटे और बहन के बेटे को छुड़ाने की मांग की हैं। इस बाबत जंगल छत्रधारी चौकी प्रभारी विनय सिंह का कहना है कि इस पूरे प्रकरण की जांच थानाध्यक्ष पिपराइच द्वारा की जा रही हैं।

सूचना

सूचित हो कि मेरा एक आरपीएल आई सं. R-UP-KP-EA- 32692 खुला है। जिसमें मेरा नाम श्रवण कुमार सैनी दर्ज है। अन्य अभिलेख में सरवन है। दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। भविष्य में मुझे इन्ही नाम से जाना व पहचाना जाए। सरवन पुत्र उमाशंकर निवासी कंजौरा उन्नाव।

न्यायालय सूचना

एच.सी.जे. फार्म नं. 33 पार्ट नं.-7
न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महो.
कादीपुर सुलतानपुर
वाद सं.- T202304680406828
तारीख पेशी- 15.09.2025
राजेन्द्र प्रसाद

बनाम

1. झप्पु 2. राजेश कुमार 3. राकेश कुमार	पुत्रगढ राम बक्श
4. शारदा देवी पत्नी स्व. राम बक्श	
5. संजीव कुमार 6. संतोष कुमार	पुत्रगढ अच्छेलाल
7. राम कलप 8. रमा शंकर 9. लाल चन्द 10. अमर बहादुर	पुत्रगढ राम हित
11. अवधेश 12. राम कुमार 14. राज बहादुर	पुत्रगढ राम नरेश
15. राम मिलन पुत्र राम सरन	
16. हरिश्चन्द्र पुत्र राम बक्श	

समस्त निवासीगढ़- गांव ग्राम सोधनपुर द्वारा सम्मिलित ग्राम उमरपुर पर. अल्देमऊ, तह. कादीपुर, जिला सुलतानपुर।

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है एवं आपकी एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ के लिए 15.09.2025 दिवस को पूर्वान्ह या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अधिवक्ता द्वारा उपसंजात है और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप सुना जायेगा और आधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 19.08.2025 दिवस को निकाली गई।

न्यायालय

समाधान दिवस में उमड़े फरियादी

159 मामले में मात्र 12 का हुआ निस्तारण

चौरीचौरा, गोरखपुर। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर चौरीचौरा तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी गोरखपुर दीपक मीणा की अध्यक्षता में किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों द्वारा कुल 159 मामले आये। जिसमें मात्र 12 मामलों का निस्तारण किया गया। बताते चलें कि चौरीचौरा में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी गोरखपुर के आने की सूचना पर क्षेत्र के तमाम फरियादी तहसील परिसर में जिलाधिकारी का इंतजार कर रहे थे। काफी इंतजार के बाद ज्योंहि जिलाधिकारी तहसील परिसर पहुंचे, फरियादी अपनी अपनी फरियाद लेकर उनके पास पहुंच गए। जिलाधिकारी द्वारा सबकी फरियाद सुना गया। और 12 मामलों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया शेष मामले को संबंधित विभाग के कर्मचारियों/अधिकारियों को शिघ्र कार्यवाही के लिए प्रेषित कर दिया गया। झगहा थाना क्षेत्र के राजधानी गांव के बिरजू टोला हाथखाल निवासी लगभग दो दर्जन ग्रामीणों ने शिकायती प्रार्थना पत्र देकर सड़क मरम्मत की गुहार लगाई। ब्रम्हपुर ब्लाक के तेंदुआ खुर्द निवासी कमलाकांत पुत्र परशुराम ने मनरेगा में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शिकायती प्रार्थना पत्र दिया है। उक्त अवसर पर उपजिलाधिकारी चौरीचौरा कुंवर सचिन सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर डीपीआरओ नीलेश प्रताप सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी गोरखपुर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखपुर, चकबंदी अधिकारी चौरीचौरा शिवशंकर सिंह, खंड विकास अधिकारी ब्रम्हपुर गरिमा सिंह, सहित तमाम विभागों के अधिकारी एवं उपस्थित रहे।

राधिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

गगहा, गोरखपुर। गोरखपुर ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में चौरीचौरा में आयोजित जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में राधिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए चार रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में विद्यालय की अंजली पासवान ने 50 किग्रा वर्ग में रजत पदक, नव्या वर्मा ने 70 किग्रा वर्ग में रजत पदक, अधिराज यादव ने 38 किग्रा वर्ग में रजत पदक तथा अवनीश प्रकाश पाण्डेय ने 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल किया। वहीं, युवराज सिंह (26 किग्रा वर्ग), दिपाली तिवारी (38 किग्रा वर्ग) और निशा शाही (46 किग्रा वर्ग) ने अपने शानदार खेल कौशल से कांस्य पदक प्राप्त किया। विद्यालय के प्रबंधक वी.के. सिंह ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यालय और जनपद, दोनों के लिए गौरव की बात है। विद्यालय के निदेशक पुनीत सिंह व प्रधानाचार्य श्री सुजॉय विश्वास ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी और कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेलों और सह-पाठ्य गतिविधियों में विद्यार्थियों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर विद्यालय के खेल प्रशिक्षक अखिलेश विश्वकर्मा, योगेश सिंह, अभिषेक मिश्रा, प्रीति सिंह, राधिका ओझा सहित अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

देवेंद्र मणि पाण्डेय मिलेगा बेस्ट लाइब्रेरियन अवार्ड

लखनऊ/गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के पुस्तकालयाध्यक्ष एवं त्रिवेणीनगर मोहल्ला, लखनऊ निवासी. देवेंद्र मणि पाण्डेय को मद्रास लाइब्रेरी एसोसिएशन (माला) द्वारा पुस्तकालय क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए बेस्ट लाइब्रेरियन अवार्ड हेतु चयनित किया गया है। उक्त समारोह चेन्नई की प्रसिद्ध अन्ना सेंटेनरी लाइब्रेरी में आयोजित हुआ। इस अवसर पर तमिलनाडु ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अरुमुगम, पेरियार यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. एम. थंगरासु तथा माला एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. के. नित्यानंदम सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। विदित हो कि माला एसोसिएशन की स्थापना भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन द्वारा वर्ष 1928 में की गई थी। डॉ रंगनाथन का जन्मदिन पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के रूप मे मनाया जाता है। यह कार्यक्रम उनके 133वें जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। डीएम. पांडेय को हाल ही में लाइब्रेरी प्रोफेशनल एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एल पी ए एक्सीलेंस अवार्ड 2025 भी प्रदान किया जा चुका है।

विवि परिसर में विकसित होगा हर्बल गार्डन

सैफई, इटावा। उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई के कुलपति डॉ. अजय सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में हर्बल गार्डन विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान करते हुए यूपी यूएमएस एम्पलॉइज एसोसिएशन से इस दिशा में विशेष पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक सुन्दर, सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक रूप से विकसित हर्बल गार्डन विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण आकर्षण स्थल बनेगा, साथ ही विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित होगा। यह बात कुलपति डॉ. अजय सिंह ने सोमवार को यूपीयूएमएस द्वारा आयोजित मेडिकल कॉलेज स्पोर्ट्स ग्राउंड में पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कही। इस मौके पर अमलतास के पौधे रोपे गए और उनकी सुरक्षा हेतु ट्राई गार्ड भी लगवाए गए। कुलपति ने स्वयं अपने हाथों से पौधारोपण कर इस प्रयास की गरिमा बढ़ाई। डॉ. अजय सिंह ने कहा कि हर्बल गार्डन को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विकसित किया जाएगा और इसका भव्य उद्घाटन जनवरी में किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह गार्डन न केवल विश्वविद्यालय के सौंदर्य में वृद्धि करेगा, बल्कि आयुर्विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा को भी नई दिशा देगा। एसोसिएशन अध्यक्ष शरद यादव ने बताया कि उनका संगठन सदैव से कर्मचारियों के हित के साथ-साथ समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता आ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल्द ही यूनियन सक्रिय रूप से हर्बल गार्डन के विकास कार्य में जुट जाएगी। कार्यक्रम में महामंत्री राजीव कुमार, उपाध्यक्ष अमित शुक्ला, जहीरुद्दीन, राजेश यादव, राजेन्द्र अनुरागी, स्वदेश दीक्षित, राजेश कुमार, संजय सिन्हा, विमला जी, गौरव श्रीवास्तव समेत तमाम कार्मिक उपस्थित रहे।

विवाद निस्तारण के बाद चकमार्ग का तेजी से हो रहा निर्माण, ग्रामीण खुश

गोला, गोरखपुर। विकास खण्ड गगहा के मऊ बुजुर्ग गांव में विवादित चकमार्ग का तहसील प्रशासन द्वारा सीमांकन कर विवाद निस्तारण के बाद चकमार्ग का तेजी से निर्माण हो रहा है। मजदूरों की फौज चकमार्ग पर मिट्टी को पाटने के काम में जुटी हुई है। चकमार्ग निर्माण को लेकर ग्रामीणों में खुशी का माहौल है, तो वहीं ग्रामीण चकमार्ग पर तत्काल खड़ंजा अथवा इंटरलॉकिंग कराने की भी मांग कर रहे है।

गोला तहसील क्षेत्र अन्तर्गत गगहा ब्लाक के मऊ बुजुर्ग गांव में पश्चिम टोले की तरफ जाने वाले चकमार्ग आराजी नंबर 148 क्षेत्रफल दशमलव 057 हेक्टेयर को लेकर विवाद था। गांव का एक व्यक्ति उक्त चकमार्ग को अपनी निजी भूमि में होने का दावा करते हुए न्यायालय की शरण में गया था। न्यायालय के निर्देश पर ग्राम पंचायत द्वारा उक्त भूमि से चकमार्ग को हटवा दिया था। जिसके बाद गांव में माहौल गरम हो गया था। गांव निवासी समाजसेवी व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि की पहल एवं ग्रामीणों की मांग पर खण्ड विकास अधिकारी गगहा ने उपजिलाधिकारी गोला को पत्र लिखकर चकमार्ग के सीमांकन की मांग किया था। एसडीएम के निर्देश पर गठित तहसील प्रशासन की टीम ने एक सप्ताह पहले उक्त चकमार्ग आराजी नंबर 148 क्षेत्रफल दशमलव 057 हेक्टेयर का सीमांकन कर ग्राम पंचायत को सुपुर्द कर दिया था। जिसके बाद ग्राम पंचायत प्रतिनिधि व वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश दूबे उर्फ नन्हें दूबे की देखरेख में मजदूरों की फौज लगाकर उक्त चकमार्ग पर मिट्टी पाटने का काम तेजी से चल रहा है। जिसको लेकर गांव के लोगों ने खुशी जाहिर की है, तो वहीं ग्रामीण चकमार्ग पर तत्काल खड़ंजा अथवा इंटरलॉकिंग कराने की मांग भी कर रहें है। ताकि बरसात के दिनों में चकमार्ग पर कीचड़ ना लगे और लोगों को सुलभ आवागमन का लाभ मिल सके।

गोला के सतनामी घाट पर कटान का एसडीएम ने किया निरीक्षण

- निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग बाढ़ खंड के अभियंता भी रहे मौजूद
- चेयरमैन व अधिशासी अधिकारी ने भी निरीक्षण कर लिया कटान का जायजा

गोला, गोरखपुर। उपनगर गोला के वार्ड संख्या-18 मल्लाह टोला स्थित सतनामी घाट पर हो रहे कटान का एसडीएम गोला अमित जायसवाल ने सिचाई विभाग बाढ खण्ड के अभियंताओं संग निरीक्षण किया। साथ ही कटान से प्रभावित मोहल्लेवासियों से बातचीत कर हालात का जायजा भी लिया। कटान प्रभावित लोगों की मदद को लेकर संबंधित राजस्व कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इससे पहले नपं गोला की चेयरमैन व अधिशासी अधिकारी ने कटान स्थल का निरीक्षण कर हालत का जायजा लिया था।

बता दें, नगर पंचायत गोला के वार्ड संख्या-18 मल्लाह टोला के सतनामी घाट पर एक लंबे अर्से के बाद सरयू नदी की विकराल रूप देखने को मिल रहा है। बाढ के साथ ही नदी की धारा रास्ता बदलने को आतुर दिख रही है। और जिस कारण मल्लाह टोले की तरफ कटान लग रहा है। कटान को देख मल्लाह टोला के लोग काफी भयभीत है। कटान की खबर मिलते ही सोमवार की अपरान्ह उपजिलाधिकारी गोला अमित जायसवाल ने सिचाई विभाग बाढ खण्ड के सहायक अभियंता निजामुद्दीन समेत अन्य अधिनस्थ अधिकारियों एवं राजस्व कर्मियों संग सतनामी घाट पर कटान का निरीक्षण किया। कटान प्रभावित मोहल्लेवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा। और फिर संबंधित क्षेत्र के राजस्व कर्मियों को प्रभावित लोगों डाक बंगला पर रैन बसेरा में रखवाले का निर्देश दिया। तथा सभी बाढ प्रभावितों का नाम सूचीबद्ध कर सहायता एवं राहत दिलाने का निर्देश दिया। तो वहीं सोमवार की दोपहर में नपं की अध्यक्ष लालती देवी व अधिशासी अधिकारी वैभव चौधरी ने कटान स्थल का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। तथा बाढ प्रभावितों को हर संभव मदद का भरोसा जताया। इस दौरान राजस्व कर्मी संजय तिवारी, स्टेनो बाबू अनूप सिंह, नपं के बड़े बाबू लल्लन प्रसाद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने तोड़ा दम

इकदिल, इटावा। क्षेत्र में मायके से पत्नी के नही आने पर युवक ने कीटनाशक दबाई पीकर खुदकुशी करली। गांव नगला वर के रहने वाले कन्हैया लाल का 29 वर्षीय बेटा गोविंद रविवार को गांव लुहन्ना अड्डा अपने ससुराल पत्नी ममता को लेने गया था वहीं ससुराल में पत्नी से घर आने को लेकर कहासुनी हो गई जब पत्नी ने आने से इंकार कर दिया जिसके बाद युवक अपने घर लौटकर आया और उसने खेतों में डालने वाली कीटनाशक दबाई को पी लिया जानकारी होने पर परिजन लोग उसे जिला अस्पताल ले गए वहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत देख उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया वहां इलाज के दौरान युवक ने देर शाम को दम तोड़ दिया। मृतक युवक के चाचा हरिकिशन ने बताया गोविंद तीन भाई और एक बहन में घर का छोटा बेटा उसकी शादी तीन साल पहले लुहन्ना अड्डा के पास से हुई थी उसका डेढ़ साल का एक बेटा भी है। वह मंजदूरी कर के अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था। चाचा ने बताया कि सुबह अपनी पत्नी ममता को लेने ससुराल गया था पत्नी उसके साथ नही आई तभी उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। युवक की मौत के बाद दोंनो भाई सत्यभान, और रविन्द्र तथा मां शंकरवती के साथ पत्नी ममता देवी का डेढ वर्षीय बेटे समेत रोरोकर हाल बेहाल हैं।

कीरतपुर गांव का संपर्क टूटा, नाव से आ-जा रहे ग्रामीण

जसवंतनगर, इटावा। तहसील क्षेत्र के कचैरा घाट यमुना नदी पुल के समीप बसे गांव कीरतपुर में बाढ़ का पानी कहर बरपा रहा है। आगरा जिले के कचैरा घाट बॉर्डर पर स्थित इस गांव का मुख्य मार्ग से संपर्क पूरी तरह कट गया है। यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर से मार्ग पर पानी भर गया है, जिससे ग्रामीणों को बाजार जाने या दवा लेने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग नाव से जोखिम उठाकर सड़क तक पहुंच रहे हैं। हालात इतने खराब हैं कि प्राथमिक विद्यालय में ताला लटक गया है। न तो छात्र-छात्राएं पहुंच पा रहे हैं और न ही शिक्षक।

बाढ़ ने खेतों को भी बुरी तरह तबाह कर दिया है। हरभेजी, सुबोध, फूलश्री, अवनीश, पुनीत, प्रवीन, सर्वेश, विकास, श्रीकृष्ण राजपूत, राजेश, जितेंद्र, महावीर, बजरंगी, भारत, माखन, निर्मल, रामरूप, सोभरन, अभिलाख, रामजी और रामलक्षन समेत कई किसानों की बाजरे की फसलें पानी में डूब चुकी हैं। खेतों में जमा पानी से फसलें जमींदोज होकर पूरी तरह नष्ट होने की कगार पर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो गई है। घरों में पानी घुसने का खतरा बना हुआ है। पशुओं के लिए चारा खत्म हो रहा है और पीने के पानी की भी गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी समस्या के बावजूद प्रशासन ने मौके पर आकर हालात का जायजा नहीं लिया। गुस्साए ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध जताते हुए तत्काल राहत की मांग की। जब इस संबंध में एसडीएम कुमार सत्यमजीत सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जांच के लिए क्षेत्रीय लेखपाल राहुल और राघवेंद्र को ग्राम प्रधान और सचिव के साथ भेजा गया है।

सामूहिक श्राद्ध तर्पण का आयोजन

गगहा, गोरखपुर। पितृ पक्ष के पावन अवसर पर गगहा क्षेत्र के गायत्री शक्तिपीठ बासुडीहा पर सामुहिक श्राद्ध तर्पण का आयोजन किया गया। जो आठ सितंबर से 22 सितंबर तक चलेगा। जहां प्रथम दिवस ही भारी संख्या में लोगों ने सामुहिक श्राद्ध तर्पण में शामिल होकर विद्वानों की देखरेख में अपने पितरों को तर्पण किया। गायत्री शक्तिपीठ पर आयोजित सामुहिक श्राद्ध तर्पण में प्रथम दिवस कार्यक्रम करा रहे परिव्राजक आलोक सिंह ने बताया कि शास्त्रों में कहा गया है कि ₹श्राद्धात् पितरः तृप्यन्ति तृप्ताः सन्ति परं सुखम्ह अर्थात श्राद्ध करने से पितर तृप्त होते हैं और बदले में अपने वंशजों को आशीष देते हैं। कार्यक्रम के प्रथम दिन क्षेत्र डाक्टर वीरेंद्र सिंह, योगेश्वर सिंह, विनय, राजकुमार वर्मा, राजबहादुर, विनोद, शिवकुमार, मनोज, सिकंदर प्रजापति, अमर सिंह, सर्वजीत, श्यामा यादव सहित बहुत से लोग शामिल होकर अपने पितरों को श्रद्धा समर्पण व विश्वास के साथ तर्पण किए। गायत्री शक्तिपीठ ने सभी क्षेत्रवासियों से आह्वान किया है कि वे इस पितृ पक्ष में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण करें और पितृ आशीर्वाद प्राप्त करें।

यमुना उफान पर, श्मशान घाट जलमग्न

चंबल का भी बढ़ा जलस्तर, छह गांव व एक मंदिर का रास्ता बंद

चकरनगर, इटावा। तहसील क्षेत्र चकरनगर में उफनाई यमुना नदी सोमवार को खतरे का निशान पार कर गई और चंबल का भी जलस्तर बढ़ने से जनता की चिंता की लकीरें बड़ी हो गई। इधर चैथे दिन भी बाढ़ के पानी से क्षेत्र के छह गांव व एक मंदिर चारों तरफ से घिरा है। चारों तरफ भरा बाढ़ का पानी आम जनमानस सहित पशुओं के लिए मुसीबत बन गया है। पंजाब के खराब हालात देखकर लोग भयभीत है। सोमवार को यमुना नदी का जलस्तर खतरा निशान 121.92 मीटर को पार करता हुआ, 122.20 मीटर पर पहुंच गया, जो खतरा निशान से 0.28 मीटर ऊपर है और इधर चंबल नदी का भी जलस्तर शनिवार रात्रि समय से ही बढ़ना शुरू हो गया था, जो सोमवार दोपहर तक 0.01 मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा था, किन्तु 12 बजे से 0.02 मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ाना शुरू हो गया, जो दोपहर समय 12 बजे 120.10 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरा निशान 120.80 से महज 0.70 मीटर नीचे रह गया। जिससे पिछले चार दिन से क्षेत्र के गांव चकरपुरा, अम्दापुर, निवि, खिरीटी, ककरैया व रनिया के रास्तों में बाढ़ का पानी भरने से यातायात प्रभावित रहा, साथ ही सिद्धनाथ मंदिर का रास्ता भी बंद रहा, लेकिन नीचे पानी खुलने से भारेश्वर मंदिर पर सोमवार को श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सके। बताते चलें कि क्षेत्र की जनता यमुना व चंबल नदी में बार-बार बाढ़ का पानी बढ़ने से भयभीत है। लोगों में सोशल मीडिया के द्वारा देखे जा रहे पंजाब के हालातों को लेकर भय व्याप्त है। ब्रह्मानंद सिंह कठेरिया, एसडीएम चकरनगर ने बताया कि यमुना व चंबल के पानी से अभी कोई खतरा नहीं है और बाढ़ से निपटने के लिए हमारी टीम तैयार है, बाढ़ चैकियां अलर्ट है।

इटावा। यमुना नदी ने इस बार विकराल रूप ले लिया है। खतरे के निशान को पार कर जलस्तर 122.06 मीटर तक पहुँच चुका है। तेज बहाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। श्मशान घाट में करीब तीन फुट पानी भर गया, अंतिम संस्कार की प्रक्रिया ठप पड़ गई। परिजनों को शवयात्रा श्मशान घाट के सामने बने अस्थाई स्थल तक ले जानी पड़ रही है। सुनवारा इलाके में पड़राया हनुमान मंदिर का पूरा परिसर जलमग्न हो गया है। वहां तक जाने वाली आरसीसी सड़क पर साढ़े चार फुट पानी भरने से रास्ता बंद है। घाटों और मंदिरों में पांच फुट तक पानी भरा, पूजा-अर्चना रोक दी गई है। तलहटी किनारे बसे गांवों और खेतों में पानी घुस गया। हजारों बीघा फसलें जलमग्न हो गईं, किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। श्मशान घाट से सामान को जेसीबी की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

बाढ़ के बीच एक और नई मुसीबत सामने आई है, मगरमच्छ। श्मशान घाट के पीछे रोजाना दो से तीन विशाल मगरमच्छ दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। स्थानीय युवक अवनीश कुशवाह ने कहा, इतना पानी कभी-कभार ही देखने को मिला है। मगरमच्छ अब लोगों के लिए बड़ी चिंता बन गए हैं। न तो खेतों की ओर जा पा रहे हैं और न ही घाट पर रुकने की हिम्मत जुटा पा रहे हैं। यमुना का यह उफान केवल बारिश का असर नहीं है, बल्कि ऊपरी बैराजों से छोड़े गए पानी का नतीजा भी है। हरियाणा के हथनीकुंड बैराज से इस सीजन में रिकॉर्ड स्तर पर पानी छोड़ा गया है। हाल में 1.6 से 1.8 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जबकि मानसून के दौरान यह आंकड़ा 3.29 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया था। इसका असर 48 से 50 घंटे बाद यमुना में दिखा और इटावा समेत किनारे के जिलों में जलस्तर लगातार बढ़ता गया।

तहसील समाधान दिवस में 9 शिकायतें

जसवंतनगर, इटावा। तहसील सभागार में सोमवार को आयोजित समाधान दिवस में एडीएम अभिनव रंजन की अध्यक्षता और एसपी सिटी अभयनाथ त्रिपाठी की मौजूदगी में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान कुल 9 शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन किसी का भी निस्तारण मौके पर नहीं हो सका। अधिकारियों ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। कुरसेना गांव की विधवा कैलासी देवी ने बताया कि वह गाटा संख्या 82 की सह-खातेदार हैं, लेकिन विपक्षियों ने गुंडागर्दी के दम पर जमीन पर कब्जा कर लिया है। इसी तरह महामई गांव के मुनेश ओतार ने शिकायत की कि उनकी भूमि पर निजी नलकूप और ट्रांसफार्मर रखा हुआ है, लेकिन विपक्षी वहां कोठरी का निर्माण कर रहे हैं और पुलिस ने उनका कार्य रुकवा दिया है, जो अनुचित है। समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों ने सभी शिकायतों को ध्यान से सुना और संबंधित विभागों को जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम कुमार सत्यमजीत सिंह, तहसीलदार नेहा सचान, सीओ आयुषी सिंह, बीडीओ उदयवीर दुबे, एडीओ पंचायत देवेंद्र यादव, एडीओ कृषि बलबीर सिंह, एसडीओ विद्युत आनंद पाल सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तहसील चकरनगर में समाधान दिवस का आयोजन

इटावा। जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तहसील चकरनगर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जाकर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रकरणों की गंभीरता से जांच की जाये साथ ही जबाबदेह लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि जब भी अधिकारीगण गावों के भ्रमण पर जाये अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का मौके पर सत्यापन करें तथा लाभार्थियों का फीडबैक भी लें। संपूर्ण समाधान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई की। उन्होंने थानाध्यक्षों को निर्देश दिये कि प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में जन सुनवाई के दौरान समस्याएं प्राप्त होती है उनका निस्तारण शासन स्तर से समस्याओं के निस्तारण के संबंध में समस्या ग्रस्त व्यक्ति से फीडबैक भी लिया जा रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए निस्तारण गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। उक्त अवसर पर उपजिलाधिकारी चकरनगर, क्षेत्राधिकारी चकरनगर सहित अन्य समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

हरियाणा में रहस्यमय हालात में लापता हुआ गोला का राजेश

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तिनावा निवासी राजेश कुमार की पत्नी कांति देवी ने पति की हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस-प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। कांति देवी का आरोप है कि गांव के ही ठेकेदार हरिश्चंद्र पुत्र दिलाराम 15 अगस्त को उनके पति राजेश कुमार सहित आठ अन्य मजदूरों को हरियाणा मजदूरी के लिए लेकर गया था। 24 अगस्त को राजेश कुमार ने अपने मालिक के मोबाइल नंबर से पत्नी को फोन कर बताया कि उसे वहां विपक्षी के लेबर मारपीट कर रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उसने तत्काल वापस आने के लिए 1000 रुपये मांगे, जिस पर उसने ने ऑनलाइन रुपये भेज दिए। इसके बाद से राजेश कुमार का कोई संपर्क नहीं हो सका। 30 अगस्त को गांव के अन्य मजदूर संजय पुत्र मुरली, प्रमोद पुत्र बनारसी, कमलेश पुत्र बनारसी, विकास पुत्र ओमप्रकाश, सुशील पुत्र दिलाराम, रामाश्रय पुत्र महादेव हरियाणा से लौट आए, लेकिन राजेश कुमार वापस नहीं आया। जब उसने ने मजदूरों से पूछताछ की तो जानकारी मिली कि कमलेश पुत्र बनारसी ने राजेश कुमार को मारपीट की थी और वह अपना मोबाइल व बैग हरियाणा में ही छोड़कर भाग आया था। अन्य मजदूर राजेश कुमार के बारे में कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे पाए। कांति देवी को आशंका है कि उसके पति के साथ कोई गंभीर घटना घटित हुई है। पीड़िता ने बताया कि गोला कोतवाली में तहरीर देने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

दस्यू सरगना नज्जू व उसके पुत्र समेत 10 लोगों के विरुद्ध केस दर्ज

कलान। थाना परौर क्षेत्र में रविवार को दो युवकों से हुई मारपीट व हत्या के प्रयास के मामले में कुख्यात पूर्व दस्यू सरगना नज्जू व उसके पुत्र समेत 10 लोगों के विरुद्ध साजिश रचने मारपीट तथा हत्या का प्रयास समेत कई धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया गया है। मंझा निवासी जितेंद्र पाल सिंह ने थाने पर दर्ज कराये मुकदमे में बताया कि 7 सितंबर को सुबह 7 बजे उसके चचेरे भाई सावेन्द्र व ? उदयराज अपने खेत में तार लगा रहे थे।उसी समय गांव के अजयपाल, अधिकपाल, धर्मवीर, दीपेन्द्र, दीपांशू, ओमसिंह, भाग सिंह, सज्जन व मंझा दहेलिया निवासी संदीप पुत्र नज्जू, राजिन्द्र उर्फ नज्जू की सह से अपने हाथों में लाठी, राग व अवैध शस्त्र लेकर एक राय होकर खेत पर आए और गंदी-गंदी गालियां देकर जान से मारने की नीयत से तमंचा से फायर करते हुये उदयराज व सावेन्द्र को मारने पीटने लगे।मौका पाकर उदयराज को वहीं पर छोड़ गए और सावेन्द्र को बंधक बनाकर किसी अज्ञात जगह पर ले गए।परिवरीजन इकट्ठे होकर वहां गए तो देखा कि सावेन्द्र बेहोश पड़ा था।पुलिस ने जितेन्द्रपाल सिंह की तहरीर के आधार पर कुख्यात पूर्व दस्यू सरगना नज्जू व उसके पुत्र संदीप समेत सभी 10 आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

आकांक्षा स्टोर और कैफे का निरीक्षण

जिला संवाददाता(vol)

लखीमपुर खीरी। सोमवार को जिले की नोडल अधिकारी गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस ने शासन से नामित विशेषज्ञ सेवानिवृत्त आईएएस कुमदलता श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईएफएस अजय कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक यूपीसी कॉरपोरेशन डॉ. रामशब्द जैसवारा, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी और डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार संग राजापुर में संचालित आकांक्षा स्टोर और आकांक्षा कैफे का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अधिकारियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। अफसरों ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का अवलोकन किया और जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना की। उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सीडीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि जिले के स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को अब लखीरा ब्रांड के नाम से पहचान मिल रही है। नोडल अधिकारी और विशेषज्ञ टीम ने आकांक्षा कैफे का भी अवलोकन किया। यहां के संचालन और सेवाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई। अफसरों ने कहा कि यह पहल महिलाओं की आर्थिक मजबूती की दिशा में प्रेरणादायक कदम है।

लखीमपुर खीरी में समृद्धि के शताब्दी संकल्प पर मंथन

लखीमपुर खीरी। विकसित उत्तर प्रदेश और आत्मनिर्भर भारत का सपना अब केवल सरकार की योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि हर घर की भागीदारी से जुड़ रहा है।

कलेक्ट्रेट के अटल सभागार में आयोजित शताब्दी संकल्प @2047 कार्यशाला में प्रबुद्धजनों से लेकर किसानों, उद्यमियों, शिक्षकों और श्रमिकों तक सबने अपने विचार साझा किए। किसानों ने आधुनिक, प्राकृतिक खेती की दिशा दिखाई, उद्योग जगत ने निवेश व कनेक्टिविटी की जरूरत बताई, वहीं शिक्षा व श्रमिक संगठनों ने जनहित से जुड़े सुझाव दिए। इस कार्यशाला की अध्यक्षता नोडल अधिकारी मिनिस्ती एस ने की। समिति में शासन से नामित विशेषज्ञों में सेवानिवृत्त आईएएस कुमदलता श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईएफएस अजय कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक यूपीसी कॉरपोरेशन डॉ. रामशब्द जैसवारा, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी सलिल यादव तथा वाईडी कॉलेज से हेमंत पाल शामिल हुए। कार्यशाला में अर्थशक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। कार्यशाला की शुरूआत में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और सीडीओ अभिषेक कुमार ने नोडल अधिकारी एवं विशेषज्ञों को पुष्पगुच्छ देखकर स्वागत कि या। कार्यशाला की शुरूआत में सीडीओ अभिषेक कुमार ने कार्यशाला की आवश्यकता और प्रासंगिकता बताई। सीडीओ ने कहा कि इस कार्यशाला में वितरित फोल्डर में अंकित क्यूआर कोड को स्कैन करके अपने विचार और संकल्प साझा किया जा सकते हैं। उद्योग, श्रमिक संगठन, माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा के विभिन्न संगठन के पदाधिकारियो ने मा. प्रधानमंत्री की संकल्पना को साकार किए जाने के उद्देश्य से अपने महत्वपूर्ण सारगर्भित सुझाव दिए।आईएमए अध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने राजापुर व छाउछ के अलावा एक नए इंडस्ट्रियल एरिया की जरूरत बताई। उन्होंने ओडीओपी में प्लाईवुड उद्योग शामिल करने और मंडी टैक्स में राहत की मांग की। उद्यमी रमेश अग्रवाल ने तकनीकी ग्रेड यूरिया केंद्र की स्थापना पर जोर दिया। व्यापारियों ने दिल्ली से बेहतर ट्रेन कनेक्टिविटी की आवश्यकता जताई।खांडसारी उद्योग के प्रतिनिधियों ने नियमों में शिथिलता की मांग उठाई। श्रमिक संगठन के पदाधिकारी अरविंद मिश्रा और यूसुफ ने मूलभूत सुविधाओं से लैस लेबर अड्डों की स्थापना का मुद्दा रखा। माध्यमिक शिक्षा संगठन के पदाधिकारी राजेंद्र कुमार आर्य, विशाल वर्मा, मीनाक्षी तिवारी ने अपने विचार रखे। बेसिक शिक्षा संगठन से संजय मिश्रा, राकेश मिश्रा, आभा शुक्ला, डॉ. नमिता श्रीवास्तव ने भी सारगर्भित सुझाव दिए। सेनि कृषि अधिकारी यूपीसी कॉरपोरेशन डॉ. रामशब्द जैसवारा ने कहा कि समर्थ और समृद्ध उत्तर प्रदेश बनाने के लिए इस तरह के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। शताब्दी संकल्प को पूरा करने में कृषकों की महती भूमिका है, क्योंकि कृषि क्षेत्र ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता की रीढ़ है। किसानों के विचार और सुझाव बेहद अहम हैं, जिन पर अमल कर हम प्रदेश को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत कार्यशाला आयोजित

मोहम्मदी खीरी। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत सोमवार को ब्लॉक सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रेखा वर्मा, विशिष्ट अतिथि विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह, उपायुक्त उद्योग उज्जवल सिंह, खंड विकास अधिकारी अश्विनी सिंह, ब्लॉक प्रमुख महेंद्र बाजपेई सहित उद्योग विभाग के कर्मचारी व ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे। कार्यशाला में युवाओं को योजना की जानकारी दी गई।विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि नौकरी को ही जीवन का अंतिम लक्ष्य न मानकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में अपनी भूमिका निभाएं। उपायुक्त उद्योग उज्जवल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है,जिसमें बिना ब्याज के ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

रेल संचालन बंद होने के खिलाफ भाकपा माले ने दिया धरना

पलियाकलां- खीरी। पलिया में रेल संचालन बंद करने के खिलाफ आज रेलवे स्टेशन पलिया में अखिल भारतीय किसान महासभा के राज्य कार्यकारणी सदस्य व भा क पा मांले की राज्य कमेटी सदस्य कामरेड कमलेश राय के नेतृत्व में क्षेत्रीय जनता की सभा का आयोजन किया गया। बैठक में पलिया के रेलवे स्टेशन को चालू करने की मांग को लेकर आंदोलन चलाने के लिए 27 सदस्यीय रेल चलाओ पलिया क्षेत्र बचाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया।

समिति ने तय किया कि 20 सितंबर को पलिया में विशाल प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इस प्रदर्शन का सूचना देने के लिए एस डी एम कार्यालय तक मार्च किया गया और कहा कि अगर रेल को चलाया नही गया तो भूखहड़ताल शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर भाक पा माले केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड कृष्णा अधिकारी ने कहा कि भा ज पा सरकार पलिया की जीवन रेखा ब्रिटिश कालीन रेलवे स्टेशन को खत्म करके पलिया क्षेत्र की विकास को रोक देना चाहती है। इसे हम किसी कीमत पर होने नही देंगे एपवा के जिला अध्यक्ष कामरेड आरती राय ने कहा कि पहले से ही बाढ़ कटान से त्रस्त पलिया क्षेत्र से रेलवे को खत्म करके योगी सरकार खेती किसानी, व्यापार सभी कुछ खत्म करना चाहती है। क्षेत्र की जनता इसके खिलाफ लड़ेगी। कामरेड कमलेश राय सर्वसम्मती से संयोजक चुने गए उन्होंने इस लड़ाई को जीत की मंजिल तक पहुंचाने के लिए सभी से तन मन धन से उठ खड़े होने की अपील की। इस मौके पर लल्लन गौर किसान नेता महेंद्र सिंह, मंजीत सिंह, पूर्व प्रधान कमरुद्दीन, कामरेड रामकिशन आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

पीलीभीत लखनऊ रेलखंड पर दिल्ली तक चलें ट्रेनें

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) ब्रॉडगेज लाइन बनने के बावजूद लखनऊ से दिल्ली वाया सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी, पीलीभीत होकर कोई ट्रेन न चलने से यात्रियों को भारी कठिनाई हो रही है। इसे लेकर वकील संदीप अवस्थी ने प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम की गैर मौजूदगी में एडीएम को सम्पूर्ण समाधान दिवस में सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया कि गोला गोकर्णनाथ शिव मंदिर, नैमिष क्षेत्र का चक्रतीर्थ, शाहजहांपुर स्थित परशुराम पुरी और दुधवा नेशनल पार्क जैसे धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालुओं का आना जाना होता है। सावन में तो गोला शिव मंदिर पर एक दिन में लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होता है। इसके बावजूद क्षेत्रवासी वर्षों से ट्रेनों के अभाव में परेशान हैं। मांग की गई है कि नई ट्रेनें मैलानी से सुबह 5 बजे लखनऊ के लिए एक्सप्रेस, लखनऊ से काठगोदाम ट्रेन पूर्व की भांति चलाई जाए, मरुधर एक्सप्रेस (लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर, गोला, मैलानी होकर चलाई जाए, मैलानी से सुबह 8 बजे पैसेंजर लखनऊ के लिए चलाई जाए, मैलानी से दोपहर में लखनऊ के लिए एक्सप्रेस ट्रेन का प्रबंध किया जाय, लखनऊ से मैलानी होकर दिल्ली के लिए ट्रेन चलाई जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि मीटरगेज के समय ऐशबाग से लालकुआं, टनकपुर, आगरा, कासगंज समेत एक दर्जन ट्रेनें नियमित चलती थीं। 18 नवंबर 1886 को लखनऊ, सीतापुर रेलखंड, 15 अप्रैल 1887 को सीतापुर, लखीमपुर, 9 दिसंबर 1887 को लखीमपुर, गोला, और 1 अप्रैल 1891 को गोला, पीलीभीत रेलखंड पर ट्रेन संचालन शुरू हुआ था। लेकिन ब्रॉडगेज विस्तार के बाद से ट्रेनों के पहिए थम गए हैं। वकील संदीप अवस्थी ने कहा कि जनता अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से लगातार आवाज उठा रही है। सरकारें बदलीं, सांसद, विधायक बदले लेकिन ट्रेनें नहीं चलीं। अगर नई ट्रेनों का संचालन हो तो यात्रियों को सस्ता व सुगम यातायात मिलेगा और सरकार को भी राजस्व प्राप्त होगा।

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो की मौत

जिला संवाददाता(vol)

कलान। कलान थाना क्षेत्र में हाईटेंशन विद्युत लाइन के करंट से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पीएम हेतु भेज दिया है। घटना सोमवार सुबह 6 बजे की बताई जा रही है।

- नल की सरिया खींचते समय लाइन में टच होने से हुआ हादसा
- पुलिस ने दोनों शवों को पीएम के लिए भेजा

थाना कलान क्षेत्र के गांव बाराखुर्द निवासी कमल देव सिंह पुत्र वासुदेव सिंह रोज की भांति रविवार की शाम को गांव तिलौआ गांव में अपने खेत की रखवाली करने गए थे।उनके खेत पर ही उनका ट्यूबवेल है।वहीं वह सोते थे।खेत पर ही शाम को तिलौआ निवासी सत्यवीर ने अपना नल सही करने की बात कमल देव से कही थी।सोमवार सुबह 6 बजे उठकर कमल देव सत्यवीर के गांव तिलौआ पहुंचे।जहां उन्होंने अपनी साइकिल खड़ी कर दी।

सत्यवीर के दरवाजे के सामने रोड के किनारे नल लगा था।सत्यवीर ने कमल देव से नल की सरिया खिंचवाने को कहा।दोनों मिलकर नल की सरिया खींचने लगे।सरिया की लंबाई अधिक होने के कारण सरिया ऊपर से गुजर रही 11000 की हाईटेंशन लाइन में टच हो गई।जिससे सरिया में करंट आ गया और दोनों के शरीर से आग निकलने लगी।घटना में सत्यवीर (36) पुत्र मुंशीलाल व कमल देव (38) पुत्र वासुदेव की मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गयी।एक साथ हुई दो मौतों से गांव में कोहराम मच गया।सूचना पर चौकी प्रभारी बाराकलां प्रदीप सिंह रावत पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु पीएम हाउस भेज दिया है।कमल देव अविवाहित थे।सत्यवीर की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।सत्यवीर अपने पीछे पत्नी आरती (25), पुत्री प्रियंका (8), पुत्र अंशुल (6) रोता बिलखता छोड़ गये।

हैप्पी कुंछल अध्यक्ष व शिशिर गुप्ता महामंत्री सर्वसम्मति से मनोनीत

तिकुनिया खीरी। नगर व्यापार मंडल तिकुनिया की बैठक महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में संपन्न हुई जिसमें जिले से आए जिला अध्यक्ष विनोद मिश्रा के साथ आई टीम ने नगर व्यापार मंडल के संगठन का मनोयनन किया। इस अवसर पर कस्बे के तमाम व्यापारी मौजूद रहे। प्रदेश से आए संगठन मंत्री अजय अग्रवाल तथा जिला अध्यक्ष विनोद मिश्रा ने व्यापारियों द्वारा दिए गए नाम की घोषणा की जिस पर आम सहमति से तालियो की गड़गड़ाहट में अध्यक्ष दिनेश कुंछल उर्फ हैप्पी को घोषित किया गया। इसी प्रकार महामंत्री के लिए शिशिर गुप्ता और कोषाध्यक्ष पद के लिए आनंद अग्रवाल को मनोनीत किया गया।

योजनाओं की सौगात पाकर ग्रामीणों में खुशी

लखीमपुर खीरी। शताब्दी संकल्प @2047 अभियान के तहत सोमवार को नोडल अधिकारी एवं गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस शासन से भेजी गई विशेषज्ञ टीम संग नकहा ब्लॉक की ग्राम पंचायत शैलगांव पहुँची। यहाँ उन्होंने विकास कार्यों का जायजा लिया और ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं।

कार्यक्रम की शुरूआत नोडल मिनिस्ती एस, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार, ब्लॉक प्रमुख पवन गुप्ता और ग्राम प्रधान सुनैना गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद लाभार्थियों को पीएम-आवास, सीएम-आवास, फैमिली आईडी, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड तथा सीसीएल का वितरण किया गया। ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनके विचार जाने और उनकी समस्याएं को भी नोट किया। उपस्थित ग्रामीणों ने मनरेगा मजदूरी बढ़ाने जाने की मांग की। सरकार की ओर से कराए गए कार्यों पर संतोष जताया। वही समूह की एक महिला ने आरएफ फंड बढ़ाने की मांग की। शासन से नामित विशेषज्ञों में सेवानिवृत्त आईएएस कुमदलता श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईएफएस अजय कुमार श्रीवास्तव, यूपीसी कॉरपोरेशन के संयुक्त निदेशक डॉ. रामशब्द जैसवारा और सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी सलिल यादव ने शताब्दी संकल्प @2047 की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि समृद्ध भारत के लिए आमजन की भागीदारी जरूरी है। ग्रामीणों से अपील की कि वे एक माह के भीतर पंपलेट में दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से अपने सुझाव अवश्य साझा करें।

गांव की व्यवस्थाओं को अफसरों ने सराहना

इसके बाद अफसरों के दल ने परिषदीय स्कूल, लर्निंग लैब, साइंस लैब और मनरेगा पार्क का निरीक्षण किया। चाक-चौबंद व्यवस्थाएँ देखकर अफसरों ने ग्राम प्रधान सुनैना गुप्ता की सराहना की और इसे अन्य गाँवों के लिए अनुकरणीय बताया।

बढ़ी कर की दरों को लेकर लोगो में रोष

सिंगाही-खीरी। नगर पंचायत द्वारा लागू की गई नई गृहकर एवं जलकर व्यवस्था के खिलाफ नगर वासियों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को कस्बे के नागरिक पहले श्रीरामलीला धर्मशाला में एकत्र हुए वहां कर वृद्धि के विरोध में चर्चा की गई और इसके बाद पूर्व चेयरमैन प्रदीप कुमार पुरवार के नेतृत्व में सभी लोग नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे।

कार्यालय पर मौजूद अधिकारियों से वार्ता के लिए भीड़ को मैरिज हॉल में ले जाया गया, जहां चेयरमैन मोहम्मद कय्यूम और एसडीएम/ईओ राजीव निगम ने लोगों की आपत्तियां सुनीं। इस दौरान नगर पंचायत कर्मियों ने नई कर प्रणाली की पूरी जानकारी उपस्थित लोगों को दी। स्पष्ट किया गया कि नगर पंचायत क्षेत्र में वे भूमि, जिन पर कृषि कार्य हो रहा है और जो नॉन जेड ए श्रेणी में आती हैं, उन पर किसी भी प्रकार का कर नहीं लगाया जाएगा। चेयरमैन मोहम्मद कय्यूम ने कहा कि यह नई स्वकर प्रणाली नगर पंचायत बोर्ड का निर्णय नहीं है बल्कि इसे सीधे सरकार द्वारा लागू किया गया है। बैठक में पूर्व चेयरमैन उत्तम मिश्र, पूर्व प्रधान श्रीराम सिंह, भाजपा नेता सुनील बत्रा, उत्तम सोनी, व्यापारी नेता दिनेश अग्रवाल, रमाकांत जायसवाल, महेश अग्रवाल सहित सभासद, पूर्व सभासद और नगर के अन्य जिम्मेदार लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में हुआ समाधान दिवस

धौरहरा खीरी। बीते शनिवार को प्रदेश व जिले में पेट परीक्षा संम्पन होने के चलते शनिवार को होने वाले संम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सोमवार को किया गया जिसमें कुल 23 शिकायती पत्र दर्ज हुएं। जिनमें दो शिकायते निस्तारित बताई गई है। शासन स्तर से आम जनता को भूमि व अन्य प्रकार की समस्यायों को लेकर तहसील दिवस का आयोजन शनिवार में होना तय मगर अपरिहार्य कारणों से जिले में शनिवार व रविवार को पेट परीक्षा संम्पन होने के चलते सोमवार को तहसील सभागार धौरहरा में एसडीएम धौरहरा शशीकांत मणि की अध्यक्षता में आयोजन हुआ जिसमें राजस्व 9.पुलिस 7.विकास विभाग 3.पूर्ति 2 व अन्य 2 शिकायती पत्र दर्ज हुएं जिसमें 2 पत्रों का निस्तारण हुआ इस दौरान तहसीलदार धौरहरा आदित्य विशाल नायब तहसीलदार धौरहरा बीरेंद्र यादव नायब तहसीलदार फिरोजाबाद अखिलेश मौर्या सहित अन्य विभागों के जिम्मेदार अधिकारी अपनी अपनी सीट पर मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के सहयोगी शिक्षक,शिक्षिकाएं सम्मानित

गोला गोकर्णनाथ, खीरी।(वीओएल) गुरुवार को सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट सहयोग प्रदान करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया

गया। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं में कौशल किशोर मिश्र, कौशलेन्द्र कुमार मिश्र, राजकुमार मिश्र, आशीष रंजन, बृजेन्द्र पांडेय, नीरज मिश्रा, पूजा प्रजापति, मंजू देवी, अंजलि सिंह और आकांक्षा मिश्रा को छात्रों का मार्गदर्शन करने एवं उनमें भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशंसा पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिला संयोजक भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, लखीमपुर सुरेश कुमार वर्मा तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता गायत्री परिवार गोला गीता सिंह द्वारा प्रदान किया गया। यह परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर अक्टूबर 2024 में आयोजित की गई थी, जिसमें विद्यालय के कुल 306 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए। सफल प्रतिभागियों को पूर्व में ही सम्मानित किया जा चुका है।

विद्या मंदिर में सेवानिवृत शिक्षकों का हुआ सम्मान

गोला गोकर्णनाथ, खीरी।(वीओएल) सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन प्रबन्ध समिति के कोषाध्यक्ष ईश्वरदीन वर्मा

की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें विद्यालय के नगर के सेवानिवृत्ति वरिष्ठ शिक्षकों व विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके उपरान्त शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिव सागर लाल वर्मा, बेनी राम श्रीवास्तव, देवी दीन वर्मा, शुभकरण वर्मा, गिरधारी लाल, अशोक अवस्थी, आदित्य अग्निहोत्री तथा रामचंद्र गुप्ता को विद्यालय प्रबन्धन ने सम्मानित किया। इसके साथ विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिकाओं को भी सम्मानित किया। प्रबन्ध समिति के कोषाध्यक्ष ईश्वरदीन वर्मा ने कहा कि किस तरह शिक्षक जीवन जीते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने समाज जीवन से समन्वय स्थापित करते हुए भारत की उन्नति में अपना योगदान दिया। हमें किन-किन कर्तव्यों का पालन शिक्षक जीवन में करना चाहिए इस पर भी आपके द्वारा विचार प्रस्तुत किए गए। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार कनौजिया ने शिक्षकों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य चंद्रेश अग्निहोत्री ने किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सिर्फ तीन शिकायतें निस्तारित

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) सम्पूर्ण समाधान दिवस में 59 फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई जिसमें तीन फरियादियों की समस्या का ही निपटारा हो सका। सोमवार को तहसील सभागार में एडीएम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व एवं आपदा विभाग की 20, पुलिस विभाग की पांच, खाद्य एवं रसद विभाग 10, संयुक्त जॉच हेतु चार, ग्राम्य विकास विभाग की छह, विद्युत विभाग की दो, चिकित्सा विभाग की तीन, बेसिक शिक्षा विभाग की दो, महिला कल्याण विभाग की दो, जिला नगरीय विकास अभिकरण, नगर विकास विभाग, बैंक विभाग, चकबन्दी विभाग, समाज कल्याण विभाग की एक-एक शिकायत आई थी। मौके पर तीन शिकायतों का निस्तारण किया गया और 56 शिकायतों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किये जाने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया है। इस मौके पर सीएमओ, एसडीएम समेत तमाम अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

गोला में गैंगस्टर एक्ट के तहत 10 अपराधी चिह्नित

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) गोकशी करने वाले एक गिरोह के सरगना सहित 10 अपराधियों पर कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की है। कोतवाल निरीक्षक अम्बर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सोमवार को क्षेत्र में गश्त के दौरान आरोपियों के संगठित गिरोह में शामिल होने और उनके आपराधिक इतिहास की पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक, इस गिरोह का इतना खौफ था कि आम लोग इनके अपराधों की जानकारी पुलिस को देने से भी डरते थे। गांवों में इनके नाम से दहशत का माहौल फैला हुआ था। पुलिस ने गैंग लीडर मोसिम उर्फ मौसम्मी पुत्र सन्यासी निवासी ग्राम भुडवारा को गिरोह का मुख्य सूत्रधार माना है। इसके अलावा गैंग में शामिल सदस्यों में मुन्ना दुधई पुत्र धुंधई उर्फ कमलू, छोटे उर्फ दरोगा पुत्र लल्लू, अनवार पुत्र सन्यासी, शकील पुत्र मुन्ने, रफीक पुत्र नसीमुल्ला, मुख्तार अहमद उर्फ तोड़ी पुत्र मोबीन, नफीस पुत्र फिद्दा, इकरार पुत्र अलाउद्दीन (मोहल्ला सुफियानगर, पूरनपुर, पीलीभीत), सुहैल उर्फ काली पुत्र मोहम्मद अहमद, इकरार को छोड़कर अन्य सभी आरोपी ग्राम भुडवारा, थाना गोला के निवासी हैं। कोतवाल अम्बर सिंह ने बताया कि आरोपियों का गैंगचार्ट डीएम द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। इन सभी के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत कठोर कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय साहित्योत्सव में गोला छोटी काशी के कवियों का सम्मान

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था शब्दाक्षर के तत्वावधान में राष्ट्रीय साहित्योत्सव का आयोजन राजस्थान के झुंझुनू में हुआ। देशभर से विभिन्न विधाओं के कवियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और काव्य

गंगा में अपनी रचनाओं से सरस धारा प्रवाहित की। इस दौरान शशिकान्त मिश्र शशि की बालपुस्तक बच्चों आलस कभी न करना का विमोचन भी किया गया। आयोजन के दौरान आमंत्रित मूर्धन्य कवियों का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप वीर सम्मान साफा पहनाकर, शाल एवं उत्तरीय ओढ़ाकर तथा स्मृति चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और भाषा संरक्षण पर भी विचार रखे गए। लखीमपुर खीरी से उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री शशिकांत मिश्र शशि, जिला अध्यक्ष डॉ. वीरेश चन्द्र बाजपेयी, जिला सचिव आलोक तिवारी आलोक और संगठन मंत्री प्रमोद गुप्ता ह्लभोलेह्व ने प्रतिनिधित्व कर नगर का गौरव बढ़ाया। गोला छोटी काशी के कवियों को जब राजस्थानी परंपरा के अनुसार सम्मानित किया गया तो उपस्थित साहित्यकारों और कवियों के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे। यह अवसर नगर के लिए गर्व और प्रेरणा का संदेश देने वाला साबित हुआ।

संक्षेप

चोरी के गहनों के साथ तीन बन्दी

जौनपुर। बरसठी थाने की पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान तीन लोगों को पकड़ा और चोरी के आभूषण भी बरामद किये। पुलिस के अनुसार थानाक्षेत्र के निगोह बाजार में मुखबीर की सूचना पर कई मुकदमों में चोरी के आरोपी गोपी बनवासी पुत्र कालीचरन उर्फ बाटे उर्फ ढोढई निवासी ग्राम भकोड़ा थाना चौरी जनपद संत रविदासनगर (भदोही), कमलेश बनवासी पुत्र कालीचरन निवासी ग्राम भकोड़ा थाना चौरी जनपद संत रविदासनगर, सुदामा बनवासी पुत्र नखडू बनवासी निवासी ग्राम चौधरीपुर थाना चौरी जनपद संत रविदासनगर (भदोही) को चोरी के सोने व चांदी के आभूषण के साथ गिरफ्तार किया गया।

नोटिस जारी करने को लेकर व्यापारी लामबन्द

जौनपुर। केराकत नगर पंचायत द्वारा जीआईएस सर्वेयर नियुक्त करके जल कर, गृह कर, एवं जल निकासी के नाम पर वित्तीय वर्ष में फर्जी बिल बनाकर नोटिस जारी करने को लेकर कस्बेवासियों और व्यापारियों में भारी जनाक्रोश है। सोमवार को लोगों तथा उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल केराकत नगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार कमलापुरी के नेतृत्व में समाधान दिवस तहसील केराकत को अपनी मांगों का ज्ञापन देते हुए नगर पंचायत द्वारा मनमानी व फर्जी ढंग से लगाये गये नये कर का पुरजोर विरोध करते हुये तत्काल वापस लेने की मांग की गयी। ज्ञापन में चेतावनी देते हुऐ कहा गया है कि अगर एक सप्ताह के अन्दर उक्त आदेश वापस नहीं लिया गया तो नगरवासी और व्यापार मण्डल केराकत के लोग सड़क पर उतरने के साथ धरना प्रदर्शन के लिये विरोध स्वरूप मजबूर हो जायेंगे। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी नगर पंचायत केराकत की होगी। समय रहते चेते वरना जनता सड़क पर उतरने को बाध्य होगी। नगर महामंत्री दयाराम गुप्ता, तहसील अध्यक्ष केराकत घनश्याम जायसवाल, तहसील कोषाध्यक्ष केराकत राजेन्द्र कसौधन, सपा नगर अध्यक्ष आजाद कुरैशी, अम्बरीष उपाध्याय, मनोज कमलापुरी, प्रभाकर सेठ पूर्व अध्यक्ष प्रत्याशी नगर पंचायत केराकत, सुनीता, रीना सोनकर समेत सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल रहे।

मजदूरी मांगने पर मारपीट, पुलिस से लगायी गुहार

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के अकोढ़ी गांव में मजदूरी मांगना एक मजदूर को भारी पड़ गया। पीड़ित मजदूर दयाशंकर प्रजापति ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया की 26 दिन काम करने के बाद मेहनताना मांगा तो काम कराने वाले भड़क उठे और गाली-गलौज कर उसे मारा-पीटा। मजदूर का कहना है कि लंबे समय से मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा था। जब उसने अपना हक माँगा तो दबंगों ने न केवल धमकाया बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि दबंग प्रवृत्ति के लोग लगातार भय का माहौल बना रहे हैं, जिससे परिवार असुरक्षा में जी रहा है। दया शंकर ने पुलिस प्रशासन से मजदूरी दिलाने और सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है।

मांगों को लेकर आंगनवाड़ी कर्मचारियों का प्रदर्शन

जिला संवाददाता(vol)

जौनपुर। उत्तर प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका एसोसिएशन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर अपनी मांगें रखीं। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने विभागीय कार्यों को ऑनलाइन करने में पूरा सहयोग किया। ई-केवाईसी और एफआरएस योजना को सफल बनाने का प्रयास किया। खराब मोबाइल और कमजोर नेटवर्क से टीएचआर वितरण में दिक्कतें आ रही हैं। विभागीय मोबाइल खराब होने से कर्मचारियों को महंगे फोन किश्तों पर खरीदने पड़े। इससे वे कर्ज में डूब गए हैं। 20 से 40 साल तक सेवा देने के बाद भी उन्हें प्रमोशन नहीं मिला। पेंशन, ग्रेच्युटी और उचित मानदेय से भी वंचित हैं।

कर्मचारियों के भविष्य निधि या सामाजिक सुरक्षा फंड की सुविधा नहीं मिल रही है। कम मानदेय से महंगाई में बचत करना मुश्किल हो रहा है। 62 साल की उम्र में उन्हें बिना किसी आर्थिक सहायता के सेवा से अलग कर दिया जाता है। एसोसिएशन ने कहा कि मुख्यमंत्री के 9 साल के कार्यकाल में सिर्फ पांच प्रतिशत आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थिति में सुधार हुआ है। बाकी कर्मचारियों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

पुष्टाहार वितरण में लापरवाही उजागर, सीडीपीओ ने आंगनवाड़ी कार्यकत्री को किया कार्य मुक्त

बीजपुर/सोनभद्र। म्योरपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत जरहा टोला डिघुल में आंगनवाड़ी कार्यकत्री जावित्री दुबे द्वारा नियमित पोषाहार वितरण नहीं किए जाने से खफा ग्रामीणों की शिकायत पर रविवार को मौके पर पहुँचे सीडीपीओ म्योरपुर नागेंद्र कुमार ने औचक निरीक्षण कर लापरवाही उजागर होने पर कार्यकत्री को कार्य मुक्त कर दिया। इसके बाद सीडीपीओ ने जरहा 05 नम्बर आंगनबाड़ी केंद्र बरडाड पहुंचे तो केंद्र पर मौजूद लाभार्थियों ने कार्यकर्ती की पूरी दास्तां सुनाई तो जाँच में मौके पर पाया गया कि यहाँ भी आंगनबाड़ी कार्यकत्री जावित्री दुबे द्वारा बरडाड केंद्र पर वितरण किया जा रहा चने के दाल में पूरी तरह से घुन लगे हुए थे सीडीपीओ ने रजिस्टर चेक किए तो रजिस्टर में वितरण 48 लोगों को किया पाया गया जबकि मौके पर 38 लाभार्थी ही पाए गए।

गौरतलब हो कि पोषाहार को शासन द्वारा कुपोषण से बचाने के लिए बच्चों गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क वितरण कराया जाता रहा है वही सड़े गले घुन लगे पोषाहार जमीनी स्तर पर पशुओं को खाने के योग्य भी नहीं पाया गया वहीं तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करते हुए आंगनवाड़ी जावित्री दुबे का अग्रिम आदेश तक वेतन रोक लगाते हुए उन्हें कार्य मुक्त कर दिया गया। वहीं बंदना देवी आंगनबाड़ी कार्यकर्ति जरहा नम्बर 03 को आंगनबाड़ी केंद्र जरहा तथा नम्बर 05 बरडाड का चार्ज दिया गया। इनके साथ वितरण में सहयोग के लिए सुमित्रा देवी आंगनबाड़ी कार्यकर्ती जरहा नम्बर 01को तथा स्वेता श्रीवास्तव आंगनबाड़ी कार्यकर्ती अंजानी नम्बर 03 को पोषाहार वितरण हेतु आदेश जारी किया गया साथ ही कलावती देवी आंगनबाड़ी सहायिका केंद्र जरहा नम्बर 05 का संचालन भी यही टीम करेगी साथ ही विभाग द्वारा निर्देशित दिया गया। कि आंगनवाड़ी केंद्र बरडॉड में पोषाहार वितरण करने के पश्चात माह में एक दिन गाँव के टोला डिघुल, काजरपानी, धौरहवा के लाभार्थियों को प्राथमिक विद्यालय डिघुल में पोषाहार वितरण किया जाएगा ताकि लाभार्थियों को पोषाहार प्राप्त करने में कोई कठिनाई न झेलनी पड़े सीडीपीओ नागेंद्र कुमार ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ती की लापरवाही मौके पर पाया गया है स्पष्टीकरण के साथ तत्काल प्रभाव से कार्रवाई किया गया है। आगे से कहीं भी ऐसी शिकायतों पर सख्त करवाई की जाएगी।

अदालतों में लगे चित्रगुप्त की मूर्ति : सिद्धार्थ नाथ

जौनपुर। श्री चित्रगुप्त भगवान सभी, जाति, धर्म समुदाय के देवता हैं उनका पूजन करने का अधिकार सबको है। चित्रगुप्त जी को धर्महरि के नाम से भी जाना जाता है। उक्त विचार सिद्धार्थ नाथ सिंह पूर्व केबिनेट मंत्री एवं प्रयागराज पश्चिम से विधायक ने श्री चित्रगुप्त पूजन महासमिति द्वारा सर्व समाज के सम्मलेन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा।

उन्होंने कहा कि चित्रगुप्त सभी का लेखा जोखा रखते हैं और न्याय के देवता हैं देश के हर अदालत में उनकी मूर्ति लगाई जानी चाहिए अंग्रेजो के जमाने से चली आ रही क्वीन मूर्ति हटाई जानी चाहिए। महासमिति के अध्यक्ष मनोज अग्रहरि ने कहा कि वैश्य समाज भी दीवाली के दिन कलम दवात की पूजा अर्चना करता है और रख देता है और भगवान चित्रगुप्त जी पूजन के दिन कलम दवात की पूजा कर फिर शुरुवात करता हैं और कहा कि शोभायात्रा में वैश्य समाज हजारों की संख्या में शामिल होंगे। संयोजक सरस चन्द श्रीवास्तव ने कहा कि इस बार शोभायात्रा 23 अक्टूबर को भगवान चित्रगुप्त मंदिर बारीनाथ से दोपहर 3 बजे निकलेगी जो भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहट्टा तक जाएगी जिसमें सर्व समाज के हजारों की संख्या मे शामिल होंगे और जौनपुर के सभी कायस्थ संगठन साथ हैं और रहेंगे। मेडिकल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान विष्णु ने भगवान चित्रगुप्त को आशीर्वाद दिया था कि जो चित्रगुप्त की पूजा अर्चना करते है उन्हें बुद्धि, धन, मोक्ष की प्राप्ति होगी। रवीन्द्र अग्रहरि ने कहा कि भगवान सबके होते हैं उन्हें किसी जाती विशेष में बांधना उचित नहीं है। शोभायात्रा को दर्जनों सामाजिक संगठनों एवं कायस्थ संगठनों ने समर्थन देने की घोषणा किया। अग्रहरि समाज के वरिष्ठ नेता विनोद अग्रहरि, डॉ0 विवेक श्रीवास्तव संस्थापक अध्यक्ष चंद्रमोहन श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव साधु, पंकज जायसवाल, ब्रमेश शुक्ला, वीरेंद्र प्रधान, शशि श्रीवास्तव, ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष अतुल दुबे, मौर्य समाज के डॉ राम सूरत मौर्य नीरज मौर्य, लक्ष्मी पूजन महासमिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल, शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, जय प्रकाश सिंह, कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव दीनू ने, संबोधित करते हुए सभी भगवान चित्रगुप्त भक्तों से शोभायात्रा में शामिल होने की अपील किया। सम्मलेन में कायस्थ समाज, अग्रहरि समाज सर्व समाज विभिन्न संगठनों के लोग मौजूद रहे। संचालन संस्थापक अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने किया।

दबंग ने पानी निकासी के सरकारी पुलिया को कब्जा कर किया बाधित

मीरजापुर। चुनार तहसील क्षेत्र के ग्राम ऐबकपुर मोहाना स्थित पंचायत भवन के समीप किसानों के लगभग 700 बीघे खेत के बाढ़ व बरसात के पानी के साथ-साथ ग्राम घुमपुर के अहिरा बाबा, मुसहर, सोनकर बस्ती के सीवर पानी निकासी हेतु सड़क पर बने एकमात्र सरकारी पुलिया के पूर्वी दिशा के काश्तकार द्वारा बड़े पैमाने पर मिट्टी गिरवा कर पुलिया के पूर्वी निकास को अब अवरोधित करते हुए लगभग पांच बिघे कृषि भूमि पर बिना सरकारी मानको को पूरा किये प्लाटिंग के कार्य को जोरो शोरो से अंजाम दिया जा रहा है। जिसके कारण किसानों के खेत में अब पानी का जल जमाव बना रह जा रहा है, लोग ना चाहते हुए भी भुखमरी के शिकार हो गए हैं, वजह बताया जा रहा है कि फसल नष्ट होने के साथ खेती नहीं हो पा रही है। उक्त समस्या के समाधान हेतु आसपास के कई किसानों वह गांव वासियों द्वारा उप जिलाधिकारी से लेकर जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री के दरबार तक अपने परेशानियों से कई बार अवगत भी कराया जा चुका है फिर भी आज तक समस्या का कोई समाधान नहीं हो पाया है। पीड़ित लोगों द्वारा यह भी बताया गया कि प्लाटिंग कर्ताओं द्वारा सड़क से सटे सरकारी घोड़ दौड़ व बंजर की भूमि भी प्लाटिंग कर्ताओं द्वारा अपनी भूमि में सम्मिलित कर बेचने का दुस्साहस करते हुए राजस्व को भारी क्षति पहुँचाई जा रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए जल निकासी के पुलिया मार्ग को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है।

निःशुल्क स्वास्थ्य और नेत्र परीक्षण आज से

आजमगढ़। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अतुल कुमार यादव ने समस्त व्यवसायिक वाहन चालकों/ परिचालकों को बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत परिवहन निगम एवं व्यावसायिक वाहन के चालकों/ परिचालकों का निःशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण कराया जाना है। उक्त के क्रम में जनपद में 9 सितम्बर 2025 से 13 सितम्बर 2025 तक, स्थान उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम बस स्टेशन, आजमगढ़ में स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर में चालकों/परिचालकों को हेल्थ कार्ड का वितरण निःशुल्क किया जाएगा। उन्होंने समस्त व्यवसायिक वाहन चालकों/परिचालकों से अपील किया कि उक्त स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण शिविर में सम्मिलित हो कर अपना स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण कराना सुनिश्चित करें।

भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने मारी बाजी

मीरजापुर। मूलचंद बंशीधर सिंघानिया कन्या विद्यालय पहाड़ी में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में विद्यालय के 48 छात्र-छात्राओं ने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने अपने भाषणों के माध्यम से जीवन में गुरु के महत्व को समझाया। उन्होंने गुरुओं के दिए गए आदर्शों और दिशा-निर्देशों का पालन करने की बात कही। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी पढ़ाई में आने वाली कुछ समस्याओं को भी अध्यापकों के सामने रखा, ताकि शिक्षक उनकी कठिनाइयों को समझ सकें और शिक्षा को सभी के लिए और भी आसान बना सकें। प्रतियोगिता में कक्षा 9 की जावेरिया, दिलीप और कक्षा 10 की श्रेया ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों और प्रधानाचार्य ने छात्रों का उत्साह बढ़ाया तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास की कड़ी में ऐसे कार्यक्रमों को उपयोगी बताया।

पितृ पक्ष में पितरों के तर्पण का शुभारंभ

जौनपुर। पितृ पक्ष शुरू होते ही पितरों को तर्पण करने का सिलसिला शुरू हो गया है। नदी, तालाब, कुए और कुऐ पर स्नान लोग पितरों को जल देना आरंभ कर दिया है। आदि गंगा गोमती के घाटों पर सोमवार को सवेरे जल देने की लिए लोग एकत्रित हुए।

कहा जाता है कि पितृ पक्ष के समय में पितर धरती पर आते हैं. वे अपनी संतान या वंश से तृप्त होने की उम्मीद रखते हैं. उनको तर्पण, दान, श्राद्ध, पिंडदान, पंचबलि कर्म आदि से तृप्त करके सुख और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं. जो लोग ऐसा नहीं करते हैं, उनको पितृ दोष लगता है क्योंकि अतृप्त पितर उनको श्राप देते हैं. पितृ पक्ष की शुरुआत हो चुकी है, जो 21 सितंबर तक चलेगा। ज्ञात हो कि पितृ पक्ष के समय में आप स्नान के बाद पितरों के लिए तर्पण दिया जाता है. सूर्योदय के बाद स्नान करें, तो उसके बाद कुशा के पोरों की मदद से जल से तर्पण दे सकते हैं. पितृ पक्ष में तिथि के साथ प्रत्येक दिन तर्पण दे सकते हैं. काले तिल, सफेद फूल, जौ और कुश के साथ सबसे पहले देव तर्पण, फिर ऋषि तर्पण, उसके बाद मानव तर्पण और सबसे अंत में पितरों का तर्पण करना है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों को याद करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस अवधि में पितरों को जल अर्पित करने जैसे प्रमुख्य अनुष्ठान किए जाते हैं, ताकि पितरों का आशीर्वाद मिल सके। ऐसी मान्यता है कि पितृ लोक में पानी की कमी होती है, जिसकी वजह से पितरों को जल की आवश्यकता होती है. पितृ पक्ष के समय में जब हम पितरों को जल से तर्पण देते हैं, तो वे उसे पाकर तृप्त होते हैं और खुश होकर आशीर्वाद देते हैं. पितरों के आशीर्वाद से व्यक्ति को संतान सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम सेहत आदि की प्राप्ति होती है. तर्पण के समय में कुशा की बनी पवित्री जरूर पहननी चाहिए या कुशा के पोरों से जल गिराकर तर्पण देना चाहिए। कुशा के बिना तर्पण देने से वह जल पितरों को नहीं मिलता है और वे अतृप्त ही रहते हैं।

पत्रकार होते है समाज की आवाजः एसके सत्येन

जिला संवाददाता(vol)

आजमगढ़। द प्रेस क्लब की एक बैठक रोडवेज स्थित एक होटल सभागार में अध्यक्ष एसके सत्येन, सचिव रवि सिंह और कोषाध्यक्ष ओम अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न और उनकी विभिन्न समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही यह तय किया गया कि द प्रेस क्लब अपने किस तरह से सक्रिय भूमिका निभाएगा।

चर्चा के दौरान पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की मजबूती के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसमें पत्रकारों का आईकार्ड, साल में एक बार रक्तदान शिविर आयोजित करना, संगठन के सदस्यों के लिए दो बार स्वास्थ्य शिविर, सार्वजनिक स्थानों पर सार्वजनिक उपयोग की वस्तुएं लगवाना, हर दो माह में संगठन की बैठक करना, पीड़ित पत्रकारों की आवाज उठाना, इलाज के लिए इमरजेंसी फंड बनाकर तत्काल सहायता उपलब्ध कराना आदि प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किए गए।

इस अवसर पर अध्यक्ष एसके सत्येन ने कहा कि पत्रकार समाज की आवाज हैं और उन्हें हर स्तर पर समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न के मामलों में संगठन हर समय साथ खड़ा रहेगा और संगठन की मजबूती से ही पत्रकारिता का भविष्य सुरक्षित होगा और सभी सदस्य मिलकर इसे नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देंगे और आपसी सहयोग से पत्रकारिता की गरिमा बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य पत्रकारों के हित में निरंतर काम करना है। सचिव रवि सिंह ने कहा कि संगठन में पारदर्शिता सबसे बड़ी ताकत है और पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैठकों में सभी सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और आपसी एकता व सहयोग का वातावरण तैयार किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संवेदनशील मामलों में त्वरित सहायता प्रदान करना संगठन की प्राथमिकता होगी।

इस दौरान वरिष्ठ स्वर्गीय पत्रकार बनवारी लाल जालान, और विनय खरवार के पिता जी के निधन, आलोक सिंह के पिता जी के निधन और राजीव चौहान के पिता जी के निधन पर द प्रेस क्लब की तरफ से दो मिनट का मौन रखकर शोक संवेदना व्यक्त की गई। इस अवसर पर पत्रकार अनिल मिश्रा, अश्वनी यादव, धीरेन्द्र सिंह, सौरभ सिंह उदय राज शर्मा, हेरू, पंकज पांडेय, अवनीश उपाध्याय, अनुराग यादव, रामशकाल यादव, शीतला त्रिपाठी, वेद प्रकाश, राहुल सिंह, विकास विश्वकर्मा, देवव्रत श्रीवास्तव, राजू विश्वकर्मा, शैलेंद्र शर्मा, शीबू, विनय खरवार, मौजूद रहे।

138 प्रार्थना पत्रों में से 14 निपटे

मीरजापुर। शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील लालगंज में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया।

तहसील लालगंज में जिलाधिकारी के समक्ष मौके पर 138 प्रार्थना पत्रों में से 14 का निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को इस निर्देश के साथ प्रेषित की संबंधित अधिकारी गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी ढंग से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निस्तारण में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने कहा कि शिकायतों का फीडबैक शासन स्तर से शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता कर लिया जा रहा है अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो भी फरियादी तहसील दिवस में एक बार शिकायत लेकर आ रहा है, निस्तारण संतुष्टिपूर्ण न होने पर यदि दोबारा वही फरियादी शिकायत लेकर आता है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से वार्ता कर शिकायत का निस्तारण करें उन्होंने कहा कि हर घर जल योजना अंतर्गत जो भी शिकायत आ रही हैं। संबंधित अधिकारी उन समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने उप जिलाधिकारी लालगंज को निर्देशित करते हुए कहा कि पिछले तहसील दिवस की जो भी शिकायतें निस्तारण हो रही हैं उनमें से कुछ शिकायत को टीम बनाकर जांच कराए जांच में अगर शिकायत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न हुई हो तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई करें। इसी प्रकार जनपद के अन्य तहसीलों में तहसील मड़िहान में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजय कुमार सिंह के समक्ष 53 प्रार्थना पत्रों में से 1 का निस्तारण, तहसील चुनार में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता के समक्ष 56 प्रार्थना पत्र में से 2 का निस्तारण, तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी भू राजस्व देवेंद्र प्रताप सिंह के समक्ष 95 प्रार्थना पत्रों में से 17 का निस्तारण किया गया शेष प्रार्थना पत्र को सम्मिलित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिया गया तहसील लालगंज में उप जिलाधिकारी महेंद्र सिंह एवं सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रात में उड़ता ड्रोन देख ग्रामीणों में फैली दहशत

जौनपुर। जिले के करन्जाकला क्षेत्र के हमजापुर, गाँव में संदिग्ध ड्रोन कैमरे उड़ते देख अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने रात भर में लगभग दस बार मंडराते ड्रोन देखे तो घरों से बाहर निकल आए और लाठी-डंडा लेकर उनका पीछा करने लगे। ग्रामीणों के मुताबिक, रात करीब आठ बजे हमजापुर गांव के ऊपर ड्रोन मंडराते दिखे। इसके बाद यही ड्रोन आसपास के गांवों में भी दिखाई दिए। अंधेरे में उड़ते ड्रोन से दहशत फैल गई और लोग टोली बनाकर बाइक व पैदल देर रात तीन बजे तक गांव की गलियों और खेतों में उनकी तलाश करते रहे। हमजापुर निवासी क्षत्रीय चैहान का कहना है कि रात में ड्रोन का उड़ना सच है, अगर यह सर्वे है तो दिन में होना चाहिए या पहले से सूचना दी जानी चाहिए। वहीं आधी रात में ड्रोन उड़ा कर भय पैदा करना उचित नहीं है, प्रशासन को संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। ग्रामीणों ने पुलिस से भी संपर्क किया लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। गाँव वालो ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर गई थी, लेकिन ड्रोन उड़ने की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों के माध्यम थाम से किसी कंपनी द्वारा सर्वे किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर रातभर युवा पहरा दिया और ड्रोन कैमरे की तलाश की। पुलिस भी इस मामले में छानबीन कर रही है। ग्रामीणों में यह अफवाह फैल गई थी कि चोर ड्रोन की मदद से घरों की गोल-सुराखकरी कर चोरी की घटना को अंजाम देने में लगे हुए हैं। अफवाह से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना रहा। बताया कि ड्रोन कैमरे की उड़ान इतनी ऊंचाई तक नहीं होती है। उन्होंने ग्रामीणों को अफवाहों से बचने और तथ्यों की जांच करने की सलाह दी।

निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर आयोजित

मीरजापुर। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुझाव और उपचार के लिए उपकार हॉस्पिटल और वर्षा पाली क्लिनिक डॉक्टर एस पी सिंह पटेल लालगंज की तरफ से बलहरा मोड़ बरकछा, पटेहरा, मड़िहान में निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 171 रोगियों का पंजीकरण हुआ जिसमें हृदय से संबंधित साथ रोगियों का ईसीजी, 42 रोगियों के खून के सैंपल तथा 56 आंख से संबंधित रोगी देखे गए और विभिन्न प्रकार के रोगियों की जांच एवं उपचार निदान तथा दवाएं वितरण किया गया। शिविर में डॉक्टर एमबी शर्मा, एम डी डॉक्टर नवेंदु पटेल, सर्जन डॉक्टर शालिनी सिंह, डॉक्टर विकास यादव, डाटा ओपी सिंह नेत्र रोग, एनएम कुमारी साजिया, कुमारी सीमा मौर्या तथा दीपक मौर्या, रामलखन पटेल, धनंजय पटेल आदि लोग उपस्थित रहें।

सीएम तक पहुंचाई जायेगी आईपीए की आवाजः कृष्ण मुरारी

आजमगढ़। इंडियन पैरामेडिकल एसोसिएशन का स्थापना दिवस एवं फिजियोथैरपी-डे पर विविध कार्यक्रम का आयोजन नगर के हरवंशपुर स्थित सिंहासिनी वाटिका में किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, विशिष्ठ अतिथि भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष सूरज श्रीवास्तव, अभय प्रजापति, ब्लाक प्रमुख बलवंत यादव, उमेश विश्वकर्मा आदि द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर हुआ। इसके बाद अतिथिद्वय का जोदार स्वागत करते हुए पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों को चिकित्सा मित्र बनाने सहित पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा ने कहा कि कोरोना में पराचिकित्सकों व ग्रामीण चिकित्सकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आईपीए की मांगों को सीएम तक पहुंचाकर एसोसिएशन की मांगों पूरा कराने का भरसक प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहाकि सरकार पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों को प्रशिक्षित कर देती है तो निश्चित ही ग्रामीण स्तर पर ही मरीजों का प्राथमिक चिकित्सा मिलेगी, जिससे अनेको मरीज लाभांवित होंगे। फिजियोथैरपी-डे की बधाई देते हुए भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष सूरज श्रीवास्तव ने कहाकि किसी भी दशा में आजमगढ़ में आईपीए के पराचिकित्सकों और ग्रामीण चिकित्सकों का शोषण नहीं होने दिया जायेगा। अगर कोई भी आप का शोषण करेगा तो उसकी जानकारी हमे दीजिए बाकि हम देख लेंगे। आईपीए का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पराचिकित्सक और ग्रामीण चिकित्सक एकजुट होकर आईपीए को मजबूत करें। उन्होंने वादा किया कि शासन तक एसोसिएशन की मांग पहुंचाई जायेगी और शीघ्र ही मांगों को पूर्ण कराया जायेगा। ब्लाक प्रमुख बलवंत यादव ने कहाकि शिक्षा मित्र की भांति चिकित्सा मित्र भी ग्रामीणांचल की स्वास्थ्य सेवाओं में अहम भूमिका निभा सकते है। सभी के प्रति आभार जताते हुए आईपीए प्रदेश अध्यक्ष डा. एच.जी. विश्वकर्मा ने कहा कि हमारी मांग है कि पराचिकित्सकों एवं अनुभवशील ग्रामीण चिकित्सकों को प्राथमिक उपचार करने का अधिकार प्रदान किया जाए, पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों को सम्मान देते हुये चिकित्सा मित्र बनाने का सौगात दी जाए। संचालन अभय तिवारी ने किया। इस अवसर पर डा नीतिश यादव, दीपक पांडेय, डा अजीत कुमार, डा अनिल कुमार, डा मुकेश यादव, डा आरके भारद्वाज सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

लोक अदालत का आयोजन 13 को

आजमगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आजमगढ़ सचिव अंकित वर्मा ने बताया कि उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ के निर्देशानुसार आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितम्बर 2025 को किया जाना है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु 10 सितम्बर 2025 को पूर्वान्ह 10.30 बजे जनपद न्यायाधीश द्वारा प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जायेगा।

फांसी लगाकर युवक ने दी जान

म्योरपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के परनी गाँव के बेल डॉर टोले मे सोमवार को गमझे के सहारे सिद्धा के पेड़ पर लटक युवक ने जान दे दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त गाँव निवासी शिव बालक पुत्र देवरूप गोड़ 38 वर्ष घर से जंगल लकड़ी लेने की बात कह गया घंटो बीतने के बाद जब युवक घर नहीं पहुंचा तो पत्नी ने सोचा लगता हैं लकड़ी ज्यादा काट दिए होंगे चलू साथ मे लेकर आ जाऊ घर से करीब 800 मिटर जंगल मे पत्नी पहुंचा शोर मचाया लेकिन कोई आवाज पति का ना आने पर इधर उधर खोजने लगी तब पत्नी का नजर सिद्धा के पेड़ पर पड़ी पति को गमझे के सहारे लटका देख पत्नी के होश उड़ गयी घर जाकर आप बीती अपने ससुर को बताई ससुर द्वारा ग्राम प्रधान को सूचना दिया गया। प्रधान के सूचना पर म्योरपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक कमल नयन दुबे दल बल के साथ मौके पर पहुंच शव का पंचनामा भर पी.एम के लिए सीएचसी दुद्धि भेज दिया मृतक के पिता देव रूप ने बताया की साल भर से बेटा का दिमागी हालत ठीक नहीं था सुबह अपने बेटे को खेला रहा था पता नहीं क्या उसके मन मे आया जा कर फांसी लगा लिया वही घर वालो का रो रो कर बुरा हाल था। प्रभारी निरीक्षक श्री दुबे ने बताया की पिता की तहरीर पर आगे की कार्यवाही की जा रही हैं मौत के कारणों का पता पी.एम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा

विहिप के प्रान्तीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक

मीरजापुर। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) का धर्माचार्य सम्पर्क विभाग काशी प्रान्त के वार्षिक प्रान्तीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक का आयोजन रविवार को सुरभि शोध संस्थान रामबाग चुनार में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू धर्म की नित्य-नैमित्तिक उपासना और अनुष्ठानों से संबंधित आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के बौद्धिक वक्ता केंद्रीय सहमंत्री व केंद्रीय धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने कहा की जहां पर धर्मांतरण की संभावना हो वहां संतों का प्रवास हो। जो किसी लोभ लालच की वजह से धर्मांतरित हो गए है वे पुनः अपने हिन्दू धर्म में आये इस कार्यों के लिए संतो का सहयोग व आशीर्वाद आवश्यक है। नकारात्मक विचारों को बढ़ावा जा रहा है जिससे समाज में विषमता फैल रही है, जहां संत आप वहां पूज्य संतों का सहयोग व आशीर्वाद मिले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने व्यापक संपर्क का कार्यक्रम बनाया है जिसमें संपूर्ण विचार परिवार की सहभागिता होगी हिंदू धर्म की गूंज संपूर्ण दुनिया में है, शास्त्रों शास्त्र में निपुण मातृशक्ति ही राष्ट्र को विश्व गुरु बनाने की दिशा में सहायक होंगे। समाज समरस रहे, एकात्मिक अखंड रहे इसके लिए संत समाज का मार्गदर्शन करें उन्होंने आगे सम्बोधन करते हुए कहा की संघ का शताब्दी वर्ष चल रहा है संघ ने शताब्दी वर्ष में व्यापक रूप से संपर्क करने को कार्य किया है। संघ ने पांच परिवर्तन का सूत्र दिया है कुटुंब प्रबोधन, प्लास्टिक का बहिष्कार, स्व का स्वाभिमान के अंतर्गत अपनी भाषा, अपना वेश, अपना संस्कृति, अपने जीवन मूल्य, अपने मान बिंदु इसके लिए स्व को जागरण करना होगा। इस सबके लिए विदेश की नकल न करके स्व भाव का जागरण करना है। कुटुम्ब प्रबोधन के अंतर्गत परिवार में सभी लोग नियमित अपने त्यौहार मनाए सामूहिक भोजन करें, आपस का संवाद उत्तम करे और कुटुंब भावना जिसका ह्रास होता जा रहा हो वो पोषित हो।

संक्षेप

सर्वोदय विद्यालय में खुली इंग्लिश लाइब्रेरी

आगरा। आगरा-ग्वालियर रोड स्थित ग्राम पंचायत इटौरा के जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में रविवार शाम नई इंग्लिश लाइब्रेरी का उद्घाटन हुआ। कैबिनेट मंत्री असीम अरुण अपनी पत्नी के साथ शाम 5:30 बजे विद्यालय पहुंचे। विद्यार्थियों ने फूल और मालाओं से उनका स्वागत किया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विभाग की नवाचार योजना के तहत 5 लाख रुपए की राशि से बनी इस इंग्लिश लाइब्रेरी का लाभ छात्रों को पढ़ाई और आत्मनिर्भरता में मदद करेगा। विद्यालय की अध्यापिका शिल्पा ने कैबिनेट मंत्री और विद्यार्थियों को इंग्लिश लैब के उपयोग और सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पावरलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों का प्रदर्शन किया। कैबिनेट मंत्री ने स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। सम्मानित खिलाड़ियों में लवकुश, चेतराम, बसंत कुमार, रूप किशोर आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग में 18 कनिष्ठ लिपिकों को मिला नियुक्ति पत्र

जिला संवाददाता

देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग, उत्तर प्रदेश में नवचयनित कनिष्ठ लिपिकों एवं एक्स-रे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का राज्य स्तर से सीधा प्रसारण आज किया गया। विकास भवन स्थित गांधी सभागार, देवरिया में मुख्यमंत्री जी के इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में देखा गया सजीव प्रसारण उपरांत लोक सेवा चयन आयोग से स्वास्थ्य विभाग में लिपिक पद पर चयनित जिले के 18 नव नियुक्त कनिष्ठ लिपिकों को विकास भवन सभागार में नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित गिरीशचंद्र तिवारी, सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी तथा रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष देवरिया अलका सिंह एवं जिलाधिकारी ने नव नियुक्त लिपिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंडित गिरीश चंद्र तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में आप सभी का चयन सेवा कार्य के लिए हुआ है। आप सभी ईमानदारी और समर्पण भाव से कार्य करें तथा हर जरूरतमंद की सेवा में तत्पर रहें सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि युवाओं को रोजगार के साथ जनता की सेवा का अवसर मिला है। सरकार की ओर से सौंपी गई इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाते हुए आमजन की समस्याओं का समाधान करें। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने कहा कि नियुक्ति पत्र के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। आप सभी को अपने कार्यों का निर्वहन ईमानदारी और निष्ठा से करना होगा कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, डिप्टी सीएमओ अश्विनी पांडेय, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता विश्वनाथ मल्ल, राय कमलेश्वर, वर्षा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इनका हुआ है चयन अंकित पाण्डेय, शिवानंद साहनी, दीपक कुमार पाण्डेय, वेद प्रकाश दीक्षित, सुधाकर मिश्रा, रजनीश कुमार यादव, अभिषेक चौरसिया, विकास कुमार मद्देशिया, नवीन मिश्रा, अतुल सिंह, रवि कुमार गुप्ता, उपासना यादव, राजन कुमार, विवेक कुमार, राहुल कुमार, मोहित कुमार गोड़, अवनीश शाह, अभिषेक कुमार का कनिष्ठ लिपिक में चयन किया गया है

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित कनिष्ठ सहायक एवं एक्सरे टेक्नीशियन की नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया।

इसी क्रम में विधायक पडरौना मनीष कुमार जायसवाल, हाटा मोहन वर्मा,, खड्डा विवेकानंद पांडेय, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री राजेश्वर सिंह, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य फुलबदन कुशवाहा, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में जनपद में 10 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की नव चयनित कनिष्ठ लिपिक को नियुक्त वितरण किया गया। एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री का लाइव प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के 10 नवचयनित अभ्यर्थियों में अखिलेश कुमार, अरुण, धीरज, अनीता, राज मोहम्मद, सनी, विवेक, योगेश, एवं बिजेंदर, को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने अपने संबोधन में नवचयनित कर्मियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी तथा समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह नियुक्तियाँ संस्थान की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, कहा कि नई प्रतिभाओं के जुड़ने से संस्था को नई ऊर्जा और दृष्टिकोण प्राप्त होगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने भी नव चयनित कनिष्ठ सहायकों को बधाई देते हुए कहा कि आप लोग कर्तव्य निष्ठा, ईमानदारी भाव से सेवा दें। जिससे की जनपद का विकास हो सके।

शिक्षा पल-पल साथ निभाती है- सत्यप्रकाश

बरहज,देवरिया। विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर कंपोजिट विद्यालय बरौली करजही विकास खंड भलुवनी में सोमवार को विश्व साक्षरता दिवस का आयोजन किया गया। शिक्षकों, छात्रों ने जागरूकता रैली निकाली। रैली का शुभारंभ बीईओ सत्यप्रकाश कुशवाहा ने किया। शिक्षकों, बच्चों की रैली गांव में जाकर अभिभावकों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। छात्रों के बीच स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। खंड शिक्षा अधिकारी सत्यप्रकाश कुशवाहा ने कहा कि शिक्षा जहां होती है वहां विकास, सुख, समृद्धि और उन्नति होती है। शिक्षा आपके अधिकारों से अवगत कराती है, आपको आपका शोषण होने से बचाती है, शिक्षा पल-पल आपका साथ निभाती है। प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय गुप्ता ने साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साक्षरता शिक्षा की शुरूआत और ज्ञान की राह पर चलाने वाला माध्यम है। रैली बरौली चौराहा होते हुए गांव में भ्रमण की। इस दौरान संदीप कुमार, अर्चना यादव, दिनेश सिंह, धर्मेंद्र प्रजापति, सविनय यादव, संगीता यादव, अमिता देवी, शांति देवी मौजूद रहे।

ग्राम सभा कपरवार में चला पशुओं का टीकाकरण अभियान

बरहज,देवरिया। ग्राम सभा कपरवार में पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए पशुपालन विभाग की टीम द्वारा टीकाकरण अभियान चलाया गया। इसमें एफ.एम.डी. (फुट एंड माउथ डिजीज) एवं एल.एस.डी. (लंपी स्किन डिजीज) के टीके लगाए गए।पशुधन प्रसार अधिकारी अशोक कुमार पांडेय ने बताया कि पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए यह अभियान आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे समय-समय पर अपने पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएँ।

कहा कि नियमित टीकाकरण से पशु स्वस्थ रहता है और उत्पादन क्षमता भी बढ़ती है। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक अपने पशुओं का टीकाकरण कराया। जटाशंकर मिश्र, अवधवासी मिश्र,शंकर चौरसिया आदि के पशुओं का टीकाकरण हुआ।

काव्यधारा संगोष्ठी संपन्न

बरहज,देवरिया। सरयू विद्यापीठ बरहज में मासिक काव्य धारा संगोष्ठी कार्यक्रम में कवियों को रुजी भर के सुनोर इस भाव से कविताओं को सुना गय इस माह के कार्यक्रम में जिन कवियों का आमंत्रित किया गया, उनमें कवि प्रधानाचार्य रामेश्वर प्रसाद यादव, कवि प्रधानाचार्य रमेश तिवारी अनजान, कवि प्रेम शंकर त्रिपाठी, कवि अंजनी कुमार उपाध्याय इत्यादि प्रमुख रहेकार्यक्रम में रामेश्वर प्रसाद यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प और माल्यार्पण प्रस्तुत किया। उसके बाद उन्होंने सरस्वती वंदना र मां वर दे यह जग निर्भय हो, तेरी कृपा दृष्टि हर जन पर, वीणा गूंजे हर कण कण मेंर। इसके अतिरिक्त उन्होंने दूसरी कविता रस्वर्ग से धरती महान हो, दोनों हाथ दान मांगे देवतार सुनाई। इन कविताओं को लोगों ने बहुत ही सराहा। रमेश तिवारी अंजान ने कविता सुनाई, रऋषि मुनियों क तपो भूमि है सचहुँ बड़ा महानर कवि प्रेम शंकर तिवारी ने सुनाया रअनबन सी हो रही हैर अंजनी कुमार उपाध्याय ने सुनाया, रआज मैंने प्रभु को देखाकार्यक्रम का संचालन कवि रमेश तिवारी अनजान ने किया। कार्यक्रम में सुरेश तिवारी, दीपक पटेल, फैजान अंसारी, कवि जीशान, महेश, विंध्याचल आदि उपस्थित रहे।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

देवरिया। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर देवरही माता मंदिर प्रांगण में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ह्यफिजियोथेरेपी आज की बदलती जीवनशैली में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल रोगों से मुक्ति दिलाती है, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की दिशा भी दिखाती है जिलाधिकारी ने शिविर में आए मरीजों से संवाद करते हुए उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे शिविर आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निःशुल्क परामर्श एवं दवाएँ प्रदान की गईं। बड़ी संख्या में ग्रामीण व नगरवासी शिविर का लाभ लेने पहुँचे। शिविर में चिकित्सा विभाग के अधिकारी गण आदि उपस्थित रहे।

क्यूआर कोड या पोर्टल के माध्यम से अपने सुझाव भेजकर अभियान का बने हिस्सा

जिला संवाददाता

कुशीनगर। शासन द्वारा नामित सेवानिवृत प्रबुद्ध जनों की 5 सदस्यीय टीम के साथ डीएम, सीडीओ सहित सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न की गई। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में समर्थ उत्तर प्रदेश-

- जिले की लगभग 40 लाख आबादी में 20 लाख लोगों द्वारा अपने सुझाव देने का रखा गया है लक्ष्य

विकसित अभियान के तहत जनपद में पधारे रामजी लाल, एस एन सिंह व आर के तिवारी एवं डीएम द्वारा अपने अपने विचार प्रस्तुत किए गए।डीएम ने जिले का तीव्र विकास हो इसमें क्या क्या संभावनाएं हैं, इस पर विधिवत रूप से चर्चा करते हुए कहा विकसित कुशीनगर 2047 एक्सपर्ट द्वारा जो दशा /दिशा कैसे तय करेंगे, सर्व प्रथम ये जरूरी है कि आज हम कहां खड़े हैं और किस किस क्षेत्र में क्या आवश्यक है तभी प्रयास कर आगे बढ़ेंगे। डीएम प्रबुद्ध जनों के बीच कुशीनगर की जीडीपी की कितनी भागीदारी है, उन्होंने प्राइमरी/सेकेंडरी अंतर्गत सभी पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि जनपद में केला उत्पादन, 4 चीनी मिलें चालू हैं तथा 7 चीनी मिले बंद हैं, इस पर विशेष फोकस करना है कि अच्छे लोगों को प्रमोट करना होगा इंडस्ट्री के क्षेत्र में, फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं इस कार्य हेतु भूमि की आवश्यकता पहले होगी, जिसके लिए रजवटिया भूमि के चिन्हांकन भी कर लिया गया है, दूसरा कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था आवश्यक है जो जनपद में ना के बराबर है, एवं 5 स्टार होटल/शॉप का निर्माण, पर्यटक को आकर्षित करने वाले विभिन्न कार्यों, कुशीनगर एयर पोर्ट से इंटर नेशनल/ डोमेस्टिक उड़ान की आवश्यकता के क्रम में बताया गया कि अब सारी बढ़ाएं दूर कर ली गई हैं तथा अब रात में जहाज की लैंडिंग हो सकेगी, साल के अंत तक 2 इंटरनेशनल उड़ाने एवं 2 डोमेस्टिक उड़ान का क्लियर करा लिया गया है। इसी प्रकार कसाडा द्वारा कराए जा रहे विभिन्न कार्यों ,पडरौना चीनी मिल चालू कराए जाने का प्रयास, नेपाल से इंपोर्ट/एक्सपोर्ट को डेवलप करने, नदी मार्ग से नेपाल को जोड़ने, का प्रयास सहित सुझाव के रूप में शासन/प्रशासन के बीच गैप कम करने पर अपने विचार रखे गए।

रामजी लाल, आर के तिवारी, एस एन सिंह द्वारा अपने अपने विचार रखे गए ।तथा जनपद के विकास हेतु समस्त जनपदवासियों से उनके द्वारा अपने सुझाव स्कैनर/पोर्टल के माध्यम से दिए जाने हेतु अपील किया गया।

इस अवसर पर वीडियो के माध्यम से स्कैनर द्वारा स्कैन कर उस पर भाषा का चयन करते हुए अपना मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी के माध्यम से अपने विचार साझा करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीडीओ द्वारा सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने, अपने परिवार वालों, कार्यालय में आगंतुकों से भी फीडबैक /सुझाव लिए जाने एवं आम जन में प्रेरित किए जाने का निर्देश दिए गए।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, परियोजना निदेशक पीयूष, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार पांडे, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी श्रवण कुमार सिंह सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

नाले में मिला जूता कारीगर का शव

आगरा। शाहगंज क्षेत्र में दो दिन से लापता जूता कारीगर रजत शर्मा का शव नाले में मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। परिजनों ने शनिवार को थाने में मृतक की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। फिलहाल परिजनों ने मामले में कोई तहरीर नहीं दी है। रविवार दोपहर को शंकरगढ़ की पुलिया के पास नाले में राहगीरों ने युवक का शव पड़ा हुआ देखा। जिसे देखने के लिए भीड़ जमा हो गई।

तरह-तरह चचाएं होने लगीं। सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने की भीड़ को हटाकर नाले से शव को बाहर निकाला। शव देखने पर एक-दो दिन पुराना लग रहा था। जिसकी पहचान रजत शर्मा निवासी केदार नगर के रूप में हुई। सूचना पर मृतक के परिजन भी पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। युवक की मौत कैसे हुई ये स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

नगर निगम ने लगाया टोरंट पर 7.15 लाख का जुर्माना

आगरा। नगर निगम ने 30 सितंबर तक रोड कटिंग पर रोक लगाए जाने के बावजूद टोरंट पावर लिमिटेड ने नियमों को दरकिनार कर सड़क काट डाली। मामला लोहामंडी जोन के वार्ड संख्या 71 शास्त्रीपुरम एमआईजी बी ब्लॉक का है, जहां शास्त्रीपुरम मॉल से दहतोरा मंदिर तक लगभग 600 मीटर लंबी सड़क की कटिंग की गई है। इस दौरान न केवल नगर निगम के आदेशों की अवहेलना की गई बल्कि जलकल विभाग की लाइन को भी क्षति पहुंचाई गई। क्षेत्रीय

- रोड कटिंग करने पर की कार्रवाई, 30 सितंबर तक रोड कटिंग पर है रोक

लोगों में इस कार्रवाई को लेकर खासा आक्रोश था। क्षेत्रीय पार्षद द्वारा इस संबंध में नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल से शिकायत की गई थी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त ने अवर अभियंता से जांच कराई। जांच रिपोर्ट में मामले की पुष्टि होने पर टोरंट पावर लिमिटेड पर कुल 7,15,700 रुपए का जुमार्ना ठोका गया है। बरसात के मौसम के कारण 30 सितंबर तक नगर में रोड कटिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसके बावजूद टोरंट पावर लिमिटेड द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए सड़क काटी गई और जलकल की लाइन को भी क्षति पहुंचाई गई। कंपनी पर 7.15 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायत का संज्ञान लेते हुए नगर निगम ने ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों और नगर निगम कर्मियों के बीच तीखी नोंकझोक भी हुई। सेक्टर-2 में दुकानों के आगे सड़क पर कबाड़ और वाहन कलपुर्जे रखकर मार्ग अवरुद्ध करने वालों के खिलाफ निगम की टीम ने अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान दुकान नंबर 147 के स्वामी मनीष कुमार जैन पर 25 हजार और पाठक एंटरप्राइजेज पर 10 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया। साथ ही दोनों कारोबारियों को 24 घंटे के भीतर सड़क से सामान हटाने की सख्त चेतावनी दी गई। स्थानीय दुकानदारों की शिकायत पर हुई इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। शिकायतकताओं ने बताया था कि कबाड़ और कलपुर्जे सड़क पर रखे जाने से आम लोगों के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट नगर में आने-जाने वाले वाहनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

युवक छात्रा को लेकर फरार

आगरा। खंदौली थाना क्षेत्र में एक बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा रविवार सुबह से लापता है। छात्रा सुबह छह बजे से घर में नहीं है। परिजनों ने पड़ोसी गांव के एक युवक पर छात्रा को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। परिजनों की शिकायत के अनुसार, दो-तीन महीने पहले छात्रा और आरोपी युवक के बीच बातचीत हुई थी। इस दौरान युवक ने फोन पर परिजनों से अभद्र व्यवहार किया था। परिजनों ने पुलिस से छात्रा की सकुशल बरामदगी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस छात्रा की तलाश में जुटी है।

जीजा और साले का कॉलेज के बंटवारे के बाद भी नहीं थम रहा विवाद

भटनी(देवरिया) । स्थानीय बहादुर यादव पी जी कालेज के ट्रस्टी बंटवारे के बावजूद भी साले व जीजा के बीच उपजा विवाद थंमने का नाम नही ले रहा है ।इस मामले मे साले ने अपने जीजा के विरुद्ध भटनी थाने मे दो मुकदमा दर्ज कराया गया है और जीजा ने साले पर बरियारपुर थाने मे एक मुकदमा दर्ज कराया है । साले और जीजा के बीच कालेज को लेकर छिड़े विवाद की चचाओं का दौर जारी है । बताया गया है कि अथान ट्रस्ट के अन्तर्गत बहादुर यादव मेमोरियल पी जी कालेज एवं निजी आई टी आई स्कूल चलता है एक अथान ट्रस्ट के अन्तर्गत तत्कालीन बहादुर यादव महिला महाविद्यालय अब बहादुर यादव महाविद्यालय औ बहादुर कालेज आफ फामेर्सी चलता है । बंटवारे के दौरान बहादुर यादव मेमोरियल पी जी कालेज एवं आई टी आई स्कूल के स्कूल के न्यासी ट्रस्टी जयराम यादवहै ।और बहादुर यादव महाविद्यालय एवं बहादुर यादव कालेज आफ फामेर्सी के न्यासी ट्रस्टी प्रबन्धक अजयकुमार यादव को बनाया गया

इसके बाद कानूनी दाँवपेंच शुरू हो गया ।

इसी बीच नौकरी लगाने के नाम पर कैप्टन जयराम यादव पर आरोप लगाते हुए अजय कुमार यादव द्वारा एक तहरीर भटनी थाने मे दिया गया ।पुलिस ने तहरीर के आधार पर अपराध जालसाजी व नौकरी दिलाने के नाम पर रुपया लेने का मुकदमा दर्ज है ।इसी बीच कैप्टन जयराम यादव द्वाराबरियारपुर थाने मे एक तहरीर देकर अपने साले अजय कुमार यादव पर आरोप लगाया कि 14आगस्त को आठ बजे रात्रि को एक चाय की दूकान पर बैठा था तभी अजय कुमार यादव अपने साथियों के साथ आकर गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये । तहरीर के आधार पर पुलिस ने धारा 316(4)352.351(3)के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया ।अजय यादव द्वारा भटनी थाने मे एक तहरीर अपने जीजा के विरुद्ध दी गयी ।जिसमे लिखा गया है कि अथान एजूकेशनल ट्रस्ट महुई जिला देवरिया का प्रबन्धकीय न्यासी हुँ ।जिसमे महिला महाविद्यालय व अन्यविद्यालय संचालित होते है ।जो.विश्वविद्यालय के नियमों से संचालित होता है ।ट्रस्ट मे इससे पहले जयराम पुत्र बहादुर यादव व इनकी पत्नी मीना देवी ट्रस्टी थी ।जिन्होंने पंजिकृत विलेख द्वारा अपना त्याग पत्र भी दें दी है ।जयराम यादव द्वारा मेरे विरुद्ध झुठाकथन करते हुए विभिन्न समाचार पत्रो व फेशबुक आई डी मेरी मानहानि कर रहे है ।तहरीर के आधार पर पुलिस ने धारा352.351(3)व आई टी एक्ट 67के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना कर रही है ।

श्रीरामेश्वरम महादेव धाम लक्षिया में दिव्य हवन और पूजन संपन्न

कुशीनगर। जिले के फाजिलनगर क्षेत्र के ग्रामसभा लक्षिया स्थित प्राचीन श्री रामेश्वरम महादेव धाम में गायत्री परिवार फाजिलनगर महिला मण्डली द्वारा आयोजित दिव्य वैदिक हवन एवं पूजन कार्यक्रम का समापन हवन एवं पूजन के साथ संपन्न हुआ।

संचालन हरिद्वार स्थित भगीरथ धाम आश्रम के संन्यासी स्वामी बैरागी जी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम वेदमंत्रों की ध्वनि और हवन की अग्नि से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। मुख्य यजमान के रूप में अरविंद सिंह, चंद्रिका यादव सहित कई श्रद्धालु सपत्नीक उपस्थित रहे। ।गौरतलब है कि शांतिकुंज, हरिद्वार में जीवनदान कर चुके साधक अवधेश पांडेय ने इस प्राचीन मंदिर की दशा को देख, इसका जीर्णोद्धार व आश्रम निर्माण कराने का संकल्प लिया था। ।संकल्प को मूर्त रूप देने हेतु यह दायित्व स्वामी बैरागी जी को सौंपा और दृढ़ता से कहा था कि मंदिर का जीर्णोद्धार निश्चित रूप से होगा। कार्यक्रम में रामप्रीत यादव, प्रमोद यादव, मुन्नीलाल, ब्यास, महेंद्र, रामप्रवेश आदि कार्यकताओं की भूमिका विशेष रूप से प्रशंसनीय रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी महिलाएं, माताएं एवं श्रद्धालु भाई-बहनें उपस्थित रहीं, जिन्होंने इस आयोजन को भक्ति और सामाजिक चेतना का उत्सव बना दिया।

मिशन शक्ति विधिक सेवाओं एवं आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में किया जागरूक

फिरोजाबाद। ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अतुल चौधरी एवं मिशन शक्ति हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन की अधिकारी ज़िला मिशन को ऑर्डिनेटर अनम अकाशा के निर्देशन में पीएलवी प्रवीन कुमार शर्मा ने एक अनूठी शुरूआत की पहल करते हुए विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर जनपद के ग्राम चंद्रवाड में यमुना किनारे स्थित पसीने वाले हनुमान मंदिर के निकट जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित किए गए कुष्मांडनी कुण्ड पर विकास मंत्रालय भारत सरकार के 10 दिवसीय मिशन शक्ति हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन जागरूकता अभियान के तहत दो दिवसीय लीगल अवेयरनेस कैंप का आयोजन किया। जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और हब फॉर एंपावरमेंट ए वुमन की टीम ने संयुक्त रूप से श्रद्धालुओं को आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत एवं विधिक सेवाओं के साथ साथ महिला एवं बाल संबंधी अधिकारों व अधिनियमों से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए पंपलेट वितरण कर जागरूकता विकसित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय लोक अदालत पर्यावरण संरक्षण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। दो दिवसीय लीगल अवेयरनेस कैंप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और हब फॉर एंपावरमेंट ए वुमन की टीम सहित कल्पना राजौरिया सपना शर्मा एवं प्रवीन कुमार शर्मा ने सरकार द्वारा संचालित महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 1090 कन्या सुमंगला योजना विवाह अनुदान योजना, श्रमिक कल्याण आदि योजनाओं व टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों के साथ साथ महिला एवं बाल संबंधी अधिकारों व अधिनियमों से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए श्रद्धालुओं को लोक अदालत की प्रक्रिया, लाभ और कानूनी अधिकारों के विषय में बताया कि, कैसे इस व्यवस्था का लाभ उठाकर समाज में समय और संसाधनों की बचत की जा सकती है। साथ ही उन्होंने, यह भी अपील की कि वे इस जानकारी को अपने परिवार और आसपास के अन्य लोगों तक भी इसे पहुंचाएं। ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ ले सकें। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। लोक अदालत न्यायपालिका की एक सुलभ और प्रभावी व्यवस्था है, जिसमें विवादों का निस्तारण आपसी सहमति से कराया जाता है।

आत्मनिर्भर उ. प्र. शताब्दी संकल्प 2047 कार्यशालाओं का आयोजन

देवरिया। शासन द्वारा नामित प्रबुद्धजनों एवं नोडल अधिकारी, सचिव नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन अजय शुक्ला की उपस्थिति में विकसित भारतझविकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारतझआत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प @2047 कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

पहले चरण में राजकीय इंटर कॉलेज, देवरिया के सभागार में महाविद्यालय के स्नातक एवं परास्नातक वर्ग के 100 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की कार्यशाला संपन्न हुई। दूसरे चरण में जनपद के प्रमुख व्यवसायी एवं उद्यमियों के साथ विचार-विमर्श किया गया।

तीसरे चरण में कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं प्रतिनिधियों के साथ कार्यशाला आयोजित की गई। चौथे चरण में विकास भवन के गांधी सभागार में श्रमिक संगठनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से संवाद हुआ। इसके उपरांत प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया प्रतिनिधियों के साथ कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशालाओं में अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति एवं जीवन शक्ति की थीम तथा मिशनझसमग्र विकास, आर्थिक नेतृत्व और सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही चिन्हित 12 सेक्टरों—कृषि एवं संबद्ध, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटी एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन—के विषय में सरकार की दृष्टि प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर उपस्थित प्रबुद्धजनों ने सुझाव दिए कि प्रदेश को विकसित एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किस प्रकार आगे बढ़ा जा सकता है। साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि वे निर्धारित क्यूआर कोड के माध्यम से अधिक से अधिक सुझाव दें तथा अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल, मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी गण आदि मौजूद रहे।

भारत में प्राचीन काल से है सर्वे भवन्तु, सर्वे सुखीनः की परिपाटीः ढुर्गेश राय

कुशीनगर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सर्वत्र शिक्षा समिति द्वारा चलाए जा रहे संस्कार पाठशाला के शिक्षकों को भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय और अतिथियों ने शैक्षणिक सामग्री वितरित किए।सोमवार को आयोजित कीट वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राय ने कहा कि प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति में सर्वे भवन्तु, सर्वे सुखीनः की परिपाटी रही है और वसुधैव कुटुंबकम में ही पूरी मानवता समाहित है। इसी को ध्यान में रखकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश व प्रदेश को विकसित भारत बनाने का संकल्प ले विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। श्री राय ने गांव गांव पाठशाला अभियान की सराहना की। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा के प्रतिनिधि राजेश दूबे ने कहा कि बच्चों में संस्कार के लिए संस्कार शाला अच्छा प्रयास है। किसान नेता गोबर्द्धन प्रसाद गोंड ने कहा कि नौनिहालों के सुनहरे भविष्य के लिए अच्छी पहल है। बच्चों धर्म ग्रंथों, महा पुरुषों की जीवनी, गीतों, कहानियों से मध्यम से अच्छे संस्कार दें। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। आरपीसीओ गोरखपुर मंडल मनोज कुमार मद्धेशिया, डीपीसीओ गोरखपुर उदित वर्मा, डीपीसीओ महाराजगंज संजय सिंह, डीपीसीओ कुशीनगर रामकेवल शर्मा, डीपीसीओ देवरिया आशुतोष प्रजापति, ने अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण कर और बुके देकर किया। अध्यक्षता प्रेमचंद कुशवाहा और संचालन राम जी शर्मा ने किया। इस दौरान विक्रम भारती, तेज प्रताप शर्मा, संजय शर्मा, धीरज, सुरेश, डॉ राजकिशोर, सुनीता भारती, पूनम भारती सहित बीसी और संस्कार शिक्षक मौजूद थे।

संक्षेप

नवयुवक की करंट लगने से मौत

सीतापुर। थाना क्षेत्र सकरन के ग्राम पंचायत अदवारी के रकबा में बिजली का करंट लगने से नवयुवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अखिलेश पुत्र मिहीलाल पासी के घर के पास बिजली का पोल लगा हुआ था। उसी पोल में अखिलेश बिजली के तार से तार जोड़कर पोल में एक बोर्ड लगा रखा था। उसी बोर्ड से अखिलेश मोबाइल चार्ज किया करता था। सोमवार को अखिलेश बोर्ड में चार्जर लगाकर मोबाइल चार्ज कर रहा था। लेकिन बोर्ड में बिजली सप्लाई नहीं आ रही थी तो केबिल को हंसिया से साफ करने लगा। तभी बिजली की सप्लाई आ गई और अखिलेश उसी केबिल में चिपक गया। ग्रामवासियों और परिजनों को जानकारी हुई तब तक अखिलेश की मृत्यु हो चुकी थी अखिलेश की उम्र लगभग 35 वर्ष थी।

फरियादियों की शिकायत को अधिकारी गंभीरता से लें: डीएम

उन्नाव। डीएम व एसपी ने संपूर्ण समाधान दिवस पर फरियादियों की समस्या को बारी बारी से सुनकर संबन्धित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में आने वाले फरियादियों की शिकायतों को एक-एक करके गंभीरता से सुना और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी स्थिति में जनपद की रैंक बिगड़ती है तो अधिकारियों को खैर नहीं होगी। कड़ी से कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कहा गंभीरता के साथ विभागीय कार्यों में रुचि लेकर सभी विभागीय अधिकारी अपनी रैंक सुधारें इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं की जानी चाहिए। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आईजीआरएस सरकार की प्राथमिकताओं में है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व पुलिस विकास नगर पालिका व अन्य विभिन्न विभागों सहित कुल 121 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमे से 07 शिकायत का निस्तारण मौके पर हुआ है शेष शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को दिये। संपूर्ण समाधान दिवस के समापन के पश्चात जिला अधिकारी ने जनपद के पांच मत्स्य पालकों को तालाब पट्टा आवंटन के प्रमाण पत्र सौंपे। जिसमे 68 पट्टे दारों को कुल 54 हेक्टेयर के 80 तालाबों का आवंटन किया गया है। जिलाधिकारी ने मत्स्य पालकों से मत्स्यपालन की जानकारी ली, मत्स्य कंहा बेचेते हैं, पहली बार आवंटन हुआ है, अन्य बिंदुओं पर जानकारी लेकर उन्होने कहा कि ईमानदारी से मेहतन करें आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ हो सकेगी।

90 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र 16 से

सीतापुर। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मधुमक्खियाँ प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से किसानों के दैनिक जीवन से लेकर उनकी आर्थिक आय बढ़ोत्तरी में सहायक है। मधुमक्खियों से शहद उत्पादन के साथ-साथ फसलों में पर-परागण से पौधों की जीविततता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है तथा पर्यावरण संतुलन में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है। किसानों की आय में वृद्धि के लिए कृषि के साथ-साथ अन्य ऐसे अनुपूरक व्यवसाय अपनाये जाने की आवश्यकता है। जिसमें कम भूमि एवं कम पूंजी की जरूरत हो। मधुमक्खी पालन को अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में अपनाकर कम पूंजी व कम समय में अधिक आय प्राप्त की जा सकती है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैज्ञानिक ढंग से मौनपालन किये जाने हेतु औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, सहारनपुर, व बस्ती, एवं अधीक्षक, राजकीय उद्यान प्रयागराज 16 सितम्बर से 15 दिसम्बर तक तीन माह (90 दिवसीय) के प्रशिक्षण सत्र का आरम्भ हो रहा है। यह प्रशिक्षण विभाग द्वारा निःशुल्क प्रदान किया जायेगा, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों को ठहरने एवं खाने आदि की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। इस प्रशिक्षण में पुरुष एवं महिलाएं सभी वर्ग के अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, इसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा आठ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्तियों को अपने निकटतम सुविधा अनुसार संयुक्त निदेशक, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, सहारनपुर, संयुक्त निदेशक, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र बस्ती एवं अधीक्षक, राजकीय उद्यान, प्रयागराज से सम्पर्क कर निर्धारित रूप-पत्र पर 16 सितम्बर तक आवेदन कर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है।

लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित मामले जल्द निपटायें

जिला संवाददाता(vol)

सीतापुर। जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सात तहसीलों में सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील लहरपुर में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को एक-एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ संबंधित अधिकारियों को अन्तरित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये, जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई हैं उसका निस्तारण संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता पूर्ण करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी लहरपुर आकांक्षा गौतम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। तहसील लहरपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 53 शिकायतों में से 05 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार से जनपद की अन्य तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील मिश्रिख में प्राप्त 44 प्रार्थना पत्रों में से 03, तहसील बिसवां में प्राप्त 36 प्रार्थना पत्रों में से 08, तहसील सदर में प्राप्त 08 प्रार्थना पत्रों में से 02, तहसील महमूदाबाद में प्राप्त 36 प्रार्थना पत्रों में से 06, तहसील महोली में प्राप्त 18 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील सिधौली में प्राप्त 62 प्रार्थना-पत्रों में से 08 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष बची हुयी शिकायतों को पृष्ठांकित कर एक सप्ताह के अन्दर संबंधित अधिकारी को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतें शीघ्र हल करें

जिला संवाददाता(vol)

- विधायक व एडीएम ने सुनी समस्याएं
- समाधान दिवस में कुल 18 शिकायते प्राप्त हुई जिसमें 4 का मौके पर किया निस्तारण

महोली/सीतापुर। जनता की शिकायत एवं समस्याओं को गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से सोमवार को तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील महोली में विधायक शशांक त्रिवेदी व अपर जिला अधिकारी नीतेश कुमार सिंह ने आई हुई समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारी के पास निस्तारण हेतु भेजा। समाधान दिवस में कल 18 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 4 का निस्तारण मौके पर किया गया।

अपर जिलाधिकारी नीतेश कुमार सिंह ने कहा कि शिकायतों को समयाअंतर्गत व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। समस्याओं का निस्तारण न्याय संगत होना चाहिए। अपर जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरण में तेजी से निस्तारण किया जाए जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण किया जाए। विधायक शशांक त्रिवेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट आदेश हैं कि फरियादियों की समस्याओं का मौके पर जाकर समाधान करें। किसी भी फरियादी को जिला या लखनऊ की भाग दौड़ न लगानी पड़े। इस दौरान उप जिलाधिकारी देवेंद्र कुमार मिश्रा, क्षेत्राधिकारी योगेंद्र कुमार चैबे, तहसीलदार अंकुर यादव, नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह, शिव प्रकाश, पूर्ति निरीक्षक कविता वर्मा, बीडीओ महोली प्रशांत शुक्ला, पिसावां अमित यादव सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पदाधिकारियों का किया सम्मान

सीतापुर। भाजपा नगर मंडल मिश्रिख नैमिषारण्य के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत समारोह सोमवार को मोहल्ला थोक निवासी मंडल महामंत्री संदीप राजवंशी के आवास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सीमा भार्गव और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय भार्गव ने सभी पदाधिकारियों का फूल-माला और अंगवस्त्र पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम की शुरूआत सीमा भार्गव ने साई मंदिर में पूजन-अर्चन कर की। उन्होंने कहा कि यह जीत कार्यकताओं की जीत है और नगर की जनता ने जिस विश्वास के साथ मौका दिया है, नगर के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। जल्द ही नगर में विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष देवेश पांडेय ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है, जहां कार्यकर्ता की मेहनत से ही वह ऊँचे पदों तक पहुँच सकता है। पार्टी का मुख्य लक्ष्य सदैव राष्ट्र सेवा रहा है, इसलिए भाजपा कार्यकर्ता देश को प्रथम, पार्टी को द्वितीय और स्वयं को तीसरे स्थान पर रखकर कार्य करते हैं। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री शुभम दीक्षित, उपाध्यक्ष आलोक सिंह, पियूष बिहारी मिश्रा, सोनू सागर, हरिकेष गुप्ता, रवि भोजवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जिला संवाददाता(vol)

सीतापुर। इफको द्वारा नैनो उर्वरकों के उपयोग जागरूकता अभियान के अंतर्गत सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन नेहरू हाल जिला पंचायत सभागार सीतापुर में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजेश शुक्ला जिलाध्यक्ष भाजपा रहे। साथ विश्राम सागर राठौर संचालक पीसीएफ उत्तर प्रदेश, रोहित सिंह अध्यक्ष डीसीडीएफ, विष्णु कुमार मौर्या सभापति जिला सहकारी बैंक सीतापुर, सहायक आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता सीतापुर नवीन चंद्र शुक्ला सीईओ जिला सहकारी बैंक सुनील कुमार त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम की शुरूआत इफको क्षेत्र अधिकारी सचिन प्रताप सिंह ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर शुरूआत की। साथ इफको कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया और इफको नैनो उर्वरक सागरिका, जैव उर्वरक, नैनो डी0ए0पी0, नैनो जिंक आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी और सभी से आग्रह किया कि किसानों भाई नैनो उर्वरकों का प्रयोग अपने खेती में करें, उप महाप्रबंधक इफको सीतापुर द्वारा सभी को जैविक खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही किसानों नैनो डी0ए0पी0 का प्रयोग अपने बीज उपचार 5 उस पर किग्रा0 बीज में मिलाकर बुआई करें और उसके बाद 35 से 40 दिन बाद उस फसल पर स्प्रे करे तो डी0ए0पी0 की आधी मात्रा को कम कर सकते हैं और उत्पादन भी बढ़ा सकते हैं।

सहायक आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता द्वारा सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि नैनो उर्वरक का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किसानों के बीच किया जाये। इसकी बिक्री किसानों के बीच किया जाये। पीसीएफ संचालक विश्राम सागर राठौर सभी समितियों के समस्त उपस्थित सचिवों को नैनो उर्वरकों का बिस्वाश किसानों के बीच और बढ़ाया जाये। ड्रोन के माध्यम से नैनो का छिड़काव किसानों के खेत मे हो और रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम से कम हो। मुख्य अतिथि राजेश शुक्ला द्वारा सहकारिता मूल उद्देश्य समझया और साथ ही इफको नैनो उर्वरक के प्रचार प्रसार और तीव्र गति से बढ़ाये और किसानों को उर्वरक की समस्याओं को निजात पाने में मदद मिलेगी। नैनो ड्रोन दीदी योजना से किसानों को लाभ हुआ है। इस मौके पर सभी ए0डी0सी0ओ0, बी पैक्स अध्यक्ष, सचिव सहित 200 सम्मानित लोग मौजूद रहे।

ग्रामीण परेशान, जर्जर कुएं से करते हैं पानी का इंतजाम

जिला संवाददाता(vol)

सीतापुर। विकासखंड सकरन की एक ऐसी ग्राम पंचायत सरैया कला के मजरा सुल्तानपुर में 1945 में बना एक कुआं है। इस कुएं पर दस से अधिक परिवार निर्भर है। सुबह से ही महिलाएं पुरुष और बच्चे बाल्टी रस्सी लेकर कुएं पर पहुंच जाते हैं। वे इस पानी का उपयोग पीने कपड़े धोने नहाने और पशुओं के लिए करते हैं। ग्रामीण सोबरन लाल कहते हैं की आर्थिक स्थिति कमजोर होने से वे घरों में नल नहीं लगवा पा रहे हैं। ग्रामीण पैकरमा के अनुसार कुआं जर्जर हो चुका है।

कुंए की दीवारों का प्लास्टर गिर गया है कम ऊंचाई होने के कारण बच्चों के गिरने का खतरा बना रहता है। मंगरे लाल बताते हैं कि जल जीवन मिशन के तहत हर ग्राम पंचायत में पानी की टंकी लगाई गई है लेकिन उनके गांव में ना पाइप कनेक्शन किया गया है ना ही पानी की टंकी लगी है। किरण देवी के मुताबिक हिंदू विवाह में इस कुएं की पूजा होती है। कुए के आसपास गंदगी और जल निकासी की समस्या से पड़ोसी परेशान है। ग्रामीण प्रमोद रामनाथ कल्लो और रामसागर ने कुएं के जीरणोद्वार की मांग की है। लेकिन यहां सवाल इस बात का है ग्राम पंचायत में कितने प्रधान बने और कितने चले गए और कितने ग्राम विकास अधिकारी आए और तबादला हुआ और चले गये। लेकिन किसी ग्राम प्रधान किसी भी ग्राम विकास अधिकारी की नजर इस कुएं पर नहीं पड़ी किसी ग्राम प्रधान किसी ग्राम विकास अधिकारी ने यहां पर सरकारी हैण्ड पम्प लगाना उचित नहीं समझा और न हीं कुएं की मरम्मत करवा कर ऊंची करण करवाना उचित नहीं समझा। जबकि छोटे-छोटे बच्चे इसी कुएं से पानी निकाल करके पीते हैं क्या ग्राम प्रधान ग्राम विकास अधिकारी किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं। अब देखना यह है कि ब्लॉक पर बैठे उच्च अधिकारी इस प्रकरण पर संज्ञान लेकर ग्रामीणों को इस समस्या से निजात दिलवाते हैं या मामले को लीपापोती करके यूं ही ठडे बस्ते में डाल देते हैं यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

हमें बच्चों से उतना ही प्रेम का व्यवहार करना चाहिए जैसा की प्यारे नबी बच्चों से प्रेम करते थे

तंबौर/सीतापुर। जमात-ऐ-इस्लामी हिंद उत्तर प्रदेश की जानीब से नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम सीरत परिचय के अंतर्गत एक दिवसीय सीरत परिचय मुहिम चलाई जा रही है इस संबंध में महिलाओं को सिरत ऐ नबी से रूबरू कराने के लिए एक जलसे का आयोजन मोहल्ला शीर्ष टोला स्थिति मास्टर तिलमिज साहब के आवास पर किया गयास कार्यक्रम का संचालन जमात की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती शाहिद आफरीन साहिबा ने की उन्होंने प्यारे नबी की सीरत पर बयान करते हुए कहा कि हमें बच्चों से उतना ही प्रेम का व्यवहार करना चाहिए जैसा की प्यारे नबी बच्चों से प्रेम करते थे उन्होंने प्यारे नबी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला दूसरी वक्ता शाहिदा परवीन ने महिलाओं से प्यारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के बताए हुए रास्ते पर आजीवन चलने का संकल्प लिया श्रीमती आलिया खातून ने कहा की अगर हमें दुनिया व आखिरत की भलाई चाहिए तो हमें प्यारे नबी की सीरत को जानना और उसे सबक लेना अति आवश्यक है। दरसे से कुरान जामिया जिकरा की छात्रा उम्मे कुलसुम ने प्रस्तुत किया श्रीमती आसमा बानो ने सभी आगंतुक महिलाओं को धन्यवाद दिया कार्यक्रम में श्रीमती खातून, आलिया, आसिफा, नफीस, मेहरुन्निसा, रिजवाना, जेबा, सहित करीब सैकड़ो महिलाओं ने भाग लिया।

नेत्र शिविर में मरीजों ने करायी जांच

सफीपुर, उन्नाव। विधायक कार्यालय पर लगने वाले परंपरागत नेत्र शिविर में आधा सैकड़ा मरीजों ने जांच कराई। जिसमें बीस मरीजों को चिन्हित कर ऑपरेशन के लिए भेजा गया। भाजपा विधायक बंबालाल दिवाकर द्वारा सफीपुर में आयोजित नेत्र शिविर में पंहुचे चार दर्जन से अधिक नेत्र रोगियों का शंकरा आई हॉस्पिटल के कुशल चिकित्सको द्वारा परीक्षण कर बीस मरीजों को आपरेशन के लिए चिन्हित किया जिनका विधायक के सौजन्य से न केवल निःशुल्क आपरेशन किया जायेगा वरन आने जाने एवम मुफ्त चश्मे की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जायेगी। शिविर को सफल बनाने में बेनी माधव दिवाकर, आशीष कनौजिया, राम सजीवन विमल, पुष्पेंद्र आदि ने महत्ती भूमिका निभाई। स्वयं विधायक दिवाकर ने आए हुए मरीजों से मिलकर उनका कुशल क्षेम जाना उल्लेखनीय है सर्व सुलभ, विकास परक सोच एवम मृदु भाषी मिलनसार सरल स्वभाव के व्यक्तित्व वाले भाजपा विधायक बंबालाल दिवाकर ने अपने सामाजिक जीवन की शुरूआत नेत्र शिविर के माध्यम से हजारों हजार लोगो को नेत्र ज्योति प्रदान करके करते हुए लगातार दूसरी बार विधान सभा में प्रतिनिधित्व कर रहे है। क्षेत्रीय लोगों ने विधायक की भूरि भूरि प्रशंसा की।

हवन-पूजन के साथ गणेश महोत्सव संपन्न

उन्नाव। स्थानीय सिंगरोसी में माँ शीतला माता कमेटी द्वारा 12 वाँ गणेश महोत्सव संपन्न हुआ। जिसमें आचार्य अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा पूजा पाठ करके विधि विधान से 11 वें दिन विसर्जन की तैयारी पूरी की। पूजा पाठ हवन करके नम आँखो से बप्पा की विदाई दी। जिसमें सभी भक्त ढोल नगाड़ों के साथ झूमते गाते गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाते हुए प्रसाद बांटते हुए नजर आए खुशी का माहौल रहा। जिसमें मुख्य रूप में सत्यम मिश्रा, उर्फ निशु अतुल पांडे, जितेंद्र कुशवाहा, अभय कुशवाहा उर्फ गोलू, लकी कुशवाहा, तन्मय, अर्पित रौनक उपस्थित रहे।

श्री सार्वजनिक रामलीला कमेटी की बैठक संपन्न

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय क्षेत्र के कस्बा ऊगू मे शारदीय नवरात्र पंचमी से प्रति वर्ष की भांति श्री सार्वजनिक रामलीला के आयोजन को लेकर पहली बैठक आहुत की गई। जिसमें कमेटी के सभी सदस्य मौजूद रहे। शारदीय नवरात्र मे होने वाली रामलीला की तैयारी पर विचार विर्मश हुआ। इस मौके पर कमेटी के सभी सदस्य व महामंत्री अवधेश दीक्षित पूर्व नगर अध्यक्ष अनुज दीक्षित, आदर्श दीक्षित सूर्य प्रकाश पांडेय, प्रकाश चंद्र दीक्षित, कृष्ण कुमार द्विवेदी, सुनील शास्त्री, रमाशंकर तिवारी, हर्ष शुक्ला, विवेक दीक्षित, अजय द्विवेदी, रामू आचार्य, संजय शुक्ला आदि मौजूद रहे।

परिवारवाद को बढ़ावा देते है क्षेत्रीय दलः अपर्णा यादव

असोहा, उन्नाव। सोमवार को ब्लाक मुख्यालय पर कुटीवीर बाबा सेवा संस्थान के तहत आयोजित पौध वितरण व सेवा निवृत्त अध्यापकों के सम्मान समारोह मे राज्य महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष अपर्णा यादव शामिल हुई।

अपर्णा यादव ने कहा 2021 मे जब प्रधानमंत्री मोदी ने एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधरोपण अभियान चलाया था जिसके बाद से लगातार पौधे लगाये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार भी लगातार पौधरोपण करा रही है। 2025 मे प्रदेश सरकार ने 36 करोड़ पौधरोपण कराया। अपर्णा यादव ने कहा भाजपा सरकार मे महिलाओ को 33 प्रतिशत आरक्षण मिला है। दिल्ली की सीएम महिला है और अन्य प्रदेशों मे भी अब महिलाओ को मौका मिलेगा। भाजपा नेता संजय शुक्ल के आवास पर वार्ता के दौरान अपर्णा यादव ने कहा भाजपा जाति धर्म देखती तो केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री यादव नहीं होते। उन्होंने कहा विपक्षी पार्टिया परिवाद कर रही है। उन्हीं के घर के ही अध्यक्ष और सीएम बनते है। राज्य मे महिलाओ पर अत्याचार कम हुए है। अब रात मे महिलायें निकलने मे डरती नहीं है। उन्होने उपस्थित लोगो से संस्कृत भाषा को जरूर पढ़ने की बात कहीं। आयोजक संजय शुक्ला ने अपर्णा यादव को अंगवस्त्र भेंट कर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान डीपीओ अजय कुमार, निशा सागर, आंचल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष गंगा प्रसाद, सरोज सिंह, मनोज निगम, वाणीकांत, रोहित अवस्थी, राजेन्द्र पाल, रविशंकर शुक्ल, आनन्द मोहन शुक्ल, सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

25 अभिभावकों से नयी पाठशाला की शुरुआत

उन्नाव। विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर मानव अधिकार, सशक्तिकरण एवं सीखने के को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक प्रदीप वर्मा ने आज औरास में 25 अभिभावकों को लेकर नई पाठशाला की शुरूआत की। सभी को बुनियादी अधिकार, पढ़ने- लिखने और अंकगणित कौशल देने के अवसर को लेकर प्रदीप वर्मा ने कहा कि वैश्विक साक्षरता दर में सुधार के बावजूद गांवों में अभी भी पढ़ने और लिखने के कौशल का अभाव है।

साक्षरता बुनियादी अधिकार के साथ ही सामाजिक एवं आर्थिक विकास, लैंगिक समानता और लोकतांत्रिक भागीदारी का प्रेरक है। औरास के रामपुर गढ़ौवा गांव में इकठ्ठा किए आंकड़ों को लेकर शिक्षक ने कहा कि ज्यादातर वयस्क (जिनमें से दो-तिहाई महिलाएँ हैं) निरक्षर हैं, और कई बच्चे आवश्यक साक्षरता कौशल हासिल किए बिना ही स्कूल की पढ़ाई पूरी कर ले रहे हैं। यूनेस्को द्वारा आईएलडी 2025 की थीम बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनारू पारस्परिक समझ और शांति के लिए साक्षरता से प्रेरित होकर शिक्षक ने इस पाठशाला की शुरूआत की और बताया कि बहुभाषी शिक्षा समावेशिता को बढ़ावा देकर विविध समुदायों के बीच संवाद की कमियों को पाटने में मदद करेगी, जिससे समझ और वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा। यह हाशिए पर पड़े समूहों को अपनी मातृभाषाओं में सीखने का अधिकार भी प्रदान करेगी, जिससे उनकी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच बेहतर होगी। अभिभावकों से बातचीत के दौरान शिक्षक ने बताया कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने की क्षमता से कहीं अधिक है; यह स्वतंत्र विचार, निर्णय लेने, मानवाधिकारों, अधिक स्वतंत्रताओं, सामाजिक जुड़ाव, व्यक्तिगत विकास और वैश्विक नागरिकता का प्रवेश द्वार है। साक्षर होने से व्यक्ति अपने अधिकारों का दावा कर सकता है, समाज में सार्थक रूप से भाग ले सकता है, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना एवं शांतिपूर्ण विश्व में योगदान दे सकता है। पहले दिन की कार्यशाला में पढ़ लिख कर साक्षर बनने से व्यापक ज्ञान, कौशल, मूल्य, दृष्टिकोण, समानता और गैर-भेदभाव, कानून के शासन, एकजुटता, न्याय, विविधता और सहिष्णुता के सम्मान पर आधारित स्थायी शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। कागज पर पढ़ने और लिखने के अलावा, डिजिटल युग में साक्षरता, लोगों को डिजिटल सामग्री तक सुरक्षित और उचित तरीके से पहुँचने, समझने, मूल्यांकन करने, निर्माण करने, संवाद करने और उससे जुड़ने में सक्षम बनाएगी।

नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान के तहत 53 बाइक सवारों का काटा चालान

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान के तहत परिवहन विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में, सोमवार को सीतापुर की लहरपुर तहसील में भी यह अभियान चलाया गया। जिसका नेतृत्व एआरटीओ (प्रशासन) सर्वेश चतुवेर्दी ने किया। यह अभियान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर 30 सितंबर तक चलाया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक करना है। एआरटीओ सर्वेश चतुवेर्दी ने बताया कि लहरपुर में चलाए गए इस अभियान के दौरान 53 बाइक सवारों का चालान किया गया। जो बिना हेलमेट के वाहन चला रहे थे। उन्होंने कहा कि हेलमेट के बिना बाइक चलाना सीधे तौर पर दुर्घटनाओं को न्योता देना है और यह जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के माध्यम से अब तक सीतापुर में 2280 से अधिक लोगों को हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में जागरूक किया जा चुका है। अभियान का लक्ष्य न केवल नियमों का पालन करवाना है, बल्कि लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना भी है। उन्होंने पेट्रोल पंप कर्मियों को भी यातायात नियम की जानकारी देते हुए इसे पालन करने के निर्देश दिए। इस दौरान पीटीओ एम.ए. अहमद भी टीम में शामिल रहे। यह अभियान विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिना हेलमेट के बाइक चलाने वालों पर केंद्रित है। नो हेलमेट, नो फ्यूल का सख्त नियम लागू होने से पेट्रोल पंपों पर भी बिना हेलमेट वाले चालकों को ईंधन नहीं दिया जा रहा है। परिवहन विभाग का मानना है कि इस तरह के सख्त कदम सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने में मददगार है।

गरीबों को बकाया धनराशि उपलब्ध करायी

उन्नाव, (वीओएल)। अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मनीष निगम के द्वारा प्री-लिटीगेशन वाद अतुल बनाम सचिन बकाया मजदूरी नहीं देने पर सुलह-समझौते के आधार पर बकाया मजदूरी दिलाने को प्री-लिटीगेशन वाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव में दायर किया गया था। उक्त प्रकरण में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा ठेकेदार से सभी श्रमिकों को उनकी बकाया मजदूरी दिलाई गई जिससे श्रमिकों के चेहरे खुशी से खिल गये। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, के निदेर्शों के अनुपालन में आगामी 13 सितम्बर को सुनिश्चित राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव वाणी रंजन अग्रवाल के निदेर्शानुसार रामायण शर्मा अध्यक्ष, स्थायी लोक अदालत द्वारा जनपद न्यायालय परिसर, से प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

आकाशीय बिजली गिरने से मवेशी की मौत

पुरवा, उन्नाव। ब्लाक के भदनाग गांव में आकाशीय बिजली गिरने से पालतू मवेशी की मौत हो गई वही मौके पर मौजूद अन्य लोग छप्पर के नीचे चले गए जिससे अनहोनी टल गई। पुरवा ब्लाक के भदनाग गांव के सगरा मोहल्ला में राजू पुत्र जियालाल का घर बन रहा था। जहां पर उसकी पुत्री आरती और भाई रामू थे घर के बगल में नीम के पेड़ के नीचे गांव के ही रमेश पुत्र स्वर्गीय नंदी की भैंस बंधी थी। तभी अचानक तेज आवाज के साथ भैंस के ऊपर आकाशीय बिजली गिर पड़ी। जिससे भैंस जमीन में गिर गई। राजू, आरती और रामू ने बताया की वे लोग वही पेड़ के पास ही मौजूद थे पानी से बचने के लिए बगल में छप्पर के नीचे जैसे ही पहुंचे वैसे ही भैंस के ऊपर बिजली गिर पड़ी जिससे मौके पर ही भैंस की दर्दनाक मौत हो गई।

संक्षेप

व्यापारी के अपहरण का प्रयास

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र में दिन-दहाड़े व्यापारी के अपहरण का प्रयास किया गया है। घटना को अंजाम देने के लिए दो बाइक सवार बदमाश बताये जा रहे हैं। तमंचे की नोंक पर किये जा रहे अपहरण को व्यापारी ने बाइक से कूद कर असफल कर दिया। दिन- दहाड़े घटी इस घटना के बाद कस्बा नाराहट के व्यापारियों व आमजन में काफी आक्रोश व्याप्त है। व्यापारियों ने आमजन के साथ थाना नाराहट पहुंच कर थाने का घेराव किया और घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों को शीघ्र पकड? की मांग उठायी है। घटना सुबह करीब 11.50 बजे की है। 60 वर्षीय व्यापारी लक्ष्मीनारायण गुप्ता अपने घर से मेन मार्केट स्थित दुकान जा रहे थे। रास्ते में दो युवक मिले। उन्होंने दुकान पर सामान खरीदने की बात कही। व्यापारी को बाइक पर बिठाकर पहले कस्बे की ओर ले गए। बदमाशों को गांव से बाहर जाने का रास्ता नहीं मिला। फिर वे बाइक को हाईवे की तरफ मोड़ ले गए। व्यापारी को शक हुआ तो वे चिल्लाने लगे। आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। व्यापारी ने चलती बाइक से छलांग लगा दी। बदमाश मौके से फरार हो गए। चलती बाइक से कूदने के कारण व्यापारी के हाथ-पैर में चोटें आईं। पुलिस ने उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। घटना बाजार के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। आक्रोशित व्यापारियों ने पुलिस को ज्ञापन देकर बदमाशों की गिरफ्तारी की मांग की है।

पुलिस ने पकड़े 5 जुआरी, भेजा अदालत

बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के चलते सोमवार को थाना कोतवाली देहात पुलिस ने जुआं खेल रहे 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली देहात पुलिस को जानकारी मिली थी कि चहितारा गांव में कुछ लोग कई दिनों से जुआं खेल रहे हैं।

इसके बाद उप निरीक्षक अशोक कुमार, कृष्ण कुमार तिवारी, कांस्टेबल अंकेश कुमार, अरविंद कुमार और राहुल कुमार ने जुआरियों की घेराबंदी कर इन्हे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को फड़ से 4 हजार 500 रुपये, जामा तलाशी में 700 रुपये और ताश के पत्ते बरामद किए।

गिरफ्तार आरोपियों में मुस्ताक पुत्र मोहम्मद रसूल, अन्नू शुक्ला पुत्र उमाशंकर, ओम प्रकाश पाण्डेय पुत्र रामनारायण, कोदूराम गुप्ता पुत्र कल्लन व रज्जू सोनी पुत्र रामआसरे हैं। पुलिस ने जुआंरियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है।

जल शक्ति राज्यमंत्री ने 27 कनिष्ठ सहायकों को बांटे नियुक्ति पत्र

जिला संवाददाता

बांदा। प्रदेश के जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद, नगर पालिका अध्यक्ष मालती बासू एवं जिलाधिकारी जे0 रीभा ने जिले के चयनित 27 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्त पत्र वितरित किए। नियुक्ति पत्र वितरण में उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ सहायकों एवं कर्मियों को बधाई देते हुए जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया का माहौल बदला है और अब निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से विभिन्न विभागों में भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि गत 8 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा अनेकों विभागों में लगभग 8.5 लाख सरकारी नौकरी में भर्ती निष्पक्ष रूप से की गई है। इसी के तहत नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को नियुक्त पत्रों का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कनिष्ठ सहायक अपने नए दायित्वो की जिम्मेदारी जो उन्हें मिली है स्वास्थ्य व्यवस्था को निष्पक्ष रूप से बेहतर बनाने के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश स्वस्थ होगा तो देश विकसित राष्ट्र बन सकेगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत, सदर विधायक प्रतिनिधि रजत सेठ, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार राज, मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडे, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बिजेंद्र कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर एन प्रसाद, अजय कुमार व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

मछली निकालने के लिए गांव का तालाब खाली कर रहा ठेकेदार

ललितपुर। तहसील मड़ावरा अंतर्गत ग्राम धौरीसागर में रहने वाले ग्रामीणों ने लामबंद होकर जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र भेजा है। पत्र में ग्रामीणों ने गांव के तालाब से निकल रहे पानी को रोके जाने की मांग उठायी है। बताया कि गांव में पानी के साधन के लिए एकमात्र साधन है। इस तालाब पर मछली का ठेकेदार मजदूरों की मजदूरी बचाने के लिए तालाब से पानी निकाल रहा है। यदि तालाब का पानी पूरा निकल जाता है तो किसानों को खेती में भारी नुकसान होगा। इस कारण यहां के किसानों को बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। बताया कि बीती 29 अगस्त 2025 को जब ठेकेदार तालाब से पानी निकाल रहा था, तो ग्रामीणों ने रोका तो ठेकेदार ने मछली निकालने के लिए तालाब का पानी समाप्त करने की बात कही। आरोप है कि ठेकेदार की लापरवाही से ग्रामीण परेशान है। ठेकेदार की शिकायत करने पर अब ठेकेदार लगातार शिकायत वापस लेने के लिए धमका रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से प्रकरण की जांच करायी जाकर कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है। पत्र देते समय भूपत, शेरसिंह, हारून सहरिया, हीरालाल, श्यामबाबू, नन्दकिशोर, भूपत, सौतल, थानसिंह, लखन, मलया अहिरवार, रामचरन, साहब सिंह आदि है।

पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ सम्मेलन में रालोद कार्यालय पर चलाया सदस्यता अभियान

बिजनौर। रालोद के जिला कार्यालय पर पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ का जिला स्तरीय सम्मेलन एवं सक्रिय सदस्य अभियान संपन्न हुआ। सम्मेलन में पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल ब्रह्मपाल सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में तथा सामाजिक न्याय मंच की प्रदेश अध्यक्ष संगीता दोहरे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। सम्मेलन के संयोजक पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष लवकुश कुमार फौजी ने मुख्य अतिथियों का स्वागत गंगा बैराज पर गाड़ियों के काफिले के साथ किया कार्यालय पर पूर्व विधायक सुखबीर सिंह की अध्यक्षता एवं संजीव चैधरी के संचालन में सम्मेलन संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि कर्नल ब्रह्मपाल सिंह तोमर ने इस मौके पर बीते दिन पूर्व सैनिकों को पार्टी की सदस्यता दिलवाई तथा पूर्व सैनिकों का आह्वान किया कि देश का जवान और किसान एक साथ मिलकर रालोद को मजबूत करने का काम करें। रालोद किसान जवानों की लड़ाई को हमेशा लड़ता रहा है रालोद प्रमुख माननीय जयंत चैधरी हमेशा ही किसानो और जवानों की बात को आगे बढ़ाते हैं। सम्मेलन संयोजक और पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष लवकुश कुमार फौजी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद में पार्टी का सदस्यता अभियान तेजी के साथ चलाया जाएगा। ब्रजवीर सिंह आर्य ने कर्नल साहब के सम्मान में अभिनंदन गीत प्रस्तुत किया। सम्मेलन में सामाजिक न्याय मंच की प्रदेश अध्यक्ष संगीता दोहरे, रालोद के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष नरेंद्र आचार्य, प्रदेश महासचिव अशोक चैधरी, ब्रजवीर सिंह, महावीर सिंह, आशु राणा, प्रमोद कुमार फौजी, यशपाल सिंह, अरविंद लांबा, चंद्रभान सिंह, सरदार बुद्व सिंह, सत्येंद्र सिंह, निपेंद्र सिंह, मास्टर विजयपाल सिंह, हनी तोमर, धर्मपाल सिंह, महाशय पूरन सिंह, काजी तारिक अली, रेणुका चैधरी, इमरान कुरेशी, हरवीर सिंह, ज्ञानेंद्र चिकारा, अनुराग मलिक, सुरेश राणा, छत्रपाल सिंह, प्रीतम सिंह, गोपाल शरण, फुरकान अहमद, विपिन कुमार, खिलेंद्र सिंह, संजीव कुमार, योगेंद्र कुमार, बॉबी चैधरी, अनुज कुमार आदि पदाधिकार एंव भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्रॉप सर्वे से मुक्त करने को पंचायत मित्रों ने दिया ज्ञापन

बांदा। ग्राम रोजगार सेवक संघ ने कृषि विभाग के तहत होने वाले फसल क्रॉप सर्वे से कार्य मुक्त कराए जाने और अन्य समस्याओं को लेकर सोमवार को विकास भवन से पैदल मार्च करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्राम रोजगार सेवक संघ का कहना है कि ग्राम रोजगार सेवक मनरेगा योजना से जुड़े कार्मिक हैं जिनका हेल्थ इंश्योरेंस भी नही है और न ही उच्च गुणवत्ता के एंड्रॉयड फोन भी उनके पास हैं। घर परिवार के मोबाइल से किसी तरह एनएमएमएस से हाजरी और जियो टैग का कार्य किया जा रहा है। फसल क्रॉप सर्वे न तो हमारे विभाग से संबंधित है और न ही वह इस कार्य में दक्ष हैं। जबकि यह कार्य मुख्य रूप से कृषि एवं राजस्व विभाग से संबंधित है। इस सर्वे कार्य में अनेकों तरह की तकनीकी जटिलताएं भी हैं। इस वजह से इसे मूल विभाग के लेखपालों से न कराकर इसमें आने वाली समस्याओं से अध्यक्ष राजस्व परिषद को पत्र संख्या महामंत्री 186 दिनांक 15 जनवरी 2025 से अवगत कराते हुए सर्वे के दौरान आने वाली समस्याओं को दूर कराने की मांग की गयी है। समस्याओं को देखते हुए रोजगार सेवकों ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया है कि सर्वे कार्य से ग्राम रोजगार सेवकों को कार्य मुक्त कर प्राईवेट सर्वेयरों से कार्य कराया जाए। संघ का यह भी कहना है कि खेतों में चारों तरफ पानी, बड़ी घास, जहरीले सर्प के काटने से रोजगार सेवक की मृत्यु होने पर परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी का सक्षम स्तर से पत्र जारी कराया जाए। अन्य मांगों में श्रमिकों का समय से भुगतान न होने पर अनैतिक दबाव बनाया जाता है जिससे योजना में इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष रामकिशोर साहू, महामंत्री रामलखन तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी आलोक द्विवेदी व सैकड़ों की संख्या में रोजगार सेवक मौजूद रहे।

यौन शोषण से बचाव को कानूनी जागरूकता शिविर

बांदा। जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र सिंह प्रथम के निर्देश पर जिला प्रोबेशन के सहयोग से सोमवार को ह्यमहिलाओं की सुरक्षा व उन्हे आत्मनिर्भर बनाने, महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर होने वाले यौन शोषण से बचाव तथा मध्यस्थताह्न के बारे में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। सदर तहसील में आयोजित शिविर में श्रीपाल सिंह, अपर जिला जज, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने महिलाओं को प्राप्त मुफ्त कानूनी सहायता, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचाव, देश की प्रत्येक महिला को सुरक्षा की भावना प्रदान करना, पुरुषों के समान पारिश्रमिक का लाभ आदि के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी। महिलाओं को कन्या भ्रूण हत्या, मानव तस्करी, पीछा करना, यौन शोषण, लिंग के आधार पर परेशान करना, यौन उत्पीड़न और इनमें सबसे भयावह अपराध बलात्कार जैसे अत्याचारों का शिकार होना पड़ता है। ऐसे उत्पीड़न का शिकार असंगठित क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाएं, घरेलू काम करने वालीं, निजी या सरकारी संगठनों में कार्य करने वाली महिलाएं होती है। उन्होने बताया कि महिलाओं को ऐसी किसी प्रकार की समस्या होने पर वह अपना आवेदन पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आकर अथवा डाक के माध्यम से भी दे सकती हैं। जिस पर उन्हे मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की जायेगी। विकास पाण्डेय तहसीलदार सदर ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आत्मचिंतन एवं स्वनिर्णय की शक्ति होना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होने बताया कि महिलाओं को उन नकारात्मक स्थितियों से बचना चाहिए जो उनके सशक्त होने में बाधक है। कामिनी सिंह जेण्डर विशेषज्ञ, जिला प्रोबेशन कार्यालय ने बताया कि यदि किसी महिला के साथ कोई व्यभिचार, अश्लील ढंग से उनके कार्यस्थल अथवा घर पर किसी बाहरी अथवा घर के सदस्य द्वारा ऐसा व्यवहार किया जाता है में लेकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। सबीना मुमताज, वनांगना संगठन ने भी संबोधित किया।

चोरी और ड्रोन उड़ने की अफवाहों पर भयभीत न हों लोग: एसपी

बांदा। पुलिस अधीक्षक ने जिले के लोगों से अपील की है कि चोरी और ड्रोन उड़ने जैसी अफवाहों पर कतई ध्यान न दें। एसपी पलाश बंसल के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने थाना गिरवां क्षेत्र के विंध्यवासिनी मंदिर के आस-पास के गांवों में ड्रोन के जरिए जागरूकता अभियान चलाया। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस ने गांव में पहुंचकर लोगों विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं को यह बताया कि ड्रोन देखकर घबराने की कोई जरूरत नही है। पुलिस ड्रोन से भी सभी क्षेत्रों की निगरानी कर रही है। ड्रोन, पीआरबी, स्थानीय पुलिस, मुखबिर सभी क्षेत्रों में पैनी निगाह बनाए हुए हैं और किसी भी गतिविधि से निपटने के लिए पुलिस हमेशा तैयार है। कुछ असमाजिक तत्व ड्रोन उड़ने व चोरी के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं। इसी के चलते ग्रामीणों में भय और भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि की जानकारी होने पर सबसे पहले सच्चाई की जानकारी कर लें उसके बाद ही पुलिस को जानकारी दें। पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की है कि कानून अपने हांथ में न लें क्योंकि अफवाहों के आधार पर किसी निर्दोश से मारपीट करना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। लोग तत्काल नजदीकी थानों व आपातकालीन नंबर 112 पर तत्काल सूचना दें।

थाईलैंड में लहरायेगी बिजनौर की बेटी पायल सिद्धू 24 अक्टूबर को तिरंगा

बिजनौर। बाल ज्ञान निकेतन इण्टर कॉलेज बास्टा की प्रतिभाशाली छात्रा पायल सिद्धू का भारतीय नौकायन (ड्रैगन बोट) टीम में चयन होते ही न सिर्फ विद्यालय, बल्कि पूरे जिले में उत्साह और गर्व की लहर दौड़ गई। विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक सुनील दत्त शर्मा ने बताया कि ग्राम मंडैयों निवासी पायल की खेल-यात्रा कबड्डी से शुरू हुई। विद्यालय की कबड्डी अकादमी में कोच शुभम तोमर और मनित ढाका की देखरेख में उन्होंने प्रतिभा के नए आयाम छुए। शुभम तोमर ने उनकी क्षमता को पहचानते हुए उन्हें भोपाल की साईं एकेडमी में दाखिला दिलवाया, जहाँ कोच ने उनकी फिटनेस और दृढ़ इच्छाशक्ति दखकर उन्हें नाकायन का राह पर मोड़ा। मेहनत का परिणाम रहा कि पायल ने राष्ट्रीय स्तर पर पाँच स्वर्ण पदक जीतकर अपने परिवार, विद्यालय और जिले का मान बढ़ाया। आगामी 12 सितम्बर को भोपाल के लोअर लेक में होने वाली इंडिया कयाकिंग कैनोइंग एसोसिएशन (आइकेसीए) सीनियर नेशनल ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन से प्रभावित होकर उनका चयन भारतीय टीम में किया गया। पायल सिद्धू अब 20 से 24 अक्टूबर 2025 को थाईलैंड के पटाया डरयोंग में होने वाली एशियाई ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह वही मंच है, जहाँ एशिया की दिग्गज टीमें जल की लहरों पर अपनी ताकत और तालमेल का जौहर दिखाती हैं। विद्यालय के पीटीआई मोहित चैधरी ने बताया कि भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर 14 सितम्बर से चंडीगढ़ में शुरू होगा।

छिल्ला गांव में अवैध ब्लास्टिंग से क्षतिग्रस्त हुए मकान व पुराने कुएं

जिला संवाददाता

ललितपुर। कस्बा बानपुर के ग्राम छिल्ला में क्रेशर संचालक द्वारा डी होल कर नियम विरूद्ध तरीके से अवैध ब्लास्टिंग करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला पहली बार नहीं, वरन इसके पहले भी ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को शिकायती पत्र दिया था, लेकिन कार्यवाही न होने के कारण ग्राम छिल्ला में त्रिदेव स्टोन क्रेशर संचालित है, जो कि पास में लगे मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ निवासी एक प्रभावशाली व्यक्ति का है। आरोप है कि क्रेशर संचालक द्वारा उच्च स्तर की ब्लास्टिंग, डी-होल (विगेन्डर) से होने वाले कम्पन्न से गांव के कई मकान व कुंए क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और गम्भीर बीमारियां गांव में पनप रहीं हैं। इसके अलावा धूल से आसपास का वातावरण भी काफी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाया कि अवैध ब्लास्टिंग के चलते कई खेत बंजर तक हो चले हैं। ग्रामीणों ने बताया कि क्रेशर संचालक द्वारा ग्राम सभा की आराजी संख्या 216 रकवा 4 एकड़ 18 डिस्मिल, जो कि वनीकरण के लिए आरक्षित की गयी थी, जिस पर क्रेशर संचालक द्वारा मलवा व पत्थर रखकर एवं खनिज कार्य करते हुये अनाधिकृत तरीके से कब्जा किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनिज विभाग की मिलीभगत से उच्च स्तर की ब्लास्टिंग (बगैर लाइसेंस के) करके ग्राम सभा की जमीन पर खनन प्रक्रिया जारी है। ग्रामीणों ने बताया कि इस सम्बन्ध में पहले भी जिला प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन कार्यवाही न होने से क्रेशर संचालक बेखौफ हो गया है। अब तक न तो ग्राम सभा की जमीन पर खनन प्रक्रिया बंद हुयी और न ही उड़ती धूल पर नियंत्रण किया गया और न ही ग्राम सभा की जमीन को सुरक्षित किया गया है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच करायी जाकर क्रेशर संचालक के खिलाफ कार्यवाही करते हुये अवैध खनन व ब्लास्टिंग को तत्काल बंद कराये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय ग्राम पंचायत सदस्य गोविन्द, तुलसीराम, देशराज, अनेक सिंह, बृजेन्द्र सिंह, रामकिशन, सतेन्द्र राजा, पुष्पेन्द्र, खेमचंद्र, मंगूलाल, विजय सिंह, कैलाश नारायण, कल्यान सिंह, विजय, अशोक कुमार, अंगद सिंह, कप्तान, बारेलाल, जाहर सिंह, रिषी, रूपेश, संजय, सोनू, हरनाम, मुकेश कुमार, गोलू राजपूत, भजनसिंह, हरीसिंह, काशीराम, निहाल सिंह, प्रवेन्द्र, सुरेन्द्र सिंह, अंकित के अलावा अनेकों ग्रामीण मौजूद रहे।

- क्रेशर संचालक के खिलाफ कार्यवाही न होने से बढ़ी ग्रामीणों की परेशानियां
- मनमाने समय एवं मनमानी जगहों पर ब्लास्टिंग करने का आरोप
- ग्रामीणों ने लामबंद होकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, उठायी उच्च स्तरीय जांच की मांग

क्रेशर संचालक द्वारा अब किसी भी समय किसी भी जगह ब्लास्टिंग की जा रही है, जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। इस सम्बन्ध में ग्रामीणों ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को भेजा है। कलेक्ट्रेट पहुंचे किसानों ने मुख्यमंत्री से प्रकरण की जांच करायी जाकर अनियमित्त तरीके से की जा रही अवैध ब्लास्टिंग को बंद कराये जाने की गुहार लगायी है। मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में ग्रामीणों ने अवगत कराया कि

कचनौंदा बांध भराव क्षेत्र के किसानों ने मांगी पुनर्स्थापना

ललितपुर। तहसील महरौनी अंतर्गत ग्राम भरौनी के किसानों ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन भेजा है। बताया कि उनकी जमीनों को कचनौंदा बांध के भराव क्षेत्र हेतु अधिग्रहीत किया गया था, लेकिन अभी तक पुर्नस्थापित कराये जाने की प्रक्रिया अमल में नहीं लायी गयी है। बताया कि जल भराव क्षेत्र के लिए जमीनों का अधिग्रहण किया गया था, लेकिन पुर्नस्थापना न होने के कारण अब ग्रामीणों के घरों में पानी भर रहा है, जिससे ग्रामीण काफी परेशान हैं। घरों में पानी भरने के कारण कई प्रकार की समस्यायें ग्रामीणों के समक्ष हैं, जिनमें महिलाओं व बुजुर्गों को आने-जाने, खाने, उठने-बैठने में परेशानियां तो वहीं बच्चों को खेलने भी नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा जल भराव के कारण गंभीर बीमारियां भी पनप रहीं हैं। इस सम्बन्ध में सिंचाई विभाग के कर्मचारियों को तमाम शिकायती पत्र दिये गये, लेकिन कार्यवाही नहीं हुयी। ग्रामीणों ने बताया कि जमीन अधिग्रहण करते समय लोगों को आश्वासन दिया गया था, कि उन्हें पुर्नस्थापना की जायेगी, लेकिन कार्यवाही नहीं होने से यहां के किसान परेशान हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से प्रकरण की जांच करायी जाकर यहां के किसानों को अधिग्रहण के बाद पुर्नस्थापना कराये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय कोमल प्रसाद, सुनील, सुकई, मनुआ, सोबरन, रामबेटी, राकेश कुमार, रामचरन, जुजु, लीला, प्यारेलाल, लखनलाल, विक्रम, रोहित, रूप सिंह, सुरेन्द्र अंकित, मलखान, संदीप, रामजी, अरविन्द कुमार, श्रीपत, देवेन्द्र, मुन्नी, गुलाब, रामनारायण, रितिक श्रीवास, रामपाल, बलराम, मोहनलाल, भरत, चोखेलाल, महेन्द्र कुमार, देवीलाल, अमीरा, रामसिंह, वीरेन्द्र कुमार, रज्जू, कालू, हल्के, गोरेलाल, मनोहर, चतरे, विनोद कुमार, खिलन, सुजान, राजाभैया, नरेन्द्र कुमार, अशोक कुमार, रवीन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनपद को मिले 4 नये सहायक शोध अधिकारी

ललितपुर। कलैक्ट्रेट सभागार में उ.प्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ के माध्यम से चयनित नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नवनियुक्त सहायक शोध अधिकारियों को राज्यमंत्री मनोहर लाल, विधायक रामरतन कुशवाहा, पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, डीएम अक्षय त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से नियुक्ति पत्र वितरित किये। सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद ने बताया कि उ.प्र.अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ के माध्यम से जनपद को 04 नये सहायक शोध अधिकारी प्राप्त हुये है, जिससे स्वास्थ्य विभाग को डेटा की रिपोर्टिंग एवं विश्लेशण के कार्य में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया। नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा कुछ जनपदों के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र स्वयं प्रदान करने के कार्यक्रम का वीडियो लिंक के माध्यम से सजीव प्रसारण किया गया।

यूपीएससी में चयनित स्वाति का हुआ सम्मान

ललितपुर। दिगम्बर जैन महासमिति चेलना इकाई (महिला) द्वारा श्रीआदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नईबस्ती में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में चयनित स्वाती जैन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्वाती जैन पुत्री स्व.अनिल बुखारिया ने यूपीएससी परीक्षा में 539 वी रैंक प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया।

इस दौरान अध्यक्ष रश्मि जैन, मंत्री मनीषा जैन, कोषाध्यक्ष मेघा सतभैया, संरक्षक मंजू जैन, संगीता, सिन्धु सिंघई, सरोज जैन, सुषमा बरया, मीना जैन, ममता जैन, ममता मौजूद रहीं।

बछड़े को कार चालक ने रौंदा, मौके पर मौत

ललितपुर। गाय के बछड़े पर कार चढ़ाकर भागे चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गयी है। मोहल्ला खिरकापुरा निवासी मनोज रैकवार पुत्र ओमप्रकाश ने बताया कि वह राष्ट्रीय बजरंग दल का कार्यकर्ता है। मनोज के अनुसार बीते रविवार को रात करीब 8 बजे मोहल्ला घुसयाना चुंगी के पास चार पहिया वाहन संख्या यू.पी. 94 ए.एच. 9909 तेज रफ्तार से आयी और चालक ने लापरवाही पूर्ण तरीके से कार चलाते हुये सड़क किनारे बैठे गाय के बछड़े को रौंद दिया, जिससे बछड़े की मौके पर ही मौत हो गयी।

मनोज के अनुसार मोहल्लेवासियों ने जब कार चालक को रोकने का प्रयास किया तो वह गालियां देते हुये जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। मौके पर लोगों ने डायल 112 के जरिए पुलिस को सूचना दी। मनोज की तहरीर पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 325, 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

प्रदेश में विकास के संदेश को जन सामान्य तक पहुंचाने में अपनी भागीदारी निभायें: डीएम

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश को न केवल भारत का सबसे सशक्त एवं समृद्ध राज्य बने बल्कि दुनिया के सामने विकास, संस्कृति और मानवीय मूल्यों पर आदर्श के रूप में पेश करने के लिए दृढ़ संकल्प है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को पूरी दुनिया में अपने विकास, तकनीकी ताकत, उद्योग एवं अद्वित्य संस्कृति से परिचित कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सोमवार को प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ह्नसमर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश/2047ह्न के अन्तर्गत प्रदेश सरकार द्वारा जनपद बिजनौर के लिए नामित प्रबुद्धजनों द्वारा आज मंगलवार को विकास भवन सभागार में दोपहर 12 से 02 बजे तक जनपद में दो दिवसीय प्रवास कर समर्थ ह्नउत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश/2047ह्न अभियान की जन-जागरूकता के लिए मीडिया बंधु सहित विभिन्न लक्षित समूहों (छात्र, शिक्षक, व्यवसायी, उद्यमी, कृषक, स्वयं सेवी संगठन, श्रमिक संगठन, स्वास्थ्य संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं, आम जनमानस इत्यादि) के साथ विगत 8 वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए राज्य के विकास के लिए रोड मैप पर आयोजित कार्यशाला में चर्चा की जाएगी।

उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफलता पूर्वक आयोजित करने के लिए नोडल अधिकारियों को नामित कर निर्देशित किया गया है। उन्होंने सभी मीडिया बन्धुओं का आह्वान किया कि कल विकास भवन के सभागार में आयोजित होने वाली कार्यशाला में प्रतिभाग कर अनुग्रहित करें और प्रदेश की विकास यात्रा के संदेश को जन सामान्य तक पहुंचाने में अपनी गरिमा पूर्ण भागीदारी निभाएं।

गर्त में सियासी मर्यादा

यह सब कुछ पहली बार नहीं हो रहा है। इससे पहले भी चुनावी मौकों पर और विरोधियों पर हमले के लिए गाली-गलौज होते रहे हैं। अब भी हो रहे हैं। 2007 में गुजरात विधानसभा चुनाव होने थे। 2002 के गोधरा कांड और सांप्रदायिक दंगों के लहूलुहान वाला दौर सतही तौर पर शांत हो चुका था। नरेंद्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन पर दंगों के परोक्ष आरोप लगाये जा रहे थे। विभिन्न आयोग जांच कर रहे थे। चुनावी पंडित भाजपा की पराजय के विश्लेषण जारी कर रहे थे। उस दौर में मोदी को 'मौत का सौदागर' बोल दिया गया। उनके लिए 'जहर की खेती' सरीखे शब्द भी कहे गये। उनके लिए 'खून की दलाली' जैसे शब्द प्रयोग किये गये। तब मुख्यमंत्री मोदी ने इन अपशब्दों को 5-6 करोड़ गुजरातियों के अपमान से जोड़ दिया। इससे शेष मुद्दे नेपथ्य में चले गये। गुजरातियों का मान-सम्मान चुनावी मुद्दा बन गया। भाजपा को शानदार जनादेश हासिल हुआ। कहीं उसी तरह बिहार में भी चुनावी हवा बदल न जाये? बिहार में राजद-कांग्रेस-वामदल की 'वोटर अधिकार यात्रा' समाप्त हुई और प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपनी दिवंगत मां को दी गई गाली का मुद्दा उठा दिया। बेशक विपक्ष के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दी गई थी। वाकई गाली, अपशब्द नहीं, भद्दी गाली दी गई थी, जिसे नैतिकता और मर्यादा के मद्देनजर हम लिख भी नहीं सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-मेरी मां अब इस दुनिया में नहीं है। वह मुझे छोड़ कर जा चुकी हैं। मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। मां ने गरीबी के बीच ही हमें पाला-पोसा और मां भारती की सेवा के संस्कार दिए। उस मां को भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। यह बिहार ही नहीं, देश की करोड़ों माताओं, बहनों, बेटियों का अपमान है। भले ही मैं व्यक्तिगत रूप से गाली देने वालों को माफ कर दूं, लेकिन छठ मैया को पूजने वाले बिहार के लोग उन्हें क्षमा नहीं करेंगे। यकीनन प्रधानमंत्री के कथन के भाव यही थे, कुछ शब्दों का अंतर हो सकता है। किसी की भी मां को गाली देना पाप है, अक्षम्य अपराध है और उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री का मानना सही है कि मां का स्थान देवी-देवताओं से भी ऊपर है। वह जननी है। हमने ईश्वर को तो नहीं देखा, लेकिन ईश्वर के प्राणियों की जननी को देखा है, लिहाजा मां में ईश्वर का प्रतिरूप अनुभव किया जा सकता है। विडंबना यह है कि विपक्ष के प्रवक्ता और कुछ छुटभैया नेता गाली को भी न्यायोचित करार देने में जुटे हैं। यह राजनीतिक कुंठा और हताशा है। कुछ हद तक नफरत भी है। हालांकि लोकतंत्र में ऐसे भाव की राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं है। कमोवेश ऐसी सोच से वोटर का निर्णायक जनादेश नहीं मिला करते। हम स्वीकार करते हैं कि प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी ने भी 2014 के चुनाव में 'जर्सी गाय', '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड', 'कांग्रेस की विधवा' आदि अपशब्दों का प्रयोग किया था। हालांकि ये प्रतीकात्मक शब्द थे। प्रत्यक्ष रूप से 'गलीनुमा' गाली नहीं दी गई थी। फिर भी इसके लिए उनकी आलोचना हुई थी जो कि उचित भी है। ऐसे शब्दों से हमेशा बचना चाहिए। मोदी इन अपशब्दों से भी बचे और बाद के चुनावों में इन्हें नहीं दोहराया। विशेषण, रूपक और भद्दी गाली में आकाश-पाताल का अंतर होता है। अब प्रधानमंत्री की मां को गाली देने की, मर्यादा के पतन की पराकाष्ठा छू लेने की भद्दी कोशिश की गई है। यही नहीं, देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री को भी 100 से अधिक गालियां दी जा चुकी हैं। हम कई बार वे विश्लेषण कर चुके हैं। सवाल है कि क्या इसे भी लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी माना जाये? प्रधानमंत्री ने अपने चुनाव अभियानों में इन गालियों को भी मुद्दा बनाया और लोगों ने निर्णायक जनादेश दिए। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी को 'वोट चोर' करार देकर भी नारे लगवाए गए हैं। हम मतदाता सूचियों में विसंगतियों से इंकार नहीं कर रहे। शायद इसीलिए संविधान में अनुच्छेद 324 और 326 के तहत चुनाव आयोग को शक्तियां दी गई हैं कि वह सूचियों का पुनरीक्षण कर सके। यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी सुना जा रहा है। अदालत ने चुनाव आयोग के एकदम खिलाफ कोई फैसला नहीं सुनाया। बेशक विपक्ष को अपने मुद्दे उठाने का अधिकार है, लेकिन मर्यादा लांघने पर कानून और जनता दोनों सबक सिखाते हैं। यह याद रखना चाहिए।

अपनी बात कहने का हक सभी को है लेकिन शब्दों की मर्यादा लांघी गयी तो मतदाता और कानून दोनों सबक सिखायेंगे।

विचार

ज्ञान द्वारा जिनके पाप धुल गए, वे ईश्वर का ध्यान धरने वाले, तन्मय हुए, उसमें स्थिर रहने वाले और उसी को सर्व मानने वाले लोग मोक्ष पाते हैं।

-श्रीमद्भागवत गीता.

यदि हमारे जीवन को हरा-भरा रखने हेतु, हमारे साथ प्रभु का पक्षपात है। यादें पंख हैं, जो उड़ने को पुरुषार्थ देती हैं।

-माखन लाल चतुर्वेदी.

वेदों के अध्ययन का सार है सत्य भाषण। जीवन का सार है इन्द्रिय संयम और इन्द्रिय संयम का सार है मोक्ष।

-महाभारत.

जब दुष्ट लोग गुट बना लें, तब सज्जनों को भी संगठित हो जाना चाहिए। अन्यथा एक-एक करके सबकी ही बलि चढ़ जायेगी।

-डिक्सन.

संगठन में अपार शक्ति है। संगठित होकर ही शक्तिशाली शत्रुओं पर विजयपायी जा सकती है।

-कौटिल्य.

शी-पुतिन वार्ता के खोजे जा रहे निहितार्थ

लोकमित्र

इन दिनों दुनिया के तमाम राजनीतिक और कूटनीतिक मंचों पर जिस एक बातचीत को लेकर हंगामा मचा हुआ है, वह कोई धमकी नहीं है, वह कोई बड़ा प्लान नहीं है और न इस बातचीत में प्रत्यक्ष तौर पर कोई राजनीतिक या कूटनीतिक समीकरण ही नजर आता है। फिर भी व्हाइट हाउस से लेकर नई दिल्ली के सियासी गलियारों तक में इस बातचीत की खूब गूंज है, तो इसलिए क्योंकि इस पूरी बातचीत के राजनीतिक हलकों में खूब कल्पनाशील अर्थ लगाये जा रहे हैं। खूब कल्पनाशीलता के घोड़े दौड़ाये जा रहे हैं। दरअसल चीन में विक्ट्री डे परेड के मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के सुप्रीमो किम जोंग उन जब चलते हुए आपस में लंबी उम्र पर एक गुफ्तगू कर रहे थे तो यह बेहद साधारण सी लगने वाली बातचीत जिस पर चीन और रूस के राष्ट्रपति बीच बीच में मुस्कुरा रहे थे, अनुवादकों के जरिये जब दुनिया के सामने आयी, तो दुनिया इसके विषय को सुनकर हैरान रह गई। दरअसल ये दोनों नेता यह बात कर रहे थे कि आजकल 70-72 साल की उम्र ही क्या होती है? लंबी उम्र को बढ़ाने वाली ऐसी मेडिकल तकनीक और कृत्रिम अंग आ चुके हैं, जिनकी बदौलत इंसान 150 सालों तक आसानी से जी सकता है। यूं तो यह देखने में सचमुच एक हल्की फुल्की और साधारण सी जिज्ञासा भरी बातचीत ही लगती है, लेकिन दुनिया के दो ताकतवर देशों के नेता भला इतनी हल्की फुल्की और सहज बातचीत कहां किया करते हैं?

इसलिए वॉशिंगटन से लेकर लंदन तक और दिल्ली से लेकर पेरिस तक इस बातचीत के गूढ़ से गूढ़ अर्थ निकाले जा रहे हैं। क्योंकि माना जा रहा है कि अगर दुनिया के दो सबसे ताकतवर राजनेता उम्र संबंधी साधारण सी लगने वाली बातचीत कर रहे हैं, तो जरूर इसके पीछे कोई गहरा राजनीतिक और कूटनीतिक संदर्भ छिपा होगा, जो आज नहीं तो कल दुनिया को चौंका देगा। दरअसल यह बातचीत इसलिए भी एक से एक हैरान करने वाले निष्कर्ष खोज रही है, क्योंकि यह ऐसे समय पर दुनिया के सामने आयी है, जब रूस और चीन से पश्चिमी देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हैं और भारत इन दोनो के साथ हाथ मिलाकर या इनकी तरफ झुकने का संकेत करके दुनिया की सियासत को और हैरान कर रहा है। रूस पर यूक्रेन युद्ध के कारण भारी प्रतिबंध लगे हुए हैं और चीन, अमेरिका तथा यूरोप के साथ कई सालों से रणनीतिक खींचतान में उलझे होने के बावजूद दुनिया की नई ताकत का केंद्र बन गया है।

शी जिनपिंग व पुतिन के बीच उम्र पर चर्चा

रूस पर अमेरिका सहित यूरोप के प्रतिबंधों का कोई असर होता नहीं दिख रहा, ऐसे में जब अमेरिका और यूरोप दोनों ही इन दोनो देशों और इनके दोनों नेताओं से परेशान हैं, वैसे में इनकी एक एक खुसुर-फुसुर पर भी कान दिये जाते हैं और उसके गहरे व गूढ़ अर्थ निकाले जाते हैं ताकि वह कुछ भी जो हैरान करने वाला घटित होने जा रहा हो, उसे पहले से ही जान लिया जाए। ऐसे में जब दोनो राजनेता लंबी उम्र को लेकर वैज्ञानिक संदर्भों और अनुसंधानों पर सहज व मानवीय जिज्ञासा से पूर्ण बातचीत कर रहे हों, तो दुनिया के कूटनीतिक गलियारों में इसे ऐसा ही मान लेना कतई गवरा नहीं होगा। माना जा रहा है कि सूत्रवत वाक्यों में ये दोनो राजनेता लंबे समय तक अपने अपने देशों में सत्ता प्रमुख बने रहने के अलावा दुनिया पर अपनी हुकूमत चलाने का ख्वाब देख रहे हैं। इसलिए दुनियाभर की मीडिया और कूटनीतिक हल्कों में इस साधारण बातचीत के तरह तरह के अर्थ निकाले हैं और जिन्होंने नहीं भी निकाले, उन्होंने भी इसे साधारण बातचीत मानने से तो इनकार ही कर दिया है।

हर कूटनीतिक गलियारे का अनुमान है कि ये दोनो नेता आने वाले दशकों की वैश्विक कूटनीति की बात कर रहे थे और आपस में इस बात को जानने की कोशिश कर रहे थे कि लंबे समय तक इन्हें अपनी अंगुली के इशारों पर कैसे नचाया जाए? ज्यादातर अमरीकी थिंक टैंकों ने पुतिन और शी जिनपिंग की लंबी उम्र संबंधी बातचीत को चीन और रूस के संदर्भ में लंबे समय के वैश्विक प्रभाव जमाने की आकांक्षा मान रहे हैं। उनके मुताबिक ये दोनो मिलकर उस समीकरण की खोज में है, जिससे दुनिया पर चीन और रूस का दबदबा सालों तक कायम रहे। दुनिया दो बड़े राजनेताओं की उम्र संबंधी इस बातचीत के दीर्घकालिक गठजोड़ संबंधी मतलब निकाल रही है। दुनिया के किसी भी राजनीतिक गलियारे में यह मानकर नहीं चला जा रहा कि वास्तव में ये दोनो राजनेता सचमुच लंबे समय तक जीने की आकांक्षा और इस संबंध में हो रहे अनुसंधानों की बातचीत कर रहे थे।

माना जा रहा है कि ये दोनों अपनी सत्ता की निरंतरता का समीकरण खोज रहे थे और दोनों ने सांकेतिक तौरपर दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि अभी वह दूर दूर तक भी सत्ता छोड़ने वाले नहीं हैं यानी आने वाले दशकों में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति इन्हीं के इर्दगिर्द घूमेगी। दुनिया में जीवन लंबा करने और स्वास्थ्य सुधारने की जो तमाम रिसर्च चल रही हैं, इनके बहाने रूस और चीन बायोटेक्नोलॉजी और जीन एडिटिंग पर दीर्घकालिक निवेश की योजना भी बना रहे हैं। दुनिया के राजनेता और उनके राजनीतिक, कूटनीतिक सलाहकार इसलिए भी इस बातचीत को साधारण बातचीत मानने के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि माना जा रहा है कि ये दोनो घुटे हुए राजनेता कभी भी सहजता से बात नहीं करते। इनकी हर बातचीत में एक दूरगामी और गहरा अर्थ छिपा होता है। खास तौरपर सार्वजनिक मंचों पर कही गई इनकी बातों के बेहद सांकेतिक अर्थ होते हैं। पुतिन और शी जिनपिंग के साथ तो यूं भी ऐसा मामला है कि इनकी सहज बातचीत को भी दुनिया अपने अपने नजरिये से कूटनीतिक व्याख्या करती है। इसलिए दुनिया इन दो राजनेताओं की सहज जिज्ञासापूर्ण बातचीत को उम्र संबंधी बातचीत मानने की जगह ह्यलोंगीविटी ऑफ पॉलिटिक्सह्न मान रही है।

हालांकि यह भी सच है कि हाल के सालों में अमेरिका की सिलिकॉन वैली, चीन के बायोजीन रिसर्च लैब्स और रूस के अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों तक में इंसान की उम्र को लेकर लंबे शोध किये गये हैं। लेकिन इस बातचीत का केंद्र वास्तव में उम्र की यह जिज्ञासा नहीं लगती बल्कि लंबे समय तक दुनिया में प्रभावशाली पकड़ बनाये रखने की मंशा का सूत्र तलाशने की कोशिश ही लग रही है। हालांकि इस राजनीति के मनोवैज्ञानिक और वैचारिक संदेश अपनी अपनी जनता को यह खुशफहमी देना भी है कि उनके राजनेता, उनके स्वास्थ्य को लेकर कितनी दूर तक की बातचीत कर रहे हैं। हालांकि इस बातचीत का एक हल्का फुल्का अंदाज ही इसे समझना चाहिए कि अब वॉशिंगटन से लेकर नई दिल्ली के कूटनीतिक गलियारों तक में शी जिनपिंग और पुतिन के साथ मोदी और ट्रंप की भी उम्र 150 साल तक बढ़ाये जाने की मजेदार मांग उठने लगी है। कुछ टिप्पणीकार बड़े गंभीर अंदाज में कहते हैं कि शी जिनपिंग या पुतिन ही क्यों, मोदी या ट्रंप को भी 150 साल तक जीने का फामूर्ला मिलना चाहिए ताकि दुनिया के कूटनीतिक गलियारे में एक दूसरे पर संतुलन बनाकर रखा जा सके।

सोशल मीडिया

यूपी की 25 करोड़ जनता की ओर से उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री के वाहनों को आज हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएम योगी.

बिहार में 20 वर्षों से नीतीश बीजेपी की सरकार है, ग्यारह सालों से केंद्र में मोदी -नीतीश सरकार है। फिर भी बिहार में उद्योग और फैक्ट्री नहीं है। तेजस्वी यादव.

भाजपा की सरकार ये साफ करे कि डिजिटल अरेस्ट की महाठगी का पैसा जिन खातों में जाता है, उनकी जांच हो नहीं सकती है या साठगांठ की वजह से करवाई नहीं जाती। अखिलेश यादव

महापुरुषों का मार्गदर्शन

जीवन में सही मार्ग पर चलने के लिए महापुरुषों का मार्गदर्शन जरूरी होता है। महापुरुषों का मार्गदर्शन, साधना और ज्ञान हमेशा मनुष्य का पारिष्कार कर उनमें दैव प्रवृत्तियों एवं सद् चिंतन का विकास करते हैं। साधारण इंसान हमेशा ऐसे कृत्यों में संलग्न रहते हैं जिसमें भोग, लिप्सा जैसी चेष्टाएं प्रधान होती हैं लेकिन महापुरुष हमेशा ऐसी प्रवृत्तियों से दूर लोक कल्याण एवं अध्यात्म चिंतन में रत रहते हैं। मनुष्य अनेकानेक क्षुद्र योनियों के कुसंस्कारों से लदे होते हैं। शिश्नोदर परायण पशु प्रवृत्तियों में ही उनका मन रमता और प्रयत्न चलता है। इस स्तर से उबर कर मानवी गरिमा के क्षेत्र में प्रवेश करने की प्रक्रिया आध्यात्म तत्वज्ञान और साधन विधान के सहारे ही संभव होती है। उसका आलोक अंतराल में प्रवेश करता है तो पुण्य परमार्थ की दो प्रवृत्तियां उभरती हैं। पुण्य अर्थात आत्मसंयम, परमार्थ अर्थात् सत्प्रवृत्ति संवर्द्धन में उत्साह। इन्हीं के समन्वय को देवत्व कहते हैं। महामानवों का यह कार्य क्षेत्र है। उनकी विचारणा एवं तत्परता इन्हीं दो प्रयोजनों पर केन्द्रित होती हैं। फलतः वे स्वयं कृतकृत्य होते हैं और अपने सम्पर्क क्षेत्र में शालीनता का वातवरण उत्पन्न करने में चंदन वृक्ष का उदाहरण बनते हैं। यह आध्यात्म क्षेत्र ही देव मानवों की, नर-रत्नों की खदान है। इस विद्या का जब जितना प्रचलन, विस्तारण होता है तब उसी अनुपात में वैयक्तिक प्रखरता और सामूहिक समर्थता की अभिवृद्धि होती है। सर्वतोमुखी प्रगति का पथ प्रशस्त होता है। चेतना में उत्कृष्टता का स्तर बढ़ने से स्वल्प साधनों को मिल बांटकर खाया और संतोषपूर्ण रहा जा सकता है। जबकि इसमें कमी पड़ने पर आपस में टकराने और नारकीय दुष्प्रवृत्तियों से सवत्र अशांति उत्पन्न करते हैं। भले ही सम्पदा के पर्वत ईर्द-गिर्द ही क्यों न खड़े रहें। इन तथ्यों पर ध्यान देने से आध्यात्म तत्वज्ञान और साधन विधान की व्यवहारिक गरिम प्रकट होती है। यह प्रतिफल ऐसे हैं, जिन्हें अपनाये जाने पर मनुष्य में देवत्व का उदय होना निश्चित है। जहां सज्जनता बढ़ेगी वहां अपनी इसी धरती पर स्वर्ग जैसा वातावरण बिखरा-बिखरा फिरेगा। यही है आध्यात्म की विभूतिवान परिणति, जिसके लिए उसे विचारशीलों द्वारा असाधारण महत्व दिया गया है और उसके महात्मों का वर्णन अलंकारिक आकर्षणों सहित व्यक्त किया है। इसे दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि चेतना को नरक से उबार कर स्वर्ग में पहुंचाने वाली इस विधा को जादूगरी बाजीगरी की पंक्ति में बिठा दिया गया। प्रचलन में अध्यात्म का अर्थ कौतुक, कौतूहल, चमत्कार जैसा माना जाता है और उस आधार पर छुटपुट सी हेराफेरी करने पर विपुल अकर्मण्य लोग परुषार्थ के बल पर वैभव खरीदने में सफल नहीं होते तो इन हथकण्डों के सहारे सम्पत्तिवान और यशस्वी बनने की बात सोचते हैं।

अंतर्दृष्टि

शिष्टाचार भेंट का दौर

व्यंग्यलोक

आज का दौर विष्ठाचारियों की शिष्टाचार भेंटों का दौर है। और मैं विष्ठाचार भेंट स्पेशलिस्ट हूं। इसलिए विष्ठाचारियों से शिष्टाचार भेंट करने के मौके तलाशता तराशता रहता हूं। विष्ठाचार की इसी शिष्टाचार भेंट की कड़ी में कल मेरी अपने इलाके के मशहूर दुनियादारी में फंसों को उल्लू बनाने वाले बाबा सुरूर खान से विष्ठाचार भेंट हुई। अबके वजह प्याज था। विष्ठाचार ही विष्ठाचार में विष्ठाचार भेंट के दौरान सीना चौड़ा कर उन्होंने बताया कि वे अपनी चिल्म के बूते हारे हुए नेता को जीता सकते हैं। वे अपनी चिल्म के बूते पर अल्पमत वाले नेता को कुर्सी पर बिठवा उससे भेड़ों का रेवड़ हंकवा सकते हैं। वे अपनी चिल्म के बूते जेल में बंद नेता को भी चुनाव जितवा सकते हैं। विष्ठाचार भेंट के दौरान पूरे आत्मविश्वास से उन्होंने बताया कि वे लोकतंत्र के तांत्रिकों की शक्तियों को अपनी खुली आंखों से अंधों को भी दिखा सकते हैं। सबके प्रधानमंत्री भले ही सबके प्रधानमंत्री न हों, पर वे पूरे लोकतंत्र के बेताज बादशाह हैं। वे सभी चिल्मों के सम्राट हैं। वे हर टूटी नाव के घाट हैं। विष्ठाचार भेंट के दौरान उन्होंने मेरे कान में फुसफुसाया कि वे अपनी चिल्म द्वारा पलक झपकते देश की बेरोजगारी को हवा करने का इल्म रखते हैं। पर वे नहीं चाहते कि वे देश से बेरोजगारी खत्म करें। क्योंकि अगर वे अपनी चिल्म से देश की बेरोजगारी खत्म कर देंगे तो देश में आगामी चुनाव किस मुद्दे को लेकर लड़े जाएंगे? विष्ठाचार भेंट के दौरान उन्होंने यह भी मेरे कान में फुसफुसाया वे अपनी चिल्म के द्वारा पलक झपकते ही देश के धार्मिक उन्मांद को खत्म करने का इल्म रखते हैं। पर वे चाहते हुए भी नहीं चाहते कि वे देश से धार्मिक उन्मांद खत्म करें। क्योंकि अगर वे अपने इल्म से देश से धार्मिक उन्मांद को खत्म कर देंगे तो देश में आगामी चुनाव किस मुद्दे को लेकर लड़े जाएंगे?

अशोक गौतम

विष्ठाचार भेंट के दौरान उन्होंने यह भी मेरे कान में फुसफुसाया कि वे अपने मंत्र तंत्र शक्तियों द्वारा पलक झपकते ही शर्तिया देश से भ्रष्टाचार को खत्म करने की चिल्म रखते हैं। पर वे चाह कर भी यह नहीं कर सकते। अगर वे ऐसा करेंगे तो तथाकथित ईमानदारों का क्या होगा? अगर वे अपनी चिल्म से देश की भ्रष्टाचार खत्म कर देंगे तो देश में आगामी चुनाव किस मुद्दे को लेकर लड़े जाएंगे? फिर कुछ देर तक इधर उधर देखने के बाद वे बोले- सच कहूं तो मैं अपनी चिल्म के माध्यम से अबके विश्व कप अपने देश के नाम करवा सकता था। पर यह सब इसलिए नहीं किया कि सुट्टाबाजों का क्या होता? अंत में उन्होंने मुझे जगाते हुए बताया कि सभी किस्म के नेताओं से निराश उनसे एक बार जरूर आकर मिलें। उनके पास हर किस्म के नेताओं के आश्वासनों से मुक्ति की चिल्म भी है।

मल्लूर में करें भगवान नरसिंग के दर्शन

पर्यटन

हैदराबाद में अपना काम निपटाने के बाद मेरे पास कुछ खाली समय था, इसलिए मैं बंजारा हिल्स अपने एक पुराने दोस्त से मिलने के लिए चला गया, जिससे मैं कई वर्षों से मुलाकात नहीं कर सका था, बावजूद इसके कि इस बीच अनेक बार हैदराबाद आना हुआ था- कभी मैं बिजी होता तो कभी उसके पास फुर्सत न होती। इस बार मुलाकात हो ही गई। बातचीत के दौरान उसने मुझसे मालूम किया, 'हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के दर्शन करने का कभी सौभाग्य मिला है?' मेरे न कहने पर उसने बताया कि इस अनोखे मंदिर के दर्शन अवश्य करने चाहिए क्योंकि इसमें आज भी भगवान नरसिंह जीवित रूप में विराजमान हैं। यह सुनकर तो मेरे कान आश्चर्य से खड़े हो गये। मेरी जिज्ञासा को देखते हुए उसने बताया कि यह मंदिर तेलंगाना के मल्लूर गांव में स्थित है, जहां वारंगल, मणुगुरु और भद्राचलम-एदुलापुरम रोड से बसें आसानी से मिल जाती हैं।

निकटतम रेलवे स्टेशन मणुगुरु है, जहां से मंदिर कुछ ही किलोमीटर के फासले पर है।

दोस्त से विदा लेने के बाद अब मेरा एक ही लक्ष्य रह गया था- भगवान नरसिंह के जीवित रूप के दर्शन करना। मैं हैदराबाद से रेल में सवार होकर मणुगुरु रेलवे स्टेशन पर उतरा। सुबह के लगभग 7 बज रहे थे। पास के एक होटल में फ्रेश होने के बाद नाश्ता किया। सोचा कि पैदल ही चलता हूं, कुछ ही किलोमीटर की तो बात है। लेकिन फिर इलेक्ट्रिक रिक्शा में सवार हो गया, जो आजकल पूरे देश में चलने लगे हैं। मैं हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर एकदम ठीक समय पर पहुंचा। दर्शन के लिए मंदिर के पट सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और फिर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक ही खुलते हैं। शाम 5:30 बजे के बाद मंदिर के पट बंद कर दिये जाते हैं। मंदिर में दर्शन का समय इतना कम क्यों रखा गया है? दरअसल, मान्यता यह है कि इस समय के बाद भगवान नरसिंह आस पास के जंगलों में विचरण करने के लिए निकल जाते हैं। मैंने दुनियाभर में अलग अलग पहचान व महत्व के अनगिनत मंदिरों व अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन किये हैं, जो अपनी विशेषताओं व रहस्यों की वजह से श्रद्धालुओं के दिलों व आस्था में विशेष स्थान बनाये हुए हैं। लेकिन तेलंगाना के वारंगल जिले के मल्लूर गांव के इस मंदिर की बात ही अनोखी है। मैंने किसी मंदिर में जीवित रूप में किसी देवी या देवता को विराजमान नहीं देखा है। इस मंदिर में भगवान नरसिंह जीवित रूप में विराजमान हैं, जिससे यह मंदिर सिर्फ पूजास्थल नहीं है बल्कि आस्था व चमत्कार का संगम है, जहां दर्शन के लिए आने वाला हर शख्स दिव्य शक्तियों को महसूस करता है। मैंने भी यही अनुभव किया। मैं वैज्ञानिक तो नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इस मंदिर की अद्भुत विशेषताएं वैज्ञानिकों को भी आश्चर्य में डाल सकती हैं।

मुझे यह देखकर सबसे ज्यादा हैरत हुई कि हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में जो भगवान नरसिंह की मूर्ति विराजमान है वह लकड़ी, पत्थर या किसी धातु से नहीं बनी हुई है बल्कि किसी ऐसी चीज से बनी हुई है जो इंसान की त्वचा जैसी मुलायम मालूम होती है। लोगों का मानना है कि जब मूर्ति पर फूल अर्पित किया जाता है, तो वह दबकर अंदर चला जाता है। अधिक दबाव देने पर मूर्ति से खून जैसा लाल रंग का लिक्विड भी निकलता है। यह लिक्विड मूर्ति की नाभि से लगातार निकलता रहता है, जिसे पुजारी चंदन का लेप करके रोकने की कोशिश करते हैं। मूर्ति को 'जीवित' मानने की यह सबसे बड़ी वजह है। हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के पुजारियों का दावा था कि जब कोई शख्स मूर्ति के पास जाता है, तो उसे ऐसा महसूस होता है जैसे मूर्ति सांस ले रही हो। पुजारी के कहने का असर था या वातावरण का प्रभाव या वास्तविकता, जब मैं मूर्ति के करीब गया तो मुझे लगा जैसे कोई सांस ले रहा हो। बहरहाल, स्थानीय मान्यता यह है कि यह मूर्ति पहाड़ से स्वयं प्रकट हुई थी, इसलिए इसे स्वयंभू माना जाता है। यह भी विश्वास है कि इस स्थान पर भगवान नरसिंह की दिव्य शक्ति सदैव सक्रिय रहती है, जो दर्शन करने वाले लोगों को अपनी मौजूदगी का एहसास कराती है। हेमाचल लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के पास एक पवित्र जलधारा बहती है, जिसे चिंतामणि जलपथम कहते हैं। मान्यता यह है कि यह जल भगवान नरसिंह के चरणों से निकला हुआ है। रानी रुद्रम्मा देवी ने इस जलधारा का नाम चिंतामणि रखा था। मैंने इस जल में स्नान किया और एक बोतल में पानी घर ले जाने के लिए भी भरा ताकि औषधीय गुणों से भरपूर, जैसी कि मान्यता है, इस पानी से अपने तन व मन की शुद्ध कर सकूं। **समीर चौधरी.**

आप की बात

सुरक्षित यात्रा पर संकट

हर दिन बढ़ती दुर्घटनाएं, प्रति वर्ष डेढ़ लाख के करीब लोगों की सड़क दुर्घटनाओं मौत, इस बात को अजागर करती है कि हम सड़कों पर चलते हुए हद दरजे की लापरवाही करते हैं, कानूनों का पालन नहीं करते, आवश्यक सुरक्षा को नहीं अपनाते हैं और बेतरतीब ड्राइविंग से दुर्घटनाओं को बढ़ावा देते हैं। इससे अपनी और दूसरों की सुरक्षा को संकट में डालते हैं। देश सड़क दुर्घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। देश में तेजी के साथ बढ़ते हाइवे नेटवर्क के बीच यह दुखद है कि सड़क दुर्घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं और इनको रोकने की अब तक की तमाम कोशिशें सफल नहीं हुई हैं। लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोग हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। यह दुनिया में सबसे अधिक है। जैसे-जैसे वाहनों की संख्या सड़कों पर बढ़ी तो फिर से दुर्घटनाएं बेतहाशा होने लगीं। देश में दुर्घटनाएं इस कदर बढ़ती जा रही हैं कि हर साल इसमें डेढ़ लाख से अधिक लोग जान गंवा बैठते हैं। प्रदेश में भी दुर्घटनाओं का आलम यह है कि यहां सड़कें जानलेवा बन गयी हैं। हाइवे पर तो प्रायः दुर्घटनाएं होती रहती हैं। प्रदेश के हाइवे दुर्घटनाओं के केन्द्र बनते जा रहे हैं। जो हाइवे निर्बाध यात्रा, विकास एवं त्वरित परिवहन के लिए बने हैं वे काल बन गये हैं। सरकार को इसका अध्ययन कराकर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस प्रयास करना चाहिए। प्रदेश में भी तेजी के साथ हाइवे परियोजनाओं पर काम हो रहा है। हाइवे बनने के साथ लोगों की रफ्तार बढ़ रही है और बढ़े पैमाने पर दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। दरअसल देश में जिस तरह सड़क नेटवर्क बढ़ रहा है, हाइवे और एक्सप्रेस वे बढ़ रहे हैं, उसी तरह यह भी जरूरत है कि लोगों को ड्राइविंग का प्रशिक्षण भी दिया जाये। फिलहाल अभी ड्राइविंग प्रशिक्षण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। यह ठीक नहीं है। ड्राइविंग लाइसेंस देने से पहले यह जरूरी है कि उचित टेस्ट लिया जाये।

गिरीश चन्द्र वर्मा, लखनऊ.

औद्योगिक विकास

प्रदेश में धीरे-धीरे निवेश बढ़ रहा है। प्रदेश में निवेश बढ़ेगा तो औद्योगिक विकास को भी पंख लगेंगे और रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। प्रदेश में निवेश के जो प्रयास हो रहे हैं उससे प्रगति तेज होगी और रोजगार के मौके बढ़ेंगे। देश की युवा शक्ति का सदुपयोग करने के लिए यह जरूरी है कि सरकार अधिक से अधिक रोजगार के मौके बढ़ाये ताकि युवा अपनी क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में कर सकें। एक तरफ बेरोजगारी है और दूसरी तरफ कंपनियां यह दावे कर रही हैं कि उनको योग्य कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। स्किल का यह डेफिसिट अगर कम हो तो रोजगार के मौके बढ़ेंगे। इसालिए सरकार को युवाओं को स्किल करने की कोशिश करनी चाहिए। बेरोजगारों को हुनरमंद कर रोजगार मुहैया कराने के लिए जो कौशल विकास मिशन संचालित है वह एनजीओ की लूटखसोट और सरकारी नियमों में फंस गया है। हर बेरोजगार को कुशल बनाने की जरूरत है लेकिन प्रदेश सरकार के कौशल विकास मिशन में प्रशिक्षण के लिए गरीबी रेखा से नीचे होना, स्वयं सहायता समूह से होना, गांव का होना जैसी तमाम बकवास भरे पड़े हैं। इसी कारण सरकारी योजनाएं सफल नहीं होती हैं। ऐसा लगता है कि जो सरकार में पहुंचता है उसकी बुद्धि कुंद हो जाती है। क्या इन खाये, पिये मोटाये लोगों को इतना भी नहीं पता है कि सबको रोजगार की जरूरत है इसलिए जो भी प्रशिक्षण लेना चाहे सबको मौका मिलना चाहिए। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में कौशल विकास मिशन योजना संचालित हैं जहां युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाता है। सरकार ने रोजगार स्थापित करने के लिए मुद्रा योजना जैसी स्कीम भी लांच की है। लेकिन प्रायः यह देखने में आ रहा है कि कौशल विकास मिशन के नाम फजीवाड़ा भी बहुत होता है, इसे रोकना होगा। दरअसल सरकारी योजनाओं में बहुत कुछ कागजों पर ही होता है, इसे रोकने की जरूरत हे।

राकेश कुमार पाण्डेय, लखनऊ.

संक्षेप

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जनपद न्यायाधीश ने की बैठक

बहराइच । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता तथा अपर जनपद न्यायाधीश/नोडल अधिकारी, लोक अदालत अरबिंद कुमार गौतम व अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विराट शिरोमणि की मौजूदगी में सिविल कोर्ट सभागार में न्यायिक अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में निर्देश दिया गया कि आगामी 13 सितम्बर 2025 को सम्पन्न होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में वादों को चिन्हित कर उनका निस्तारण कराया जाय। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु मौजूद न्यायिक अधिकारियों से सुझाव भी प्राप्त किये गये। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच के सचिव श्री शिरोमणि द्वारा जन सामान्य से अपील की गई है कि 13 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में वादों को, नियत करवाकर सुलह-समझौता के माध्यम से वादों का निस्तारण कराकर आयोजन का भरपूर लाभ उठायें।

समाधान दिवस में 184 शिकायतें मिलीं, तीन निपटीं

जिला संवाददाता

मिल्कीपुर-अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर, एसडीएम मिल्कीपुर सुधीर कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी और क्षेत्रीय विधायक चंद्रभानु पासवान उपस्थित रहे। समाधान दिवस में जनता की समस्याओं को सुनने और उनके त्वरित निस्तारण के लिए प्रशासन ने सक्रियता दिखाई ।समाधान दिवस के दौरान कुल 184 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। मिल्कीपुर विकास खंड के उछाहपाली गांव के निवासी जय नारायण तिवारी ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने ग्राम प्रधान विनोद कुमार और पंचायत सचिव ज्योति यादव पर नाली निर्माण न करवाने के बावजूद फर्जी भुगतान करने का आरोप लगाया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने बीडीओ मिल्कीपुर को जांच कमेटी गठित कर उसी दिन शाम तक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। समाधान दिवस में राशन कार्ड में नाम जोड़ने से संबंधित कई शिकायतें सामने आईं। इन मामलों को लेकर जिलाधिकारी ने पूर्ति निरीक्षक मिल्कीपुर को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की शिकायतें कार्यालय स्तर पर ही निपटाई जा सकती हैं और इन्हें समाधान दिवस तक लाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया। कुमारगंज थाना क्षेत्र के तेंधा गांव के मोहनलाल गुप्ता ने सीलिंग की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि जमीन पर अवैध रूप से दीवार बनाकर कब्जा किया गया है। इस मामले में जिलाधिकारी ने एसडीएम मिल्कीपुर को जांच कमेटी गठित करने और अवैध दीवार को हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पलिया मुतालके के प्रधान प्रतिनिधि विजय सिंह ने समाधान दिवस में लटके विद्युत तारों की समस्या को उठाया। इस समस्या से गांव में खतरा बना हुआ है। जिलाधिकारी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पांच शिकायतों का निस्तारण

सोहावल-अयोध्या ।सोमवार को तहसील समाधान दिवस की अध्यक्षता एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध सिंह ने की। इस मौके पर कुल 167 शिकायतें आई जिसमें से मात्र पांच शिकायत का निस्तारण हो सका। इस मौके पर एस डी एम सुश्री सविता देवी तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह प्रदीप कुमार सिंह सी ओ सदर योगेंद्र कुमार नायाब तहसीलदार रेशू जैन,खण्ड विकास अधिकारी सोहावल अनुपम वर्मा, ईओ आरती श्रीवास्तव खण्ड विद्युत अधिकारी अरशद खान,खण्ड शिक्षा अधिकारी रविता राव सप्लाई इंस्पेक्टर पूजा सिंह सीडीपीओ डा0 अनीता सोनकर ए डी ओ कृषि रंजीत त्रिपाठी कानूनगो शोभा राम यादव व उदय राज सहित सभी राजस्व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

अयोध्या की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयास जरूरी: महापौर

अयोध्या। विकास की तेज रफ्तार ने प्रदूषण की बड़ी चुनौती खड़ी की है। अगर हमें स्वच्छ वायु, जल, धरती और नीले आकाश की और निहारना है तो हर तरह के प्रदूषण पर काबू पाना होगा। यह तभी संभव है, जब हर नागरिक स्वच्छता को लेकर सजग रहे। यह कहना था महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी का। वह अंतरराष्ट्रीय वायु स्वच्छता दिवस पर चिंतन संस्था द्वारा आयोजित साफ-सांस परियोजना के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

क्र नासको होटल में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि महापौर ने कहा कि प्रदूषण संबंधी हालिया रिपोर्ट में अयोध्या की वायु गुणवत्ता को लेकर चिंता व्यक्त की गई है, इसलिए हर किसी को स्वच्छ अयोध्या बनाए रखने के लिए तत्पर रहना होगा। उन्होंने नगर आयुक्त से निर्माण कार्य संबंधी एक गाइडलाइन भी जारी करने की अपेक्षा की। महापौर ने कहा कि स्वच्छता के पैमाने पर अयोध्या को 28वें स्थान से टॉप टेन में लाने में जन सहयोग की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि बरसात समापन की ओर है, ऐसे में डेंगू के फैलने का खतरा बढ़ गया है। इसलिए हमें जन जागरूकता के जरिए घरों और उसके आसपास स्वच्छ जल को ठहरने नहीं देना ळें विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कहा कि स्वच्छ पृथ्वी, हवा एवं जल के लिए ठोस अपशिष्ट एवं तरल अपशिष्ट को घरों में ही पृथक करने की जरूरत है। उन्होंने कूड़ा रखने के लिए लोगों को बाल्टी का प्रयोग करने का सुझाव दिया और कहा कि घरों में निकलने वाले कचरे से खाद बनाएं।

उसका प्रयोग गमले में कर हरियाली लाएं। उन्होंने अध्यापकों से हर सप्ताह कार्यशाला आयोजित कर बच्चों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया ।कार्यक्रम का संचालन चिंतन की प्रबंधक आकांक्षा सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडेय ने किया। इस मौके पर भवदीय पब्लिक स्कूल, अयोध्या अकेडमी, बापू बालिका इंटर कॉलेज, साहबदीन सीताराम बालिका इंटर कॉलेज को सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्वच्छता में विशेष योगदान के लिए सरिता वर्मा, विजयलक्ष्मी, कल्पना शर्मा, अनीता द्विवेदी, प्रीति राय, डॉक्टर दीपिका चंद्रा, उपासना सिंह, नीता शर्मा, ममता श्रीवास्तव, शारदा सोनी, आशा, रूबी रावत, न श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, आलोक सिंह राणा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गिलहरी को रामजन्मभूमि में मिला स्थान

अयोध्या। लंका विजय में रामसेतु निर्माण के दौरान अपनी अहम भूमिका निभाने वाली गिलहरी को भी अब राम मंदिर ट्रस्ट ने विशेष स्थान दिया है। ट्रस्ट ने उसे अंगद टीले पर स्थापित किया है जहां से वह मंदिर की ओर निहारती नजर आ रही है। राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक में शामिल होने अयोध्या पहुंचे समिति अध्यक्ष

-ट्रस्ट ने अंगद टीले पर किया स्थापित, राम मंदिर की ओर निहारती नजर आ रही गिलहरी

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि मंदिर अपने पूर्णता की ओर बढ़ रहा है और अब इसकी गुणवत्ता की जांच शुरू की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी तैयारियां तेज हैं। राम मंदिर की चार किलोमीटर लंबी बाउंड्रीवॉल के पास बनाए जाएंगे 25 वॉच टॉवर चार किलोमीटर लंबी बाउंड्रीवॉल के पास 25 वॉच टॉवर बनाए जाएंगे। साथ ही पुलिस बूथ को भी समन्वय के साथ सही स्थान पर स्थापित करने की योजना पर काम चल रहा है। सुरक्षा ढांचे की रूपरेखा को लेकर कल जिला प्रशासन के साथ विस्तृत बैठक होगी। नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु रामलला के दर्शन के बाद अयोध्या में और क्या देखें, यह सोचना आवश्यक है इसलिए अयोध्या को पर्यटन की सर्वोत्तम नगरी बनाने की योजना पर भी काम होना चाहिए। इसके साथ ही संग्रहालय में रामायण से जुड़ी मूल प्रतियों को रखा जाएगा। सभी प्रदेश सरकारों से इसकी प्रति उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। वहीं, 15 अक्तूबर तक गेट नंबर 11 का निर्माण पूरा कर उसका नामकरण भी कर दिया जाएगा।

धूमधाम से मना केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का वार्षिकोत्सव

अयोध्या। फैजाबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का वार्षिक उत्सव वजीरगंज जप्ती स्थिति मारवाड़ी सेवा सदन में फैजाबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता रहे। एसोसिएशन के पचेरीवाला को समाज सेवा के लिए भगवानदीन निषाद और प्रदीप निषाद (सरयू नदी में डुबते हुए को बचाने के लिए) धनंजय पान्डे को (वृक्षारोपण के लिए) डॉ शाहेव उस्मानी (को आयुष्मान भारत में 500 से अधिक आपरेशन करने के लिए) सतीश कुमार मेहंदीरत्रा और गुरदीप कुमार

●हाईस्कूल व इन्टर में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

हाई स्कूल,इन्टर 80 प्रतिशत से अधिक प्राप्तांक छात्र/ छात्राओं को स्मृति चिन्ह, पौधा और अंगवस्त्र उढ़ाकर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभाशाली बच्चों जिसमें अधात् प्रताप सिंह (अर्श) फुटबॉल में असाधारण उपलब्धी के लिए तथा सुश्री अन्वेषा श्रीवास्तव को मंचों पर काव्य पाठ करने के लिए स्मृति चिन्ह पौधा और अंग वस्त्र उड़ाकर सम्मानित किया गया। समाज में बदलाव या सामाजिक कार्य करने हेतु भागीरथ मेहंदीरत्रा को (समाज सेवा)के लिए अंगवस्त्र, पौधा और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।एसोसिएशन परिवार के प्रतिष्ठानों पर 20 बर्षो से अधिक समय से अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले सागर, गुरु चरण और प्रकाश वर्मा को श्रीफल,दुशाला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया इस समारोह में जनपद की सबसे अच्छी खुदरा प्रतिष्ठान के रख रखाव विक्रेता का पुरस्कार गैलेक्सी मेडिकल स्टोर नियावा को तथा थोक विक्रेता

पुरस्कार न्यू एस आर फार्मा को दिया गया। इस समारोह का आकर्षण मेनटर मोहम्मद जैद ने सभी लोगों का दिमाग में चल रहे संकेतों को बताया ।मोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ राष्ट्रीय गान के उपरांत किया गया उनके साथ एसोसिएशन के अध्यक्ष अवि आनंद, महामंत्री आनन्द अग्रहरि और कोषाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में थोक विक्रेता प्रभारी राकेश सोनी फुटकर विक्रेता प्रभारी रूमी जकी वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित दिवाकर उपाध्यक्ष कृष्ण यादव विकास पांडे गोपीनाथ गुप्ता पंकज कुमार श्रीवास्तव मानवेंद्र प्रताप सिंह संजय जयसवाल शुभम सोनकर अभिषेक संगतानी राकेश गौड़ एवं मीडिया प्रभारी शरद सिंह मौजूद रहे।

जैन मंदिर में मनाया गया क्षमा वाड़ी पर्व

बाराबंकी। सरावगी स्थित पाश्र्वनाथ दिगंबर जैन छोटा मंदिर में क्षमा वाड़ी पर्व सबसे क्षमा, सबको क्षमा एवं क्षमा वीरस्या भूषणम के सूत्र को अपनाते हुए धूमधाम से मनाया गया। क्षमा वीरों का गहना होता है। जो बिना किसी विद्वेष के दूसरों को क्षमा दान देता है वही सही मायने में वीर कहलाता है। प्रातः काल सरावगी स्थित जैन मंदिर में भगवन का अभिषेक व शांति धारा हुई। सांयकाल मंदिर में सभी त्यागी व्रतियों का सामूहिक सम्मान किया गया। मंदिर अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जैन ने बताया की प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रभु का जयमाल हुआ। सभी ने हाथ जोड़ कर एक दूसरे से वर्ष भर में हुई अपनी गलतियों की माफी मांगी। तत्पश्चात भगवान की आरती एंव सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रकाश जैन, नीलम जैन, जिनिशा जैन, प्रतीक जैन, शीलू जैन, कमलेश जैन, विमल जैन, पवन धनावत, आनंद धनावत, अंकुर जैन, तेजकुमार जैन आदि मौजूद रहे।

गुमशुदा युवक सकुशल बरामद

बाराबंकी। थाना बड़ुपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 260/25 धारा 140(3) बीएनएस सम्बन्धित गुमशुदा व्यक्ति को आज पुलिस टीम ने सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया।

37 अभियुक्तों पर शांतिभंग की कार्रवाई

बाराबंकी। जनपद में संदिग्ध व्यक्तियों, वांछित अभियुक्तों, वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान में 7 वांछित अभियुक्त व 2 वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। तथा 37 अभियुक्तों के विरुद्ध शांतिभंग की धाराओं में कार्यवाही की गयी।

नवनियुक्त 7 कनिष्ठ सहायकों को वितरित किये गये नियुक्ति पत्र

बहराइच ।विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार के साथ जनपद में नवनियुक्त 07 कनिष्ठ सहायकों एश्वर्य कुमार गुप्ता, शालिनी चैधरी, राघवेन्द्र शुक्ला, राजन सिंह, नितिन यादव, कमल नयन तिवारी व कुमारी स्वाती देवी को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। नियुक्ति पत्र वितरण से पूर्व मा. मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डीएचईआईओ बृजेश कुमार सिंह ने किया।

खाद्यान्न का वितरण कल

बहराइच ।जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जनपद के समस्त अन्त्योदय अन्न योजना तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों को माह सितम्बर 2025 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत नियमित वितरण का कार्य 10 से 25 सितम्बर 2025 तक होगा। अन्त्योदय अन्न योजना के कार्डधारकों को प्रति राशन कार्ड 35 कि.ग्रा. खाद्यान्न (21 कि.ग्रा. चावल 14 कि.ग्रा. गेहूँ) तथा पात्र गृहस्थी योजना कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 कि.ग्रा. खाद्यान्न (03 कि.ग्रा. चावल तथा 02 कि.ग्रा. गेहूँ) का वितरण निःशुल्क किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्त्योदय राशन कार्डधारकों को त्रैमास जुलाई, अगस्त व सितम्बर 2025 हेतु प्रति कार्ड 03 किग्रा. चीनी का वितरण रू. 18 प्रति किग्रा की दर से किया जायेगा।

डीएसओ ने बताया कि वितरण की अन्तिम तिथि 25 सितम्बर 2025 को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुएं प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं को मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। समस्त उचित दर विक्रेताओं को सचेत किया गया है कि वितरण अवधि में निर्धारित चैहद्दी में ही कार्डधारकों से ई-पास मशीन पर अंगूठा लगवाकर तत्समय ही लाभार्थी को मानक के अनुसार खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें। यदि किसी विक्रेता के विरूद्ध अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

ऑटो पलटा, चालक गंभीर

सोहावल-अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर इब्राहिमपुर गांव के पास आटो चालक को एक अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दिया। इस सड़क दुर्घटना में आटो हाईवे पर पलट कर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं सवारी का इंतजार कर रहा आटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायल आटो चालक को अस्पताल भेजा। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने लखनऊ रेफर कर दिया।

आरोप है कि ग्राम पंचायत गोपीनाथपुर के मजरे नेवादा निवासी प्रकाश चंद्र मिश्र उम्र लगभग 48 वर्ष जो सोहावल से अयोध्या कैंट टेंपो चला कर जीविका उपार्जन करता है। सोमवार को सुबह वह ग्राम इब्राहिमपुर के पास हाईवे के किनारे आटो खड़ा कर सवारी का इंतजार कर रहा था। इस बीच पीछे से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में आटो हाईवे पर पलट गया। आटो में बैठे चालक प्रकाश चंद्र मिश्र गम्भीर रूप से घायल हो गये। पूंछे जाने पर थाना प्रभारी रौनाही संदीप सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद विधिक कार्रवाई की जायेगी।

बच्चों का विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित

अयोध्या। पिनेकल पब्लिक स्कूल गांधीनगर गुजरात में आयोजित सीबीएसई के नेशनल खो खो क्लस्टर में अयोध्या जनपद के यश विद्या मंदिर की टीम ने फाइनल जीत कर एक बार फिर उत्कृष्टता साबित की टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने बताया कि अंडर 17 नेशनल खो खो क्लस्टर में पूरे देश से 59 टीम एवं 7 अंतरराष्ट्रीय टीमों जिनमें कतर, ओमान, यू ए ई , और कुवैत आदि टीमों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया स टूनार्मेंट की शुरूआत से ही उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रही अयोध्या की यश विद्या मंदिर की अंदर 17 बालकों की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया 5 लीग मैच में गुजरात कर्नाटक हरियाणा और ओमान की टीम को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया क्वार्टर फाइनल मैच में क्लस्टर 19 उत्तर प्रदेश की टीम को पांच अंको से हराया और सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई सेमीफाइनल मैच बहुत ही ज्यादा रोमांचक एवं कांटे का रहा जिसमें अयोध्या की टीम ने केरल

को दो अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया आज 5 सितंबर को फाइनल मैच में चेन्नई की टीम को चार अंको से हराकर राष्ट्रीय विजेता होने का गौरव प्राप्त किया विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती मंजुला झुनझुनवाला प्रधानाचार्य सरिता त्रिपाठी कोऑर्डिनेटर गिरीश वैश्य प्रसून श्रीवास्तव नीतू श्रीवास्तव एवं खेल विभाग के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह सहित समस्त विद्यालय परिवार ने बच्चों के इस उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिए सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

छात्रों का पूर्ण विकास गुरुकुल का लक्ष्यः कृष्ण चंद

अयोध्या। भारतीय इतिहास में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली शिक्षा में की गुणवत्ता में प्रसार का एक जीवंत महत्व है, वर्तमान में छात्रों के लिए सीखने के माहौल की प्रगति को सुविधाजनक बनाने के लिए सदियों पुरानी अवधारणाओं को आधुनिक संस्कृति के साथ मिला दिया गया है, परंपरागत रूप से गुरुकुलों ने हमेशा व्यवहारिक ज्ञान के महत्व पर बल दिया है गुरुकुल शिक्षा प्रणाली आज मानती है कि किताबी ज्ञान रखना आज समय के उपकरण है जो मानव अस्तित्व के सही मूल्य को प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त नहीं है गुरुकुल आधुनिक सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के साथ व्यवहारिक प्रयोगशालाओं सहित आधुनिक बुनियादी ढांचे के तहत व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर रहा हैं, पाठ्यक्रम को छात्र जीवन के सभी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्राप्त करने के लिए तैयार किया जा रहा है शिक्षाविदों और पाठ्येतर गतिविधियों का एक सही मिश्रण शैक्षिक यात्रा को उल्लेखनीय बनता है, उक्त विचार श्री गुरू वसिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ वेद पाठशाला दर्शन नगर में अयोजित अभिभावक सम्मेलन में शामिल गुरुकुल के छात्रों के अभिभावकों वा गुरुकुल से जुड़े नागरिकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अयोध्या विभाग के विभाग प्रचारक कृष्ण चंद्र ने व्यक्त किया गुरुकुल के नवनिर्मित महर्षि वशिष्ठ सभागार में उपस्थित अभिभावकों वी मातृशक्ति को संबोधित करते हुए श्री गुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ के निदेशक डॉ दिलीप सिंह ने गुरुकुल यह वातावरण के महत्व को बताते हुए कहा गुरुकुल शहर के जीवन की हलचल से दूर पूर्ण शांति से घिरे सुरम में स्थान पर स्थित है यहां पर कोमल दिमाग को संतुलित विश्लेषणात्मक दृष्टि रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो एक ऐसा माहौल सुनिश्चित करता है जहां शिक्षण उद्देश्य पूर्ण हो और पुरस्कृत भी हो स्थान एक केंद्रीय भूमिका का निर्माण करता है प्रकृति के बीच विराजमान होने के कारण किसी भी सांसारिक विकर्षण से रहित एक ऐसा वातावरण प्रदान करता है जो सीखने के लिए सबसे अनुकूल है, शांत वातावरण शिक्षा और समग्र विकास के लिए आवश्यक होते हैं, कार्यक्रम के संयोजक आचार्य शिव बहादुर शास्त्री ने बताया अभिभावक सम्मेलन तीन सत्रों में सम्पन्न हुआ जिसमें अभिभावकों के सुझाव लिए गये, कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का परिचय स्वागत प्रधानाचार्य नीरज कुमार ओझा ने कराया गुरुकुल के बटुक चंद्रशेखर ब्रम्हचारी और उनके साथियों का गुरुकुल गीत भारतीय शिक्षा से हो भारत मां का पुनरुत्थान उपस्थित लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा,सरस्वती वंदना आदित्य ब्रह्मचारी,शिवांश, सौरभ, ने प्रस्तुत किया कार्यक्रम में गुरुकुल के कोषाध्यक्ष प्रो आर के सिंह ने अभिभावकों के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए कहा कि आपने अपने 8 साल के बालक को 7 वर्ष के लिए गुरुकुल को सौंपा हैं बालक का सर्वांगीण विकास गुरुकुल का लक्ष्य है हम सभी उसके लिए कटिबद्ध है।

वन्य जीव सक्रियता वाले क्षेत्र की लगातार की जा रही है निगरानी

जिला संवाददाता

बहराइच ।प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच राम सिंह यादव ने बताया कि वन प्रभाग, बहराइच के बहराइच रेंज के विकास खण्ड महसी अन्तर्गत 28 अगस्त 2025 को ग्राम-बम्भौरी के बदनपुरवा, ग्राम सिसैया चूडामणि व मोतीपुरवा एवं ग्राम-गलकारा अहिरनपुरवा में अज्ञात वन्य जीव द्वारा ग्रामवासियों पर किये गये हमले के दृष्टिगत बहराइच वन प्रभाग स्तर से 07 गश्ती दलों का गठन किया गया है जो दिवस/रात्रि वन्य जीव सक्रियता क्षेत्रों में गश्त की कार्यवाही की जा रही है।

इसके अतिरिक्त वन्य जीव सकियता वाले क्षेत्रों में 02 थर्मल ड्रोन/ड्रोन कैमरों के माध्यम से वन्य जीव को खोजने की कार्यवाही की जा रही है।

गश्ती दलों द्वारा संवेदनशील स्थलों पर 05 कैमरा ट्रैपस तथा हमले से प्रभावित ग्रामों में सोलर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये गये हैं ताकि वन्य जीव की पहचान सुनिश्चित करते हुए उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके ।डीएफओ श्री यादव ने बताया कि गश्ती टीमों द्वारा पैदल चलकर सक्रिय वन्य जीव को चिन्हित किये जाने एवं पगमार्क खोजने की कार्यवाही की जा रही है। अन्वेषण से प्राप्त पगचिन्हों से यह स्पष्ट हो रहा है कि उक्त वन्य जीव भेड़िया की श्रेणी में नहीं है।

उन्होंने बताया कि जन जागरूता टीमों द्वारा ग्रामवासियों को हिंसक वन्य जीवों से बचाव हेतु लगातार जागरूक किया जा रहा है। जनजागरूकता के तहत प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामवासियों को रात्रि में अपने घरों के अन्दर दरवाजा बन्द करके स्वयं एवं बच्चों को सुरक्षित सुलाने हेतु आग्रह किया जा रहा है। गश्ती टीमों द्वारा वन्य जीव के हमलों से प्रभावित ग्रामों के बाहरी क्षेत्रों में पटाखों को दगाकर वन्य जीव को रोकने की कार्यवाहियों की जा रही है।

डीएफओ ने बताया कि वन, पुलिस एवं जिला प्रशासन के समन्वय से हिंसक जीव के हमले से प्रभावित क्षेत्र में दिवारात्रि की जा रही गश्त के परिणाम स्वरूप कोई भी अप्रिय घटना घटित नहीं होने पायी है।

विकसित उत्तर प्रदेश के लिए प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम आयोजित

बहराइच । विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प/2047 के लिए कार्ययोजना तैयार किये जाने के उद्देश्य से प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप, उ.प्र. शासन रणवीर प्रसाद, से.नि. आईएएस शिवाकान्त द्विवेदी, से.नि. मुख्य अभियन्ता सिंचाई मन्साराम शुक्ला तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में विकसित उत्तर प्रदेश/2047 अभियान के अन्तर्गत प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश केवल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मा का केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की राजनीतिक चेतना और आर्थिक आकांक्षाओं का सशक्त वाहक भी है। भारत के अमृतकाल में मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकसित भारत/2047 की परिकल्पना प्रस्तुत की है। यह परिकल्पना केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र की सामूहिक यात्रा है। देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश इस

महान संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाने को तत्पर है ।ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि भारत अगर आज दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है, तो उत्तर प्रदेश भारत की ग्रोथ को ड्राइव करने वाला एक अहम नेतृत्व दे रहा है। वास्तव में, प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में वर्ष 2017 से 2025 के बीच उत्तर प्रदेश ने सुरक्षा, सुशासन और विकास की ठोस नींव रखी है। अब इसी आधार पर मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को भारत का सबसे अग्रणी और विकसित राज्य बनाया जाए। जिसके लिए विशेषज्ञों के परामर्श और व्यापक जन सहभागिता के साथ विकसित उत्तर प्रदेश /2047 की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रमुख सचिव श्री प्रसाद ने बताया कि विकसित उत्तर प्रदेश-2047 की कार्ययोजना तैयार करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण 12 सेक्टरों संतुलित विकास, सामाजिक सुरक्षा एवं गरीब कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, शिक्षा एवं कौशल विकास, आर्थिक समृद्धि, कृषि विकास, पशुधन, औद्योगिक विकास, आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स, पर्यटन विकास, नगर विकास एवं अवस्थापना विकास का चयन किया गया है।

उन्होंने बैठक में मौजूद प्रबुद्धजन से अपेक्षा की कि आकांक्षी जनपद के विकास हेतु जिले की भौगोलिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए चिन्हित सेक्टरों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण सुझाव क्यू आर कोड अथवा समर्थउत्तरप्रदेश डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन के माध्यम से उपलब्ध करा सकते हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश का सपना केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का साझा लक्ष्य है। सरकार की कोई भी योजना तभी सफल होती है, जब जनता उसे विश्वास और सक्रिय सहभागिता के साथ आगे बढ़ाती है। विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना भी हर प्रदेशवासी के सहयोग से ही साकार होगी। उन्होंने बताया कि जनभागीदारी से विजन डॉक्यूमेंट 2047 का निर्माण करने के उद्देश्य से 500 से अधिक विषय-विशेषज्ञों सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस, वैज्ञानिक, कुलपति एवं प्रोफेसर्स, चिकित्सक, सेक्टोरल विशेषज्ञों का पैनल जिलों में संवाद के लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विषय विशेषज्ञों द्वारा जिला, ब्लाक, ग्राम पंचायत, स्कूल, कालेज, विश्वविद्यालय एवं तकनीकी संस्थान में जाकर आमजन व प्रबुद्धजन के सुझाव प्राप्त किये जायेंगे। प्रदेश में 01 माह तक संचालित होने वाले सुझाव संकलन अभियान में जनप्रतिनिधि, व्यापारिक संगठन, बुद्धिजीवी, आम जनता से परामर्श लेने के साथ-साथ प्रत्येक परिवार से सुझाव देने का आग्रह किया जा रहा है।

संक्षेप

गोमती नदी में तैरता मिला अधेड़ का शव

मुसाफिरखाना ,अमेठी। मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के हाजीगंज मजरे मोहिउद्दीनपुर रविवार को लगभग 52 वर्षीय जगन्नाथ रैदास सुत बद्री प्रसाद मछली पकड़ने के लिए घर से निकले थे लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। परिजनों के मुताबिक हाजीगंज गाँव के पास गोमती नदी आए जगन्नाथ की डूबने की आशंका है परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुँची स्थानीय पुलिस ने गोता खोरों की सहायता से काफी खोजबीन की लेकिन शव का पता नहीं चल सका किन्तु तलाश जारी रही अंत में गोताखोरों को थाना कुड़वार जिला सुल्तानपुर में गोमती नदी में शव उतराता पाया गया। स्थानीय पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुट गई।

नो हेलमेट नो पयूल के तहत 40 वाहनों का चालान

गौरीगंज ,अमेठी। प्रदेश सरकार के निर्देश अमेठी जनपद में नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान के तहत एआरटीओ महेन्द्र बाबू, पीटीओ दिनेश रावत, यातायात प्रभारी की संयुक्त टीम ने जायस, गांधीनगर , गौरीगंज पेट्रोल पंपो पर बिना हेलमेट के तेल डलवाने वाले 40 वाहन चालकों का चालान किया गया। वहीं जनपद में एक अभियान चला कर लोगों को जागरूक किया गया। वहीं दुर्घटना का शिकार होते हैं अधिकांश लोगों की मौत बिना हेलमेट लगाए हुए लोगों की हो जाती है जिसको देखते हुए प्रदेश सरकार ने यह नियम लागू कर दिया गया है कि पेट्रोल पंप पर तेल भराने वह सड़क पर चलने के लिए हेलमट की आवश्यकता लोगों के लिए बेहद जरूरी है।

आकाशीय बिजली से किसान की मौत

लालगंज रायबरेली। आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रहे किसान की मौत हो गई। बेहटा कला गांव निवासी छेदीलाल 65 वर्ष शाम लगभग 4 बजे मवेशी लेकर खेत की तरफ गया था। बरसात के दौरान गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से छेदीलाल की मौत हो गयी। क्षेत्रीय लेखपाल ऋषिकांत मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। कोतवाल प्रमोद सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मृतक तीन पुत्रों राजेश, सर्वेश, राजेंद्र व एक पुत्री कृष्णा कुमारी का पिता था। छेदीलाल की मौत पर पत्नी श्याम दुलारी समेत अन्य परिवारजन का रो रो कर बुरा हाल है।

प्रथम सांसद फिरोज गांधी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रायबरेली। प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं रायबरेली जनपद के प्रथम सांसद स्व.फिरोज गांधी की पुण्यतिथि पर जिला व शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा तिलक भवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस प्रवक्ता महताब आलम ने कहा कि स्व.फिरोज गांधी अपनी बेबाक छवि के लिए प्रसिद्ध थे, कई बार ऐसे मौके आये जब फिरोज गांधी अपनी ही सरकार के विरूद्ध खड़े दिखाई दिये, स्व.फिरोज गांधी एक कुशल राजनेता के साथ ही निर्भीक पत्रकार भी थे, नेशनल हेराल्ड और द नव जीवन समाचार पत्र का अपने प्रकाशन भी किया और अपनी कलम से कई गम्भीर विषयों को उठाया, स्वतंत्रता आन्दोलन में भी आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें अधिकारी

- डीएम-एसपी ने तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम

में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग के 68, पुलिस 9, विकास 4 एवं अन्य 16 कुल 97 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 11 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक डॉ० यशवीर सिंह ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग व पुलिस विभाग की टीमें मौके पर जाकर करें मामले का निस्तारण

महराजगंज रायबरेली। राजस्व संबंधी जमीनी विवादों में आने वाले शिकायती पत्रों पर राजस्व विभाग की टीम व पुलिस विभाग की टीम दोनों मौके पर जाकर मामले का निस्तारण सुनिश्चित करें जिससे महाराजगंज क्षेत्र में होने वाले जमीनी विवाद पर विराम लग सके यह उद्गार आज तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस पर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उप जिलाधिकारी गौतम सिंह व्यक्त कर रहे थे। सोमवार को तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस उपजिलाधिकारी गौतम सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमे कुल 37 शिकायती पत्र आए जिसमे से सर्वाधिक शिकायतें राजस्व 20 पुलिस 4 विकास 3 अन्य 10 मौके पर मात्र 4 शिकायतो का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए एसडीएम ने अधिनस्थों को निर्देशित करते हुए कहा कि मौके पर पक्षों की उपस्थिति में शिकायतो का निस्तारण करे लापरवाही किसी भी दशा में बर्दास्त नही की जायेगी। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार, तहसीलदार मंजुला मिश्रा, नायब तहसीलदार सत्यराजा , उमेश चंद्र त्रिपाठी राजस्व निरीक्षक अहमद, उमेश दीक्षित, धर्मेंद्र द्विवेदी, लेखपाल राजीव मिश्र, अमित शुक्ला, सुनील यादव सहित महराजगंज बछरावा, शिवगढ़, चंदापुर थाना संबधित सब इंस्पेक्टर मौजूद रहें।

32 शिकायतों में 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

सलोन,रायबरेली। उपजिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश की अध्यक्षता में सलोन तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस मौके पर कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिसमें 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। एसडीएम ने कहा कि यदि एक ही शिकायत बार बार समाधान दिवस में आएगी तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी। इसलिए एक ही बार में समस्या का सही से निस्तारण कर दिया जाए।सोमवार को आयोजित समाधान दिवस में कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए एसडीएम चन्द्र प्रकाश ने कहा कि किसी भी फरियादी की समस्या का समाधान पूरी कर्तव्यनिष्ठा और गुणवत्ता के साथ कर उससे फोन द्वारा अवश्य पूछ लें कि जिससे वह फिर से शिकायत ना कर सके। यदि शिकायतकर्ता फिर शिकायत करता है तो दोनों पक्षों को बैठाकर समस्या का निस्तारण करे। साथ ही शिकायतकर्ता से फोन द्वारा जानकारी लेकर अपने उच्चाधिकारी को अवश्य अवगत करायें कि उसकी समस्या का समाधान पूरी निष्ठा के साथ किया गया है।राजस्व विभाग 7, पुलिस 4, विकास 10, विद्युत 4, नलकूप 1, शिक्षा विभाग 1, स्वास्थ्य विभाग 1, पूर्ति विभाग 4 शिकायती पत्र आये। इस मौके पर तहसीलदार दीपिका सिंह, बीडीओ शशि कुमार तिवारी आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

सिपाही के खिलाफ कार्यवाही न होने पर व्यापारियों ने सीओ को दिया ज्ञापन

मोतिगरपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। मोतिगरपुर थाना परिसर में डायल 112 के सिपाही रोहित कुमार द्वारा व्यापारी पिता-पुत्र से अभद्रता किए जाने की घटना के पाँच दिन बाद भी कोई कार्यवाई न होने पर व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। सोमवार को भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकुंद मिश्र की अगुवाई में व्यापारी भारी संख्या में तहसील पहुंचे और सीओ जयसिंहपुर को ज्ञापन सौंपकर आरोपी सिपाही के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। थानाक्षेत्र के मोतिगरपुर पठखौली गांव निवासी अनिल पाठक की बाजार मे इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। ज्ञापन मे अरोप है कि उनके पुत्र सौरभ पाठक बीते 3 सितंबर को थाने पर कार्य हेतु गए थे, जहां डायल 112 सिपाही रोहित कुमार ने उनके पुत्र से अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। सूचना मिलते ही जब मै थाने पहुँचा, तो सिपाही ने मेरे साथ भी अभद्रता की और निजी पिस्टल दिखाकर गोली मारने व घर फूकने की धमकी दी। इस घटना के बाद व्यापारी आक्रोशित हो गया और बड़ी संख्या में थाना परिसर में एकत्रित होकर सिपाही के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। बावजूद इसके, पांच दिन बीत जाने के बाद भी आरोपित सिपाही के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर सोमवार को व्यापारियों ने सीओ जयसिंहपुर को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की। आरोपी के खिलाफ कार्यवाही न होने पर व्यापारियों ने आंदोलन की चेतावनी दी। सीओ आशुतोष कुमार ने बताया कि आरोपी सिपाही के खिलाफ जांच जारी है उन्होने व्यापारियों को आश्वस्त किया की अरोपी सिपाही के खिलाफ दो दिन मे कार्रवाई हो जायेगी। यहा पर तहसील अध्यक्ष अरविंद गुप्ता, उदय प्रताप शुक्ल, पवन सिंह, राजीव सिंह, विनोद पाठक, अमित पाठक, राम दौड़, राकेश, विजय कुमार, भास्कर पांडेय, रंजीत वर्मा आदि मौजूद रहे।

सर्पदंश से बालिका की मौत, परिवार में मचा कोहराम

कादीपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। कादीपुर थाना क्षेत्र के ककना गांव में बीती रात एक दर्दनाक घटना में 11 वर्षीय बालिका की सांप के काटने से मौत हो गई। मासूम बच्ची अपने घर के अंदर सो रही थी, तभी रात लगभग 2 बजे उसे किसी जीव-जंतु के काटने का अहसास हुआ। उसने तुरंत अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी। परिजन बच्ची को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल सुलतानपुर रेफर कर दिया। वहाँ से भी डॉक्टरों ने उसे लखनऊ के लिए रेफर किया, लेकिन दुर्भाग्यवश आधे रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत की खबर से पूरे परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। मासूम की असमय मौत से सभी स्तब्ध हैं और परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं।

छात्रा की तालाब में डूबने से मौत, कोहराम

दोस्तपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। दोस्तपुर थाना क्षेत्र के कटघरा पट्टी गांव में रविवार शाम से लापता 16 वर्षीय कक्षा नौ की छात्रा अर्चना की मौत हो गई। अर्चना, जो दो भाइयों और छह बहनों में तीसरे नंबर पर थी, रविवार को घर से बाहर निकली थी और वापस नहीं लौटी। सोमवार को गांव के तालाब में उसका शव पाया गया। अर्चना रोज की तरह रविवार शाम को तालाब के पास गई थी। जब देर शाम तक वह घर नहीं लौटी, तो परिवार में चिंता फैल गई। परिजन और गांव वाले पूरी रात उसकी खोजबीन करते रहे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सोमवार सुबह जब गांव के लोग तालाब के पास गए, तो उन्होंने पानी में अर्चना का शव तैरता देखा। यह देखकर पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार में मातम छा गया। दोस्तपुर थाना प्रभारी अनिरुद्ध सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गांव वालों के अनुसार, अर्चना एक होनहार और मिलनसार लड़की थी, जिसकी अचानक हुई मौत से पूरा कटघरा पट्टी गांव गमगीन है। इस दुखद घटना ने परिवार और समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस जांच जारी है और हर पहलू पर ध्यान दिया जा रहा है।

निमंत्रण जाते समय युवक पर चाकू से हमला, घायल

दोस्तपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। जिले के दोस्तपुर थाना क्षेत्र के ग्राम विरईपुर भरपुरा निवासी सुभाष अग्रहरि पर बीती रात जानलेवा हमला हुआ। सुभाष पेशे से टेलर हैं और कामिया चैराहे पर सिलाई का काम करते हैं। रविवार रात करीब 08:00 बजे सुभाष अपने साथी राजेंद्र कुमार निषाद के साथ मोटरसाइकिल से राकेश प्रधान के घर निमंत्रण समारोह में जा रहे थे। रास्ते में कीचड़ अधिक होने से दोनों ने मोटरसाइकिल छोड़कर बगल की आबादी वाली जमीन से पैदल जाने का फैसला किया। इसी दौरान वहां पहुंचे अखिलेश और राजमणि ने सुभाष पर आपत्ति जताई और कहा कि यह रास्ता सही नहीं है। गाली-गलौज के बाद विवाद बढ़ा, तब अखिलेश ने अचानक चाकू निकालकर सुभाष के सिर पर वार किया। इससे सुभाष गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉ. नौशाद और फार्मासिस्ट वेद प्रकाश ने प्राथमिक उपचार कर सिर में चार टांके लगाए। देर रात लगभग 10 बजे उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। थाना प्रभारी अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

बीएड प्रथम वर्ष की प्रयोगात्मक परीक्षा आज

सुलतानपुर (वीओएल)। राणा प्रताप पी जी कॉलेज के बी एड् प्रथम वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा 9 सितंबर को 11 बजे से महाविद्यालय में सम्पन्न होगी। प्रशिक्षुओं को अपने प्रवेश-पत्र, प्रायोगिक अभ्यास पुस्तिका के साथ उक्त तिथि एवं समय पर महाविद्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना है। परीक्षा छूट जाने पर सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं छात्र/छात्राओं की होगी। यह जानकारी आंतरिक परीक्षक डॉ सीमा सिंह ने दी।

217 शिकायतों में से 47 शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण

कादीपुर, सुलतानपुर (वीओएल)। जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 217 शिकायती प्रार्थना पत्र आए। मौके पर 47 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। शेष को विभागीय अधिकारियों को मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया गया। सोमवार को क्षेत्र पंचायत सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों को सुनकर जिला अधिकारी ने मौके पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम भेजकर मामले का निस्तारण कराए जाने का निर्देश दिया। संपूर्ण समाधान दिवस में उपायुक्त श्रम रोजगार, सहायक निबंधक सहकारिता, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यकारी अधिकारी मत्स्य, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण, अधिशासी अभियंता जल निगम, अधिशासी अभियंता नलकूप, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला खाद्य एवं वितरण अधिकारी, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र,जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित अधिकारियों से तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस अवसर पर राजस्व विभाग की 132, पुलिस विभाग की 35, विकास की 32 एवं अन्य विभागों के 18 शिकायती प्रार्थना पत्र आए थे। मौके पर सीडीओ अंकुर कौशिक, डीडीओ गजेंद्र सिंह, पीडी एके सिंह, सीएमओ डॉ. भारत भूषण, डीएफओ अमित सिंह, एसडीएम उत्तम कुमार तिवारी, सीओ विनय गौतम, तहसीलदार उमेश चंद्र यादव सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गोलहा मजरे जिहवा गांव में जमीनी विवाद में हुआ खूनी संघर्ष

कोतवाली क्षेत्र के गोलहा मजरे जिहवा गांव में जमीनी विवाद व पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों से लगभग आधा दर्जन लोग चोटिल हुए हैं। जिसमें चिकित्सकों ने एक की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के गोलहा मजरे जिहवा गांव में सोमवार को सुबह 6 बजे दरवाजे के सहन की जमीन को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े जिसमें एक पक्ष से रवि शंकर पुत्र राम आधार, रामकुमार पुत्र राम आधार घायल हुए हैं। रवि शंकर की हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। तो वहीं दूसरे पक्ष से कमलेश, रामसनेही, राम फेर, रामबरन, सरोज आदि लोग योजना बद्ध तरीके से आए और दोनों भाइयों को लाठी डंडों से जमकर मारा पीटा जिसमें रवि शंकर को गंभीर चोटें आई हैं, तथा दूसरे पक्ष के भी चोटिल लोगों का प्राथमिक उपचार कराकर घर भेज दिया गया है। मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव का कहना है कि तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

पूर्व प्रधान के पुत्र की सड़क दुर्घटना में मौत पर सदर विधायक ने जतायी शोक संवेदना

रायबरेली। सदर विधायक अदिति सिंह ने सदर विधान सभा क्षेत्र के गदियानी मजरे सरायदामू गाँव के पूर्व प्रधान कुंवर बहादुर यादव के पुत्र की सड़क दुर्घटना में मृत्यु की सूचना पर उनके घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की तथा परिवार को ढाढस बंधाया। सदर विधायक द्वारा लगातार तीन दिवस से क्षेत्र में कई ग्राम पंचायतों में शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कर रही है। क्षेत्र के अंतर्गत दाऊद नगर में विजय प्रताप सिंह मखदूमपुर में कल्लू सिंह के पुत्र, पूरे शिवा मजरे सिधौना में शिव बहादुर यादव व गोडधरा मजरे पिंडारी कला में डॉ० पवन की पुत्र वधू के निधन उपरांत शोक संतप्त परिवारजनों से भेंट कर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। वहीं सदर विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत हरदासपुर में अंजली मिश्रा के निधन, जमालपुर करौदी के इन्द्रेश यादव के निधन, सिधौना के सोनू पासी के भाई का निधन, दुसौती के दूधनाथ सिंह के निधन, झकरासी के पूर्व प्रधान अरुण यादव के पुत्र के निधन, सुल्तानपुर अइमा के विमल पांडेय के निधन की सूचना मिलने पर इन सभी के आवास पर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। वहीं हरियावा के पूर्व प्रधान रामचन्द्र यादव के भाई की तेरहवीं में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

चिकित्सक लिख रहे बाहरी दवाएं

- वृद्ध ने कहा अस्पताल में जांच, दवा, बाहर से लिख रहे चिकित्सक

जिला संवाददाता

गौरीगंज, अमेठी। प्रदेश की योगी सरकार में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक आये दिन स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए अस्पतालों का निरीक्षण करते रहते हैं लेकिन अमेठी में डिप्टी सीएम के आदेश की अवेहलना कर बाहर से हजारों की दवाएं लिखी जा रही है।

बताते चलें कि सोमवार को संयुक्त जिला अस्पताल गौरीगंज में अपने नाती दुर्गेश की दवा कराने आये वृद्ध शारदा प्रसाद निवासी टिकावर विकास भेंटुआ, अमेठी ने बताया कि हमारे नाती के पेट में ईफेक्शन हो गया है कमरा नं. 5 में डाक्टर प्रवीण गौतम को दिखाया तो उन्होंने 1400 रुपए की बाहर से

जांच व 970 रुपए की दवा बाहर वाले मेडिकल स्टोर से लाने को कहा। आखिरकार गरीब आदमी इस आशा विश्वास के साथ जिला अस्पताल आता है कि उसका इलाज कम पैसों से हो जाय। गौरतलब हो कि अमेठी जनपद के तिलोई विधानसभा से भाजपा से विधायक मयंकेश्वर शरण को स्वास्थ्य विभाग का राज्यमंत्री बनाया गया है ऐसे में सवाल उठता है कि अमेठी जनपद की बिगड़ी स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर कब शिकंजा कसा जायेगा। वहीं सीएमओ अंशुमान सिंह विगत दिनों सीएचसी शुकुल बाजार व सिंहपुर सीएचसी का निरीक्षण किया था बावजूद इसके चिकित्सको को सीएमओ का डर नहीं है। *इस सम्बन्ध में सीएमएस बद्री प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सको को बाहर की दवा लिखने का प्राविधान नहीं है अस्पताल में सभी प्रकार की दवाएं उपलब्ध है जांच कर कार्रवाई की जायेगी।*

सफाई नायक बृजलाल को किया सम्मानित

सुलतानपुर (वीओएल)। गोमती मित्र मंडल ने सामाजिक समरसता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नगर पालिका परिषद में कार्यरत सफाई नायक बृजलाल को उनके पूरे परिवार के साथ सम्मानित किया। यह कार्यक्रम रविवार देर शाम सीता कुंड धाम पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन ने बृजलाल को माला पहनाकर और महिला मंडल अध्यक्ष शालिनी कसौधन ने उनकी धर्मपत्नी का सम्मान कर समाज को समरसता का संदेश दिया। राजेंद्र शर्मा और राकेश सिंह दद्दू ने अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान की भावना को और मजबूत किया। सम्मान पाकर भावुक बृजलाल ने कहा कि ऐसे सम्मान की कभी कल्पना भी नहीं की थी। यह मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण है। मदन सिंह ने कहा कि गोमती मित्र केवल बातें नहीं करते, बल्कि हर स्तर पर सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कार्य करते हैं। इस मौके पर अन्नपूर्णा शर्मा, मिथिलेश पांडे, राधा मौर्य, मोनी सिंह, विनय सिंह, अजय प्रताप सिंहह्ल समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

आर आर एस जी एस में मनाया गया 'ग्रैण्ड पैरेंट्स डे'

अमेठी। स्थानीय ब्लॉक के रामनगर में स्थित राजर्षि रणंजय सिंह ग्लोबल स्कूल (आर आर एस जी एस) में सोमवार को ग्रैंड पैरेंट्स डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा प्री-प्राइमरी के विद्यार्थियों के दादा-दादी का तिलक लगाकर एवं आरती करके विद्यालय में स्वागत किया गया। विद्यार्थियों ने अपने ग्रैंड पैरेंट्स के लिए सुंदर कार्ड बनाकर उनको गिफ्ट किए। शिक्षिकाओं द्वारा दादा और दादी को स्टीकर भेंट करके उनका अभिनंदन किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा ग्रैंड पैरेंट्स के बीच में म्यूज़िकल चेयर और बॉल बैलेंसिंग विथ पेपर खेलों का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त सभी ग्रैंड पैरेंट्स ने अपने ग्रैंड चाइल्ड के साथ रैम्प वॉक भी किया। इस अवसर पर यूकेजी के विद्यार्थियों ने नृत्य प्रस्तुति दी। कुछ अभिभावकों ने भी पुराने और गानों पर डांस किया। कक्षा एक से कक्षा पाँच तक के विद्यार्थियों ने अपने कला शिक्षक और कक्षाध्यापिका के साथ मिलकर अपने ग्रैंड पैरेंट्स के लिए धन्यवाद कार्ड बनाए। विद्यालय के शिक्षक शशांक शर्मा ने परिवार और परिजनों पर गीत प्रस्तुति दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य ललित नारायण शर्मा ने घर में दादा-दादी और नाना-नानी के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बच्चों के बचपन के सबसे बड़े दोस्त उनके ग्रैंड पैरेंट्स होते हैं। हमें अपने ग्रैंड पैरेंट्स का सदैव ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने विद्यालय में आने के लिए सभी अभिभावकों के प्रति आभार भी प्रकट किया।

फंदे से लटकता मिला छात्र का शव, पिता ने जताई अनहोनी की आशंका

सुबह पिता के पास से स्कूल जाने को कहकर घर आया था छात्र

गोसाईगंज, सुलतानपुर (वीओएल)। स्थानीय थानाक्षेत्र के चैथाई का पुरवा सरवन गांव में सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के अंदर छात्र का शव बल्ली के सहारे रस्सी से लटकता पाया गया। पिता ने जमीनी विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई है। फोरेंसिक टीम के साथ पुलिस ने जांच पड़ताल की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सरवन चैथाई का पुरवा निवासी सहजराम का तेरह वर्षीय इकलौता बेटा किशन क्षेत्र स्थित एक इंटर कालेज में कक्षा सात का छात्र था। पिता सहजराम बगल के गांव महमूदपुर के एक गौशाला में नौकरी करता था। किशन की माँ नीतू 27 अगस्त को बेटी के पास जालंधर चली गई थी। माँ के जाने के बाद किशन अपने पिता के साथ रात में गौशाला में रहता था। स्कूल जाने के लिए सोमवार सुबह छह बजे वह गौशाला से घर आया था। पिता सुबह साढे आठ बजे गोशाला से घर पहुँचा तो कमरे के अंदर का नजारा देखकर दंग रह गया। बेटे का शव बल्ली के सहारे रस्सी से लटक रहा था। जिसकी सूचना पिता ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुँचे सीओ आशुतोष कुमार, थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय, उपनिरीक्षक द्विवेश त्रिवेदी ने पुलिस और फोरेंसिक टीम के साथ जांच कर साक्ष्य इकट्ठा किया है। पिता सहजराम ने जमीन विवाद को लेकर पड़ोसियों के ऊपर मारने का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय ने बताया उनको हत्या से संबंधित कोई तहरीर नहीं मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मट्ठा चावल खाकर स्कूल जाने के लिए कहकर निकला था किशन

गोसाईगंज। सोमवार सुबह छह बजे पिता सहजराम से किशन मट्ठा चावल खाकर स्कूल जाने की बात कहकर घर आया था। सुबह साढ़े आठ बजे किशन का शव रस्सी के लटकता पाया गया। पिता का कहना था कि उसने ही बेटे के शव को नीचे उतारा। शव जमीन को छू रहा था। शव के नीचे रखी चारपाई के ऊपर तीन ईंट रखी हुई थी। किशन के जन्म के कुछ दिन बाद सगी मां भीरमती की मौत हो गई थी। नीतू किशन की दूसरी मां थी। किशन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। सगी बहन और सौतेली बहन जालंधर में रहती है। वहीं 27 अगस्त को मृतक की दूसरी मां नीतू गई हुई है। किशन की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

संक्षेप

हिंदू महिला को जबरन ई रिक्शे में बैठाने पर हंगामा

मथुरा। शहर के डैम्पियर नगर इलाके में बीतीरात उस समय हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गयी जब एक युवक ने एक विवाहित महिला को ई रिक्शे में में जबरन बैठाकर अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। महिला द्वारा विरोध जताने पर यह सब देख रहे लोग मौके पर इकटठे हो गये और हंगामे की स्थिति बन गयी। इसी बीच किसी ने डायल 112 को इसकी सूचना दे दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गयी। आरोपी युवक मुस्लिम समुदाय से है जबकि महिला हिंदू है ।बताया गया कि बीतीरात लगभग साढे आठ बजे शहर कोतवाली के डैम्पियर नगर क्षेत्र में गौरव गैस्ट हाउस के निकट एक युवक ने राह गुजरती महिला को ई रिक्शे में जबरन बैठाने का प्रयास किया।इसका महिला ने विरोध किया तो दोनों में कहासुनी होने लगी। धक्का मुक्की और खींचातानी देख वहां मौजूद लोग रूक गये और युवक को पकड़ लिया। पूरा मामले की लोगों ने जानकारी ली तो पता चला कि सदर बाजार क्षेत्र का रहने वाला युवक जीशान पुत्र रहीश है और उसका धौलीप्याऊ क्षेत्र की रहने वाली युवती से प्रेम प्रसंग रहा था।

कनिष्ठ सहायक और एक्स-रे टेक्नीशियन को केबिनेट मंत्री ने वितरित किए नियुक्ति पत्र

जिला संवाददाता

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आज लखनऊ लोक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत नवचयनित कनिष्ठ सहायक एवं एक्स-रे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्रीजी ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नवचयनित अभ्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का मथुरा कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण किया गया और नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चैधरी द्वारा की गई।

नियुक्ति पत्र वितरण के दृष्टिगत आयोजित कार्यक्रम में विधायक बलदेव पूरन प्रकाश, मेयर विनोद अग्रवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि द्वारा जनपद के नव चयनित 8 कनिष्ठ सहायक एवं 2 एक्स-रे टेक्निशियन को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए ।कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चैधरी ने जनपद मथुरा के नव चयनित अभ्यर्थियों ो नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा अपने पदीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक व जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने की अपेक्षा व्यक्त की । इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजीव यादव ,अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आलोक कुमार, डॉ अनुज चैधरी, डॉ भूदेव सिंह ,डॉ रोहिताश सिंह, डॉ पियूष सोनी ,जिला प्रशासनिक अधिकारी डॉ अनुज कुमार, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी जितेंद्र सिंह, डीसीपीएम पारुल शर्मा, फौजिया खानम, ओम शर्मा आदि उपस्थित रहे। नियुक्ति पत्र पाने वालों में अभिषेक चैधरी, जयवीर , कपिल देव दीक्षित , विनीता सिंह पवन कुमार आदि रहे।

जिला कांग्रेस ने चलायी प्रियंका रसोई बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचायी खाद्य सामग्री

मथुरा। कांग्रेस के नेता प्रियंका गांधी के निर्देश पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर के द्वारा मथुरा में यमुना के बाढ़ पीड़ितों के लिए जिला कांग्रेस कार्यालय पर मंगलवार को प्रियंका रसोई का शुभारंभ कर दिया गया। यहां से कांग्रेसी कार्यकर्ता खाद्य सामग्री को बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उनके द्वारा पूरे जिले में खाद्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है। जिला कांग्रेस कार्यालय पर पहली बार इस प्रकार का नजारा देखने को मिला। पूरा कांग्रेस कार्यालय रसोई घर में तब्दील हो गया है। कहीं पर हवाई तो कहीं पर कांग्रेसी कार्यकर्ता खाद्य सामग्री को पैकेट में डालते नजर आ रहे हैं। खाद्य सामग्री को पैकेट में बंद करके कांग्रेसी कार्यकताओं के द्वारा यमुना किनारे के उन क्षेत्रों तक पहुंचा जा रहा है जहां पर बाढ़ से पीड़ित लोग मौजूद थे यह काम कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में किया जा रहा है। सोमवार को सुबह 8 बजे जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर के द्वारा प्रियंका गांधी रसोई का शुभारंभ कर दिया गया और जन-जन तक यह संदेश पहुंचाया गया की बाढ़ पीड़ितों के साथ कांग्रेस कंधे से कंधे मिलाकर खड़ी है उन्होंने कहा कि जनपद के किसी भी व्यक्ति की पीड़ा उनकी खुद की पीड़ा है बाढ़ पीड़ितों को वह किसी प्रकार से भूखा नहीं सोने देंगे। प्रियंका गांधी रसोई में सेवा कार्य करने के लिए सोमवार को पहुंचने वाले कांग्रेसी कार्यकताओं में मनोज गौड़ उमा शंकर शर्मा अनाम धन्य तिवारी महेश चैबे प्रेम शंकर शर्मा रमेश कश्यप बलबीर सिंह प्रधान अरनव चैधरी शैलेंद्र चैधरी विष्णु पांडे अप्रतिम सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में 15 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना सिरसागंज पुलिस ने 15000 रुपये के इनामी गैंगस्टर अभियुक्त को पुलिस मुठभेड में गिरफ्तार किया है। थाना सिरसागंज पुलिस टीम द्वारा रात्रि में संदिग्ध व्यक्तियों की चैकिंग की जा रही थी, चेकिंग के दौरान धरमई की तरफ से आ रही मोटरसाइकिल हीरो स्पेल्डर रंग काला बिना नम्बर पर सवार एक व्यक्ति आता दिखायी दिया जिसे पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया गया लेकिन अभियुक्त मोटरसाइकिल वापस मोडकर भागने के प्रयास में हडबडाकर गिर गया, उक्त संदिग्ध व्यक्ति ने पुलिस टीम को अपनी ओर आते देख पुलिस टीम पर फायर कर दिया जिसमें पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जबाबी फायरिंग में अभियुक्त के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिसकी पहचान गैंगस्टर लखन पुत्र महेन्द्र गिहार निवासी गिहार कॉलोनी थाना सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद के रूप में हुई जो 15000 रुपये का इनामिया है, जिसके विरुद्ध थाना सिरसागंज पर लगभग 20 मुकदमे दर्ज है। पुलिस ने घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल भिजवा कर अभियुक्त के कब्जे से एक तंमचा मय एक जिन्दा कारतूस व 02 खोखा कारतूस व एक मोटरसाइकिल थाना सिरसागंज से लूट से संबंधित 5200 रुपए चोरी के 03 मोबाइल बरामद किए है।

मंगल बाजार स्थानांतरण को विहिप बजरंग दल ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

फिरोजाबाद। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल पदाधिकारियों द्वारा मंगल बाजार स्थानांतरण के संबंध में नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। सोमवार को विश्व हिंदू परिषद ब्रज प्रांत सह मंत्री राकेश त्यागी विभाग संगठन मंत्री विश्व हिंदू परिषद सुनील महानगर अध्यक्ष राजीव शर्मा बजरंग दल संयोजक सत्यम शर्मा आदि के नेतृत्व में मंगल बाजार स्थानांतरण को लेकर नगर आयुक्त ऋषि राज से मिले इस दौरान प्रांत मंत्री राकेश त्यागी ने कहां कि विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा वर्ष 2022 में आंदोलन किया था उसके उपरांत कोटला चुंगी से लेकर फिरोजाबाद क्लब के बीच में लगने वाले अवैध मंगल बाजार को बंद कर दिया था परंतु कुछ समय बाद अवैध रूप से मंगल बाजार लगने लगा जिसके लिए विश्व हिंदू परिषद द्वारा लगातार अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है वर्ष 2025 में दोबारा से मंगलवार स्थानांतरण के आदेश होने के उपरांत भी मंगल बाजार नहीं हटा है अगर अवैध मंगल बाजार नहीं हटाया जाता है तो विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा आंदोलन किया जाएगा तथा न्यायालय में शरण ली जाएगी जिस पर नगर आयुक्त ऋषि राज द्वारा आश्वासन दिया गया की विगत 15 दिनों के अंदर मंगल बाजार कोटला चुंगी से फिरोजाबाद क्लब के बीच में लगता है उसकी दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया जाएगा इस दौरान सह मंत्री शैलेंद्र कुलश्रेष्ठ नितिन चौहान गौरव कुलश्रेष्ठ मनोज शर्मा मयंक ठाकुर राकेश कंडेरे अनिल दिक्षित शिवम निर्दोष अग्रवाल विकास झा नितिन राठौड़ कपिल आकाश दीपक झा कप्तान राठौड़ करण वाल्मीकि आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कृति विवि शिक्षा, संस्कृति और धर्म के क्षेत्र में मील का पत्थर: चौ. लक्ष्मीनरायण

जिला संवाददाता

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के संतोष मैमोरियल सभागार में 14वें श्री शारदा शताब्दी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि, कैबिनेट मिनिस्टर लक्ष्मीनरायण चैधरी ने कहा कि मेरे क्षेत्र में छह विश्वविद्यालय हैं लेकिन अकेला संस्कृति विवि ऐसा विवि है जो शिक्षा के साथ-साथ धर्म और संस्कृति को साथ लेकर चल रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि ये विवि देश के विद्यार्थियों को सुदृढ़ भविष्य निर्माण के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

डेयरी मंत्री ने कहा कि मैं तो इस विवि से शुरू से ही जुड़ा हूं और क्षेत्र की जनता भी इस विश्वविद्यालय से लगाव रखती है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए कितने सौभाग्य कि बात है कि शंकराचार्य शारदा सर्वज्ञ पीठाधीश्वर स्वामी अमृतानंद देव तीर्थ जी महाराज संस्कृति विवि में चातुर्मास कर रहे हैं। आज उनके दर्शन हुए, ये मेरा सौभाग्य है। आज इस समारोह में सम्मानित होने वाले सनातन संस्कृति के वैश्विक दूतों को मैं बधाई देता हूं ।दीप प्रज्वलन के बाद संस्कृति विवि के संतोष मैमोरियल सभागार में श्रीमद् जगदगुरु शंकराचार्य शारदा सर्वज्ञ पीठाधीश्वर स्वामी श्री अमृतानंद देव तीर्थ जी महाराज की उपस्थिति में सनातन संस्कृति की पवित्र धारा को विश्व मंच पर प्रज्ज्वलित करने वाली प्रतिष्ठित हस्तियों को श्री शारदा शताब्दी विद्या-विवेक रत्न, श्री शारदा वाणी-प्रकाश रत्न, श्री शारदा शताब्दी शक्ति-नाद रत्न प्रदान किए गए। महाराष्ट्र के उप मुख्य मंत्री एकनाथ शिंदे को उनकी अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि को, विजन दिव्यांग फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, सेवानिवृत आईएएस डा. विश्वपति त्रिवेदी, सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग जम्मू, आईएएस एजाज असद को उनकी अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि को, पूर्व डीजीपी आईपीएस ओम प्रकाश सिंह, सागर शिवाजी राव जोंघले मुबई, अखिल भारतीय श्रध्दालु सभा ब्रज किशोर दुबे, लोक नायक ओरछा, मध्य प्रदेश उमेश यादव, संस्कृति विवि की सीईओ डा. मीनाक्षी शर्मा, अखिल भारतीय फुटवीयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पूरन डावर, संयुक्त सचिव भारतीय विवि संघ आलोक कुमार मिश्र को श्री शारदा शताब्दी विद्या-विवेक रत्न 2025 से सम्मानित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संभल आईपीएस कु. अनुकृति शर्मा, वरिष्ठ पेशेवर भारतीय सेना से सेवानिवृत मेजर जनरल हरि सिंह, बनारस हिंदू विवि की डा. प्रियंका सिंह, उद्योगपति, पर्यावरणविद् मथुरा रंजीत चतुवेर्दी, पूर्व सैन्य अधिकारी जम्मू एंड कश्मीर डा. अशोक रैना, सेवा निवृत वायु सेना अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर अतुल कुमार सिंह, समाजिक कार्यकर्ता आगरा, मनीष अग्रवाल, प्रबंधक श्रीमती शांति देवी डिग्री कालेज आगरा भूप सिंह इंदौलिया, बरसिया एडवरटाइसिंग लि. के सीईओ भारत बरसिया को शारदा शताब्दी-वाणी प्रकाश रत्न 2025 से सम्मानित किया गया। डा. कृष्णकांत द्विवेदी, सैफ खान बाबा, कृष्ण चंद्र बाजपेयी, प्रो. डा. विनोद कुमार नागर, पूर्व कार्यकारी निदेशक, पावर ग्रिड कापोरेंशन सुभाष चंद्र सिंह को शारदा शताब्दी शक्ति नाद रत्न 2025 से सम्मानित किया गया। सभी हस्तियों को शंकराचार्य शारदा सर्वज्ञ पीठाधीश्वर स्वामी अमृतानंद देव तीर्थ महाराज और कैबिनेट मंत्री चै. लक्ष्मीनरायण द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीमद् जगदगुरु शंकराचार्य शारदा सर्वज्ञ पीठाधीश्वर स्वामी अमृतानंद देव तीर्थ महाराज द्वारा संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता को पटुका ओढ़ाकर, माला भेंटकर सम्मानित किया गया। सभी विशिष्ठ जनों को संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता द्वारा सम्मानित किया गया ।समारोह के दौरान हिमांचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आडियो द्वीडियो के माध्यम से समारोह के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समारोह में वक्ताओं ने पाक अधिकृत काश्मीर में स्थित शारदा पीठ की प्राचीनता और इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इसकी जीर्ण दशा पर चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने शारदा पीठ को पुनः हासिल करने के लिए समवेत स्वर में मांग उठाई। कार्यक्रम का संचालन संस्कृति विवि छात्रा तपस्या, जाह्नवी पाराशर ने किया समारोह के आयोजन को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में संस्कृति विवि के डा. रजनीश त्यागी, डा. डीएस तोमर, डा. एकता कपूर का विशेष योगदान रहा।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी ने किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन*

टूंडला। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। साथ ही किसानों की समस?याओं का जल्द निस्तारण कराने को कहा है। पार्टी के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह जादौन के नेतृत्व में दोपहर बाद पदाधिकारी तहसील प्रांगण पहुंचे। उन्होंने एसडीएम अंकित वर्मा को किसानों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रहा है। किसानों को खाद न मिलने से फसलों की पैदावार प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार से किसानों के लिए बिजली की आपूर्ति को आठ घंटे से बढ़ाकर 16 घंटे करने की मांग की। साथ ही यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से यमुना तलहटी के गांव की फसलें बर्बाद हो गई हैं। किसानों को शीघ्र उचित मुआवजा देने की मांग की। साथ ही निराश्रित पशुओं से फसलों को बचाने के लिए किसानों को ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि बैंकों में किसानों से क्रेडिट कार्ड बनवाने के नाम पर बसूली की जा रही है। जिस पर रोक लगाई जाए। ज्ञापन देने वालों में जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, युवा जिलाध्यक्ष वरुण प्रताप सिंह, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सरिता जादौन, अभिषेक चौहान, योगेंद्र सिंह, रमेश सिंह, गौरव सिंह आदि उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त जग प्रवेश का गुरुकुल विद्यालय राहत केंद्र का निरीक्षण

मथुरा। यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने से मथुरा-वृंदावन के निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाकर जिला प्रशासन द्वारा संचालित बाढ़ राहत केंद्रों एवं शेल्टर होम्स में ठहराया गया है।

आज नगर आयुक्त जग प्रवेश ने गुरुकुल विद्यालय, वृंदावन में स्थापित बाढ़ राहत केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविरों में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं भोजन, शुद्ध पेयजल, मेडिकल कैंप, प्रकाश व्यवस्था एवं स्वच्छता आदि का गहन जायजा लिया।

इस अवसर पर राहत केंद्र में मौजूद परिवारों को खाद्य सामग्री भी वितरित की गई। बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन के साथ-साथ नगर निगम मथुरा-वृंदावन द्वारा व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। राहत केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, भोजन, शौचालय, प्रकाश एवं जनरेटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही नियमित रूप से एंटी-लार्वा छिड़काव, फॉगिंग, सफाई एवं चूना छिड़काव भी कराया जा रहा है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विशेष टीमों को शिफ्ट वाइज ड्यूटी में तैनात किया गया है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त महोदय ने निर्देश दिए कि शिविरों में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। समय-समय पर शौचालयों की सफाई सुनिश्चित हो। एंटी-लार्वा एवं फॉगिंग का कार्य नियमित रूप से चलता रहे और कर्मचारी निर्धारित शिफ्ट के अनुसार अपनी ड्यूटी पर मुस्तैदी से कार्य करें।

समाधान दिवस में सुनी फरियादियों की शिकायतें

फिरोजाबाद। जन समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सिरसागंज में जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित की उपस्थिति में आयोजित किया गया, समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह जन समस्याओं के समाधान में तत्परता दिखाएं,जिससे जनता की समस्याओं को प्रारंभिक स्तर पर ही समाधान किया जा सके,इस दौरान कानून व्यवस्था राजस्व, पंचायती राज नगर पंचायत इत्यादि से संबंधित सर्वाधिक मामले आए,इसी दौरान प्रेमचंद नामक फरियाद ने यह शिकायत की कि उसकी पुश्तैनी जमीन पर कुछ दबंगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है, कृपया हमारी पुश्तैनी जमीन को इन दबंगों से मुक्त कराया जाए, जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार और एस0ओ0 की संयुक्त टीम भेजकर मामले के तुरंत निस्तारण हेतु आदेश दिए। इसी तरह प्रार्थी सुनील कुमार जो ग्राम वीरई जहानाबाद का रहने वाला है, उसने शिकायत की कि उसका परिवार कच्चे मकान में रहता है अत्यधिक बारिश के कारण उसका मकान ढह गया है, अतः मुझको आवास दिलाया जाए, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी और बीडीओ की संयुक्त टीम गठित कर जांच कर उनकी वास्तविक स्थिति से अवगत होकर इनको संपूर्ण मदद दिलाने जाने की बात कही। इसी प्रकार एक महिला उषा देवी ने फरियाद की कि मां वैष्णो देवी हॉस्पिटल में इलाज के नाम पर उससे अधिक पैसे वसूल किए गए,उषा देवी का कहना था कि मेरे इलाज में लगे संपूर्ण धनराशि की फाइल मुझे बनकर दिया जाए, उन्होने बताया कि मेरा हेल्थ इंश्योरेंस है, बार-बार अनुग्रह करने के बावजूद मुझे फाइल नहीं दी गई, बल्कि उसके एवज में मुझे पैसा और मांगा जा रहा है, जिलाधिकारी ने इस बात पर तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मामले की जांच कर संपूर्ण परिस्थितियों को तत्काल अवगत कराने की बात कहीं, जिससे उनके साथ न्याय हो सके, इसी तरह से कुल 48 मामले आए 5 मामलों का जिलाधिकारी ने निस्तारण किया,शेष का निस्तारण समयबद्धता से निस्तारण करने के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने इसके अलावा मुकेश कुमार राजस्व निरीक्षक को अपने कार्यों में लापरवाही और शिथिलता बरतने पर चार्जशीट देने के निर्देश दिए, इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक संगीता गौतम सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री बने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव जिला संयोजक

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के संगठन में विभिन्न पदों पर रहते हुए कार्यकताओं का मार्गदर्शन करने वाले वरिष्ठ नेता व पूर्व जिला महामंत्री संजय शर्मा को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला संयोजक (मथुरा महानगर) नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से कार्यकताओं और पदाधिकारियों में हर्ष का वातावरण है। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, महानगर मंत्री कुंज बिहारी चतुवेर्दी, विजय शर्मा, लोकेश तायल, ललित अग्रवाल, हरिओम शर्मा, श्याम शर्मा, लोकेश निषाद, पार्षद सुभाष यादव, अनीश वर्मा, मुनेश दीक्षित, पार्षद नीलम गोयल, हेमंत, धर्मेश तिवारी, पार्षद अंकुर गुर्जर, पार्षद हनुमान गुर्जर, अंकुर अग्रवाल सहित अनेक कार्यकताओं ने संजय शर्मा को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि संजय शर्मा के संगठनात्मक अनुभव और सक्रिय कार्यशैली से आगामी पंचायत चुनाव में भाजपा को निश्चित ही मजबूती मिलेगी।

नाबालिग की मौत

आगरा। खंदौली थाना क्षेत्र के गांव लहलर में एक 17 वर्षीय छात्रा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। छात्रा का शव उसके कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला। मृतका की मां का निधन 17 वर्ष पहले हुआ था। तब वह मात्र 6 महीने की थी। तब से उसका पालन-पोषण हाथरस जिले के हसायान थाना क्षेत्र में रहने वाले उसके नाना टीकाराम ने किया। वहीं उसकी पढ़ाई भी हुई। दो दिन पहले नाना टीकाराम अपनी नातिन को उसके पिता के पास लाए थे। उन्होंने कहा था कि अब वह यहीं रहेगी और यहीं से उसकी शादी होगी। इसके बाद से छात्रा गुमसुम रहने लगी थी। वह किसी से बात नहीं कर रही थी। रविवार की रात जब वह खाना खाने नहीं आई, तो पिता ने कमरे में जाकर देखा। कमरे का दरवाजा खोलते ही उन्हें छात्रा का शव दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुल्हन गहने, नकदी और सोना लेकर अलीगढ़ जाते समय गायब

आगरा। अछनेरा के गांव मंगूरा में शादी के दो दिन बाद दुल्हन गहने, नकदी और सोना लेकर अलीगढ़ जाते समय गायब हो गई। परिजनों ने थाने में नामजद तहरीर दी, पुलिस मामले की जांच कर रही है। अछनेरा क्षेत्र के गांव मंगूरा में शादी के दो दिन बाद दुल्हनलापता हो गई। घर से गहने भी ले जाने का आरोप है। पीड़ित परिवार ने इसे संगठित गिरोह की करतूत बताते हुए थाने में तहरीर दी है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मंगूरा निवासी मूकबधिर बलराम की शादी 4 सितंबर 2025 को किरावली के भूरी सिंह ने कराई थी। रुद्रपुर (उत्तराखंड) की रहने वाली युवती से शादी मथुरा दीवानी कोर्ट में हुई थी। शादी कराने के एवज में बलराम के परिजनों से एक लाख रुपये लिए गए थे। आरोप है कि शादी के दो दिन बाद 6 सितंबर को दुल्हन को अलीगढ़ ले जाया जा रहा था। परिजनों ने उसके साथ सोना-चांदी और 50 हजार नकद भी दिए थे। रास्ते में मथुरा पहुंचते ही दुल्हन बहाने से उतरी और गहने, नकदी समेत लापता हो गई। पीड़ित पक्ष ने दुल्हन और उसके साथियों के खिलाफ नामजद तहरीर थाना अछनेरा में दी है। थाना प्रभारी अछनेरा ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मारपीट में छः लोग घायल

आगरा। बाह थाना क्षेत्र के ग्राम प्रतापपुरा में रविवार को दीवार निर्माण को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस घटना में कुल 6 लोग घायल हुए। एक पक्ष से खुशबू (पत्नी दिनेश), उमेश (पुत्र बालकृष्ण) और अनीता (पत्नी उमेश) घायल हुए। दूसरे पक्ष से शिवराज और राहुल (दोनों कप्तान सिंह के पुत्र) तथा सगुना देवी (कप्तान सिंह की पत्नी) को चोटें आईं। सूचना मिलते ही बाह थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और उनका मेडिकल परीक्षण कराया। ग्रामीणों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच जमीन की सीमा और दीवार निर्माण को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

आगरा में बाढ़, यमुना किनारा रोड पर आया पानी

आगरा। यमुना का जलस्तर खतरे के स्तर को पार कर गया है। रविवार दोपहर तक यमुना का पानी गांवों में आया था, लेकिन शाम होते होते यमुना का पानी अब शहर के मुख्य मार्ग पर भी आ गया है। यमुना किनारा हाथी घाट रोड पर यमुना का पानी भर गया। इससे यमुना किनारे के ट्रांसपोर्ट कारोबारी परेशान है। वहीं कैलाश व आसपास के कई गांवों में प्रशासन ने रात तक लोगों को राहत शिविर में भेजा। 500 लोग अब तक पलायन कर चुके हैं। वहीं, कैलाश गांव में पानी भर गया। गांव की बिजली काट दी गई है। दिल्ली, नोएडा मथुरा में बाढ़ ने हालात खराब कर दिए हैं। आगरा में भी अब यमुना विकराल हो गई है। रविवार सुबह यमुना का जलस्तर 499.80 फीट तक पहुंच गया है। इसके चलते यमुना किनारा रोड पर भी यमुना का पानी आ गया। रविवार रात को पानी के बीच से वाहन गुजरते दिखे। लोगों ने बताया कि बेलनगंज में 1978 में बाढ़ में पानी आया था। उसके बाद अब यहां तक पानी आया है। अगर जलस्तर और बढ़ता है तो पानी शहर में घुस जाएगा। इससे परेशानी हो सकती है। यमुपा किनारा रोड पर पानी आने से मोतीगंज और ट्रांसपोर्ट व्यापारियों में खलबली है। स्ट्रेची ब्रिज के नीचे दो दिन पहले भी 4 फीट तक पानी भर गया था। यमुना किनारा रोड पर बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्ट कारोबारियों के गोदाम हैं। ऐसे में यमुना किनारा रोड पर पानी आने से ट्रांसपोर्ट कारोबारी परेशान हैं। गोदाम में पानी भरने से उनका नुकसान हो सकता है। वहीं, मोतीगंज के व्यापारी भी बाढ़ को लेकर चिंतित हैं। शनिवार सुबह यमुना का जलस्तर 498.91 फीट था, जबकि रविवार सुबह बढ़कर 499.11 फीट हो गया। दिल्ली के ओखला बैराज से दो लाख क्यूसेक व गोकुल बैराज से रविवार सुबह 1.5 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। यह पानी आगरा की ओर बढ़ रहा था। अनुमान है कि रविवार शाम तक यमुना 500 फीट के स्तर को पार कर जाएगी। ऐसा होने पर तटवर्ती इलाकों में तबाही हो सकती है। बता दें कि यमुना का लो फ्लड लेवल 495 फीट, खतरे का निशान 499 फीट और हाई फ्लड लेवल 557 फीट है। 1978 में हाई फ्लड लेवल तक पहुंचने से आगरा में बाढ़ आ गई थी। यमुना किनारे के गांवों में पानी घुसने लगा है। कैलाश गांव में पानी भर चुका है। वहीं मनोहरपुर, यमुना से सटे दयालबाग के रिहायशी इलाके और गांव, बटेश्वर में मंदिर श्रंखला तक पानी घुस चुका है। ताजमहल के पीछे एडीए के प्वाइंट तक पानी भर गया है। ताज के पीछे मेहताब बाग में दो फुट तक पानी भर गया है। गांव में पानी भरने के बाद अधिकांश लोग अपने घरो से पलायन कर गए हैं। घरों पर ताला लटका है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में जो रह गए हैं, वह भी अपना सामान पैक करके जा रहे हैं।

श्रीबांके बिहारी मंदिर में महिला श्रद्धालु और सुरक्षाकर्मी में मारपीट, वीडियो हुआ वायरल

मथुरा। वृंदावन बांकेबिहारी मंदिर में सोमवार उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब दर्शन के दौरान श्रद्धालु और सुरक्षाकर्मी आपस में भिड़ गए। श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच वीआईपी दर्शन को लेकर हाथपाई हुयी। बताया गया कि यह घटना मंदिर में राजभोग आरती के समय की है, जब दिल्ली के शालीमार गार्डन निवासी अशोक सबलोक अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंचे थे। दर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मी श्रद्धालुओं को आगे बढ़ाने के लिए जोर दे रहे थे। इसी बीच अशोक सबलोक ने आपत्ति जताई, जिस पर बात बढ़ गई और दोनों के बीच धक्का-मुक्की के बाद मारपीट शुरू हो गई। अशोक की पत्नी रेनू सबलोक ने आरोप लगाया कि भीड़ अधिक नहीं थी, इसके बावजूद काले कपड़ों में मौजूद गार्ड और कुछ पुलिसकर्मियों ने उनके परिवार के साथ दुर्व्यवहार किया। मारपीट के दौरान उनके बाल खींचे गए, गाली-गलौज की गई और जमीन पर गिराया गया। इस मामले में परिवार ने वृंदावन कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। मामले ने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी मचा दी। पुलिस और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। चैकीप्रभारी शिव कुमार शर्मा के अनुसार, मामूली विवाद बढ़ने से मारपीट की नौबत आई थी। दोनों पक्षों से शिकायतें मिली हैं और जांच की जा रही है। वहीं सुरक्षा गार्ड प्रभारी अटल बाबू यादव का कहना है थक श्रद्धालुओं ने ही गार्डों से अभद्रता की और हाथापाई की है।

संक्षेप

टाटा के ग्राहकों को मिलेगा जीएसटी कटौती का पूरा लाभ

मुंबई। टाटा मोटर्स ने आज घोषणा की कि वह अपने कमर्शियल वाहनों की संपूर्ण रेंज पर हाल ही में की गई जीएसटी कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। यह बदलाव 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होगा, जब संशोधित जीएसटी दरें लागू होंगी। कमर्शियल गाड़ियों वाहनों पर जीएसटी को 18% तक कम करना भारत के परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को मजबूत करने का एक बड़ा और सही समय पर उठाया गया कदम है। प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण और माननीय वित्त मंत्री के नेतृत्व में जीएसटी परिषद के सुधारों से प्रेरित होकर, टाटा मोटर्स पूरे देश में अपने सभी वाणिज्यिक वाहनों पर जीएसटी कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देने के लिए गर्व महसूस करता है। हमारी विश्वसनीय विरासत और आधुनिक वाहनों व मोबिलिटी समाधानों के साथ, हम उन लोगों के लिए हमेशा पहली पसंद बने रहते हैं जो भारत को आगे बढ़ाते हैं–व्यवसायों को मजबूत करते हैं, मोबिलिटी को आसान बनाते हैं और विकास को गति देते हैं।

निसान ने ग्राहकों को दिया जीएसटी कटौती का पूरा लाभ

नयी दिल्ली। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने भारत सरकार द्वारा घोषित जीएसटी की नई दरों का स्वागत किया है। कंपनी ने कहा है कि इस कदम से आगामी त्योहारी सीजन में ग्राहकों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। त्योहारी सीजन और ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए बहुत अहम समय होता है। ग्राहकों की संतुष्टि एवं पारदर्शिता को लेकर निसान की प्रतिबद्धता के तहत निसान मोटर इंडिया सुनिश्चित करेगी कि जीएसटी की दरों में कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को मिले। निसान का कहना है कि इससे न केवल रिटेल डिमांड बढ़ेगी, बल्कि इससे ऑटोमोटिव सेक्टर को नई ताकत भी मिलेगी। त्योहारी सीजन में पारंपरिक तौर पर बिक्री में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। सरकार की नीति में इस सकारात्मक बदलाव को देखते हुए कंपनी को ग्राहकों के बढ़ने और बाजार में मजबूती दिखने की उम्मीद है। दरों में बदलाव के बाद नई निसान मैग्नाइट विसिया एमटी अब 6 लाख रुपये से कम में उपलब्ध है। इससे भारत की सबसे सुरक्षित एवं किफायती बी-एसयूवी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम्पावर्ड को मुंबई में लॉन्च किया

नई दिल्ली। सैमसंग ने आज अपने गैलेक्सी एम्पावर्ड कार्यक्रम का मुंबई चैप्टर लॉन्च किया। इस अनूठे समुदाय-प्रेरित कार्यक्रम का मकसद शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और स्कूल प्रशासकों को नए डिजिटल टूल्स और आधुनिक शिक्षण विधियों से प्रशिक्षित करके कक्षाओं में बदलाव लाना है। नई दिल्ली में इस कार्यक्रम की सफल शुरुआत के बाद, जहां 250 से अधिक स्कूलों में 2,700 से ज्यादा शिक्षकों को प्रमाणित किया गया, गैलेक्सी एम्पावर्ड अब मुंबई में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है। मुंबई, भारत का वित्तीय और शैक्षिक केंद्र है और इस कार्यक्रम की मदद से कंपनी देश के शिक्षा तंत्र में सकारात्मक प्रभाव डालना चाहती है। मुंबई लॉन्च इवेंट में महाराष्ट्र और पड़ोसी राज्यों के 250 स्कूलों से 350 से अधिक शिक्षक और स्कूल लीडर्स एकत्र हुए, जो इस कार्यक्रम की गति और शिक्षकों में व्यावसायिक विकास की मांग को दर्शाता है।

बीएसए गोल्ड स्टार ने भारत में मनाई पहली वर्षगांठ

बंगलुरू। बीएसए गोल्ड स्टार पिछले साल भारत में वापस आई थी, अपने साथ असली ब्रिटिश मोटरसाइक्लिंग का बेमिसाल आकर्षण लेकर इसने बड़े सिंगल-सिलेंडर इंजनों के परिष्कार का एक नया मानक भी तय किया। एक साल बाद, इस क्लासिक सिंगल को बीएसए के पहले एक्सचेंज प्रोग्राम के साथ मनाया जा रहा है, जिसे खास तौर पर त्योहारी सीजन के लिए पेश किया गया है। भारत में लॉन्च के बाद से बीएसए गोल्ड स्टार ने वफादार राइडर्स का एक समूह बनाया है। यह बीएसए की आत्मा को एक ऐसे रूप में आगे बढ़ाता है जो क्लासिक भी है और आधुनिक भी।

सन किंग लाया नयी पहचान

भुवनेश्वर। सन किंग ने आज अपना नया लोगो और नई ब्रांड पहचान लॉन्च की। यह बदलाव कंपनी की लगातार बढ़ती प्रगति और भविष्य की सोच को दर्शाता है। नई पहचान यह दिखाती है कि अपने ग्राहकों, व्यवसायों और समुदायों को सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए पहले से कहीं ज्यादा मजबूती से काम कर रहा है।

सेंसेक्स में 76 अंकों की उछाल

मुंबई। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त में रहे। बीएसई सेंसेक्स 76 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 32 अंक की तेजी आई। इस महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से वैश्विक बाजारों में तेजी आई, जिसका घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

कारोबार के आखिरी घंटे में निवेशकों की मुनाफावसूली के बावजूद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.54 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,787.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और बाद में वाहन, पेट्रोलियम और निजी बैंक शेयरों में तेजी के साथ 460.62 अंक यानी 0.57 प्रतिशत चढ़कर 81,171.38 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, आईटी और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों में बिकवाली ने अंत में बढ़त को सीमित कर दिया। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 32.15 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,773.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में सबसे ज्यादा 3.97 प्रतिशत की तेजी रही जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.96 प्रतिशत की बढ़त में रहा। इसके अलावा मारुति, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाभ में रहे। दूसरी तरफ, ट्रेंट में 3.81 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, पावरग्रिड और सन फार्मा भी भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। घरेलू बाजार अपनी शुरुआती बढ़त बरकरार नहीं रख सका क्योंकि सत्र के आखिर में हुई बिकवाली ने गिरावट पर खरीदारी, तेजी पर बिकवाली की प्रचलित रणनीति को प्रतिबिंबित किया। इससे निवेशक सतर्क दिखे। जीएसटी दरों में कटौती के बाद मांग में सुधार की उम्मीद में वाहन और सहायक कंपनियों के शेयरों में तेजी जारी रही, जबकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आईटी शेयर कमजोर रहे। अमेरिका में नौकरियों के कमजोर आंकड़ों से सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने के बाद वैश्विक स्तर पर धारणा कुछ मजबूत हुई है। बीएसई में सूचीबद्ध 2,286 कंपनियों के शेयरों में तेजी रही जबकि ।,940 में गिरावट दर्ज की गयी। 181 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अमेरिका में जारी आंकड़ों के अनुसार, गैर-कृषि क्षेत्र में केवल 22,000 नौकरियां जुड़ीं, जबकि बेरोजगारी दर 4.2 प्रतिशत से बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई। इन कमजोर आंकड़ों से अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने को लेकर उम्मीद बढ़ी है।

सोना रिकॉर्ड स्तर से 200 रुपये टूटा, चांदी भी कमजोर

नयी दिल्ली। स्टॉकिस्ट की ताजा बिकवाली के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गईं और 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,670 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 200 रुपये टूटकर ।,06,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

शनिवार को, राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 900-900 रुपये बढ़कर क्रमशः ।,07,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और ।,07,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया था। चांदी भी बिकवाली के दबाव में रही और ।,000 रुपये की गिरावट के साथ ।,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। शनिवार को चांदी ।,27,000 रुपये प्रति

किलोग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई थी। इस बीच, वायदा बाजार में, सोने और चांदी ने शुरुआती गिरावट के बाद तेजी से वापसी की और नए शिखर को छुआ। एमसीएक्स के वायदा कारोबार में, अक्टूबर डिलिवरी वाले सोने की कीमत 447 रुपये बढ़कर ।,08,175 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसी प्रकार, दिसंबर वायदा भी 370 रुपये की छलांग लगाकर 1.09 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया। सोना अब भी तेजड़ियों के नियंत्रण में हैअ सोमवार को शुरुआती कारोबार में इसकी थोड़ी कमजोर शुरुआत हुई। हालांकि, सुरक्षित निवेश की मांग, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और स्थिर अमेरिकी डॉलर के समर्थन से, यह शुरुआती गिरावट से उबरकर तेजी की ओर बढ़ा। चांदी वायदा कीमतों में और भी मज़बूत वापसी हुई। सोमवार को मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर डिलिवरी वाले चांदी की कीमत ।,703 रुपये बढ़कर ।,26,400 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुँच गई। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 35.11 डॉलर या एक प्रतिशत की तेज़ी के साथ 3,621.92 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। इसके अलावा, कॉमेक्स पर दिसंबर डिलिवरी के लिए सोना वायदा 3,662 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया।

अप्रैल-अगस्त में रहा कोयला उत्पादन 38.17 करोड़ टन

एजेंसी

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में देश का कोयला उत्पादन 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 38.17 करोड़ टन रहा। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

पिछले साल की अप्रैल-अगस्त अवधि में घरेलू कोयला उत्पादन 38.40 करोड़ टन रहा था। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-अगस्त, 2025 के दौरान कुल 38.17 करोड़ टन कोयला उत्पादन में से कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 28.01 करोड़ टन का योगदान दिया। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने 2.41 करोड़ टन और निजी उपभोग वाली खदानों एवं अन्य स्रोतों ने 7.74 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। हालांकि, अगस्त माह में देश का घरेलू कोयला उत्पादन 11.5 प्रतिशत बढ़कर 6.98 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले के समान माह में 6.26 करोड़ टन था। सार्वजनिक क्षेत्र के कोल इंडिया लिमिटेड की देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।

छुट्टियों के बीच नकद निपटान तिथियों में संशोधन

नयी दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को कहा कि पांच सितंबर और आठ सितंबर को समाशोधन निगम के निपटान अवकाश घोषित करने के बाद नकद, वायदा-विकल्प और प्रतिभूति ऋण और उधार तंत्र खंडों के लिए निपटान चक्र को संशोधित किया गया है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि यह निर्णय शेयर बाजारों और समाशोधन निगम से परामर्श के बाद लिया गया। बयान के मुताबिक, वायदा-विकल्प खंड के लिए तीन कारोबारी दिन- यानी चार सितंबर, 2025 (बृहस्पतिवार), पांच सितंबर, 2025 (शुक्रवार) और आठ सितंबर, 2025 (सोमवार) के लिए निपटान नौ सितंबर, 2025

(मंगलवार) को किया जाएगा। नकद और एसएलबीएम खंड के लिए चार और पांच सितंबर को किए गए सौदों का निपटान भी नौ सितंबर को किया जाएगा। दूसरी ओर आठ और नौ सितंबर के सौदों का निपटान 10 सितंबर को किया जाएगा। इससे पहले शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने पांच सितंबर को निपटान अवकाश घोषित किया था। महाराष्ट्र सरकार के मुंबई शहर और उपनगरीय जिले में ईद-ए-मिलाद के सार्वजनिक अवकाश को आठ सितंबर के लिए स्थानांतरित करने के बाद एक्सचेंजों ने बताया कि पांच और आठ सितंबर, दोनों दिन निपटान अवकाश होंगे। निपटान अवकाश ऐसे दिन होते हैं, जब शेयर बाजार कारोबार के लिए खुले रहते हैं, लेकिन एनएसडीएल और सीडीएसएल जैसी डिपॉजिटरी बंद रहती हैं। निवेशक इन दिनों खरीद और बिक्री के आदेश दे सकते हैं, लेकिन शेयरों की डिलिवरी अगले दिन नहीं होती है।

भारत व्यापार समझौतों में किसानों और एमएसएमई के हित सुरक्षित रखने को प्रतिबद्ध

नयी दिल्ली। भारत किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को समान, न्यायसंगत और संतुलित बनाना चाहता है क्योंकि सरकार किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही। यह बयान ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है। इससे अमेरिकी बाजार में माल भेजने वाले निर्यातकों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत अपनी प्राथमिकताओं, खासकर किसानों, मछुआरों, एमएसएमई क्षेत्र और डेयरी को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशीलता के साथ काम करता है। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए भारत वैश्विक स्तर पर द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहता है। (लेकिन) इसमें परस्परता होनी चाहिए और यह समान, न्यायसंगत और संतुलित होना चाहिए। भारत इस समय यूरोपीय संघ समेत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। इसके अलावा भारत की द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका के साथ भी बात चल रही है। हालांकि, शुल्क मुद्दों पर जुड़े तनाव के बीच इस समझौते पर बातचीत फिलहाल रुक गई है।

वाहनों की खुदरा बिक्री 2.84 प्रतिशत बढ़कर 1964547 इकाई पर

नयी दिल्ली। भारत में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री अगस्त में मामूली रूप से 2.84 प्रतिशत बढ़कर 19,64,547 इकाई रही।

पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 19,10,312 इकाई था। वाहन उद्योग के निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। ग्राहकों ने कीमतों में कमी की उम्मीद करते हुए जीएसटी सुधारों से पहले खरीदारी रोक दी थी। फाडा ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने यात्री वाहनों की बिक्री मामूली रूप से बढ़कर 3,23,256 इकाई हो गई, जबकि अगस्त 2024 में यह 3,20,291 इकाई थी। इसमें सालाना आधार पर 0.93 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। इस साल अगस्त में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 2.18 प्रतिशत बढ़कर 13,73,675 इकाई रही। फाडा ने कहा कि दोपहिया वाहन खंड में पूछताछ मजबूत रही, जिसकी वजह ओणम और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों की शुरुआत थी। हालांकि, उत्तर भारत में अत्यधिक बारिश और स्थानीय बाढ़ ने ग्रामीण क्षेत्रों में मांग को बाधित किया। वाहन निकाय ने कहा कि ऐतिहासिक जीएसटी 2.0 घोषणा के कारण भी खरीदारों ने कम दरों की उम्मीद में खरीदारी सितंबर तक टाल दी। बयान में कहा गया कि बाजार की समग्र धारणा स्थिर है और डीलरों को विश्वास है कि आगामी त्योहारी सत्र में मजबूत वृद्धि की गति मिलेगी। फाडा ने कहा कि वाणिज्यिक वाहन खंड में इस साल अगस्त में बिक्री 8.55 प्रतिशत बढ़कर 75,592 इकाई रही। तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री ।,03,105 इकाई रही, जो सालाना आधार पर 2.26 प्रतिशत कम है। अगस्त पारंपरिक रूप से त्योहारों की खुशियों का महीना होता है। ओणम और गणेश चतुर्थी खुशी के मौसम की शुरुआत करते हैं। ग्राहकों ने अच्छी पूछताछ और बुकिंग के साथ मजबूत उत्साह दिखाया। बस जीएसटी 2.0 की वजह से सितंबर की मांग में कुछ देरी हुई।

पंजाब बाढ़ः फसल नुकसान के लिए प्रति एकड़ 20,000 रुपये का मुआवजा

चंडीगढ़। पंजाब मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य में बाढ़ से फसल को हुए नुकसान के लिए 20,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा देने का फैसला किया।

मंत्रिमंडल ने जिसदा खेत, उसकी रेत नामक एक योजना को भी मंजूरी दी, जिसके तहत किसानों को बाढ़ के बाद अपने खेतों में जमा रेत निकालने और बेचने की अनुमति होगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में ये निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने मोहाली के एक अस्पताल से मंत्रिमंडल बैठक की अध्यक्षता की। वहां उन्हें थकावट और नब्ज धीमी चलने की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था। बैठक के बाद एक वीडियो संदेश में, मान ने कहा, हम किसानों को अपने खेतों से रेत निकालने की अनुमति दे रहे हैं। अगर आप रेत बेचना चाहते हैं या अपने लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो आप ऐसा कर सकते हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में किसानों ने अपने खेतों में बाढ़ के पानी के साथ आई रेत के जमा होने पर चिंता व्यक्त की थी। मान ने कहा कि जहां तक बाढ़ से फसल को हुए नुकसान का सवाल है, राज्य सरकार प्रभावित किसानों को 20,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा देगी। उन्होंने दावा किया, अब तक यह देश में किसी भी राज्य द्वारा दिया जाने वाला अधिकतम मुआवजा है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुआवजे के चेक आपको (किसानों को) सौंप दिए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ में 1.76 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। मान ने यह भी कहा कि बाढ़ में अपने परिवार के सदस्यों को खोने वाले परिवारों को चार लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए घरों का सर्वेक्षण किया जाएगा। मुंख्यमत्री के अनुसार, सहकारी समितियों और राज्य कृषि बैंकों से ऋण लेने वाले किसानों के लिए कर्ज चुकाने की समयसीमा छह महीने बढ़ा दी गई है। अगले छह महीने तक कोई किस्त नहीं देनी होगी और उस पर कोई ब्याज भी नहीं जोड़ा जाएगा। मान ने यह भी कहा कि राज्य सरकार मवेशियों, बकरियों और मुर्गी पालन के नुकसान के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगी।

छात्र, फैकल्टी, एल्युमनाई व उद्योग जगत दिखे एक मंच पर

लखनऊ। जयपुरिया फाउन्डेशन ने लखनऊ स्थित जयपुरिया इस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट में आयोजित एक समारोह में अपनी 30 वर्षों की अकादमिक उत्कृष्टता का जश्न मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस अवसर पर छात्र, फैकल्टी, एल्युमनाई तथा प्रतिष्ठित विचारक एवं उद्योग जगत के विशेषज्ञ, बदलावकारी शिक्षा में संस्थान की विरासत तथा भावी लीडरों को बढ़ावा देने की इसकी अथक प्रतिबद्धता का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए। एक संस्थान के लिए फाउन्डेशन डे का आयोजन सिर्फ एक समारोह नहीं बल्कि यह याद करने का मौका है कि हम क्या थे और भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। 30 सालों की यात्रा में हमने हर दिन, हर घण्टे, हर पल पहले से बेहतर करने का प्रयास किया है। डॉ कविता पाठक, डायरेक्टर, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट ने कहा कि कुल 30 सालों में से 20 सालों तक इस संस्थान के साथ जुड़ी रही हूं। लीडरशिप दृष्टिकोण ने हमेशा संस्थान को विश्वस्तरीय दृष्टिकोण दिया।

पेज एक का शेष

आधार नागरिकता

12वें दस्तावेज के रूप में शामिल करने के अनुरोध से कोई व्यावहारिक उद्देश्य पूरा नहीं होगा। पीठ ने आधार अधिनियम 2016 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का हवाला दिया और कहा कि यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है, लेकिन इसे पहचान के प्रमाण के रूप में माना जा सकता है। एक सितंबर को, राजनीतिक दलों द्वारा समयसीमा बढ़ाने के लिए दायर कुछ अर्जियों पर सुनवाई करते हुए, शीर्ष अदालत को निर्वाचन आयोग ने सूचित किया था कि एसआईआर की कवायद के तहत बिहार में तैयार की गई मसौदा मतदाता सूची में दावे, आपत्तियां और सुधार एक सितंबर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद इन पर विचार किया जाएगा।

सीएम योगी

स्वयंसेवी संगठन पीड़ितों के साथ खड़े हो जाते हैं, तो सरकार के प्रयासों को और मजबूती मिलती है। उत्तर प्रदेश में बाढ़ को सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए योगी ने कहा कि इस वर्ष अभी तक राज्य इस आपदा से बचा हुआ है, हालांकि निचले स्तर पर जल-भराव हुआ है। व्यापक पैमाने पर बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए समय पर किए गए प्रावधानों का परिणाम है कि आज हम इस आपदा को नियंत्रण के करीब पहुंच चुके हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों का जिक्र किया, जहां बाढ़ आई है, जैसे यमुना नदी का क्षेत्र–सहारनपुर, बागपत, गौतम बुद्ध नगर से लेकर प्रयागराज तक, जहां गंगा से मिलती है। साथ ही बिजनौर से बलिया तक गंगा के मुहाने, सरयू, घाघरा, रामगंगा और हिंडन नदी के इलाकों में पुख्ता व्यवस्था की गई है। इन नदियों में अगर जल ओवरफ्लो से जन-धन की हानि हुई, तो सरकार ने तत्काल राहत सामग्री पहुंचाई है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में बरसात के समय अगर कोई जंगली जानवर, सांप या बिच्छू किसी व्यक्ति को काटता है और दुर्भाग्यपूर्ण मौत होती है, तो पीड़ित परिवार को सरकार चार लाख रुपये का मुआवजा तत्काल उपलब्ध करवाती है। आपदा से अगर किसी गरीब का मकान गिर गया, तो नया आवास बनाने के लिए धन उपलब्ध कराया जाता है। अगर जमीन और मकान नदी में विलीन हो गया या कटान की चपेट में आ गया, तो परिवार को जमीन का पट्टा और मकान बनाने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। जहां गांव जल-प्लावित हुए, वहां सुरक्षित शिविरों में पहुंचाने के साथ ब्रेकफास्ट, दोपहर और शाम का भोजन, बच्चों के लिए दूध और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की गई है। सीएम योगी ने कहा कि जो सामग्री उत्तर प्रदेश में वितरित की जाती है, उसी को आज इन 48 ट्रकों के माध्यम से उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब के बहनों-भाइयों के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि अगर कहीं आपदा आएगी, उत्तर प्रदेश सहायता के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल में बादल फटने और अतिवृष्टि से बड़ी तबाही हुई है, इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार और नागरिकों की ओर से पांच करोड़ रुपये की सहायता उत्तराखंड को और पांच करोड़ रुपये हिमाचल सरकार के राहत कोष के लिए उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस सहायता को पहुंचाने के लिए सरकार के मंत्री कुंवर बृजेश सिंह उत्तराखंड जाएंगे, जबकि मंत्री जसवंत सैनी हिमाचल प्रदेश की राहत सामग्री और धनराशि लेकर जाएंगे। पंजाब के लिए सहारनपुर के नगर विधायक राजीव गुम्बर राहत सामग्री लेकर जाएंगे।

एक परिवार के

असुरक्षित, व्यापारी असहाय, किसान आत्महत्या को मजबूर होता था। परंपरागत उद्यम बंदी के कगार पर जा रहे थे। अराजकता का वातावरण था। त्योहारों से पहले दंगे शुरू हो जाते थे, लेकिन 8 वर्ष से हर जनपद, समुदाय और व्यक्ति उत्साह व उमंग के साथ त्योहारों में सहभागी बनता है। आज सामाजिक सौहार्द भी है, जो राष्ट्रीय एकता को संबल देता है। लोगों का उत्साह व उमंग यूपी के विकास का जज्बा लेकर आगे बढ़ाने में भी बड़ी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। सोमवार को प्रदेश में 1112 कनिष्ठ सहायक व 22 एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। सीएम के हाथों हरदोई की प्रीति, सुल्तानपुर से जनेश्वर द्विवेदी, सीतापुर से अंजू देवी, बाराबंकी से पुनीत कुमार, अयोध्या से काजल दुबे, लखनऊ से मो. रफद खान, लखनऊ से कनक शर्मा, अंबेडकरनगर से नुरुद्दीन, गोरखपुर से अनुराधा मिश्रा, सीतापुर से राहुल कुमार वर्मा, लखनऊ से कोमल रावत, लखनऊ से सौरभ सिंह, बाराबंकी से स्नेहा वर्मा, सीतापुर से शिवशंकर, अयोध्या से प्रियंका वर्मा, लखनऊ से विदित मौर्य, अंबेडकरनगर से सविता, रायबरेली से सोनू लाल तथा एक्सरे टेक्नीशियन सीतापुर से विश्वनाथ श्रीवास्तव, लखनऊ से साक्षी गुप्ता, सीतापुर से मोहनलाल वर्मा, सीतापुर से विपिन कुमार को नियुक्ति पत्र मिला।

सीएम योगी ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दे सकता है। स्वस्थ व्यक्ति ही सशक्त समाज और समर्थ राष्ट्र के निर्माण में भूमिका का निर्वहन कर सकता है। जब व्यक्ति ही स्वस्थ नहीं तो व्यवस्था कैसे स्वस्थ होगी। जब व्यवस्था ही अस्वस्थ हो जाएगी तो उसके सारे पिलर ध्वस्त दिखाई देंगे। सीएम ने नकारात्मकता फैलाने वालों पर तंज कसा। बोले कि कुछ लोगों के पास काम नहीं है। वे केवल स्मार्ट फोन से नकारात्मकता देखते हैं। वे कहीं की फोटो कहीं लगाकर नकारात्मकता भरेंगे और शासन, विभाग और आपकी छवि को खराब करेंगे। उनसे सतर्क रहना होगा। ईमानदारी से कार्य करते हुए बिना भय के बेहतर करने की स्थिति पैदा करनी चाहिए। सीएम ने कहा कि यूपी आगे बढ़ रहा है। इस सीजन में कभी अनेक बीमारियां भय का कारण बनती थीं, लेकिन अब बीमारी समाप्त हो चुकी है। मलेरिया, डेंगू, कालाजार, चिकनगुनिया, इंसेफेलाइटिस से लोग मरते थे। कोई पूछता नहीं था, लेकिन आज बीमारी नियंत्रण में है। यह परिणाम बताते हैं कि कुछ अच्छा किया गया है। आपको कोई सिफारिश व लेनदेन नहीं करना पड़ा, इसलिए आप भी हर जरूरतमंद के प्रति श्रद्धा, सम्मान का भाव रखते हुए बेहतर सेवा करें। भेदभाव कतई नहीं होना चाहिए। 2017 के पहले व्यवस्था में यही घुन लग चुका था, जो उसे खोखला किए जा रहा था, लेकिन पीएम मोदी के विजनरी लीडरशिप में यूपी ने समस्या के समाधान के साथ ही सभी मानकों को प्राप्त किया।

नेपाल में

में धारणा यह है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला होगा और सेंसरशिप की नौबत आ सकती है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने देश में अपंजीकृत सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगाने के अपने सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए रविवार को कहा कि राष्ट्र को कमजोर किए जाने के प्रयास कभी बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। अब तक जो सोशल मीडिया क्रांति के लिए लोगों को एकजुट कर रही थी, अब उसी सोशल मीडिया के लिए नेपाल की सड़कों पर प्रदर्शन हो रहा है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने यह प्रतिबंध इसलिए लगाया क्योंकि ये प्लेटफॉर्म दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्राधिकारियों के साथ पंजीकरण कराने में विफल रहे थे, जिसमें नफरत फैलाने वाले भाषण और फर्जी खबरें फैलाने तथा धोखाधड़ी करने के लिए फर्जी सोशल मीडिया खातों का इस्तेमाल करना शामिल था।

मोदी करेंगे पांच दिवसीय यूपी आईटीएस का शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 'क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर' से दुनिया भर के उद्यमियों, विनिमार्ताओं और व्यापारियों को परिचित कराने वाले वार्षिक आयोजन 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' का तीसरा संस्करण आगामी 25 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट में आयोजित होने जा रहा है। इस भव्य आयोजन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माध्यम से किया जाएगा। तीसरे संस्करण में पार्टनर कंट्री के रूप में रूस की सहभगिता होगी। सोमवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब तक यूपीआईटीएस के दो संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित हो चुके हैं। वर्ष 2023 में हुई शुरूआत ने प्रदेश के निर्यात को नई गति और वैश्विक पहचान दी है। मुख्यमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के 'क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर' को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का बेहतरीन अवसर बताते हुए कहा कि यह आयोजन आईटी/आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन व संस्कृति, ऊर्जा और ओडीओपी जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, आंत्रप्रेन्योर, विनिमार्ताओं और निर्यातकों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि इस वर्ष ट्रेड शो में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पीएम स्वनिधि और पीएम इंटर्नशिप कार्यक्रम पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी लगाई जाए। साथ ही अन्य सभी प्रमुख विभाग भी अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करें, ताकि यह आयोजन प्रदेश की ब्रांडिंग का सशक्त माध्यम बन सके। मुख्यमंत्री ने बायर-सेलर मीट की व्यवस्था तथा इसमें सहयोग के लिए सीएम फेलो की तैनाती करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार के आयोजन में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित उत्तर प्रदेश के उद्यमियों/शिल्पकारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए।

26 सोशल

जेड (16 से 30 साल) के युवा 8 सितंबर को राजधानी काठमांडू की सड़कों पर उतर आए, जिनकी संख्या 12,000 से अधिक बताई जा रही है। इन्होंने संसद में घुसकर जमकर बवाल काटा। कथित तौर पर सेना की फायरिंग में करीब 14 युवाओं की मौत हो गई है। नेपाल का सरकार का यह फैसला पूरी दुनिया के सामने एक आईना रख रहा है कि हम तकनीक का उपयोग कर रहे हैं या उसके जाल में फंसते जा रहे हैं ?

28 आईपीएस

पुलिस महानिदेशक थे। उन्हें अब पुलिस महानिदेशक यातायात एवं सड़क सुरक्षा बनाकर लखनऊ लाया गया है। के. सत्यनारायण, अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा, निदेशालय, उत्तर प्रदेश से पुलिस महानिदेशक, भ्रष्टाचार निवारण संगठन। मीना राजेश पी. राव, पुलिस महानिरीक्षक, एसआईटीसीडी, मुख्यालय, लखनऊ से पुलिस महानिरीक्षक, जीआरपीसी मुख्यालय, लखनऊ भेजा गया है। अनीस अहमद अंसारी को पुलिस उपमहानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी मुख्यालय, लखनऊ भेजा गया है। इसी तरह सुभाष चन्द्र दुबे को पुलिस महानिरीक्षक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा निदेशालय से पुलिस महानिरीक्षक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन लखनऊ भेजा गया है।

अगला उप

(प्रतीकात्मक) मतदान में हिस्सा लिया ताकि मंगलवार को मतदान के बाद उनका एक-एक वोट वैध करार हो ।विपक्षी सांसदों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका वोट बर्बाद न हो, क्योंकि पिछली बार कुछ वोट अवैध घोषित कर दिए गए थे। इस बीच, राजग ने भी चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए अपने सांसदों की बैठक की। सदस्यों ने मॉक मतदान में भी भाग लिया।

गैरकानूनी कृत्यों

भेजी जाए। नदी-नालों के पास निर्माण की अनुमति पर प्रतिबंध सख्ती से लागू किया जाए। प्रतिबंधों का अनुपालन न करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावितों को मानकानुसार त्वरित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए।

भारत ने सिंगापुर को 12-0 से हराया

हॉकी : भारत अपना अगला मैच सुपर चार चरण में पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगा

एजेंसी

हांगझोउ (चीन)। नवनीत कौर और मुमताज खान की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को एशिया कप के पूल बी मैच में सिंगापुर को 12-0 से रौंदा। नवनीत (14वां, 18वां, 28वां मिनट) और मुमताज खान (दूसरा, 32वां और 38वां मिनट) के अलावा, नेहा (11वां मिनट, 38वां मिनट) ने दो जबकि लालरेम्सियामी (13वां मिनट), शर्मिला देवी (45वां मिनट) और रुतुजा पिसल (52वां मिनट) ने भी भारत के लिए गोल दागे। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज भारत ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया था, जबकि गत चैंपियन जापान के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत अपना अगला मैच सुपर चार चरण में पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगा।

विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज सिंगापुर के खिलाफ भारतीय टीम ने दो मिनट के अंदर ही गोल कर शानदार शुरुआत की। मुमताज के सर्कल के कोने से लगाये जोरदार रिवर्स शॉट का सिंगापुर की रक्षापंक्ति के पास कोई जवाब नहीं था। भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर अपना दबदबा कम नहीं होने दिया और आठवें मिनट में टीम ने पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन यह प्रयास जाया हो गया। टीम ने 11वें से 14 वें मिनट के अंदर तीन गोल कर पहले क्वार्टर में ही सिंगापुर को बैकफुट पर धकेल दिया। इसकी शुरुआत नेहा ने रिबाउंड पर गोल कर की। मैच के 13वें मिनट में लालरेम्सियामी के गोल से टीम की बढ़त 3-0 हो गयी। नवनीत ने इसके एक मिनट के बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 4-0 कर दिया। सिंगापुर ने दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम को कुछ समय तक रोके रखा लेकिन नवनीत ने एक और दमदार प्रयास करके 20वें मिनट में स्कोर 5-0 कर दिया। भारत ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर दबाव बनाए रखा और उनमें से तीसरे पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत ने गोलकीपर को चकमा देकर अपनी हैट्रिक पूरी की। उदिता ने इसके तुरंत बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल किया जिससे मध्यांतर तक भारत को 7-0 की शानदार बढ़त मिल गई। लालरेम्सियामी ने 32वें मिनट में मुमताज को एक शानदार पास दिया, जिससे स्कोर 8-0 हो गया। भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले और 38वें मिनट में नेहा ने एक बार फिर गेंद को गोल में डालकर स्कोर 9-0 कर दिया। इसके बाद मुमताज ने मैच में हैट्रिक लगाने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनी। इस क्वार्टर के अंत में भारत को मैच का 12वां पेनल्टी कॉर्नर मिला। नेहा की जोरदार हिट को सिंगापुर के गोलकीपर ने बचा लिया, लेकिन रिबाउंड पर शर्मिला ने गोल कर बढ़त को 11-0 कर दिया। भारत ने मैच के आखिरी क्वार्टर में दबाव बनाए रखा और 53वें मिनट में एक शानदार डिफ्लेक्शन के साथ रुतुजा पिसल ने अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज कराया। सिंगापुर ने सांत्वना गोल के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन भारत के दबदबे के सामने उनकी एक नहीं चली। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग ले रही हैं और दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें सुपर चार चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर चार की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी। एशिया कप विजेता टीमें बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले 2026 महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

वहीं दूसरी ओर भारतीय हॉकी टीम के लिए कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को हटाकर युवा खिलाड़ियों को मौका देने का दांव एशिया कप में सही साबित हुआ जिसके फाइनल में टीम ने दक्षिण कोरिया को 4-1 के बड़े अंतर से हराकर आठ साल बाद इस खिताब जीतने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप का टिकट पक्का किया। यह जीत टीम को भविष्य में और बदलाव कर युवाओं को अधिक मौके देने के लिए प्रेरित करेगी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के तीन खिलाड़ियों, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह और नीलकंठ शर्मा को की जगह मिडफील्डर राजिंदर सिंह और स्ट्राइकर शिलानंद लकड़ा को टीम में शामिल किया गया था। यह कदम एक मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ क्योंकि दोनों युवा खिलाड़ियों ने सिर्फ एक-एक गोल करने के बावजूद हाल ही में खत्म हुए टूर्नामेंट में काफी प्रभावित किया। भारत की कोर टीम में भविष्य में कुछ और बदलाव देखने को मिल सकते हैं। खासकर 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के बाद। अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप और जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारत जूनियर विश्व कप के बाद कुछ होनहार जूनियर खिलाड़ियों को सीनियर स्तर पर आजमा सकता है।

हॉकी इंडिया की चयन समिति के अध्यक्ष आरपी सिंह ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि खराब प्रदर्शन करने वाले कुछ सीनियर खिलाड़ियों को धीरे-धीरे टीम से बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा हमें अपनी टीम बनाते समय उभरते खिलाड़ियों पर भी ध्यान देना होगा। अगर हम एक साथ छह-सात सीनियर खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर देंगे तो यह कारगर नहीं होगा। चयन समिति की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करें कि जो सीनियर खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, उन्हें धीरे-धीरे टीम से बाहर किया जाए। उन्होंने कहा पेरिस ओलंपिक के बाद काफी समय बीत चुका है। हमने यह योजना बहुत पहले ही बना ली थी। अगर हम युवाओं को छोटे टूर्नामेंट में मौका नहीं देंगे, तो हम उन्हें सीधे विश्व कप में नहीं खिला सकते। भारत का अक्टूबर से दिसंबर तक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिसके दौरान दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे के अलावा मलेशिया में सुल्तान अजलान शाह कप में हिस्सा लेना है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन इन टूर्नामेंटों में कुछ जूनियर खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं। एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एशिया कप का खिताब हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम के लिए एक राहत की तरह आया। टीम ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम किया और चौथी बार खिताब जीता। उन्होंने पिछली बार 2017 में ढाका में ट्रॉफी जीती थी।

कार्लोस अल्काराज बने अमेरिकी ओपन चैंपियन

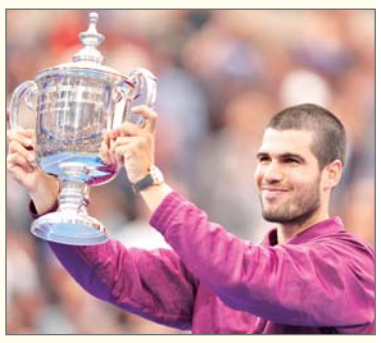

न्यूयॉर्क। कार्लोस अल्काराज ने यानिक सिनर पर अपना दबदबा बरकरार रखते हुए चार सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल का खिताब जीता और विश्व में नंबर एक रैंकिंग भी हासिल की। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अमेरिकी ओपन का फाइनल फ्रेंच ओपन में चैंपियनशिप का फ़ैसला करने वाले उनके मुक़ाबले जितना लंबा, रोमांचक और नाटकीय नहीं था जहां अल्काराज़ चैंपियन बने थे। यह विंबलडन के फाइनल जितना सार्थक और कथानक आधारित भी नहीं था जहां सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार का बदला चुकता किया था।

नंबर एक रैंकिंग भी हासिल की

फिर भी रविवार को दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज़ की नंबर एक सिनर पर 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से जीत वाकई अहम रही। अल्काराज़ ने गत चैंपियन पर अपनी श्रेष्ठता फिर से स्थापित की, एटीपी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और टेनिस प्रशंसकों को उनके अगले मुकाबले का बेसब्री से इंतज़ार करने पर मजबूर कर दिया। यह दोनों खिलाड़ी टेनिस के इतिहास में एक ही सत्र में लगातार तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में एक दूसरे का सामना करने वाले पहले दो पुरुष खिलाड़ी हैं। पुरस्कार समारोह के दौरान अल्काराज़ ने मज़ाक में कहा मैं आपको अपने परिवार से ज़्यादा देख रहा हूं। कोर्ट साझा करना, लॉकर रूम साझा करना, सब कुछ बहुत अच्छा लगता है। उनकी इस बात पर सिनर भी मुस्कुरा उठे। अल्काराज़ ने कहा विंबलडन की हार के बाद ही मैंने अपनी तैयारी शुरू कर दी थी। मैंने उस मैच को देखा और अपने कोच के साथ मिलकर अपनी गलतियों पर काम किया। मुझे खुशी है कि मैं यहां ट्रॉफी जीतने में सफल रहा। दो घंटे 42 मिनट की इस जीत से स्पेन के 22 वर्षीय अल्काराज़ ने इटली के 24 वर्षीय सिनर के खिलाफ अपना रिकॉर्ड भी और बेहतर कर दिया।

इन दोनों के बीच जितने मुकाबले खेले गए हैं उनमें अल्काराज़ का रिकॉर्ड 10-5, ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 6-4 और अमेरिकी ओपन में 2-1 हो गया है। अल्काराज़ का यह छठा ग्रैंड स्लैम खिताब है। सिनर ने कहा, मैं उन्हें पूरा श्रेय देता हूं क्योंकि उन्होंने मेरी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। उन्होंने महत्वपूर्ण अवसरों पर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और जब जरूरत थी तब अंक हासिल किए। मैच की शुरुआत लगभग आधे घंटे देर से हुई।

संक्षेप

साान्या, उन्नति इंडियन स्कवाश टूर2 पीएसए चैलेंजर में जीते

मुंबई। भारतीय वाइल्ड कार्ड धारक सान्या वत्स और उन्नति त्रिपाठी ने सोमवार को यहां पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता इंडियन स्क्वाश टूर 2 के महिला एकल के पहले दौर में अपने से बेहतर रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को हराया। सान्या ने निरुपमा दुबे को 11-7, 11-9, 11-7 से हराया जबकि उन्नति ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अंजलि सेमवाल को 2-11, 11-7, 11-7, 14-12 से शिकस्त दी। तनिष्का जैन और जैनेट विधी ने भी प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

प्राणवी संयुक्त 50वें स्थान पर रही

ह्यूस्टन (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने चौथे दौर में दो ओवर का कार्ड खेलने के बाद यहां ह्यूस्टन चैंपियनशिप में संयुक्त 50वां स्थान हासिल किया। अपने घरेलू टूर पर कई जीत हासिल कर चुकीं प्रणवी के लिए यह एक उतार-चढ़ाव भरा सप्ताह रहा जिसमें उन्होंने 72-69-74 के कार्ड खेले। प्रतियोगिता में शामिल अन्य दो भारतीय खिलाड़ी अवनि प्रशांत और त्वेसा मलिक कट से चूक गईं थीं। प्राणवी आखिरी दौर में एक बर्डी के मुकाबले तीन बोगी (दूसरे, चौथे और 13वें होल पर) कर बैठी। स्पेन की नूरिया इटुरियोज ने अंतिम दौर में चार-अंडर 68 के स्कोर के साथ लेडीज यूरोपियन टूर पर अपना पांचवां खिताब हासिल किया। उन्होंने दो स्ट्रोक से जीत दर्ज की।

तीरंदाजी : भारतीय पुरुष कंपाउंड क्वार्टर फाइनल में हारे

ग्वांगजू। भारत की स्वर्ण पदक विजेता कंपाउंड टीम के सदस्य ज्षभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप के पुरूष कंपाउंड व्यक्तिगत क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। इस हार के मायने हैं कि भारत विश्व चैम्पियनशिप में पुरूष कंपाउंड वर्ग का व्यक्तिगत स्वर्ण बरकरार रखने में नाकाम रहा। ओजस देवताले बर्लिन में 2023 में विश्व चैम्पियन बने थे। इस बार ट्रायल में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण वह भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके। महिला व्यक्तिगत वर्ग के मुकाबले अभी होने हैं। तीनों ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। इससे एक दिन पहले इन तीनों खिलाड़ियों ने देश के लिए पहला टीम स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

सिराज आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नामित

एजेंसी

दुबई। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को सोमवार को इंग्लैंड दौरे के पांचवें और अंतिम टेस्ट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी के अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। सिराज के साथ न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स भी इस सूची में शामिल है। सिराज ने इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला के सभी मैचों को खेला और 23 विकेट चटकाये। जून के अंत में शुरू यह श्रृंखला अगस्त की शुरुआत में खत्म हुई।

सिराज ने पांचों टेस्ट में 185.3 ओवर डाले और अपनी रफ्तार कम किए बिना युवा और कम अनुभव वाले भारतीय टीम को 2-2 से ड्रॉ करने में मदद की। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा मोहम्मद सिराज ने अगस्त में सिर्फ एक मैच खेला, लेकिन उस मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी उन्हें नामांकन दिलाने के लिए काफी थी। इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी श्रृंखला के अंतिम टेस्ट में इस भारतीय तेज गेंदबाज ने 21.11 की औसत से नौ विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने बहुत दृढ़ संकल्प के साथ आक्रमण का नेतृत्व किया। श्रृंखला के शुरुआती चार मैच खेलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 46 से अधिक ओवर डाले। आईसीसी ने कहा उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए और उसके बाद दूसरी पारी में शानदार पांच विकेट लिए। दूसरी पारी में उनके निर्णायक स्पैल ने भारत को जीत दिलाई, जिससे श्रृंखला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस शानदार प्रयास के लिए सिराज को इस मैच का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। न्यूजीलैंड के हेनरी को जिम्बाब्वे में टेस्ट श्रृंखला में जीत के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए नामांकित किया गया है। इस दायें हाथ के गेंदबाज ने इस श्रृंखला में 16 विकेट लिये। हेनरी ने पहले टेस्ट में नौ (39 रन देकर छह विकेट) और (51 रन देकर तीन विकेट) तथा दूसरे टेस्ट में सात विकेट (40 रन देकर पांच और 16 रन देकर दो विकेट) लेकर अपनी टीम को 2-0 से जीत दिलाई।

सील्स के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने 34 साल में पहली पर एकदिवसीय श्रृंखला में पाकिस्तान को शिकस्त दी। सील्स ने तीन मैचों की इस श्रृंखला में 10 विकेट लिये। इसमें आखिरी मैच में उन्होंने 18 रन देकर छह विकेट लिये जिससे पाकिस्तान की टीम 295 रन का पीछा करते हुए महज 92 रन पर सिमट गयी। वहीं दूसरी ओर पूर्व राष्ट्रीय गेंदबाजी कोच भरत अरुण का मानना है कि अर्शदीप सिंह की लय हासिल करने और जसप्रीत बुमराह के बिना आराम किए लगातार खेलने की क्षमता भारत के एशिया कप अभियान के लिए काफी अहम होगा। अरुण ने कहा कि इंग्लैंड में अभ्यास सत्र में काफी गेंदबाजी करने के बावजूद अर्शदीप पिछले कुछ समय से प्रतिस्पर्धी मैचों में गेंदबाजी करने के मामले में पीछे हैं। उन्होंने हालांकि उत्तर क्षेत्र के लिए एक दलीप ट्रॉफी मैच खेला था।

सात्विक-चिराग की जोड़ी करेगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

हांगकांग। विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में कांस्य पदक जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे हांगकांग सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर भारत की चुनौती का नेतृत्व करेगी। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज इस जोड़ी ने पेरिस में शानदार प्रदर्शन के बूते विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। यह जोड़ी मौजूदा सत्र में निरंतरता के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली जोड़ी रही है। वे बीडब्ल्यूएफ टूर पर भारत, मलेशिया, चीन और सिंगापुर सहित कई प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चियु शिआंग चिएह और वांग ची-लिन के खिलाफ करेगी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप में चीन की वांग झी यी को हराकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया था। उनका अभियान हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था। हांगकांग में सिंधू के सामने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टाफरसेन के खिलाफ अपने पहले मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। इस साल के उभरते सितारों में से एक यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू के खिलाफ एक कठिन मुकाबला है।

लखनऊ में पहली बार जिला पिकलबॉल चैम्पियनशिप सम्पन्न

लखनऊ। लखनऊ में पहली बार आयोजित लखनऊ जिला पिकलबॉल चैम्पियनशिप का आयोजन 8 सितम्बर 2025 को उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि अर्जुन पुरस्कार प्राप्त रचना गोविल रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष सुशीन बाजपेयी ने की, जबकि खेल प्रमोटर मनोज बाजपेयी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह आयोजन लखनऊ पिकलबॉल एसोसिएशन द्वारा पिक्ल इनफ, महानगर, लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आनंद किशोर पांडे, आयोजन समिति के सदस्य इजहान अब्बास, आदर्श गर्ग, उद्धव अरोरा एवं सिड बत्रा सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। मिक्स्ड डबल्स विजेता: सना सुरंगना अष्ठाना व अक्षज भगत, उपविजेता: कनु प्रिया खुल्बे व लक्ष्य पाहवा। मेंस डबल्स झ विजेता: प्रतीक त्यागी व यश जिंदल, उपविजेता: इजहान अब्बास व आदर्श गर्ग। मेंस सिंगल्स (35 आयु वर्ग) विजेता: रुत्विक सिंह, उपविजेता: अविरल श्रीवास्तव। मेंस सिंगल्स (35 वर्ष से अधिक) विजेता: प्रतीक त्यागी, उपविजेता : लव खत्री। इस प्रतियोगिता में प्रतीक त्यागी ने दोहरी स्वर्णिम सफलता प्राप्त कर आयोजन का मुख्य आकर्षण बन गए।

प्रतीक त्यागी की दोहरी स्वर्णिम सफलता

दिल्ली के माधव उलटफेर के साथ सेमीफाइनल में

लखनऊ। दिल्ली के माधव गुप्ता, तमिलनाडु के एस.संजीव राज व कर्नाटक के प्रज्जवल ने द्वितीय जूनियर व यूथ नेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में बालक एकल अंडर-17 एसएल 4 के क्वार्टर फाइनल में उम्दा खेल दिखाते हुए सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित कर लिया। गौरव खन्ना एक्सीलिया हाई परफामेंस सेंटर में आयोजित चैंपियनशिप के पहले दिन माधव गुप्ता ने उलटफेर करते हुए शीर्ष वरीय उत्तराखंड के उज्जवल बिष्ट को 21-18, 18-21, 21-9 से हराते हुए सबको चौंका दिया। माधव ने पहला गेम कड़े मुकाबले में 21-18 से जीता। वहीं उज्जवल ने दूसरा गेम 18-21 से जीतकर वापसी की। हालांकि माधव ने निर्णायक गेम में 21-9 से जीत के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। इस वर्ग के अन्य क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु के एस.संजीव राज ने राजस्थान के हर्षित नय्यर को 21-18, 21-9 से मात दी। संजीव ने पहला गेम कुछ मुश्किल से जीता जबकि दूसरे गेम में उनहोंने आसान जीत दर्ज की। वहीं कनार्टक के प्रज्जवल ने दिल्ली के यश कुमार के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद 21-12, 21-18 से जीत दर्ज की। दूसरी और बालिका एकल एसयू 5 के क्वार्टर फाइनल में केरल की साई मंगला हरि अय्यर ने हरियाणा की कोमल को 21-4, 21-11 से शिकस्त दी। इसके अलावा बालक यूथ एसएल 3 एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में हिमाचल प्रदेश के संतोष भारद्वाज ने ओडिशा के बिभासिंदु को 21-10, 21-9 से और केरल के जैरो एसएस ने उत्तराखंड के कुंदन सिंह भंडारी को 15-13, 11-15, 15-14 से हराया। वहीं बालक अंडर-19 एसएल 4 के प्री क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड के उज्जवल बिष्ट ने छत्तीसगढ़ के साहिल को 21-11, 21-14 से शिकस्त दी।

द्वितीय जूनियर व यूथ नेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप

स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में लखनऊ टीम ने जीता गोल्ड

लखनऊ। यूपी स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में लखनऊ के शूटरों ने जलवा कायम रखते हुए 15 पदक हासिल कर अपना परचम लहराया। विगत 7 वर्षों से लगातार लखनऊ की टीम स्वर्ण पदक जीतते आ रही है और इसी क्रम में जयपुर में आयोजित 48वाँ यू० पी० स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में भी लखनऊ की शूटिंग टीम ने स्वर्ण पदक हासिल कर इतिहास रच दिया। यह सभी शूटर अवध राइफल शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ी हैं जो निरंतर अभ्यास व कुशल प्रशिक्षण प्राप्त कर जीत हासिल करते चले आ रहे हैं। लखनऊ की शॉटगन टीम ने ट्रैप स्पर्धा में 99 अंक का स्कोर बनाकर कानपुर की टीम को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं डबल ट्रैप स्पर्धा में लखनऊ की टीम ने रजत एवं कांस्य पदक जीतकर शहर का मान बढ़ाया है। अवध राइफल शूटिंग एकेडमी के संस्थापक विक्रम राय ने बताया कि वह स्वयं भी ट्रैप व डबल ट्रैप के खिलाड़ी हैं और विगत 7 वर्षों से लगातार स्वर्ण व रजत पदक जीतते चले आ रहे हैं। इस वर्ष की प्रतियोगिता में भी लखनऊ की टीम ने स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने बताया कि वह नए खिलाड़ियों को वह स्वयं प्रशिक्षण देते हैं और वही खिलाड़ी पदक जीत कर शहर व संस्था का नाम ऊंचा कर रहे हैं।

- अवध राइफल शूटिंग एकेडमी के खाते में आये झ15 पदक, 4 स्वर्ण, 4 रजत एवं 7 कांस्य पदक
- 7 वर्षों से निरंतर स्वर्ण पदक जीतते आ रही है लखनऊ की ट्रैप व डबल ट्रैप टीम

अवध राइफल शूटिंग एकेडमी के कुशल खिलाड़ी कुनाल सेठ ने झ35/50 में अंक जोड़े, विक्रम राय व विपुल सिंह ने 32-32 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक पर अपना अधिकार बरकरार रखा।

टीम के खिलाड़ी यशराज सिंह, यशार्थ विनोद मिश्रा, रुद्रांश विनायक यादव, गर्वित पांडेय, शहनवाज हुसैन व जमाल असगर राणा ने अन्य टीमों को शिकस्त देते हुए रजत व कांस्य पदक पर जीत हासिल की। इसी क्रम में जूनियर वर्ग में गर्वित पांडेय ने जीता कांस्य पदक व सीनियर मास्टर वर्ग में ओवैस अहमद कुरैशी ने एकल स्पर्धा में 1 स्वर्ण एवं 1 कांस्य पदक जीत कर अवध राइफल शूटिंग एकेडमी का मान बढ़ाया। विक्रम राय ने बताया कि सभी खिलाड़ियों ने जोरदार अभ्यास कर इस प्रतियोगिता में जीत हासिल कर प्रीझ नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है। 48वाँ यू० पी० स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में लखनऊ से कुनाल सेठ, विक्रम राय, विपुल सिंह, जमाल असगर राणा, ओवैस अहमद कुरैशी, बलजीत सिंह, अनुभव कृष्ण गुप्ता, अनुभव अग्रवाल, अजलान असगर, यशराज सिंह, रुद्रांश विनायक यादव, यशार्थ विनोद मिश्रा, गर्वित पांडेय, उमेश कुमार चौधरी, शहनवाज हुसैन आदि ने प्रतिभाग किया।

एशिया कप : भारत करेगा प्रबल दावेदारी की शुरुआत

एजेंसी

दुबई। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम मंगलवार से शुरू होने वाले एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में पाकिस्तान और श्रीलंका की मौजूदगी के बावजूद खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेगी। टूर्नामेंट की शुरुआत अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच अबू धाबी में होने वाले मैच से होगी, लेकिन सभी की निगाहें दुबई पर टिकी होंगी, जहां सितारों से सजी भारतीय टीम बुधवार को अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात पर बड़ी जीत हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

एशिया कप इससे पहले टी-20 विश्व कप के लिए ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करता था लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इसके बावजूद भारतीय टीम एशिया में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारत का एशिया कप में रिकॉर्ड अच्छा रहा है और इस बार तो पूरा शक्ति संतुलन उसके पक्ष में झुका हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में उसे हराना किसी भी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। भारतीय टीम को लेकर आत्मविश्वास इतना अधिक है कि चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक बार भी एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा स्वीकृत 17 सदस्यीय टीम चुनने पर विचार नहीं किया।

इसके बजाय उन्होंने आईसीसी प्रतियोगिताओं की तरह 15 खिलाड़ियों को चुना, भले ही इसका मतलब श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को बाहर रखना हो। नौवीं बार महाद्वीपीय खिताब जीतने से (सात बार वनडे प्रारूप में और वर्ष 2016 में एक बार टी-20 प्रारूप में) न तो सूर्यकुमार को और न ही गंभीर को कोई अतिरिक्त श्रेय मिलेगा। लेकिन ट्रॉफी से कम कुछ भी आलोचनाओं को आमंत्रित करेगा, क्योंकि साढ़े चार महीने बाद भारत और श्रीलंका टी-20 विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेंगे। सूर्यकुमार की टीम विश्व कप से पहले लगभग 20 मैच खेलेगी जिसमें एशिया कप का फाइनल भी शामिल है। भारत इन मैच से विश्व कप के लिए सही संयोजन तैयार करना चाहेगा। भारत इस प्रारूप में इतना मजबूत है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर की तीन टीम उतार सकता है। सूर्यकुमार अब तक शानदार कप्तान रहे हैं और उनका जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है।

कमांडो ने किया सिक्किम में ऊंचाई पर सैन्य अभ्यास

युद्धाभ्यास से सेनाओं के बीच बढ़ता है तालमेल, विशेष युद्ध कौशल में आता है निखार

कोलकाता। भारतीय थलसेना की पैरा स्पेशल फोर्स और नौसेना के मरीन कमांडो मार्कोस ने सिक्किम में 17,000 फुट की ऊंचाई पर सर्द वातावरण में एक सप्ताह तक संयुक्त स्कूबा और लड़ाकू गोताखोरी अभ्यास किया। एक रक्षा अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के अभ्यास से सेनाओं के बीच तालमेल में वृद्धि होती है, विशेष युद्ध कौशल में निखार आता है तथा यह सुनिश्चित होता है कि भारत की सेनाएं हिमालय से लेकर समुद्र तक विविध भूभागों में मिशन के लिए तैयार रहें।

अधिकारी ने कहा कि बेहद ऊंचाई वाले क्षेत्र में प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने ओपन सर्किट एयर डाइविंग, क्लोज सर्किट प्योर ऑक्सीजन डाइविंग, सर्द पानी की स्थिति में 17 मीटर की गहराई तक गोता लगाया तथा कॉम्बैट नाइट डाइविंग की। उन्होंने कहा कि बेहद ऊंचाई वाले वातावरण ने असाधारण चुनौतियां पैदा कीं, अभियानगत तैयारियों को मजबूत किया और लड़ाकू गोताखोरी क्षमता की सीमाओं का विस्तार किया। अधिकारी ने बयान में कहा कि 30 अगस्त से पांच सितंबर के बीच दुर्गम इलाकों और सर्द पानी के बीच आयोजित इस अभ्यास में भारतीय सेना के विशेष बल और भारतीय नौसेना के विशिष्ट समुद्री कमांडो के असाधारण पेशेवर रवैये, अनुकूलनशीलता और साहस का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने जोर दिया कि इस तरह का प्रशिक्षण जवानों को भविष्य के युद्धक्षेत्रों के संबंध में तैयार करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बेहद ऊंचाई वाले हालात, बर्फीले पानी में सटीक कार्य करना और संयुक्त अभियानों में लड़ाकू गोताखोरी को एकीकृत करना लचीलापन और बहुमुखी प्रतिभा को मजबूत करता है। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए टीम कमांडर ने कहा कि इन चरम परिस्थितियों में प्रशिक्षण से जवानों की सहनशक्ति, कौशल और मानसिक शक्ति के हर पहलू का परीक्षण होता है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करता है कि जब भी आवश्यकता हो, हमारी टीम किसी भी वातावरण में प्रभावी ढंग से काम कर सकें, चाहे वह कितना भी कठिन या चुनौतीपूर्ण क्यों न हो।

15 को सशस्त्र बलों के संयुक्त कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 सितंबर को कोलकाता में सशस्त्र बलों के तीन-दिवसीय संयुक्त कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एक रक्षा अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 15 से 17 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में सुधार, परिवर्तन और अभियानगत तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय सुधारों का वर्ष - भविष्य के लिए परिवर्तन है। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। बयान में कहा गया, सम्मेलन का फोकस संस्थागत सुधारों, गहन एकीकरण और तकनीकी आधुनिकीकरण के प्रति सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही बहु-क्षेत्रीय अभियानगत तैयारी के उच्च स्तर को बनाए रखना है। सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह सहित अन्य शामिल होंगे। यह सम्मेलन सशस्त्र बलों का शीर्ष विचार-मंथन मंच है, जो देश के नागरिक और सैन्य नेतृत्व को वैचारिक और रणनीतिक स्तरों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ लाता है। यह सम्मेलन पिछली बार 2023 में भोपाल में आयोजित किया गया था। बयान में कहा गया कि विचार-विमर्श का उद्देश्य सशस्त्र बलों को और मज़बूत करना होगा, जो लगातार जटिल होते भू-रणनीतिक परिदृश्य में चुस्त और निर्णायक हैं। सम्मेलन में समावेशी जुड़ाव की परंपरा को जारी रखते हुए सशस्त्र बलों के विभिन्न रैंकों के अधिकारियों और कर्मियों के साथ संवादात्मक सत्र होंगे। इससे यह सुनिश्चित होगा कि क्षेत्र-स्तरीय दृष्टिकोण उच्चतम स्तर पर चर्चाओं को समृद्ध करें।

संक्षेप

बांग्लादेश पुलिस ने किया आलोचक को गिरफ्तार

ढाका/नयी दिल्ली। बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसने 1971 के मुक्ति संग्राम के सेनानी और पूर्व नौकरशाह अबू आलम शाहिद खान को गिरफ्तार कर लिया है, जो मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के प्रमुख आलोचक रहे हैं। यह गिरफ्तारी शेख हसीना को अपदस्थ किए जाने के बाद से असहमति जताने वालों को हिरासत में लिए जाने का एक और मामला है। पुलिस ने एक बयान में कहा, उन्हें (खान को) शाहबाग थाने में दर्ज एक मामले में ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की खुफिया शाखा द्वारा गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, पुलिस ने आरोपों का उल्लेख नहीं किया और न ही गिरफ्तारी का समय एवं स्थान बताया। बयान में कहा गया कि इसी अभियान में पांच अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि वे अचानक किए जाने वाले विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। इस तरह के प्रदर्शन अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं द्वारा अकसर आयोजित किए जाते हैं। पुलिस ने बताया कि इन लोगों को तोड़फोड़ की कोशिश करने और सार्वजनिक व्यवस्था में खलल डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश सरकार के सेवानिवृत्त सचिव खान हाल के महीनों में सोशल मीडिया पर अंतरिम सरकार की आलोचना करते रहे हैं।

भारत व यूरोपीय संघ से एफटीए पर वार्ता का 13वां दौर शुरू

नयी दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सोमवार को अगले दौर की वार्ता शुरू की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एफटीए के इस साल के अंत तक पूरा करने की समयसीमा को देखते हुए 13वें दौर की वार्ता काफी अहम मानी जा रही है। बातचीत का 12वां दौर ब्रसेल्स में हुआ था।

अधिकारी ने कहा कि इस दौर की वार्ता पूरी होने के बाद यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मैरोस सेफ्कोविच 12 सितंबर को भारत आएंगे और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत में प्रगति की समीक्षा करेंगे। भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ ने जून, 2022 में व्यापक एफटीए, निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतक (जीआई) पर बातचीत आठ साल के अंतराल के बाद दोबारा शुरू की थी। एफटीए पर वार्ता 2013 में बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण रुक गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस साल 28 फरवरी को इस बात पर सहमति जताई थी कि वर्ष 2025 के अंत तक व्यापार समझौता पूरा कर लिया जाएगा।

जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को मिले

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को उद्योग जगत से जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से घरेलू उत्पादों की मांग बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत होगी। गोयल ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती और सरलीकरण से घरेलू मांग बढ़ेगी।

छोटे और बड़े उद्यमों को ज्यादा अवसर मिलेंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, आय बढ़ेगी, जिससे खर्च बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि इससे देश को आगे ले जाने के लिए वृद्धि का एक अच्छा चक्र बनेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने यहां ईईपीसी इंडिया के एक कार्यक्रम में कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने से नहीं रोक पाएगी। उन्होंने समतामूलक आर्थिक लाभ के महत्व पर जोर दिया और कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भारत एक संयुक्त परिवार की तरह काम करेगा और सभी क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करेगा, तो स्वाभाविक रूप से समावेशी विकास होगा। गोयल ने भरोसा जताया कि देश टिकाऊ और समावेशी विकास के लिए दुनिया भर में आदर्श बन सकता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और सरलीकरण के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया है। गोयल ने कहा कि जब आर्थिक प्रणाली के मजबूत आधार पर बुनियादी ढांचे का खर्च बढ़ेगा और उपभोक्ता मांग में तेजी आएगी, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को विश्व शक्ति बनने से नहीं रोक सकती।

अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट या सेशन कोर्ट जाने पर निर्णय करेगा सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह इस बात की पड़ताल करेगा कि अग्रिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय जाने का विकल्प पक्षकार चुनेगा या वादियों के लिए पहले सत्र न्यायालय जाना अनिवार्य होगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केरल उच्च न्यायालय की उस परिपाटी का संज्ञान लिया, जिसमें वादी द्वारा सत्र अदालत का रुख किए बिना ही अग्रिम जमानत की अर्जियों पर सीधे विचार किया जाता है।

पीठ ने सवाल किया, एक मुद्दा जो हमें परेशान कर रहा है, यह है कि केरल उच्च न्यायालय में यह एक परिपाटी बन गई नजर आ रही है कि उच्च न्यायालय वादी के सत्र अदालत का रुख किये बिना ही अग्रिम जमानत की अर्जियों पर सीधे विचार कर लेता है। ऐसा क्यों है? शीर्ष अदालत ने कहा कि पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 में इस संबंध में एक प्रक्रिया का उल्लेख है। बीएनएसएस की धारा 482 गिरफ्तारी की आशंका वाले व्यक्ति को जमानत देने के निर्देश से संबंधित है। पीठ ने कहा कि ऐसा किसी अन्य राज्य में नहीं होता। केवल केरल उच्च न्यायालय में ही हमने देखा है कि नियमित रूप से (अग्रिम जमानत के लिए) अर्जियों पर सीधे विचार किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी दो व्यक्तियों द्वारा केरल उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। पीठ ने मामले में कहा कि याचिकाकर्ताओं ने सत्र अदालत में गए बिना ही राहत के लिए सीधे उच्च न्यायालय का रुख किया। यह पाया गया कि उच्च न्यायालय ने आवेदक के सत्र अदालत का रुख किए बिना ही ऐसी अर्जियों पर सीधे विचार कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप उपयुक्त तथ्य रिकॉर्ड में नहीं रखे जा सके, जो सत्र अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकते थे। हम इस पहलू पर विचार करने और यह तय करने के लिए इच्छुक हैं कि क्या उच्च न्यायालय जाने का विकल्प पक्षकार की इच्छा पर निर्भर होगा या यह अनिवार्य होना चाहिए कि आरोपी पहले सत्र अदालत जाए। शीर्ष अदालत ने इस पहलू पर केरल उच्च न्यायालय को उसके रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से नोटिस जारी किया। मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर के लिए मुल्तवी कर दी।

चुनौतियों को अवसर में बदलने की जरूरतः राष्ट्रपति

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत को वैश्विक व्यापार चुनौतियों को नए अवसरों में बदलने के लिए अपनी असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाना चाहिए। मुर्मू ने इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लैटिनम जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात दशक में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्यों में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को अवसरों में बदलने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाएं और उत्पाद भारत की एक बड़ी ताकत हैं। पिछले 10 साल में, भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं, इसको देखते हुए निर्यात में यह वृद्धि और भी प्रभावी लगती है। राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम किया है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण, ईईपीसी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत-इजराइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किये

नयी दिल्ली। भारत और इजराइल ने एक द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, भारत और इजराइल सरकार ने आज नयी दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते बीआईटी पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इजराइली समकक्ष बेजेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए। स्मोट्रिच 8-10 सितंबर के बीच तीन दिन की भारत यात्रा पर आए हैं। वह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल से भी मुलाकात करेंगे। उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय बैठकों के माध्यम से भारत के साथ इजराइल के आर्थिक और वित्तीय संबंधों को मजबूत करना और द्विपक्षीय निवेश संधि और मुक्त व्यापार समझौते सहित कुछ प्रमुख समझौतों के लिए साझा आधार तैयार करना है। बीआईटी से दोनों देशों के निवेशकों को उचित सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। यह मध्यस्थता के जरिये विवाद निपटान के लिए एक स्वतंत्र मंच देगा।

इंटरटेनमेंट...

कमल हासन व रजनीकांत दिखेंगे एक साथ

मुंबई। साउथ के सुपरस्टार कमल हासन और रजनीकांत 46 साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। दुबई में आयोजित नेक्सा सिमा अवॉर्ड्स 2025 के दौरान कमल हासन ने इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह रियूनाइट तो पहले ही हो जाना चाहिए था। कमल हासन ने कहा, हम बहुत पहले एक हो गए थे, लेकिन अलग रहना इसलिए चुना, क्योंकि वे एक बिस्किट बांटकर हमें आधा-आधा देते थे।

हम दोनों को एक-एक पूरा बिस्किट चाहिए था और हमें वो मिल गया और हमने इसे इंजॉय किया। अब हम आधे बिस्किट से संतुष्ट हैं और इसलिए हम साथ आ गए हैं। रजनीकांत के साथ कॉम्पिटिशन पर कमल हासन ने कहा, हमें ऐसे मौके मिलना बहुत बड़ी बात है। हमने बहुत पहले ही तय कर लिया था कि हम ऐसे ही रहेंगे और एक मिसाल कायम करेंगे। वो ऐसे ही रहे हैं और मैं भी ऐसा ही रहा हूं। इसलिए भले ही ये रीयूनियन बिजनेस-वाइस हैरानी भरा हो, लेकिन हमें उतनी हैरानी नहीं हुई। बस इस बात की खुशी है कि जो बहुत पहले होना चाहिए था, वो अब हो रहा है। फिलहाल कमल हासन ने फिल्म के बारे में तो कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन पिछले दिनों ओटीटीप्ले की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कमल हासन और रजनीकांत के बीच एक नई एक्शन फिल्म को लेकर बातचीत चल रही है। अगर सबकुछ सही रहा, तो तमिल सिनेमा के ये दो बड़े सितारे करीब 46 साल बाद फिर साथ नजर आएंगे। लोकेश कनगराज की यह आने वाली फिल्म राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले बनेगी। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इससे पहले दोनों 1979 में आई फिल्म र अलाउद्दीनम अलभुथा विलक्कम में एक साथ दिखाई दिए थे।

पावर कट कर रोकी गयी अरिजीत सिंह की परफॉर्मेंस

मुंबई। पॉपुलर सिंगर अरिजीत सिंह का हाल ही में लंदन में एक कॉन्सर्ट हुआ था। हालांकि ये कॉन्सर्ट बीच में ही खत्म कर दिया गया। रिपोर्ट्स की मानें तो मैनेजमेंट ने बीच कॉन्सर्ट में ही पावर कट कर दिया, जिसके बाद अरिजीत सिंह को परफॉर्मेंस पूरी किए बिना ही अचानक मंच से उतरना पड़ा। इसके ठीक बाद

लंदन कॉन्सर्ट में मैनेजमेंट का स्ट्रिक्ट एक्शन, गाना अधूरा छोड़ अचानक मंच से उतरना पड़ा

कॉन्सर्ट में जमा हुई भीड़ को भी बाहर कर दिया गया। हाल ही में लंदन में हुए कॉन्सर्ट से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सिंगर ब्लॉकबस्टर फिल्म सैयारा का टाइटल ट्रैक गाते नजर आए हैं। भीड़ उनके गाने का लुत्फ उठा ही रही थी कि मैनेजमेंट ने अचानक मंच की बिजली बंद कर कॉन्सर्ट रोक दिया। वीडियो के साथ ही दावा किया जा रहा है कि लंदन में ध्वनि प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए रात साढ़े 10 बजे कर्फ्यू टाइम होता है। तय समय के बाद लंदन में सार्वजनिक रूप से गाने पर प्रतिबंध है।

दबंग डायरेक्टर ने सलमान को कहा गुंडा

सलमान खान के साथ दबंग और रणबीर कपूर के साथ बेशरम जैसी फिल्में डायरेक्ट कर चुके अभिनव कश्यप ने हाल ही में सलमान खान को गुंडा कहा है। अभिनव ने सलमान ही नहीं बल्कि उनके परिवार के लिए भी कई तरह की बातें की हैं। हाल ही में द स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में दबंग डायरेक्टर अभिनव कश्यप ने कहा, ₹सलमान कभी भी शामिल नहीं होता। उसे एक्टिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है, और पिछले 25 सालों से नहीं है। वह सिर्फ एहसान करता है काम पर आकर। उसे एक्टिंग से ज्यादा सेलिब्रिटी होने की ताकत पसंद है, लेकिन उसे एक्टिंग में दिलचस्पी नहीं है। वह एक गुंडा है। मुझे यह बात दबंग से पहले नहीं पता थी।

फिल्मफेयर : रेड कार्पेट पर छाया सितारों का जलवा

मुंबई। फिल्म सरजमीन से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले इब्राहिम इली खान ने रविवार को फैशन डिजाइनर अमित अग्रवाल के फैशन शो में बतौर शोस्टॉपर रैंप वॉक की। ब्लैक आउटफिट में इब्राहिम का लुक चर्चा में है। इसके अलावा कई बॉलीवुड हस्तियों ने रविवार को आयोजित फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड 2025 में चार चांद लगाए हैं।

बॉलीवुड की चमक-धमक और फैशन का सबसे बड़ा उत्सव माना जाने वाला फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड्स 2025 इस बार भी पूरी शान और रौनक के साथ आयोजित किया गया। मुंबई के भव्य होटल में हुए इस समारोह में फिल्म जगत की तमाम हस्तियों ने शिरकत की और अपने ग्लैमरस लुक से फैन्स का दिल जीत लिया। इस मौके पर तमन्ना भाटिया, रेखा भाटिया और अनन्या पांडे समेत कई सेलेब्रिटीज रेड कार्पेट पर नजर आए, जिन्होंने अपने फैशन और स्टाइल से सबका ध्यान खींचा। रेखा जी हमेशा की तरह अपने ट्रेडिशनल और शालीन अंदाज में पहुंचीं। गोल्डन बॉर्डर वाली कांजीवरम साड़ी, जड़े हुए गहनों और गजरे से सजे बालों के साथ उन्होंने अपने सदाबहार अंदाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरी ओर, तमन्ना भाटिया ने अपने ग्लैमरस अंदाज से रेड कार्पेट पर चार चांद लगा दिए। सिल्वर शेड की शिमरी ड्रेस में तमन्ना का स्टाइल बेहद आकर्षक रहा। उनकी ड्रेस और मिनिमल ज्वेलरी का कॉम्बिनेशन काफी सराहा गया। तमन्ना ने इस शाम को और खास बना दिया जब उन्हें अवॉर्ड मिला।

तमन्ना भाटिया, रेखा, अनन्या पांडे समेत कई सेलेब्स ने की फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड में शिरकत

इस सम्मान के बाद उन्होंने कहा कि फैशन और स्टाइल सिर्फ बाहरी खूबसूरती नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को दिखाने का जरिया है। अनन्या पांडे का लुक भी इस अवॉर्ड शो का बड़ा आकर्षण रहा। उन्होंने डिजाइनर क्रेशा बजाज का तैयार किया हुआ शैम्पेन-गोल्ड कलर का कट-आउट गाउन पहना, जिसे प्रियंका कपाड़िया ने स्टाइल किया था। डायमंड चोकर और स्लीक हेयरस्टाइल के साथ अनन्या का अंदाज बेहद ग्लैमरस नजर आया। हालांकि, उनके लुक को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई।

आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com